मासिक पत्रिका | जून 2026

PRGI NO. RJHIN/26/A2336

# सम्यक् करेंट अफेयर्स

(जैव प्रौद्योगिकी + फ्लेगशिप योजना विशेषांक)

## ▶ अंतरराष्ट्रीय ▶ राष्ट्रीय ▶ राजस्थान

वर्ष 01, अंक 02, जून 2026, मूल्य 100/- प्रति, वार्षिक शुल्क 1000/-, पृष्ठ संख्या 164

**Samyak**
An Institute For Civil Services

सम्यक् मार्गदर्शन
सर्वश्रेष्ठ परिणाम

# RAS

PRELIMS | PRE CUM MAINS
PRELIMS GOLD | FOUNDATION

3 दिवसीय नि:शुल्क कक्षा के साथ

# बैच प्रारम्भ

ऑफलाइन व LIVE FROM CLASSROOM

SEPARATE BATCHES FOR
ENGLISH MEDIUM | हिंदी माध्यम

## COURSE FEATURES

- विषय विशेषज्ञों द्वारा क्लासेज
- लाइव एवं रिकॉर्डेड क्लासेज
- पर्सनल मेंटरशिप
- प्रिंटेड बुकलेट्स
- टेस्ट सीरीज
- ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कोर्स नि:शुल्क

DOWNLOAD THE APP NOW

Samyak
An Institute For Civil Services

GET IT ON Google Play
Download on the App Store

NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR 9875170111

# -:: अनुक्रमणिका ::-


| अध्याय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| मासिक सारांश | 5 |
| राजस्थान परिदृश्य | 13 |
| राष्ट्रीय परिदृश्य | 39 |
| अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य | 54 |
| आर्थिक परिदृश्य | 62 |
| विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | 67 |
| खेल परिदृश्य | 75 |
| पुरस्कार एवं सम्मान | 80 |
| निर्वाचन एवं नियुक्ति | 86 |
| चर्चित व्यक्तित्व | 87 |
| सम्मेलन/बैठक/मेला/ महोत्सव/प्रदर्शनी | 89 |
| अभियान/युद्धाभ्यास | 94 |
| महत्वपूर्ण दिवस | 95 |
| **विशेष लेख** : जैव प्रौद्योगिकी | 97 |
| **विशेष :** फ्लेगशिप योजनाएं | 107 |
| राजस्थानी भाषा एवं लोक साहित्य | 122 |
| RAS Pre 2024 - Solved Paper | 143 |
| करेंट अफेयर्स- जून 2026 अंक वस्तुनिष्ठ टेस्ट | 162 |


**स्वत्वाधिकारी सम्यक एड्यूटेक,**

**प्रकाशक एवं सम्पादक वैष्णवी भारद्वाज द्वारा SP-21, गंगाराम नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राजस्थान)-302018 से प्रकाशित एवं महारानी प्रिन्टर्स, प्लॉट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर, राजस्थान-302012 से मुद्रित।**

**(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर, राजस्थान होगा।)**

**Gmail id - currentaffairs@samyakias.com**

**मो. 9460480423 | इस अंक का मूल्य : 100 | वार्षिक सदस्यता शुल्क : 1000**

इस अंक मे प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए संपादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। इस पत्रिका मे प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापति किए गए हैं। यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया है तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक, उससे किसी व्यक्ति विशेष को पहुंची क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

# संपादकीय

**!! माँ शारदे के चरणों में सादर नमन !!**

**"तुम" केवल तुम स्वयं ही जिम्मेदार हो तुम्हारी सफलता के लिए'**

जब भी हम सफलता के बारे में विचार करते हैं कि आखिर सफलता कैसे प्राप्त होती है, तो मन में विचार आता है कि सफलता के लिए पर्याप्त संसाधन, बेहतरीन परिस्थितियाँ, अनुकूल वातावरण, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और सही मार्गदर्शन होना आवश्यक होता है। निस्संदेह यह सभी कारक सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन जो कारक सबसे अहम और अपरिहार्य भूमिका निभाता है, वह "तुम" स्वयं हो। तुम स्वयं ही जिम्मेदार हो सफलता के लिए और विफलता के लिए भी।

स्वप्न तुम्हारा, विचार तुम्हारे, परिकल्पना तुम्हारी, जरूरत तुम्हारी, महत्वाकांक्षा तुम्हारी, प्रतिष्ठा तुम्हारी, इज्जत तुम्हारी, बेइज्जती तुम्हारी, सफलता तुम्हारी और विफलता तुम्हारी तो..... सफलता की जिम्मेदारी भी तुम्हारी ही होगी। कोई अन्य इस जिम्मेदारी को क्यों लेगा, यह भी सोचिए।

जब विवेकानंद युवाओं को प्रेरित करते हुए उद्घोष करते हैं कि **"उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको"**, तो वह आपको जागरूक करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की जिम्मेदारी लेने के लिए संकल्पित करवाना चाहते हैं। जब तुम यह स्वीकार कर लो कि सफलता प्राप्ति की जिम्मेदारी तुम्हारी स्वयं की है, तो कुछ आधारभूत तैयारी और विशेष गुणों को अपनाकर क्रियान्वित करने की आवश्यकता होगी उनमें कुछ निम्न प्रकार हैं:-

**1. स्पष्ट लक्ष्य बनाएँ (Clear Vision):-** तुम किस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करना चाहते हो? तुम्हारे उद्देश्य क्या हैं? इच्छा क्या है? इन सब प्रश्नों के आधार पर व्यावहारिक और सकारात्मक दिशा में स्पष्ट लक्ष्य बनाएँ। लक्ष्य के संबंध में कोई संदेह नहीं रहे। कहते हैं *"बिना पते का लिफाफा कहीं भी नहीं पहुँचता।"* अतः आप पूरा होमवर्क विचार मंथन करके अपनी सामर्थ्य, परिस्थिति और आवश्यकता के आधार पर स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें।

**2. आत्म-अनुशासन (Self-Discipline):-** यह वह नींव या आधार है जिस पर जिम्मेदारी का ढांचा तैयार होता है। इसका अर्थ है अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना, भले ही वह कितना भी कठिन, दुष्कर या मुश्किल हो। नियमित दिनचर्या, अध्ययन और अभ्यास कार्यक्रम का पालन करने के साथ ही इसमें अपनी ऊर्जा, संसाधन और समय को लक्ष्य की दिशा में केंद्रित करना शामिल है। जब तुम सफलता की दिशा में आगे बढ़ोगे तो काफी भटकाव आएँगे, काफी विचलन होगा, उस समय आत्म-अनुशासन ही सबसे बड़ी शक्ति साबित होगा।

**3. निरंतर सीखना और अनुकूलन करना (Continuous Learning and Adaptation):-** लक्ष्य की दिशा में सीखने की प्रक्रिया को निरंतर जारी रखना और उसके साथ अनुकूलित करने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। लगातार सीखते रहो और उसे जीवन में अपनाते रहो।

**4. समस्या समाधान का नजरिया रखें (Problem Solving Attitude):-** लक्ष्य की दिशा में अनेक कठिनाइयाँ आती हैं, काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, कई असफलताएँ भी आती हैं। इन स्थितियों में तुम्हारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि इनका सामना करें, आपदा को अवसर में बदलें, सकारात्मक रहते हुए समस्या समाधान के रास्ते खोजें, मन में इस धारणा पर अडिग रहें कि हर समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है।

**5. स्वयं पर विश्वास रखें और दृढ़ रहें (Self-Belief & Perseverance):-** स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि *"समस्त शक्तियाँ आपके अन्दर हैं, असीमित शक्तियों और अनंत ऊर्जा के पुंज हो तुम।"* इस पर विश्वास बनाए रखते हुए अपने लक्ष्य की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ें। जब तुमने सफल होने का निश्चय कर लिया है, तो इसकी जिम्मेदारी लेते हुए पूर्ण विश्वास, लगन, मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ें। जिम्मेदारी को अपना कर्तव्य समझें। कर्तव्य पालन ही धर्म है- **"धर्मो रक्षति रक्षितः"** जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।

**सम्पादक**

# मासिक सारांश

| | |
|---|---|
| ■ संयुक्त अरब अमीरात की ओपेक और व्यापक ओपेक+ गठबंधन से बाहर निकलने की घोषणा कब से प्रभावी हुई है? | 1 मई, 2026 |
| ■ वर्तमान में भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार कार्यक्रम में भाग लेने वाला एकमात्र देश कौनसा है? | संयुक्त अरब अमीरात |
| ■ हाल ही में किसके द्वारा विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2026 जारी की गयी है? | इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (IOM) द्वारा |
| ■ भारत द्वारा किस देश के सहयोग से "INNOVIT India" नामक नवाचार केंद्र की स्थापना की जायेगी? | इटली |
| ■ अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि सभा द्वारा 'स्पेशल 301 रिपोर्ट' में कितने देशों को प्राथमिकता वाली निगरानी सूची में शामिल किया गया है? | छह देशों को (भारत,चीन, रूस, इंडोनेशिया, चिली और वेनेजुएला) |
| ■ TIME100 Philanthropy2026 सूची में स्थान बनाने वाले भारतीय व्यक्तित्व है | शिव नाडर, सुधीर और समीर मेहता |
| ■ इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस का 26वां सदस्य कौनसा देश बनेगा? | सऊदी अरब |
| ■ हाल ही में कौनसे देश का शेयर बाजार दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है? | ताइवान |
| ■ ब्रिटिश कोलंबिया की फेरी सेवा बीसी फेरीज में पूर्ण दाढ़ी के साथ कार्य करने वाले पहले सिख मरीन इंजीनियर बनने वाला व्यक्ति कौन है? | करमबीर सिंह कंग |
| ■ दक्षिण कोरिया के जोग्येसा मंदिर में पहली बार किस ह्यूमनॉइड रोबोट को बौद्ध भिक्षु के तौर पर पेश किया गया? | गाबी रोबोट को |
| ■ हाल ही में भारत के कितने राज्यों में विधानसभाओं के आम चुनाव हुए है? | पाँच (असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल) |
| ■ तमिलनाडु विधानसभा के आम चुनावों में सर्वाधिक सीटों पर विजय प्राप्त करने वाली राजनीतिक पार्टी कौनसी है? | तमिलागा वेत्री कझगम |
| ■ हाल ही में देश में विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड किसने बनाया है? | सुनेत्रा अजीत पवार (बारामती सीट) |
| ■ 1 मई, 2026 को भारतीय मानक ब्यूरो ने विकलांग व्यक्तियों और वृद्धजनों के लिए सहायक उत्पादों हेतु कितने नए मानक प्रकाशित किये है? | छह मानक |
| ■ पद्म डोरी पहल में कौनसी दो विशिष्ट वस्त्र शैलियों का मिश्रण है? | एरी रेशम और चंदेरी बुनाई |
| ■ भारत की पहली मल्टीलेन फ्री फ्लो (MLFF) बाधा रहित (बैरियरलेस) टोलिंग प्रणाली किस टोल प्लाजा पर शुरू हुई है? | चोरायासी टोल प्लाजा (गुजरात) |
| ■ हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने को 'सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम' (सीबीएस) का शुभारंभ किस तिथि को किया? | 2 मई, 2026 |
| ■ सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 में कितने न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि का उल्लेख है? | चार न्यायाधीशों की |
| ■ हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने कहां पर अत्याधुनिक जहाज मर_म्मत केंद्र के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है? | वडीनार, गुजरात में |
| ■ हाल ही में किसके द्वारा "भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली" पर रिपोर्ट जारी की गयी है? | नीति आयोग |
| ■ हाल ही में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहां से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास योजना के चतुर्थ चरण का शुभारंभ किया? | भेरूंदा, सीहोर जिला (मध्यप्रदेश) |
| ■ हाल ही में सोमनाथ मंदिर के पुनर्स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किस तिथि को सोमनाथ अमृत महोत्सव आयोजित किया गया? | 11 मई, 2026 |
| ■ हाल ही में भारत की पहली एकीकृत कार्बन कैप्चर, यूटिलाइज़ेशन और स्टोरेज (सीसीयूएस) फील्ड प्रयोगशाला सुविधा का उद्घाटन कहां किया गया है? | आईआईटी बॉम्बे में |
| ■ हाल ही में भारत सरकार द्वारा लाँच सेहत मिशन किसकी साझेदारी से प्राम्भ किया गया है? | ICARऔर ICMR |
| ■ केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देश के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता एवं भावनात्मक एकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए युवा संगम के कौनसे चरण का शुभारंभ किया है? | छठे चरण का |

| | |
|---|---|
| ■ भारत सरकार ने किस अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष के साथ "कंट्री स्ट्रैटेजिक अपॉर्चुनिटीज़ प्रोग्राम" शुरू किया है? | वर्ष 20262033 अवधि के लिए |
| ■ केंद्र सरकार कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं की प्रोत्साहन योजना के लिए कितनी राशि का परिव्यय करेगी? | 37,500 करोड़ रुपये |
| ■ देश के किस राज्य को पहली 'पेपरलेस राज्य न्यायपालिका' घोषित किया गया है? | सिक्किम |
| ■ हाल ही में पुनर्गठित प्राक्कलन समिति का अध्यक्ष किसे बनाया गया है? | डॉ. संजय जायसवाल (भाजपा) |
| ■ हाल ही में भारत सरकार ने 'HighLevel Committee on Demographic Change' का गठन किसकी अध्यक्षता में किया है? | न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) |
| ■ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने किस अनुच्छेद में सार्वजनिक स्थानों पर शारीरिक हमले या कुत्ते के काटने के भय से मुक्त होकर घूमने के अधिकार को शामिल किया है? | अनुच्छेद 21 |
| ■ हाल ही में कौनसे राज्य की सरकार ने 1 जून, 2026 से सभी सरकारी विभागों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदना अनिवार्य किया है? | ओडिशा राज्य सरकार नें |
| ■ भारत की पहली भूतापीय ऊर्जा परियोजना कहाँ स्थापित होगी? | पुगा घाटी, लद्दाख |
| ■ भारतीय रेलवे ने किस रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने को मंजूरी दी है? | जींद सोनीपत रूट, हरियाणा |
| ■ हाल ही में किस राज्य को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया है? | सिक्किम को |
| ■ देश में पहली बार एआइ के लिए अलग मंत्रालयीय पोर्टफोलियो कौनसे राज्यों ने बनाया है? | केरल और तमिलनाडु ने |
| ■ हाल ही में चर्चित रही पुस्तक 'अपनापन' किसके द्वारा लिखी गयी है? | केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा |
| ■ हाल ही में किस राज्य ने गिग वर्कर्स के लिए देश का पहला डिजिटल शिकायत निवारण सिस्टम शुरू किया है? | कर्नाटक ने |
| ■ केंद्रीय कैबिनेट ने किस तिथि को आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 को मंजूरी प्रदान की है? | 5 मई, 2026 को |
| ■ केंद्रीय कैबिनेट द्वारा कपास उत्पादकता मिशन के लिए कितनी राशि स्वीकृत की गयी है? | 5659.22 करोड़ रुपये |
| ■ हाल ही में किस मंत्रालय ने 12 मई, 2026 को 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर के घरेलू बीमा पूल 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल' (बीएमआईपी) को लॉन्च किया है? | वित्त मंत्रालय |
| ■ हाल ही में डीआरडीओ ने हवासेसतह और हवासेहवा में मार करने की क्षमता वाले यूएवी से प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइलवी3 (ULPGMV3) का कहां पर सफल परीक्षण किया है? | डीआरडीओ परीक्षण रेंज, कुरनूल (आंध्र प्रदेश) |
| ■ हाल ही में किस संस्थान ने मेक इन इंडिया पहल के तहत वज्रनेत्र नामक ड्रोन तैयार किया है? | आइआइटीजम्मू |
| ■ इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल 'सरमत' किस देश की मिसाइल है? | रूस |
| ■ किस राज्य ने डीआरडीओ को भारत के स्वदेशी 5वीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम के लिए 600 एकड़ जमीन मुफ्त आवंटित करने का फैसला किया है? | आंध्र प्रदेश |
| ■ हाल ही में किस भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप ने अपना पहला उपग्रह 'मिशन दृष्टि' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है? | गैलेक्सआई |
| ■ नासा द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर किस नाम से स्थायी बेस बनाया जाएगा? | लूनर आउटपोस्ट |
| ■ हाल ही में अमरीकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स ने किसे अंतरिक्ष विज्ञान व एस्ट्रोनॉटिक्स के क्षेत्र में अपना सर्वोच्च सम्मान 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' प्रदान किया है? | चंद्रयान3 मिशन को |
| ■ हाल ही में स्टार्टअप 'रेड बैलून एयरोस्पेस' ने कहां पर देश के पहले सुपरप्रेशर बैलून का सफल ट्रायल किया है? | विजयवाड़ा में |
| ■ हाल ही में कौनसी कम्पनी देश की पहली स्पेसटेक यूनिकॉर्न बनी है? | स्काईरूट एयरोस्पेस |
| ■ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने किस तिथि को अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम2005 के तहत इबोला रोग की स्थिति को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है? | 17 मई, 2026 को |
| ■ हाल ही में किस क्रूज़ जहाज़ पर हंता वायरस का प्रकोप देखा गया है? | एमवी होंडियस क्रूज़ जहाज़ |
| ■ पीकॉक टैरेंटुला को बचाने के लिए किस टाइगर रिजर्व में सर्वे शुरू किया गया है? | नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व में |
| ■ भारत की पहली स्काईकास्ट प्रणाली का उद्घाटन कौनसे हवाई अड्डे पर किया गया है? | इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई, अड्डा नई दिल्ली |
| ■ सीबीआई ने किस नाम से एआई आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है | अभय चैटबॉट |

| | |
|---|---|
| ■ आईआईटी मद्रास ने कहां पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय केंद्र खोला है? | कैलिफोर्निया, अमेरिका |
| ■ 22वें कॉमनवेल्थ टेबिल टेनिस चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी किस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश द्वारा की जायेगी? | दिल्ली एशियाई |
| ■ हाल ही में किसे भारतीय जूनियर हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया है? | फ्रेडरिक सोयेज |
| ■ किस भारतीय धावक ने फेडरेशन कप में 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है? | गुरिंदरवीर सिंह ने |
| ■ हाल ही में किसको व्हिटली अवार्ड से सम्मानित किया गया है | भारतीय संरक्षणवादी बरखा सुब्बा और परवीन शेख को |
| ■ हाल ही में किसको 'द अर्थ पुरस्कार2026' का एशिया विजेता चुना गया है? | विवान छावछारिया, एरियाना अग्रवाल और अव्याना मेहता |
| ■ हाल ही में किस लेखक/लेखिका को अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2026 प्रदान किया गया है? | यांग शुआंगजी को 'ताइवान ट्रैवलॉग' के लिए |
| ■ हाल ही में किसको 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए चुना गया? | मेजर अभिलाषा बराक को |
| ■ हाल ही में किस देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया है? | स्वीडन |
| ■ हाल ही में किसे संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया गया है? | प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को |
| ■ केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने किसे प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया है? | प्रसून जोशी को |
| ■ भारत सरकार ने किसे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है? | शशि शेखर वेम्पति को |
| ■ वर्तमान में किसे नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है? | वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन |
| ■ भारत सरकार ने किसे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त किया है? | लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रामनी को |
| ■ योवेरी मुसेवेनी हाल ही में किस देश के लगातार 7वीं बार राष्ट्रपति चुने गए है? | युगांडा के |
| ■ हाल ही में रणधीर सिंह का निधन हुआ है, यह थे | भारतीय शूटर और एशियाड के पहले गोल्ड मेडलिस्ट |
| ■ 61वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी (ला बिएननेल डि वेनेज़िया)2026 का आयोजन किस शहर में हो रहा है? | वेनिस, इटली |
| ■ किम्बर्ले प्रोसेस अंतरसत्रीय बैठक2026 का आयोजन कहां हुआ है? | मुंबई, भारत |
| ■ सिनबैक्सद्वितीय 2026 द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का आयोजन कहां हुआ है? | कंबोडिया में |
| ■ ऑपरेशन RAGEPILL किसके द्वारा चलाया गया था? | नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा |
| ■ अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस2026 का विषय क्या था ? | "एक स्वस्थ मनोसामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करना"। |
| ■ विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस2026 किस तिथि को आयोजित हुआ था? | प्रतिवर्ष 3 मई को |
| ■ अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 का विषय क्या था? | "वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना" |
| ■ गोडावण दिवस किस तिथि को मनाया जाता है? | प्रतिवर्ष 21 मई |
| ■ सुर्ख़ियों में रहा माउंट डुकोनो ज्वालामुखी किस देश में है? | इंडोनेशिया |
| ■ राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजस्थान विधानसभा के कितने द्वारों/प्रवेश द्वारों का नामकरण किया गया है? | 13 द्वारों का |
| ■ भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित "अष्टम पोषण पखवाड़ा" के तहत राजस्थान ने सर्वाधिक गतिविधियां आयोजित करने में देश में कौनसा स्थान प्राप्त किया है? | प्रथम स्थान |
| ■ हाल ही में राज्य के किस जिले के मोकलावास स्थित गौ संवर्द्धन आश्रम में देश के प्रथम पंचगव्य चिकित्सा पाठ्यक्रम की कक्षाओं का शुभारंभ किया गया है? | जोधपुर जिले |

| | |
|---|---|
| ■ राज्य सरकार ने किस तिथि को ब्रह्मगुप्त पुरस्कार एवं इनोवेशन सेंटर की स्थापना की घोषणा है | 11 मई, 2026 (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस) |
| ■ "सहकारिता क्षेत्र में विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना" के प्रभावी क्रियान्वयन में देश में राज्य कौनसे स्थान पर है? | प्रथम स्थान पर |
| ■ किस जिलें में पहली बार जिगजेग पद्धति से फलदार व छायादार पौधे उगाएंगे जायेंगे? | अजमेर जिले में |
| ■ प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर का कहां उद्घाटन किया गया है? | भिवाड़ी में |
| ■ हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राजस्थान की कितनी हस्तियों को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है? | तीन हस्तियों को |
| ■ प्रदेश की किस को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा ब्रिटेन की संसद के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित होने वाले 10वें अवॉर्ड समिट के लिए विशेष आमंत्रण प्रदान किया गया है? | डॉ. मंजू बाघमार, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री |
| ■ प्रदेश का पहला 'बकरी बैंक' अभियान किस जिले में शुरू किये जाने की घोषणा की गयी है? | जैसलमेर में |
| ■ प्रदेश में कहां पर बकरी के दूध से साबुन और शैंपू बनाने का प्लांट लगाया जाएगा? | सोजत, पाली में |
| ■ नगर निगमजयपुर ने रात्रिकालीन विशेष सफाई अभियान किस नाम से चलाया था? | ऑपरेशन क्लीन स्वीप |
| ■ हाल ही में राजस्थान पुलिस कल्याण निधि बोर्ड की कौनसी बैठक आयोजित की गयी थी? | 26वीं बैठक |
| ■ हाल ही में मुख्यमंत्री ने 25, मई, 2026 (गंगा दशमी) को कहां से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की? | बीसलपुर बांध से |
| ■ उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'नाट्यशास्त्र : पंचम वेद पर एकाग्र' का संपादन किसके द्वारा किया गया है? | डॉ. राजेश कुमार व्यास |
| ■ राजस्थान में बालश्रम, बाल बंधुआ मजदूरी एवं मानव दुर्व्यापार (बाल तस्करी) के खिलाफ राज्यव्यापी एक माह का विशेष अभियान 'उमंगVII' किसके द्वारा चलाया जा रहा है? | राजस्थान पुलिस द्वारा |
| ■ हाल ही में बीसीसीआई सीनियर चयन कमेटी ने अफ़ग़ानिस्तान के विरुद्ध आगामी टेस्ट सीरीज के लिए राज्य के किस खिलाड़ी को भारतीय टेस्ट टीम में चुना है? | मानव सुथार को |

Samyak
An Institute For Civil Services

## सर्वाधिक विश्वसनीय व परिणामोन्मुखी

# TEST SERIES

# RAS 2026

OFFLINE & ONLINE

**21 जून से प्रारम्भ**

**PRELIMS**
21 TEST PAPER

16 TOPICWISE
05 FULL PAPER

TIME: 10:30 AM

**PRELIMS GOLD**

35 TEST PAPER

MAINS 14 TEST
8 AM - 10 AM

PRE 21 TEST
10:30 AM - 1:30 PM

- RPSC पैटर्न पर आधारित
- डिटेल्ड मॉडल ANSWER KEY
- हिंदी और ENGLISH MEDIUM
- PERSONAL MENTORSHIP

H.O: NEAR RIDDHI - SIDDHI, JAIPUR 9875170111

Samyak
An Institute For Civil Services

# निबन्ध प्रतियोगिता

## निबन्ध का विषय-

1. " **भाषाई विविधता :-** भारत की एकता का सूत्र या क्षेत्रीय अस्मिता का संघर्ष?"
2. "**राजस्थान के लोक देवता और भक्ति परंपरा :-** सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक ताने-बाने के रक्षक।"

## निबन्ध प्रतियोगिता के लिए आवश्यक शर्तें और निर्देश-

- निबन्ध लेखन पूरी तरह मौलिक होना चाहिए, नकल या एआई द्वारा जनरेटेड सामग्री मान्य नहीं होगी।
- निर्धारित शब्द सीमा का पालन करें- 600 शब्द (लगभग)
- निबन्ध में व्याकरण, वर्तनी और विराम चिह्नों की शुद्धता पर ध्यान रखें।
- निबन्ध में केवल प्रमाणित और सटीक आंकड़ों या ऐतिहासिक तथ्यों का ही उपयोग करें।
- निबन्ध को निर्धारित अंतिम तिथि और समय से पहले ही जमा करें। (30 जून, 2026)
- निबन्ध केवल निम्न माध्यम से प्रेषित किये जा सकते हैं-

  - samyakcurrentaffairs@samyakias.com

  **Samyak -** An Institute for Civil Services,
  Near Riddhi-Siddhi, Jaipur

- निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट साइज का फोटो, आधिकारिक नाम और पता अवश्य भेजें।

## पुरस्कार-

- प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाने वाले प्रतिभागियों के फोटो को अगले माह की समसमायिकी पत्रिका में स्थान दिया जायेगा और संबंधित माह का अंक उनके निर्धारित पते पर भेजा जायेगा।

## निबन्ध प्रतियोगिता- मई, 2026 (सर्वश्रेष्ठ निबन्ध)

नाम- लोकेश व्यास
पता- खेड़ा ब्रह्माण, डीग-भरतपुर

# "राजस्थान में इको-टूरिज्म- सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आर्थिक उत्थान का सेतु।"

**प्रस्तावना -** "माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः" के वैदिक उद्घोष और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जाम्भोजी के शाश्वत दर्शन- "सिर साठे रूख रहे, तो भी सस्तो जाण" में राजस्थान की वह मूल आत्मा बसती है, जहाँ प्रकृति और संस्कृति एक-दूसरे के पथ चिह्न रहे हैं। दशकों तक राजस्थान का पर्यटन केवल भव्य दुर्गों और राजमहलों के ऐतिहासिक आकर्षण तक सीमित रहा।

परन्तु, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 'पारिस्थितिक पर्यटन' एक ऐसे सशक्त विकल्प के रूप में उभरा है, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का सेतु बन रहा है।

**ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य-** इको-टूरिज्म का मूल सिद्धांत है- 'प्रकृति के समीप, प्रकृति के लिए और स्थानीय समुदाय के साथ यात्रा।' राजस्थान के संदर्भ में यह अवधारणा अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि यहाँ की जैव-विविधता यहाँ की लोक-संस्कृति से गहराई से जुड़ी है।

जब कोई पर्यटक तालछापर (चूरू) या खेजड़ली गाँव जाता है तो वह केवल वन्यजीव नहीं देखता, बल्कि बिश्नोई समाज के उस ऐतिहासिक जीव-दया दर्शन को समझता है, जिसने सदियों से पर्यावरण की रक्षा की है। इसी प्रकार, रणथंभौर, सरिस्का या कुंभलगढ़ के वन क्षेत्रों में जब पर्यटक 'होमस्टे' का विकल्प चुनते हैं, तो वे जनजातियों के पारंपरिक भोजन, उनकी लोक-कलाओं (जैसे- मांडणा, कावड़) और उनके पर्यावरण-अनुकूल जीवन-मूल्यों से सीधे जुड़ते हैं। यह हमारी विलुप्त होती देशज संस्कृति को एक वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है।

**सामाजिक और आर्थिक प्रभाव-** आर्थिक दृष्टिकोण से, इको-टूरिज्म 'समावेशी विकास' का एक उत्कृष्ट मॉडल है। पारंपरिक पर्यटन का अधिकांश आर्थिक लाभ बड़े होटल समूहों या शहरी 'टूर-ऑपरेटरों' तक सीमित रह जाता है। इसके विपरीत, इको-टूरिज्म का सीधा आर्थिक लाभ ग्राम पंचायतों और समाज के हाशिए पर खड़े स्थानीय निवासियों की जेब में जाता है। ग्रामीण अंचलों में युवाओं को 'नेचर गाइड' के रूप में सम्मानजनक रोजगार मिलता है।

इसके अतिरिक्त, महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प (मोलेला का टेराकोटा, मोजड़ी, ब्लू पॉटरी) की सीधी बिक्री होती है और जैविक कृषि को प्रोत्साहन मिलता है। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर होने वाला 'पलायन' रुकता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था स्वतः स्वावलंबी बनती है।

**प्रशासनिक और राजनीतिक पहलू-** एक लोक-कल्याणकारी राज्य के रूप में सरकार ने इस सामरिक महत्व को गहराई से समझा है। इसी दिशा में 'राजस्थान इको टूरिज्म पॉलिसी 2021' लागू की गई है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य वन क्षेत्रों के आस-पास पर्यटन का आधारभूत ढांचा विकसित कर स्थानीय समुदायों को रोजगार से जोड़ना है। राज्य के प्रत्येक जिले में 'लव-कुश वाटिकाओं' का निर्माण, 'रूरल टूरिज्म स्कीम 2022' का क्रियान्वयन और वन सुरक्षा समितियों (VFCCs) को सशक्त बनाना सरकार के दूरदर्शी नीतिगत कदम हैं, जो एक प्रशासक के दृष्टिकोण से अत्यंत सराहनीय और व्यावहारिक हैं।

समस्याएं और चुनौतियाँ- यद्यपि यह मार्ग संभावनाओं से पूर्ण है, तथापि इस पथ पर गंभीर चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। यदि इको-टूरिज्म को अनियंत्रित और विशुद्ध व्यावसायिक रूप दे दिया गया, तो यह उसी पारिस्थितिकी और संस्कृति को नष्ट कर देगा, जिसे यह बचाने का प्रयास कर रहा है। वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में मानवीय हस्तक्षेप, इको-सेंसिटिव जोन (ESZ) में अवैध निर्माण और पर्यटकों द्वारा फैलाया जाने वाला प्लास्टिक कचरा इस संकल्पना के समक्ष सबसे बड़ी प्रशासनिक बाधाएँ हैं।

उपसंहार- एक भावी प्रशासक/उत्कृष्ट नागरिक के रूप में इन चुनौतियों का समाधान अत्यंत आवश्यक है। हमारी प्रथम प्राथमिकता पर्यटन स्थलों की 'धारण क्षमता' (Carrying Capacity) का कड़ाई से आकलन और नियमन करना होना चाहिए। इको-पर्यटन स्थलों को 'प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र' घोषित करने, कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने और प्राप्त राजस्व का एक निश्चित भाग वापस उसी क्षेत्र के संरक्षण में लगाने जैसे अनिवार्य कदम उठाए जाने चाहिए।

निष्कर्षत- राजस्थान में इको-टूरिज्म केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह अपनी जड़ों की ओर लौटने का एक विनम्र प्रयास है। यदि इसे जनभागीदारी और प्रशासनिक संवेदनशीलता के साथ प्रबंधित किया जाए, तो यह निश्चित रूप से राजस्थान के स्वर्णिम भविष्य का वह मजबूत सेतु सिद्ध होगा, जहाँ हमारी सांस्कृतिक जड़ें सुरक्षित रहेंगी और "पधारो म्हारे देश" की सार्थकता निरंतर पल्लवित होती रहेगी...!

Samyak
An Institute For Civil Services

## क्लास 12th के बाद

# IAS & RAS

## ग्रेजुएशन के साथ 2 & 3 वर्षीय कोर्स

### OFFLINE & LIVE FROM CLASSROOM

# बैच प्रारम्भ

**COURSE FEATURES**

- विषय विशेषज्ञों द्वारा क्लासेज
- प्रिंटेड बुकलेट्स
- पर्सनल मेंटरशिप
- टेस्ट सीरीज
- लाइब्रेरी सुविधा

## FREE 03 DAYS DEMO CLASSES

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

**9875170111**

# 1 राजस्थान परिदृश्य

## राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव

### राजस्थान विधानसभा के गौरवमयी 75 वर्ष और लोकतांत्रिक संकल्पों का अमृत काल

राजस्थान जो अपनी राजशाही के वैभव, महलों की नक्काशी और तलवारों की खनक के लिए मशहूर था, ने जब 75 साल पहले लोकतंत्र की चौखट पर कदम रखा तो एक नया इतिहास रचा गया। वर्ष 1952 में जब आम जनता के वोट से चुनी हुई पहली सरकार बनी तब से शुरू हुआ यह सफ़र आज अपने 75वें वर्ष (अमृत काल) के पड़ाव पर है। राजस्थान विधानसभा का यह सफ़र सिर्फ नेताओं की उठापटक नहीं, बल्कि मरुभूमि के आम आदमी के आंसुओं को पोंछने और उसे अधिकार देने की एक बेहद भावुक और सजीव गाथा महसूस होता है।

जयपुर के जनपथ पर शान से खड़ी राजस्थान विधानसभा की इमारत के निर्माण में काम में लिया गया जोधपुर का छितर पत्थर, बंशी पहाड़पुर का गुलाबी सैंडस्टोन और उदयपुर का संगमरमर स्पष्ट करता है कि "**राजस्थान विधानसभा सिर्फ पत्थरों का ढांचा नहीं है, बल्कि राज्य के आखिरी छोर पर बैठे एक-एक व्यक्ति की उम्मीदों का गर्भगृह है।**"

स्वतंत्रता से पहले 19 रियासतों में बंटे इस प्रदेश में लोकतांत्रिक चेतना की पहली किरण वर्ष 1913 में बीकानेर रियासत की 'प्रतिनिधि सभा' के रूप में प्रज्ज्वलित हुई थी, जिसे महाराजा गंगासिंह ने स्थापित किया था। इसके बाद लंबे संघर्षों और सात चरणों के एकीकरण से गुजरकर वर्ष 1952 में राज्य की पहली विधानसभा का गठन हुआ तब सदन में कुल 160 सदस्य हुआ करते थे, जो एक नए राजस्थान के सपनों को अपनी आंखों में संजोए यहाँ एकत्र हुए थे। आज यह सदन 200 सदस्यों के साथ राज्य की आवाज बना हुआ है।

1950 का दशक भी कितना जीवंत रहा होगा, जब बाड़मेर-जैसलमेर के रेतीले धोरों से चुनकर आने वाले विधायक कई-कई दिनों तक ऊंटों और बैलगाड़ियों पर सफर करके जयपुर पहुंचते थे। तब श्री नरोत्तम लाल जोशी ने स्पष्टत: कहा था कि "**इस सदन में आते ही राजा और प्रजा का भेद खत्म हो जाता है, यहाँ सब जनता के सेवक हैं।**" राज्य की राजनीतिक शुचिता का आलम यह था कि कद्दावर नेता श्री जयनारायण व्यास चुनाव हार गए, तो नैतिकता के नाते पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री की कुर्सी श्री टीकाराम पालीवाल को सौंप दी गई।

राजस्थान विधानसभा ने 1950 के दशक से वर्तमान तक के सफर में देश को कई महान राजनेता दिए हैं जिन्होंने न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अमिट छाप छोड़ी है। इस सदन के भीतर विभिन्न मुख्यमंत्रियों के ऐतिहासिक वक्तव्य आज भी लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक स्तंभ हैं। आधुनिक राजस्थान के निर्माता कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया ने विकास और सामाजिक न्याय को जोड़ते हुए सदन में कहा था कि **"सच्चा लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है जब समाज के सबसे पिछड़े व्यक्ति को भी यह अहसास हो कि इस सरकार में उसकी भी उतनी ही हिस्सेदारी है जितनी किसी और की।"** उनकी इसी दूरदर्शिता का परिणाम था कि सदन ने जागीरदारी उन्मूलन और क्रांतिकारी भूमि सुधार कानून पारित किए, जिसने राजस्थान के ग्रामीण परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। इसी तरह, अपनी बेबाकी और शुचिता के लिए प्रसिद्ध पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने सत्ता के विकेंद्रीकरण और अंत्योदय की भावना को रेखांकित किया।

राजस्थान विधानसभा ने केवल पुरुषों की राजनीतिक यात्रा को ही दिशा नहीं दी, बल्कि देश को पहली महिला राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह जैसी सशक्त महिला नेतृत्व देकर यह साबित किया कि मरुधरा की महिलाएं नेतृत्व की कला में किसी से कम नहीं हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने महिला सशक्तिकरण और विकास के अंतर्संबंधों पर बोलते हुए सदन में कहा था कि **"एक शिक्षित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला ही एक सशक्त समाज की नींव रख सकती है, और हमारी नीतियां इसी बदलाव का जरिया बननी चाहिए।"** सदन में दिए गए इन ऐतिहासिक वक्तव्यों ने यह सुनिश्चित किया कि नीतियां केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर बदलाव लाएं। वर्तमान मुख्यमंत्री ने भी इस गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए कहा है कि सदन की इस 75 वर्ष की पूंजी का उपयोग युवाओं, किसानों और महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाएगा।

अपने 75 वर्षों के इतिहास में इस विधानसभा ने कई ऐसे मील के पत्थर स्थापित किए हैं जो पूरे देश के लिए नजीर बन गए। वर्ष 1959 में इसी सदन की वैचारिक सहमति से राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बना जिसने नागौर से पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत की, जिसे पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सबसे बड़ा प्रयोग कहा था। इसके अतिरिक्त, वर्ष 1987 का ऐतिहासिक सती निवारण अधिनियम पारित कर इस सदन ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एक कड़ा संदेश दिया था। हाल के वर्षों में भी इस सदन ने स्वास्थ्य का अधिकार और न्यूनतम आय गारंटी जैसे देश के अग्रणी और प्रगतिशील जनकल्याणकारी कानूनों को पारित कर यह साबित किया है कि यह हमेशा समय की मांग के साथ चलता है। आज यह विधानसभा पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस होने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है, जहाँ तकनीक का उपयोग विधायी कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए किया जा रहा है।

आज राजस्थान विधानसभा का यह अमृत काल केवल अतीत की सफलताओं पर मुस्कुराने का समय नहीं है, बल्कि यह आत्म-अवलोकन और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करने का भी क्षण है.....!

जय हिन्द..!

## राजस्थान विधानसभा के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित होंगे चार मुख्य कार्यक्रम-

- राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान विधानसभा के अमृत महोत्सव (एक वर्ष तक चलने वाले समारोह) के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।
- इसके लिए राजस्थान विधानसभा (स्पीकर) वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (CPA) की राजस्थान शाखा की बैठक में हुई, जिसमें संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई वरिष्ठ विधायक शामिल हुए।
- इस अमृत महोत्सव के दौरान 4 बड़े और मुख्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे तथा इस महोत्सव के सबसे भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने पर भी विशेष विचार-विमर्श किया गया।
- **अमृत महोत्सव के तहत आयोजित मुख्य कार्यक्रम-**

| कार्यक्रम समय | माह | मुख्य आकर्षण और उद्देश्य |
|---|---|---|
| 1. पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों का सम्मेलन | जुलाई 2026 | ▶ राजस्थान की पहली विधानसभा से लेकर वर्तमान 16वीं विधानसभा तक के सभी पूर्व और वर्तमान विधायकों का एक विशाल सम्मेलन होगा।<br>▶ इसमें लोकतंत्र के ऐतिहासिक सफर, महत्वपूर्ण कानूनों, विधायी विरासत और 'डिजिटल विधानसभा' पर समीक्षा व चर्चा की जाएगी।<br>▶ पूर्व अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। |

| | | |
|---|---|---|
| 2. महिला विधायक सम्मेलन | अक्टूबर 2026 | ▶ यह दूसरा बड़ा आयोजन पूरी तरह महिलाओं को समर्पित होगा, जिसमें देश भर की महिला विधायक हिस्सा लेंगी।<br>▶ नीति निर्माण और प्रशासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर मंथन किया जाएगा।<br>▶ पूर्व महिला विधायकों के अनुभव और युवा महिला विधायकों की आकांक्षाओं पर संवाद होगा। |
| 3. युवा संसद कार्यक्रम | जनवरी 2027 | ▶ स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के चयनित छात्र इसमें भाग लेकर विधाई शिष्टाचार सीखेंगे।<br>▶ संविधान जागरूकता प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी इस युवा संसद का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। |
| 4. अखिल भारतीय विधायी सम्मेलन | मार्च 2027 | ▶ यह अमृत महोत्सव का भव्य समापन कार्यक्रम होगा।<br>▶ इसमें देश भर के विधाई नेतृत्व, राज्यों के विधान मंडलों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सचिवों को आमंत्रित किया जाएगा। |

## राजस्थान विधानसभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन

**हाल ही में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजस्थान विधानसभा के नव निर्मित प्रतीक चिन्ह का विमोचन किया।**

**इस उपलक्ष्य में राज्यपाल ने विधानसभा के विभिन्न 13 द्वारों का नामकरण भी किया।**

### प्रतीक चिन्ह

- **यह चिन्ह विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी जी की पहल पर तैयार किया गया है जिसके अभिकल्पक श्री शेर सिंह थे।**
- **यह चिन्ह राजस्थान के जन मानस की सोच का प्रतिनिधित्व करता है।**

### प्रतीक चिन्ह के घटक

1. अशोक स्तंभ- शीर्ष पर सुशोभित, भारतीय राजधर्म, सत्य, न्याय और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक।
2. रोहिड़ा- राजस्थान की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक अस्मिता का प्रतिनिधित्व।
3. खेजड़ी- त्याग, धैर्य और लोकमंगल की परंपरा का प्रतिनिधित्व।
4. ऊँट और गोडावण -मरुधरा की सहनशीलता, संघर्ष और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा का प्रतिनिधित्व।
5. "राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका" वाक्य- राजस्थान विधान सभा द्वारा की जाने वाली जनसेवा और संवैधानिक मर्यादा का आत्म मंत्र व प्रतिनिधित्व।

### 13 द्वारों का नामकरण- विधानसभा भवन के बाहरी द्वारों को राजस्थान के अंचलों के नाम पर समर्पित कर राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता, विरासत और लोकपरंपराओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ा गया है।

1. द्वार संख्या एक- बृज द्वार
2. द्वार संख्या दो- शेखावाटी द्वार
3. द्वार संख्या तीन- वागड़ द्वार
4. द्वार संख्या चार- मेवाड़ द्वार
5. द्वार संख्या पांच- मारवाड़ द्वारा
6. द्वार संख्या छः- हाडौती द्वार
7. द्वार संख्या सात- मेरवाड़ा द्वार
8. द्वार संख्या आठ- ढूंढाड द्वार
9. कर्तव्य द्वार- राज्यपाल, स्पीकर, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष द्वारा उपयोग किए लिए (पूर्व नाम- उत्तरी द्वार)
10. शक्ति द्वार- सार्वजनिक प्रवेश के लिए (पूर्व नाम- दक्षिणी द्वार)
11. सुशासन द्वार- विधायकों के लिए (पूर्व नाम- पश्चिमी द्वार)
12. संकल्प द्वार- अधिकारियों के लिए (पूर्व नाम- पूर्वी द्वार)
13. शौर्य द्वार- विशिष्ट अतिथियों के लिए

## राजस्थान को "अष्टम पोषण पखवाड़ा" में देश में फिर से मिला प्रथम स्थान

- भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित "अष्टम पोषण पखवाड़ा" राजस्थान ने सर्वाधिक गतिविधियां आयोजित कर देश में फिर से प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- राजस्थान ने इसमें 112.33 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- इस अभियान के तहत प्रदेश के 41 जिलों के 62 हजार 139 आंगनबाड़ी केंद्रों पर कुल 45 लाख 37 हजार 229 गतिविधियां संपन्न हुई।
- **अष्टम पोषण पखवाड़ा-**
  - इस अभियान का शुभारंभ 9 अप्रैल को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी द्वारा किया गया जो 09 अप्रैल से 23 अप्रैल, 2026 के मध्य आयोजित किया गया था।
  - इस वर्ष पोषण पखवाड़े की मुख्य थीम "जीवन के प्रथम 06 वर्षों में अधिकतम मस्तिष्क विकास" थी।
- **उद्देश्य-**
  1. देश से कुपोषण को समाप्त करना और 'सुपोषित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना।
  2. पोषण के महत्व को एक सरकारी योजना से बदलकर एक सामाजिक आंदोलन बनाना, जिसमें आम नागरिक की सक्रिय भागीदारी हो।
  3. गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरियों और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य और आहार में सुधार करना।
  4. पोषण सेवाओं की डिलीवरी और निगरानी के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाना।

## रीको भूमि निस्तारण नियम, 1979 में आंशिक संशोधन-

- रीको ने औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत उद्यमियों और कामगारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको भूमि निस्तारण नियम, 1979 के नियम 3 (जी) में का सरलीकरण किया है।
- रीको ने अब औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस चौकी, ईएसआई डिस्पेंसरी, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बाल देखभाल केंद्र (क्रेच) और सरकारी विद्यालयों के लिए भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।
- नए प्रावधान के अनुसार पुलिस चौकी के लिए अधिकतम 1 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटित होगी, जिस पर केवल 10 रुपये का एकमुश्त आर्थिक किराया लिया जाएगा और कोई सेवा शुल्क देय नहीं होगा। इसी प्रकार सर्विस एरिया में सरकारी विद्यालयों के लिए भी भूमि निःशुल्क प्रदान की जाएगी।
- महिला एवं बाल विकास विभाग या स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) के माध्यम से 250 वर्गमीटर या अधिक क्षेत्रफल पर क्रेच स्थापित करने के लिए भी भूमि निःशुल्क दी जाएगी। इस पर भी केवल 10 रुपये का एकमुश्त किराया लिया जाएगा और सेवा शुल्क माफ रहेगा।
- राजस्थान सरकार को कैलिब्रेशन टावर के लिए 500 वर्गमीटर तक तथा उपभोक्ता मामले विभाग को वर्किंग और सेकेंडरी स्टैंडर्ड लैब स्थापित करने के लिए क्रमशः 350 और 660 वर्गमीटर तक भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।
- रीको के इन नए प्रावधानों से औद्योगिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और बाल देखभाल जैसी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे न केवल उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि कामगारों और स्थानीय नागरिकों को भी बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

## राजस्थान विधानसभा परिसर में नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका का सृजन-

- हाल ही में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने 5 मई, 2023 को विधानसभा परिसर में नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका का उद्घाटन किया है।
- ये वाटिकाएं भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, प्राचीन ज्योतिषीय जान, आयुर्वेद चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का सजीव है।
- नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्रों के पौधे है। इस नक्षत्र वाटिका की अव-धारणा भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है जबकि हर्बल वाटिका में 38 औषधीय पौधे है।

## देश के प्रथम पंचगव्य चिकित्सा पाठ्यक्रम का शुभारंभ-

- हाल ही में पशुपालन मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने 4 मई, 2026 को जोधपुर जिले के मोकलावास स्थित गौ संवर्द्धन आश्रम में सोमवार को देश के प्रथम पंचगव्य चिकित्सा पाठ्यक्रम की कक्षाओं का विधिवत रूप से शुभारंभ किया।
- यह पाठ्यक्रम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय,जोधपुर एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्था (विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त रिकॉग्नाइज्ड सेंटर) के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जायेगा।
- इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पंचगव्य के सिद्धांत, औषधि निर्माण, विभिन्न रोगों के उपचार, पंचकर्म पद्धतियाँ, मानव स्वास्थ्य एवं जीवनशैली के साथ-साथ गौ-स्वास्थ्य, गौशाला प्रबंधन तथा गो-उत्पाद आधारित स्वरोजगार का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- यह पहल न केवल पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को सशक्त बल्कि क्षेत्र में शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के नए आयाम भी स्थापित करेगी।

## मदर्स डे पर "जयपुर विमेन फेस्टिवल" के पहले चैप्टर की शुरुआत-

- हाल ही में मदर्स डे (10 मई) के अवसर पर इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आईजीपीआरएस) और निजी फाउंडे_शन के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में "जयपुर विमेन फेस्टिवल" के पहले चैप्टर का आयोजन किया गया।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूकता, संवाद एवं प्रेरणा का मंच प्रदान करना था।

## मुख्यमंत्री ने की ब्रह्मगुप्त पुरस्कार एवं इनोवेशन सेंटर की स्थापना की घोषणा-

- हाल ही में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई) के अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री ने महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री ब्रह्मगुप्त के नाम पर राजस्थान में ब्रह्मगुप्त पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की।
- यह पुरस्कार विज्ञान, गणित, नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को प्रदान किया जाएगा।
- Note- ब्रह्मगुप्त का जन्म 7वीं शताब्दी में जालोर के भीनमाल में हुआ था।

## कक्षा 1 से 12 तक की एकीकृत शिक्षा उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में अव्वल-

- हाल ही में नीति आयोग ने 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया: टेम्पोरल एनालिसिस एंड पॉलिसी रोडमैप फॉर क्वालिटी एन्हांसमेंट' नामक रिपोर्ट जारी की है।
- **रिपोर्ट के निष्कर्ष-**
  - राजस्थान देश का एकमात्र प्रदेश है जहां विद्यार्थियों को सर्वाधिक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा एक ही जगह उपलब्ध हो रही है।
  - वर्ष 2024-25 में देश का 1 से 12वीं तक की एकीकृत शिक्षा उपलब्ध करवाने वाला हर तीसरा विद्यालय राजस्थान में संचालित है।
  - प्रदेश के 27 हजार 889 विद्यालय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा उपलब्ध करवा रहे हैं।
  - राजस्थान में अन्य राज्यों की तुलना में कक्षा 1 से 12वीं तक के एकीकृत विद्यालयों का मजबूत नेटवर्क तैयार हुआ है जिससे शैक्षणिक संकेतकों में अपेक्षित सुधार हुआ हैं।

## डीग जिले को सिंचाई परियोजनाओं की सौगात-

- हाल ही में जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत और गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने 11 मई, 2026 को डीग जिले के ग्राम परमदरा में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।
- यहाँ लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत वाली सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इसमें ककड़ा चैनल (आर.डी. 0 से 8500 मीटर) का जीर्णोद्धार और गुड़गांव कैनाल परियोजना के तहत टेल डिस्ट्रीब्यूटरी व माइनर्स का पुनरुद्धार शामिल है।
- बजट घोषणा के तहत 9 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से डीग डिस्ट्रीब्यूटरी की दिदावली, परमदरा और डीग सब-माइनर के पुनरुद्धार कार्य का शिलान्यास किया गया।
- इन कार्यों से जल रिसाव रुकेगा और 21 गांवों की 4350 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

## "सहकारिता क्षेत्र में विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना" के प्रभावी क्रियान्वयन में राज्य देश में प्रथम स्थान पर-

- 'सहकार से समृद्धि' अभियान के अंतर्गत संचालित "सहकारिता क्षेत्र में विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना" के प्रभावी क्रियान्वयन राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा।
- राज्य में गोदामों का निर्माण संबंधित सहकारी समितियों के माध्यम से कराया जा रहा है।
- सभी गोदामों का निर्माण डब्ल्यूडीआरए के निर्धारित मानकों एवं मापदण्डों के अनुरूप किया जा रहा है।
- राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक गोदाम के लिए 25 लाख रुपये की सब्सिडी प्रदान करती है तथा गोदाम निर्माण हेतु शत-प्रतिशत सब्सिडी उपलब्ध कराने वाला राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है।
- राज्य में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले कुल 250 गोदामों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित है। इसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 100, वर्ष 2025-26 में 100 तथा वर्ष 2026-27 में 50 गोदामों का निर्माण लक्षित है। इससे राज्य में कुल 1.25 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त भण्डारण क्षमता का सृजन होगा।
- **सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना-**
  - योजना अनुमोदन- 31 मई, 2023 को
  - उद्देश्य- देश में अन्न भंडारण क्षमता की कमी को दूर करना।
  - इस योजना में प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों (PACS) के स्तर पर विभिन्न कृषि अवसंरचनाओं का निर्माण शामिल है, जिसमें गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्रसंस्करण इकाइयां, उचित मूल्य की दुकानें आदि शामिल हैं।
  - यह योजना भारत सरकार की विभिन्न मौजूदा स्कीमों, जैसे कृषि अवसंरचना निधि, कृषि विपणन अवसंरचना योजना, कृषि यांत्रिकीकरण पर उप मिशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना आदि के अभिसरण के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है।

## प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष और राजस्थान-

- इस योजन में राजस्थान ने सर्वाधिक सड़क लंबाई (कुल 75,868 किमी) पूरी करने की श्रेणी में देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।
- राजस्थान ने गुणवत्ता तंत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजस्थान और तमिलनाडु को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान मिला है।
- राजस्थान में अब तक 18,131 कार्यों के माध्यम से 75,868 किमी सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है।
- **योजना का तीसरा चरण-**
  - इस चरण के तहत राजस्थान में 912 सुदृढ़ सड़कें (कुल 8,584 किमी) बनाई गईं।
  - केंद्र सरकार ने इस योजना की अवधि को मार्च 2028 तक बढ़ा दिया है।

- **योजना का चौथा चरण (2024-25 से 2028-29)**
  - इस चरण का मुख्य फोकस उन बस्तियों को 'ऑल वेदर' (बारहमासी) सड़कों से जोड़ना है जो अभी तक वंचित थीं (2011 की जनगणना के आधार पर)।
  - इस चरण में जनजातीय क्षेत्र (5वीं अनुसूची), आकांक्षी जिले/ब्लॉक और मरुस्थलीय क्षेत्र विशेष फोकस क्षेत्र है।
  - इस चरण में राजस्थान को 1,216 सड़कें स्वीकृत हुई हैं। इसके लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है।

## वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के विद्युत वितरण निगमों के ऋणभार में 1352 करोड़ की कमी-

- हाल ही में जारी राज्य सरकार के वित्त आकड़ों के अनुसार राजस्थान डिस्कॉम्स का वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपना ऋणभार करीब 1352 करोड़ रूपए कम हुआ है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश के वितरण निगमों पर कुल ऋण भार 97970 करोड़ रूपए था जो वर्ष 2025-26 में घटकर 96618 करोड़ रूपए रह गया है।
- ऋणभार में यह कमी राजस्थान डिस्कॉम्स ने वित्तीय मानकों को कड़ाई से लागू करने, बजट प्रावधानों के अनुरूप खर्चा करने और अनावश्यक खर्चों में कमी करने के कारण आई है।
- अजमेर डिस्कॉम पर जो बकाया ऋण वित्तीय वर्ष 2024 2025 में 26,059 करोड़ रूपए थे वह 2025-26 में घटकर 25,124 करोड़ रूपए तथा जयपुर डिस्कॉम पर बकाया ऋण इसी अवधि में 35,118 करोड़ रूपए से घटकर 34,474 करोड़ रूपए रह गए। वहीं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के ऋण 36,792 से बढ़कर 37019 करोड़ रूपए हो गए हैं।

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में पहली बार एक साथ तीनों डिस्कॉम्स (अजमेर, जयपुर और जोधपुर) ने शत-प्रतिशत राजस्व अर्जित करने में कामयाबी हासिल की।
- जयपुर डिस्कॉम ने 26 साल में पहली बार सर्वाधिक 102 प्रतिशत, अजमेर ने 100.23 प्रतिशत तथा जोधपुर डिस्कॉम ने 100.96 प्रतिशत राजस्व अर्जित किया।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में तीनों निगमों की कुल राजस्व वसूली 77492 करोड़ रूपए से अधिक हुई जो कि बिलिंग राशि 76752 करोड़ रूपए से 740 करोड़ रूपए अधिक है। अर्थात निगमों ने उपभोक्ताओं से पुराने बकाया 740 करोड़ रूपए भी वसूल किए।

## लखवार बांध परियोजना-

- हाल ही में राजस्थान के जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत के द्वारा उत्तराखंड में निर्माणाधीन लखवार बांध परियोजना का निरीक्षण और यमुना जल समझौते की समीक्षा की गयी।
- लखवार बांध परियोजना उत्तराखंड में यमुना नदी पर ताजेवाला हेडवर्क्स के अपस्ट्रीम में स्थित है जो राष्ट्रीय महत्व की योजना है।
- इस परियोजना की कुल जल भंडारण क्षमता 331 मिलियन क्यूबिक मीटर निर्धारित है जिसमें राजस्थान को अपनी हिस्सेदारी के अनुसार लगभग 30.91 मिलियन क्यूबिक मीटर जल प्राप्त होगा।
- इस परियोजना से प्राप्त होने वाला जल मुख्य रूप से राजस्थान के शेखावाटी अंचल (चूरू, सीकर, झुंझुनूं और नीम का थाना) को उपलब्ध कराया जाएगा।
- राज्य सरकार ने यमुना नदी के इस जल को शेखावाटी तक लाने के लिए बजट में 32,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था।
- इस परियोजना के जल घटक पर केंद्र सरकार 90% सहायता उपलब्ध करा रही है जिसके बांध निर्माण घटक के लिए राजस्थान की कुल हिस्सेदारी लगभग 107 करोड़ रुपये है।

## सुर्खियों में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना

- शुभारम्भ- जनवरी, 2026 को
- प्रभावी- मार्च, 2029 तक
- प्रस्तावना- राज्य के मूल निवासी युवाओं को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय संस्थान के माध्यम से ब्याज मुक्त ऋण, मार्जिन मनी, सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट का पुनर्भरण कराये जाने के उद्देश्य से यह योजना प्रारम्भ की गयी।
- उद्देश्य- सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के द्वारा एक लाख युवाओं को स्वरोजगार प्रदान करना है।
- **पात्रता-**
  - 18 से 45 वर्ष तक के युवा
  - कम से कम आठवीं पास
- **प्रावधान-** योजना के अन्तर्गत वित्तीय संस्थानों द्वारा नए उद्यम की स्थापना तथा विस्तार, विविधीकरण एवं आधुनिकीकरण हेतु राजस्थान के निवासी युवाओं को शत-प्रतिशत ब्याज अनुदान निम्न प्रकार उपलब्ध कराया जाता है-
- **8वीं से 12वीं कक्षा पास आवेदक-**
  - सेवा एवं व्यापार क्षेत्र - 3.5 लाख रुपये तक की अधिकतम ऋण सीमा
  - विनिर्माण क्षेत्र- 7.5 लाख रुपये तक की अधिकतम ऋण सीमा
  - उक्त ऋण पर लोन राशि के 10 प्रतिशत अधिकतम 35 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी सहायता।
- **ग्रेजुएट/आई.टी.आई प्रमाण पत्र धारक एवं उससे अधिक योग्यता वाले आवेदक-**
  - सेवा एवं व्यापार क्षेत्र - 5 लाख रुपये तक की अधिकतम ऋण सीमा
  - विनिर्माण क्षेत्र 10 लाख रुपये तक की अधिकतम ऋण सीमा
  - उक्त ऋण पर लोन राशि के 10 प्रतिशत अधिकतम 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी सहायता।

## राज्य में डेयरी विस्तार की परियोजनाओं को प्राप्त हुई केन्द्र सरकार की सहमति-

- हाल ही में केंद्र सरकार ने राज्य के डेयरी क्षेत्र में विस्तार और आर-सीडीएफ के सरस ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने बनाने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की है।
- केंद्र सरकार ने आरसीडीएफ को 1500 करोड रूपये की सहायता उपलब्ध कराने पर सैद्धान्तिक सहमति दी है।
- केंद्र सरकार की जीका (जापान इन्टरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी) परि-योजना के अन्तर्गत 1000 करोड और एनपीडीडी (नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डवलपमेन्ट) परियोजना के अन्तर्गत 500 करोड रूपये की सहायता पर सहमति दी गई है।
- इस राशि से आरसीडीएफ के दुग्ध संकलन, प्रसंस्करण और विपणन में विस्तार होगा तथा आरसीडीएफ में वर्तमान में संकलित हो रहे 45 लाख लीटर प्रतिदिन को बढाकर 65 लाख लीटर प्रतिदिन किया जायेगा।
- **महत्वपूर्ण तथ्य-**
  - राजस्थान वर्तमान में दुग्ध उत्पादन, प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता में देश में दूसरे स्थान पर है।
  - राज्य में प्रतिदिन लगभग 10 करोड किलोग्राम उत्पादित होता है।

## सूरतगढ़ विद्युत गृह की 2x660 मेगावाट क्षमता की इकाईयों का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

- राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सूरतगढ़ तापीय विद्युत गृह की कुल 1320 मेगावाट क्षमता की दो सुपरक्रिटिकल इकाईयों ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 की चतुर्थ तिमाही के दौरान सूरतगढ़ तापीय विद्युत गृह की दोनों सुपरक्रिटिकल इकाईयों से 95.46 प्रतिशत उपलब्धता प्राप्त हुई है।
- सूरतगढ़ तापीय विद्युत गृह की सुपरक्रिटिकल तकनीक पर आधारित 2x660 मेगावाट क्षमता की इकाई 7 एवं 8 से वाणिज्यिक उत्पादन क्रमश: दिनांक 1 दिस्मबर, 2020 एवं 7 अक्टूबर, 2021 को प्रारंभ हुआ था।
- प्रारंभिक अवधि में इन इकाईयों में तकनीकी खामिया थीं मगर सतत सुधारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही (जनवरी 2026 से मार्च 2026) के दौरान दोनों सुपरक्रिटिकल इकाईयों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

## एक जिला एक उत्पाद नीति के तहत पांच जिलों के लिए परियोजनाएं स्वीकृत-

- हाल ही में 13 मई, 2026 मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली पंच गौरव कार्यक्रम से जुड़ी राज्य स्तरीय समिति ने प्रदेश के पांच जिलों में कुल 18.19 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाली परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।
- इन परियोजनाओं की स्वीकृती ओडीओपी उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुकूल बनाने के लिए प्रदान की गयी है।
- **विभिन्न जिलों के उत्पाद और संबंधित प्रावधान-**

1. **दौसा-** दौसा में पत्थर आधारित उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए 3.30 करोड़ रुपये की लागत से टेक्नोलॉजी फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा। इससे स्टोन आधारित उत्पादों में आधुनिक कटिंग, डिजाइन और फिनिशिंग में सुधार होगा।
2. **चूरू-** चूरू में लकड़ी से संबंधित उत्पादों की टेस्टिंग और सीजनिंग के लिए 2.5 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन बीआईएस टेस्टिंग लैब और सीजनिंग सुविधा स्थापित की जाएगी। इससे हस्तशिल्प उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार अनुकूल उत्पाद तैयार हो सकेंगे।
3. **डीडवाना-कुचामन-** डीडवाना-कुचामन में स्टोन प्रोसेसिंग के लिए 5.05 करोड़ रुपये की लागत से सीएनसी मशीन टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा।
4. **फलोदी-** फलोदी में सोनामुखी के लिए 2.35 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन क्लाइमेट-कंट्रोल्ड वेयरहाउसिंग फैसिलिटी स्थापित की जाएगी। इससे सोनामुखी लंबे समय तक खराब नहीं होगी।
5. **बालोतरा-** बालोतरा में वस्त्र उत्पादों में आधुनिक तकनीक से डिजाइन आदि कार्यों के लिए करीब 5 करोड़ रुपये की लागत से टेक्सटाइल डिजिटल प्रिंटिंग कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया जाएगा।

## बीकानेर जिले में अत्याधुनिक एचडीआर ब्रैकीथेरेपी सुविधा का शुभारंभ-

- हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने 14 मई, 2026 को बीकानेर जिले के पी.बी.एम. अस्पताल स्थित आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर उपचार एवं अनुसंधान केंद्र में अत्याधुनिक हाई-डोज रेट ब्रैकीथेरेपी सुविधा का उद्घाटन किया।
- यह अत्याधुनिक मशीन टर्शियरी कैंसर केयर सेंटर योजना के अंतर्गत लगाई गई है जो लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की गयी है।
- इस एचडीआर ब्रैकीथेरेपी यूनिट का उपयोग मुख्य रूप से स्त्री रोग संबंधी कैंसरों में किया जाएगा, जिसमें सर्वाइकल कैंसर के उपचार को "गोल्ड स्टैंडर्ड" माना जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार कैंसर से होने वाली अवरोध संबंधी समस्याओं के उपचार में भी यह उपयोगी सिद्ध होगी।

## बीकानेर जिले में 'करियर काउंसलिंग वैन' का शुभारंभ-

- हाल ही में केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने 14 मई, 2026 को बीकानेर जिले में 'करियर काउंसलिंग वैन' का शुभारंभ किया।
- यह 'करियर काउंसलिंग वैन' निर्विकल्प फाउंडेशन द्वारा बीकाजी के सहयोग से संचालित होगी।
- यह वैन रोजगार के इच्छुक युवाओं को करियर काउंसलिंग प्रदान करेगी।
- बीकाजी के सहयोग से संचालित होने वाली यह वैन श्री शिवरतन अग्रवाल (फन्ना बाबू) को समर्पित की गई है।
- Note- श्री शिवरतन अग्रवाल (फन्ना बाबू)- बीकाजी के सीएमडी थे जिनका हाल ही में चेन्नई में निधन हो गया।

## पीएम सूर्यघर योजना में राजस्थान में 2 लाख से अधिक इंस्टॉलेशन-

- हाल ही में राजस्थान ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राज्य में 2 लाख से अधिक रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर दिए है।
- इस योजना में प्रदेश में 771 मेगावाट क्षमता के संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं और स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों की संख्या 2 लाख 416 हो गई।
- इस योजना के अंतर्गत अप्रेल माह में प्रदेश में 22822 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं जो प्रदेश में अब तक किसी भी माह में लगे सर्वाधिक सौर ऊर्जा संयंत्र हैं।
- इस योजना में जयपुर जिले में सर्वाधिक 41296, श्री गंगानगर में 19135, सीकर में 12104, हनुमानगढ़ में 11530 तथा झुंझुनूं में 10,185 रूफ टॉप सोलर इंस्टॉल किए गये हैं।
- इस योजना में गुजरात (6.61 लाख), महाराष्ट्र (5.69 लाख), उत्तर प्रदेश (5.25 लाख) और केरल (2.39) के बाद राजस्थान 200419 इंस्टॉलेशन के साथ देश में 5वें स्थान पर है।

### पीएम सूर्यघर योजना

**लॉन्च-** फरवरी, 2024 को

**उद्देश्य-** देश के 1 करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर उन्हें मुफ्त बिजली प्रदान करना।

**लक्ष्य-** मार्च 2027 तक 1 करोड़ सोलर इंस्टॉलेशन स्थापित करना

**सब्सिडी और वित्तीय सहायता-**

| औसत मासिक बिजली खपत (यूनिट) | उपयुक्त रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता | मिलने वाली सब्सिडी सहायता |
|---|---|---|
| 0 से 150 यूनिट | 1 से 2 किलोवाट (kW) | ₹30,000/- से ₹60,000/- |
| 150 से 300 यूनिट | 2 से 3 किलोवाट (kW) | ₹60,000/- से ₹78,000/- |
| 300 यूनिट से अधिक | 3 किलोवाट से ऊपर | अधिकतम ₹78,000/- |

- योजना के तहत देश के प्रत्येक जिले में एक **"मॉडल सोलर विलेज"** विकसित करने का प्रावधान है ताकि ग्रामीण समुदायों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

**योजना के दूरगामी प्रभाव और लाभ-**

- घरेलू बचत और अतिरिक्त आय का सृजन
- सौर क्षमता में वृद्धि होगी
- पर्यावरणीय लाभ प्राप्त होंगे।
- अतिरिक्त रोजगार सृजन होगा

## अजमेर जिले में पहली बार जिगजेग पद्धति से उगाएंगे जायेंगे फलदार व छायादार पौधे-

- हाल ही में विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने 14 मई, 2026 को अजमेर जिले में राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में पौधरोपण की अभिनव शुरूआत की है।

- इस महाविद्यालय परिसर में लगभग 250 फीट लंबी एवं 6 फीट चौड़ी पट्टी पर जिगजेग पद्धति से करीब 500 फलदार व छायादार पौधे उगाए जाएंगे।
- **जिग-जैग पद्धति-**
  - यह बागवानी और कृषि में पौधे लगाने की आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक है।
  - इस विधि में पौधों को आमने-सामने सीधी लाइनों में लगाने के बजाय, एक लाइन के दो पौधों के बीच के खाली स्थान के ठीक सामने दूसरी लाइन का पौधा लगाया जाता है।
  - इस पद्धति से लगभग 15% अधिक पौधे लगाए जा सकते हैं, जिससे प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ता है।

## जेएलएन अस्पताल (अजमेर) में शुरू होगी अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी सुविधा-

- हाल ही में अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में चिकित्सा सुविधाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू किये जाने की घोषणा की गयी है।
- इस अस्पताल में रोबोटिक्स सर्जरी को "सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस" के रूप में विकसित किया जाएगा। इस सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत लगभग 9 करोड़ रुपए लागत के रोबोटिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।
- अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लगभग सवा करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर का निर्माण कराया जा चुका है।

## इंटीग्रेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट मॉडल-

- हाल ही में राज्य सरकार ने पहली बार इंटीग्रेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट मॉडल पर काम करना शुरू किया है।
- इस मॉडल के अंतर्गत काम करने की शुरुआत झोटवाड़ा क्षेत्र (जयपुर) से की गयी है, जिस पर 580 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जाएगी।
- **इंटीग्रेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट मॉडल-**
  - यह डवलपमेंट मॉडल अलग-अलग विभाग द्वारा अलग-अलग काम करने के दृष्टिकोण को समाप्त कर परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल नेटवर्क और सामाजिक बुनियादी ढांचे को एक साथ, एक ही योजना के तहत विकसित करने का आधुनिक मॉडल है।

## राजस्थान को डिजिलॉकर एकीकरण की असाधारण पहलों के लिए सम्मानित किया गया-

- हाल ही में 11 मई, 2026 को आयोजित 'राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला' के दौरान डिजिलॉकर एकीकरण की असाधारण पहलों के लिए राजस्थान सहित पांच राज्यों को सम्मानित किया गया।
- इस कार्यशाला में सम्मानित होने वाले अन्य चार राज्य गुजरात, कर्नाटक, केरलम और नागालैंड थे।
- राजस्थान राज्य ने 7.5 करोड़ से अधिक नागरिकों को लाभ पहुंचाते हुए डिलीलॉकर के साथ पारिवारिक रजिस्टर 'जन आधार' को लागू किया है।

## भिवाड़ी में प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर का उद्घाटन-

- हाल ही में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा 15 मई, 2026 को वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर का उद्घाटन किया गया।
- यह सेमीकंडक्टर क्लस्टर 'इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, सालारपुर, खुशखेड़ा, भिवाड़ी में स्थापित हुआ है।
- इस क्लस्टर को 50.3 एकड़ ज़मीन पर ₹46.09 करोड़ की परियोजना लागत से विकसित किया गया है इसके लिए भारत सरकार ने ईएमसी योजना के तहत ₹20.24 करोड़ की प्रत्यक्ष सहायता प्रदान की है।
- यह मैसर्स ईएलसीआईएनए इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर प्राइवेट लिमिटेड (एसपीवी) एवं 20 कंपनियों द्वारा विकसित ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर है जो देश की पहली एसएमई सेमीकंडक्टर फैसिलिटी भी है।
- यहाँ मेमोरी चिप्स, माइक्रो एसडी कार्ड, फ्लैश स्टोरेज डिवाइस, ई-सिम, आरएफआईडी उत्पाद और एलईडी ड्राइवर आईसी का निर्माण व पैकेजिंग होगी।
- इस ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में अब तक 1,200 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जबकि 11 कंपनियां करीब 900 करोड़ रुपए के निवेश के साथ उत्पादन शुरू कर चुकी हैं।
- इसकी वार्षिक पैकेजिंग क्षमता वर्तमान में लगभग 6 करोड़ सेमीकंडक्टर यूनिट्स है, जिसे अगले 2-3 वर्षों में बढ़ाकर 40 करोड़ से 60 करोड़ यूनिट्स तक करने की योजना है। इस क्लस्टर से करीब राज्य में लगभग 2700 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

### राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026

- यह नीति प्रदेश को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक पहचान प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी|
- नीति के तहत सेमीकंडक्टर अनुसंधान, डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण एवं पैकेजिंग जैसे सभी चरण शामिल है|
- इस नीति में प्रोजेक्ट्स को 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, स्टाम्प शुल्क व भू-रूपान्तरण शुल्क में 75 प्रतिशत छूट एवं 25 प्रतिशत का पुनर्भरण का प्रावधान किया गया है|
- नीति में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत पूंजी सब्सिडी का 60 % अनुदान एवं पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए टर्म लोन पर 5 % ब्याज अनुदान का प्रावधान किया गया है|

## केंद्र सरकार की SASCI पहल के तहत राज्य को 11 हजार करोड़ रुपए तक की ब्याज मुक्त सहायता-

- राजस्थान को केंद्र सरकार की "स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (SASCI) 2026-27" के तहत 11 हजार करोड़ रुपए की ब्याज मुक्त सहायता राशि प्राप्त होगी।
- इस सहायता राशि का उपयोग राज्य में 5 करोड़ रुपए अथवा उससे अधिक लागत वाली पूंजीगत परियोजनाओं एवं आधारभूत विकास कार्यों के लिए किया जा सकेगा। इसके माध्यम से राज्य में आधारभूत संरचना निर्माण, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार एवं भविष्य की उत्पादक क्षमता का विस्तार होगा।

### स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट पहल

- यह पहल केंद्र सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के दौरान राज्यों की अर्थव्यवस्था को गति देने और पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गयी थी|
- इस पहल के अंतर्गत राज्यों को पूंजीगत निवेश परियोजनाओं के लिए 50 वर्ष की ब्याज मुक्त ऋण सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- इस योजना का उद्देश्य राज्यों में पूंजीगत व्यय बढ़ाने, आर्थिक विकास को गति देने तथा आधारभूत संरचना को मजबूत करना है।

## भिवाड़ी के कहरानी में स्थापित किया जाएगा कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट -

- भिवाड़ी के कहरानी में राजस्थान सरकार के सहयोग से कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) स्थापित किया जाएगा।
- इस प्लांट की स्थापना के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति द्वारा 75 करोड़ रुपये के अनुदान की स्वीकृति प्रदान की गयी है।
- यह 6 एमएलडी क्षमता का प्लांट कहरानी ग्रीन ट्रीटर्स एसोसिएशन द्वारा स्थापित किया जाएगा तथा कहरानी, बांदापुर, पाथरेड़ी, चौपंकी औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित 400 से अधिक सदस्य इकाईयों को इसका लाभ मिलेगा।
- प्लांट में सदस्य इकाइयों द्वारा निष्कासित अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप उपचार होगा जिससे आसपास की औद्योगिक इकाइयों में जल प्रदूषण की समस्या का समाधान होगा।

## राज्य के किसानों को मिलेगा दलहनी एवं तिलहनी फसलों का अनुदानित बीज-

- हाल ही में नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-तिलहन एवं दलहन के अंतर्गत 135 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गयी है।
- इसके तहत राज्य में 70 हजार फसल प्रदर्शनों का आयोजन किया जाएगा तथा 2 लाख 60 हजार किसानों को दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अनुदानित एवं प्रमाणित बीज निःशुल्क या अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

## नीति आयोग की रिपोर्ट में राज्य की दो शैक्षणिक पहल 'गुड स्टेट प्रैक्टिसेज' के रूप चिह्नित-

- हाल ही में नीति आयोग द्वारा "स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया- टेम्पोरल एनालिसिस एण्ड पालिसी रौडमेप फॉर क्वालिटी इन्हेंसमेंट" रिपोर्ट जारी की गयी है
- इस रिपोर्ट में राज्य की दो शैक्षणिक पहलों को 'गुड स्टेट प्रैक्टिसेज' के रूप चिह्नित किया गया है।
- **यह दो शैक्षणिक पहल निम्न है-**
  1. **शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान-** नीति आयोग ने शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान में राजस्थान द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, फिटनेस एवं स्वास्थ्य निगरानी के लिए विकसित तकनीक आधारित मॉडल की सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 75 लाख से अधिक विद्यार्थियों की 70 से अधिक स्वास्थ्य मानकों पर स्क्रीनिंग की गई।
  2. **मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के एआई आधारित मूल्यांकन प्रणाली**- नीति आयोग ने रिपोर्ट में मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के ओसीआर तकनीक व एआई आधारित मूल्यांकन प्रणाली की भी सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार इस मूल्यांकन प्रणाली के जरिए 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को "लर्निंग पॉवर्टी" से बाहर निकालने में मदद मिली तथा अधिगम स्तर में 8-10 प्रतिशत वार्षिक सुधार दर्ज हुआ।

## ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म मॉड्यूल-

- हाल ही में राजस्थान पुलिस ने साइबर ठगी के कारण अनजाने में फ्रीज होने वाले बैंक खातों से आमजन को राहत देने के लिए जीआरएम मॉड्यूल के सन्दर्भ में जानकारी प्रदान की।
- **जीआरएम (GRM - Grievance Redressal Mechanism)-**
  - यह भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वार विकसित किया गया है।
  - इसके माध्यम से साइबर जांच के दौरान संदिग्ध ट्रांजेक्शन के कारण जिन निर्दोष लोगों के बैंक खाते फ्रीज, लियन या होल्ड हो जाते हैं, उन्हें ऑनलाइन राहत प्रदान की जायेगी।
- **जीआरएम प्रक्रिया के चरण-**
  1. खाताधारक अपनी बैंक शाखा में जाकर खाता अनफ्रीज करने का आवेदन प्रस्तुत करेगा।
  2. बैंक केवाईसी और ट्रांजेक्शन का वेरिफिकेशन कर जीआरएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करेगा।
  3. एक ग्रीवेंस आईडी जनरेट कर मामला संबंधित थाना पुलिस को भेजा जायेगा।
  4. संबंधित जांच अधिकारी ट्रांजेक्शन ट्रेल और फ्रॉड की जांच करने के बाद खातें के सन्दर्भ में राहत प्रदान कर सकता है।

- **जवाबदेहिता**- इसमें पारदर्शिता के लिए पुलिस और बैंक दोनों में तीन स्तरीय अधिकारी नियुक्त किए गए हैं-

| स्तर | पुलिस विभाग | बैंक प्रबंधन |
|---|---|---|
| राज्य स्तर | डीआईजी | नेशनल नोडल ऑफिसर/स्टेट ग्रीवेंस ऑफिसर |
| जिला स्तर | अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/ डीएसपी | - |
| थाना/शाखा स्तर | जांच अधिकारी | ब्रांच ग्रीवेंस ऑफिसर |

## वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत 56 हजार वरिष्ठजनों को मिलेगा लाभ-

- वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत वर्ष 2026 में 50 हजार वरिष्ठजनों को रेल एवं 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से निःशुल्क तीर्थ यात्रा का लाभ प्रदान किया जाएगा।

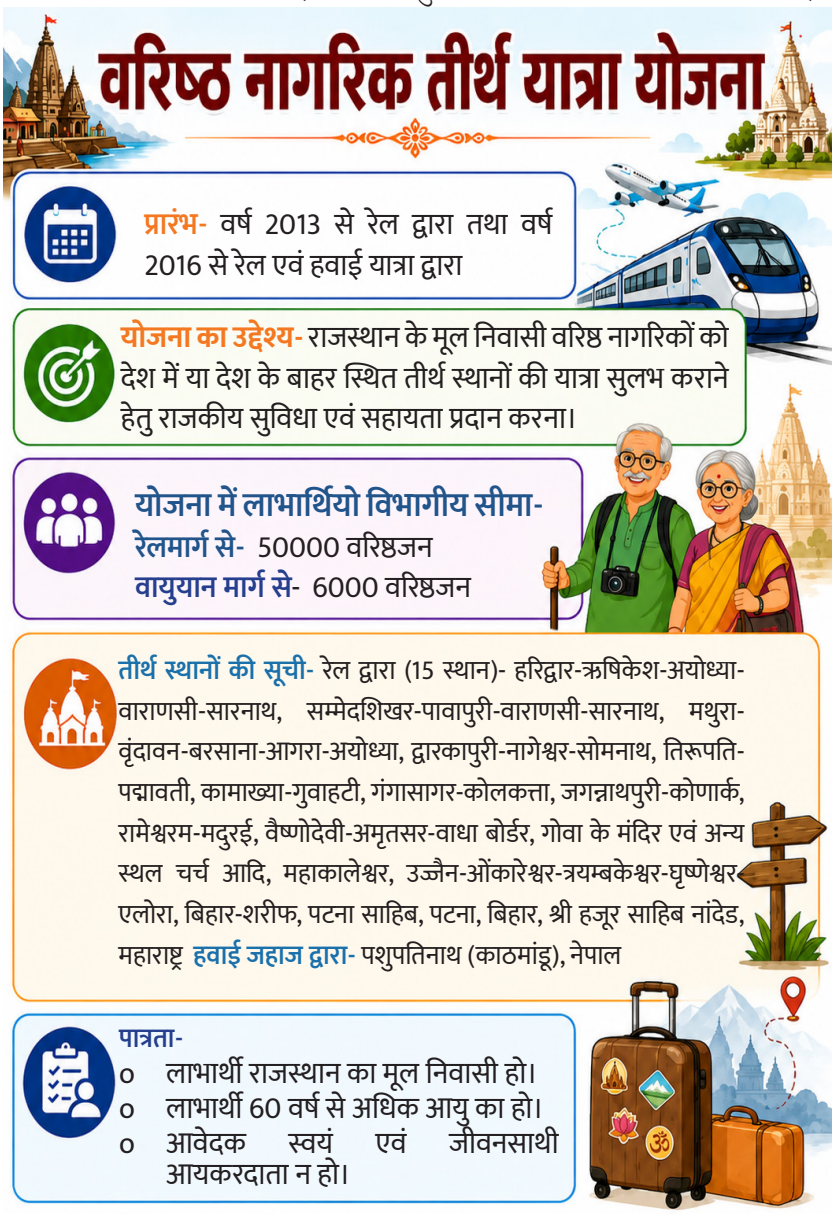


## राजस्थान के पीएमश्री विद्यालय-राहोली को राष्ट्रीय पुरस्कार-

- हाल ही में प्रदेश के पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय-राहोली को 'स्कूल चैलेंज टीओएफईआई राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।
- यह स्कूल इस सम्मान को प्राप्त करने वाला राज्य का एकमात्र राजकीय विद्यालय है।
- इस स्कूल को यह पुरस्कार नशा मुक्त विद्यालय अभियान के सफल क्रियान्वयन, विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, सकारात्मक विद्यालयी वातावरण के निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन एवं नवाचारपूर्ण गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए प्रदान किया गया।

## राजस्थान को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में विश्व स्तर पर मिला प्रथम पुरस्कार-

- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा वर्ष 2026 के 'वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड' के तहत राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया है।
- राजस्थान को यह प्रतिष्ठित सम्मान डब्ल्यूएचओ द्वारा दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में वर्ष 2025-26 में तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर दिया गया है।
- वर्तमान में राज्य में ब्लॉक स्तर तक 500 से अधिक तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।
- डब्ल्यूएचओ द्वारा विश्वभर के देशों को 6 रीजन्स यथा अफ्रीकन रीजन, रीजन आफ अमेरिकाज, ईस्टर्न मेडिटेरेनियन रीजन, यूरोपियन रीजन, साउथ एशिया रीजन एवं वेस्टर्न पेसिफिक रीजन में विभाजित कर यह अवार्ड दिया जाता है।

## राज्य में पीएमएवाई (शहरी)-2.0 के तहत नए आवासों को राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनीटरिंग कमेटी की मंजूरी-

- हाल ही में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 20 मई, 2026 को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 हेतु गठित राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनीटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई।
- इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में 5024 नए आवासों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की गई है।
- इस प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत राज्य में प्रत्येक लाभार्थी को स्वयं का पक्का आवास निर्माण के लिये 2.50 लाख रूपये की अनुदान राशि प्रदान की जायेगी।
- इस अनुदान राशि में केन्द्र सरकार की ओर से 1 लाख 50 और राज्य सरकार की ओर से 1 लाख रूपये प्रदान किये जाते है।

## एक जिला एक उत्पाद नीति में संशोधन-

- हाल ही में राज्य सरकार ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक जिला एक उत्पाद नीति (ओडीओपी)-2024 में दो महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं।
- **संशोधन-**

**1. ओडीओपी उत्पाद से जुड़े उद्यमों को विस्तार पर भी अनुदानस्वरूप मार्जिन मनी-**

- इस संशोधन से विस्तार करने वाली सूक्ष्म इकाइयों को 20 लाख रुपये और लघु श्रेणी इकाइयों को 15 लाख रुपये तक का मार्जिन मनी अनुदान दिया जायेगा।
- इसके लिए 15 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजट का भी प्रावधान किया गया है।
- पूर्व में केवल नई इकाइयों को ही यह लाभ मिलता था।

**2. निजी संस्थानों के माध्यम से टैक्निकल अपग्रेडेशन-**

- इस संशोधन से निजी संस्थानों के माध्यम से भी तकनीकी अपग्रेडेशन कर सकेंगे तथा इसके लिए 5 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा।
- पूर्व में यह लाभ केवल राजकीय संस्थानों के माध्यम से तकनीक अपग्रेडेशन करने पर ही दिया जाता था।

## वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि में वृद्धि को मंजूरी-

- हाल ही में राज्य सरकार ने 21 मई, 2026 को राज्य के पूर्णकालिक वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए सम्मान राशि को 15 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रति माह करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
- राजस्थान वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना (संशोधन) नियम-2026 के अनुसार-
  - पूर्णकालिक अधिस्वीकृत पत्रकार हो।
  - दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार पत्र, स्वतंत्र पत्रकार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसी में कम से कम 20 वर्षों तक सेवायोजन कार्य किया हो।
  - जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक हो।

  वे प्रतिमाह 18 हजार रुपये सम्मान राशि के पात्र होंगे।
- राज्य सरकार कई अधिसूचना के अनुसार वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के तहत लाभार्थी दिवगंत पत्रकार की पत्नी को भी सम्मान राशि 7 हजार 500 रुपये से बढाकर 9 हजार रुपये कर दी गयी है।
- Note- राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष बजट 2026-27 में अधिस्वीकृत पत्रकारों की सम्मान राशि 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये करने की घोषणा की थी।

## वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम द्वितीय-

- हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 21 मई, 2026 को वाईब्रेंट विलेज की राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग समिति का आयोजन शासन सचिवालय में किया गया।
- वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम द्वितीय के अन्तर्गत सीमा क्षेत्रीय 5 जिलों (जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर एवं फलौदी) के 184 रणनीतिक महत्व के गांवों को 10 विषयगत क्षेत्रों में कार्य किया जाएगा।
- इन गांवों में हर मौसम सडक, 4जी टेलीकाम कनेक्टिविटी, टेलीविजन कनेक्टिविटी, ऑन ग्रिड विद्युतिकरण के क्षेत्र में शत प्रतिशत पूर्ण संतृप्त किया जाएगा।

### वाईब्रेंट विलेज योजना

- यह सीमान्त क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम के पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों का समग्र विकास करने सम्बन्धित केन्द्र की दूसरी बड़ी योजना है।

### मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम

- यह राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा 2025-26 के अनुसार शुरू किया गया कार्यक्रम है। इसके तहत राज्य के 5 सीमावर्ती जिलों के 1206 गांवों के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 150 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का प्रावधान किया गया है

## राजस्थान से चुने जायेंगे राज्यसभा के तीन प्रतिनिधि-

- हाल ही में केन्द्रीय चुनाव आयोग ने राज्य सभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए कार्यक्रम घोषित किया है।
- केन्द्रीय चुनाव आयोग के अनुसार इस बार राजस्थान से तीन राज्यसभा सदस्य चुने जायेंगा।
- वर्तमान में राज्य से राज्यसभा के तीन सदस्य श्री नीरज डांगी, श्री राजेन्द्र गहलोत व श्री रवनीत सिंह का कार्यकाल 21 जून 2026 को समाप्त हो रहा है।

- **केन्द्रीय चुनाव आयोग द्वार जारी चुनाव कार्यक्रम-**
  - अधिसूचना जारी- 1 जून, 2026
  - नामांकन करने की अंतिम तिथि- 8 जून, 2026
  - नामांकनों की जांच- 9 जून, 2026
  - उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि- 11 जून, 2026
  - मतदान की तिथि- 18 जून, 2026
  - मतदान का समय- सुबह 9:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक
  - मतगणना- 18 जून, 2026, शाम 5 बजे से
  - चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तिथि- 20 जून, 2026

## राजस्थान इंडस्ट्रियल डवलपमेंट पॉलिसी अनुमोदित-

- हाल ही में मुख्यमंत्री अध्यक्षता में 22 मई, 2026 को आयोजित मंत्रिमण्डल बैठक में राजस्थान इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट पॉलिसी को अनुमोदित किया गया है।
- इस अनुमोदित पॉलिसी का उद्देश्य प्रदेश को विकसित राजस्थान@2047 विजन के अनुरूप वैश्विक औद्योगिक हब बनाना है।
- लक्ष्य- राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2028-29 तक 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।
- रणनीतिक स्तंभ- यह नीति 4जी (4G) - ग्रीन, गवर्नेंस, ग्रोथ और ग्लोबलाइजेशन पर आधारित है।
- **लक्षित क्षेत्र-**
  - डीएमआईसी कॉरिडोर में नोड आधारित औद्योगिक पार्कों का विकास करना।
  - पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक उत्पादन, अक्षय ऊर्जा और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना।
  - रिसर्च एंड डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर विशेष ध्यान दिया जाना।
  - रीको और नॉन-रीको क्षेत्रों में सीईटीपी की स्थापना तथा नए इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्कों का निर्माण करना।
  - सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर, जी.सी.सी., डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग जैसी नवीन तकनीकों के साथ-साथ पारंपरिक क्षेत्रों (जैसे जेम्स एंड ज्वेलरी, टेक्सटाइल, टूरिज्म, एग्रो प्रोसेसिंग, डेयरी आदि) को प्रोत्साहन देना।

## सूरतगढ़ एवं छबड़ा थर्मल विद्युतगृह में बिना डेमरेज कोल रैक खाली होने का कीर्तिमान स्थापित

- हाल ही में सूरतगढ़ सुपर तापीय परियोजना (1500 मेगावाट क्षमता) एवं छबड़ा सुपर तापीय परियोजना (1000 मेगावाट क्षमता) ने लगातार बिना डेमरेज के कोल रैक को खाली करने का कीर्तिमान स्थापित किया है।
- सूरतगढ़ थर्मल विद्युतगृह में 4 सितम्बर, 2025 से 23 मई, 2026 तक 750 से भी अधिक कोल रैक बिना डेमरेज खाली की गई।
- छबड़ा थर्मल विद्युतगृह में भी 2 नवम्बर, 2025 से 23 मई, 2026 तक 521 कोल रैक बिना डेमरेज खाली की गई है।
- यह कीर्तिमान विद्युतगृहों में कोल हैंडलिंग सिस्टम की मशीनों के बेहतर रखरखाव एवं संचालन सम्भव हो पाया है।
- डेमरेज चार्ज शून्य होने से कोयले की कीमत कम रहती है, जिससे उपभोक्ताओं को सस्ती विद्युत उपलब्धता में सहायता मिलती है।

## सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स-

- हाल ही में केन्द्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉस्ट कमिटीज की संयुक्त बैठक में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूद दुर्लभ खनिजों के भंडार को रेखांकित किया गया है।
- इस कॉम्प्लेक्स के तीन भागों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई), हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स (एचआरईई) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का विशाल भंडार मिला है।
- वर्तमान में इन कॉम्प्लेक्स के तकनीकी मूल्यांकन के लिए तीन कंपनियों को कार्य आवंटित किया जा चुका है।
- **राजस्थान सरकार के प्रयास-**
  - सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के प्रभावी और त्वरित क्रियान्वयन के लिए राज्य में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।
  - दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान, नवाचार और रणनीतिक विकास के लिए राज्य सरकार इस विशेष केंद्र की स्थापना कर रही है।
  - राजस्थान सरकार द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक मिनरल्स डायरेक्टरेट, आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी-धनबाद के साथ मिलकर अनुसंधान और खोज को गति देने के लिए काम कर रही है।
- **सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स-**
  - यह 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ एक प्राचीन ज्वालामुखी कुंड है जो बालोतरा में है।
  - यहाँ रेयर अर्थ एलिमेंट्स, हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का विशाल भंडार है।
  - यहाँ नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे अत्यंत दुर्लभ तत्व पाए गए हैं।
  - दुर्लभ तत्वों का उपयोग रॉकेट, मिसाइल तकनीक, एयरोस्पेस इंजन के लिए सुपरअलॉय मटेरियल और न्यूक्लियर प्लांट्स (परमाणु रिएक्टरों) के लिए कच्चे माल की आपूर्ति के रूप में किया जायेगा।

## राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 में संशोधन-

- हाल ही में राज्य सरकार ने राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है।
- संशोधित नीति के अनुसार तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए दिए जाने वाले अधिकतम अनुदान को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दिया गया है।

- तकनीकी अपग्रेडेशन पर दिए जाने वाले अनुदान में वृद्धि से प्रदेश के उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप आधुनिक तकनीक को अपना सकेंगे जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

## राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024

- नीति का अनावरण- राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा 4 दिसंबर, 2024 को
- नीति की अधिसूचना- 8 दिसंबर, 2024 को
- **उद्देश्य-** सतत् एवं समावेशी निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देकर लघु एवं मध्यम उद्यमा (एस. एम.ई.), स्थानीय हस्तशिल्प और निर्यात उत्पादों में विविधीकरण लाने पर ध्यान केंद्रित करना।

**राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024 के प्रमुख प्रावधान-**

- निर्यात दस्तावेजीकरण, गुणवत्ता एवं प्रबंधन प्रमाणन हेतु सहायता- इस घटक के अंतर्गत निर्यात प्रक्रियाओं एवं दस्तावेजीकरण हेतु प्रति इकाई वार्षिक लागत का 50 प्रतिशत, अधिकतम ₹5 लाख तक, सहायता प्रदान की जाती है।
- **विपणन सहायता-** इस घटक के अंतर्गत विदेशों में आयोजित होने वाले अनुमोदित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लेने वाले पात्र उद्यमों को व्ययों की 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति एवं आवागम हेतु सहायता अधिकतम ₹3 लाख तक की सहायता (दो वर्ष में एक बार) प्रदान की जाती है।
- उत्पाद परीक्षण प्रोत्साहन- इस घटक के अंतर्गत निर्यात इकाइयों को उत्पाद सम्बन्धी प्रमाणीकरण हेतु किए गए व्यय का 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, अधिकतम ₹20,000 प्रति शिपमेंट तथा ₹3 लाख प्रति वर्ष तक प्रदान की जाती है।
- प्रौद्योगिकी उन्नयन सहायता- इस घटक के अंतर्गत निर्यात इकाइयों को आधुनिक प्रौद्योगिकी के अधिग्रहण एवं उन्नयन हेतु किए गए व्यय का 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, अधिकतम ₹50 लाख तक प्रदान की जाती है।
- (Note- संशोधित नीति के अनुसार तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए दिए जाने वाले अधिकतम अनुदान को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दिया गया है।)
- ई-कॉमर्स सहायता- इस घटक के अंतर्गत निर्यात बढ़ाने हेतु ई-कॉमर्स के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए देय कुल शुल्क का 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, अधिकतम 2 लाख तक प्रदान की जाती है।
- निर्यात ऋण बीमा- इस घटक के अंतर्गत निर्यात इकाइयों को निर्यात ऋण गारंटी निगम (ई.सी.जी.सी.) को अदा किए गए प्रीमियम का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, अधिकतम ₹2 लाख प्रति इकाई प्रति वर्ष तक प्रदान की जाती है।
- इस नीति के अंतर्गत पहली बार निर्यात करने वाली इकाइयों को आर.आई.पी.एस.-2024 के तहत माल भाड़ा लागत पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी (अधिकतम ₹25 लाख प्रति इकाई तक) प्रदान की जाती है।

## कृषि में तकनीक को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग और 'वाधवानी एआई' के मध्य समझौता-

- हाल ही में राजस्थान कृषि विभाग ने देश के प्रतिष्ठित नॉट-फॉर-प्रोफिट संस्थान 'लॉर्ड्स एजुकेशन एंड हेल्थ सोसाइटी' (LEHS - वाधवानी एआई फाउंडेशन) के साथ गैर-वित्तीय समझौता किया है।
- यह समझौते के उद्देश्य राजस्थान के कृषि क्षेत्र को आधुनिकतम तकनीक से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने और सम्पूर्ण कृषि वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाना है।
- बजट घोषणा के अनुरूप राज्य में एआई-बेस्ड मॉडल्स और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना के लिए 'वाधवानी एआई' आगामी 3 वर्षों के लिए राज्य सरकार के तकनीकी पार्टनर के रूप में काम करेगा।
- इस तकनीक की मदद से फील्ड स्तर पर सूचना तंत्र मजबूत होगा, जिससे अंतिम छोर पर बैठे किसान तक भी कृषि सेवाएं प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी।
- इस समझौते के तहत राज्य में कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए चार विशेष एआई टूल्स को लागू किया जाएगा जो निम्न है-

| एआई समाधान | कार्यप्रणाली और किसानों को लाभ |
|---|---|
| **एग्रीवाणी** | ■ यह एक बहुभाषी चैटबॉट मॉडल है।<br>■ किसान अपनी स्थानीय भाषा में वॉइस (आवाज) या टेक्स्ट के माध्यम से संवाद कर सकेंगे और अपनी समस्याओं का तत्काल तकनीकी समाधान पा सकेंगे। |
| **क्रोपस** | ■ यह कंप्यूटर विज़न आधारित कीट और बीमारी निगरानी प्रणाली है।<br>■ किसान खेत से ही फसल की फोटो खींचकर बीमारियों की सटीक पहचान और विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित त्वरित उपचार प्राप्त कर सकेंगे। |
| **सोयाबीन ग्रेन एनालाइजर** | ■ यह स्मार्टफोन आधारित ऐप है।<br>■ किसान मंडी जाने से पहले ही अपनी सोयाबीन की फसल की गुणवत्ता, ग्रेडिंग और प्रोटीन का रियल-टाइम आकलन खुद कर सकेंगे, जिससे उन्हें उपज का सही दाम मिलेगा। |
| **एग्री एआई कलेक्ट व न्यूज मॉनिटरिंग** | ■ यह टूल किसानों की फील्ड गतिविधियों का डिजिटल रिकॉर्ड रखने और प्रशासनिक स्तर पर त्वरित निर्णय लेने के लिए कृषि से जुड़ी खबरों की निरंतर मॉनिटरिंग करेगा। |

## राज्य में विदेशी भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की पहल-

- हाल ही में राज्य सरकार ने सभी जिला मुख्यालयों पर राजकीय कॉलेजों में सात विदेशी भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की पहल की है। इसके लिए राजस्थान सरकार ने इंग्लिश एवं फॉरन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद और नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन से एमओयू किया।
- इस पहल के तहत फ्रेंच, जर्मन, रशियन, स्पेनिश, इटेलियन, कोरियन और जापानी जैसी सात विदेशी भाषाओं यह कोर्स होंगे।
- इस पहल के प्रथम चरण में एक हजार युवाओं को विदेशी भाषा का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

## राज्यपाल ने "जनगणना 2027" की प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ किया-

- हाल ही में राजस्थान में "जनगणना 2027" की प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ 1 मई, 2026 को राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे द्वारा लोक भवन में स्व-गणना के माध्यम से किया गया।
- इस औपचारिक शुभारंभ के साथ ही राज्य भर में जनगणना गतिविधियों का पहला चरण शुरू हो गया है।

### जनगणना 2027-

- भारत की जनगणना 2027 का पहला चरण आधिकारिक तौर पर 1 अप्रैल, 2026 को शुरू हुआ।
- **यह भारत की पहली पूर्णत**: डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें डेटा का संग्रह डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा।
- इसमें नागरिकों को एक सुरक्षित वेब-आधारित प्रणाली के माध्यम से स्व-गणना की सुविधा प्रदान की गई है।

### जनगणना 2027 के सन्दर्भ में विविध-

- राष्ट्रव्यापी स्तर पर आंकड़ों के समग्र और क्रमबद्ध संकलन हेतु जनगणना 2027 को एक नियोजित दो-चरणीय ढांचे के तहत संपन्न किया जाएगा।
- चरण I: हाउसलिस्टिंग और आवास की गणना (एचएलओ)- यह अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच निर्धारित है। इस चरण में मकानों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और परिवारों के पास मौजूद संपत्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी, साथ ही यह अगले चरण के लिए आवश्यक आधार भी तैयार करेगा।
- **चरण II:** जनसंख्या गणना (पीई)- यह फरवरी 2027 के लिए निर्धारित है और इसका मुख्य केंद्र परिवारों के सभी व्यक्तियों की विस्तृत जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक, प्रवासन और प्रजनन संबंधी जानकारी जुटाना होगा। जनगणना के इसी दूसरे चरण के दौरान जातिगत गणना भी की जाएगी। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के बर्फबारी वाले गैर-समकालिक क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के राज्यों के लिए, द्वितीय चरण सितंबर 2026 के दौरान आयोजित किया जाएगा।

### जनगणना 2027 की मुख्य विशेषताएं

- जाति गणना- भारतीय जनगणना 2027 की एक प्रमुख विशेषता के रूप में जातिगत गणना है। 30 अप्रैल 2025 को राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) द्वारा लिए गए निर्णय के बाद, अब जनगणना 2027 के तहत जातिगत गणना भी की जाएगी।
- **डिजिटल माध्यम से पहली जनगणना-** जनगणना 2027 भारत की पहली डिजिटल जनगणना हैं।
- **जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल-** इस संपूर्ण जनगणना प्रक्रिया के वास्तविक समय में प्रबंधन और निगरानी के लिए 'जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली' (सीएमएमएस) नामक एक समर्पित पोर्टल विकसित किया गया है।
- **हाउसलिस्टिंग और आवास जनगणना (एचएलओ) मोबाइल एप्लिकेशन-** यह गणना करने वालों के लिए हाउसलिस्टिंग डेटा एकत्र करने और अपलोड करने हेतु एक सुरक्षित ऑफलाइन ऐप है, जिसका उपयोग केवल सीएमएमएस पोर्टल पर पंजीकृत व्यक्ति ही कर सकेंगे। यह ऐप सीधे फील्ड-से-सर्वर तक डेटा भेजने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे कागजी कार्रवाई पूरी तरह खत्म हो जाएगी। यह एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर 16 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा।
- **हाउसलिस्टिंग ब्लॉक क्रिएटर (एचएलबीसी) वेब मैपिंग एप्लिकेशन-** जनगणना 2027 का एक अन्य नवाचार एचएलबी क्रिएटर वेब मैपिंग एप्लिकेशन है, जिसका उपयोग चार्ज अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। यह सैटेलाइट इमेजरी (उपग्रह चित्रों) की मदद से हाउसलिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) के डिजिटल निर्माण की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे बिना किसी दोहराव या छूट के पूरे देश का सटीक भौगोलिक कवरेज सुनिश्चित हो सकेगा।
- **स्व-गणना पोर्टल-** घर-घर जाकर की जाने वाली गणना (फील्ड विजिट) से पहले 15 दिनों की एक वैकल्पिक 'स्व-गणना' अवधि दी जाएगी। स्व-गणना पोर्टल एक सुरक्षित वेब-आधारित सुविधा है, जो किसी परिवार के पात्र उत्तरदाताओं को क्षेत्रीय कार्य (फील्ड ऑपरेशंस) शुरू होने से पहले अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन जमा करने की सुविधा देता है।

## भारतीय जनगणना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-

- भात की पहली जनसंख्या गणना 1865-1872 के दौरान आयोजित की गई थी, जिसके बाद 1881 में पहली बार देशव्यापी समकालिक (एक साथ) जनगणना हुई। तब से भारतीय जनगणना हर दस साल में आयोजित की जाती रही है।
- जनगणना 2027 भारत की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है।

## राष्ट्रपति ने राजस्थान की तीन हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित किया-

- हाल ही में राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा राजस्थान की तीन हस्तियों को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया।
- **सम्मानित व्यक्ति-**
  - श्री तगा राम भील- अलगोजा वादन के लिए।
  - श्री स्वामी ब्रह्मदेव जी महाराज- सामाजिक सेवा एवं लोक कल्याण क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए।
  - श्री गफरूद्दीन मेवाती जोगी- कला क्षेत्र में लोक वाद्य भपंग को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए।

## डॉ. मंजू बाघमार को मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन का अंतरराष्ट्रीय सम्मान-

- हाल ही में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा ब्रिटेन की संसद के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित होने वाले 10वें अवॉर्ड समिट के लिए विशेष आमंत्रण प्रदान किया है।
- डॉ. मंजू बाघमार की शिक्षा, समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण तथा जनहित में किए गए बहुआयामी कार्यों की सराहना की गई है।
- इससे पूर्व यही अंतरराष्ट्रीय सम्मान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रदान किया गया था।

## रिडको की नई भूमि आवंटन एवं मूल्य निर्धारण नीति को मिली मंजूरी

- हाल ही में राजस्थान इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स डवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (रिडको) की भूमि आवंटन एवं भूमि मूल्य निर्धारण नीति को 31 मई, 2026 को स्वीकृति मिल गई है।
- **नई नीति में प्रावधान-**
  - भूखंडों के आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, प्रत्यक्ष आवंटन योजना, ई-नीलामी तथा FDI परियोजनाओं व अन्य बड़े निवेशों के लिए विशेष आवंटन प्रक्रिया का प्रावधान।
  - भूखंडों का आवंटन के लिए 99 वर्ष की लीज का प्रावधान।
  - फ्लैटेड फैक्ट्री, प्लग-एंड-प्ले, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे विशेष क्षेत्रों के लिए 33 से 66 वर्ष तक की लीज अवधि के विकल्प का प्रावधान।
  - प्रारम्भिक निवेशकों को अग्रिम भुगतान करने पर रियायत दिए जाने का प्रावधान।
  - 11 त्रैमासिक ब्याजयुक्त किस्तों के माध्यम से स्थगित भुगतान की सुविधा का भी प्रावधान किया गया है।

### रिडको (RIDCO)-

- यह भारत सरकार के नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट और राजस्थान सरकार के रीको का एक संयुक्त उपक्रम है।
- इसका उद्देश्य एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप और बुनियादी ढांचे का विकास करना है।

## रीको ने औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत मॉडल 'ए' और 'डी' के तहत पार्क विकसित करने के आवेदन मांगे-

- हाल ही में रीको ने 29 मई, 2026 को औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत मॉडल 'ए' और 'डी' के तहत पार्क विकसित करने के आवेदन मांगे है।
- इस नीति के मॉडल 'ए' और 'डी' के तहत प्रदेश के 9 स्थानों पर 645 हेक्टेयर भूमि में नए पार्क विकसित किए जाएंगे।
- **रीको ने औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत विकास के मॉडल-**

| मॉडल | विकास का स्वरूप |
|---|---|
| मॉडल-A | रीको द्वारा आवंटित भूमि पर पूरी तरह निजी डेवलपर द्वारा विकास किया जाएगा। |
| मॉडल-B | 80% भूमि विकासकर्ता द्वारा तथा शेष 20% भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। |
| मॉडल-C | संपूर्ण भूमि की व्यवस्था स्वयं विकासकर्ता द्वारा की जाएगी। |
| मॉडल-D | यह पूर्णतः सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर आधारित होगा। |

## त्रिनिदाद एवं टोबैगो में स्थापित हुआ जयपुर फुट केंद्र-

- हाल ही में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 'पोर्ट ऑफ स्पेन' में जयपुर फुट स्थायी कृत्रिम अंग (प्रोस्थेटिक लिम्ब) केंद्र का उद्घाटन किया।
- यह केंद्र जयपुर फुट यूएसए, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और वहाँ की स्थानीय सरकार के साझा प्रयासों से प्रारम्भ हुए है।

### जयपुर फुट-

- यह कम लागत वाला कृत्रिम पैर है इसमें अन्य कृत्रिम अंगों में पाए जाने वाले उन्नत जोड़ डिजाइन का उपयोग किया गया है।
- यह जलरोधक है और इसे जूते के साथ या बिना जूते के भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

### 'बकरी बैंक' अभियान-

- हाल ही में जैसलमेर में प्रदेश का पहला 'बकरी बैंक' अभियान शुरू किये जाने की घोषणा की गयी है। इसका उद्देश्य इंसान और वन्यजीव के बीच बढ़ते संघर्ष को कम करना और दुर्लभ वन्यजीव कैराकल (सियागोश) को संरक्षण प्रदान करना है। यह अभियान वन विभाग और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया की संयुक्त पहल है।
- इस अभियान के तहत यदि कैराकल किसी पशुपालक की बकरी का शिकार करता है, तो प्रभावित परिवार को तुरंत नई बकरी उपलब्ध कराई जाएगी।

### नागौर में आहड़ संस्कृति से जुड़ी नई साइट मिली-

- हाल ही में पुरातत्व वैज्ञानिकों ने नागौर के सीमा क्षेत्र में आहड़ संस्कृति से जुड़ी नई साइट खोज निकाली है।
- इस साइट के अवशेष पहली बार यहां वर्ष 2022 में मिले थे।
- यह साइट आहड़ संस्कृति के विस्तार और सिंधु घाटी (हड़प्पा)-आहड़ के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी दर्शाती है।
- पुरातत्व वैज्ञानिकों के अनुसार यह नई साइट राजस्थान की तीन प्रमुख संस्कृतियों के बीच संबंधों को समझने में मदद करेगी।

### जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला 'ग्रीन एयरपोर्ट' सम्मान-

- हाल ही में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 'एसीआइ एशिया-पैसिफिक एवं मिडिल ईस्ट ग्रीन एयरपोर्ट्स रिकॉग्निशन 2026' में सिल्वर सम्मान से नवाजा गया है।
- यह सम्मान जलवायु अनुकूलन, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी पूर्वक संचालन के लिए दिया गया है।

### प्रदेश में ऊंटनी के दूध से बनाया गया हाई प्रोटीन पनीर-

- हाल ही में राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी)-बीकानेर के वैज्ञानिकों ने ऊंटनी और गाय के दूध के मिश्रण से प्रोटीन व खनिज तत्वों से भरपूर पनीर का उत्पाद तैयार किया है।
- इसके निर्माण के लिए ऊंटनी के दूध की जमावट क्षमता बढ़ाने के लिए इसमें 30 प्रतिशत गाय का दूध मिलाया गया था।
- इसे पांच से सात दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है जो स्वास्थ्यव-र्धक और औषधीय गुणों से युक्त है।

### प्रदेश में बकरी के दूध से बनेगा साबुन-शैंपू-

- सोजत, पाली में बकरी के दूध से साबुन और शैंपू बनाने का प्लांट लगाया जाएगा। यह प्लांट डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान कार्यक्रम के तहत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की ओर से लगाया जा रहा है।
- इस प्लांट की निर्माण के लिए करीब 15 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे तथा इस इकाई से करीब 1000 ग्रामीण परिवारों को जोड़ा जाएगा।
- इसका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योग को बढ़ावा देना है।

Samyak
An Institute For Civil Services
IAS
FOUNDATION
बैच प्रारम्भ
OFFLINE & LIVE FROM CLASSROOM
COURSE FEATURES
Expert pool of faculties and mentors
Timely phase wise course completion
Scientific and tech enabled pedagogy
Revision classes on regular intervals
Special focus on CSAT modules
FREE 03 DAYS DEMO CLASSES
SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR
9875170111

## महोत्सव/सम्मेलन/अभियान/आपरेशन

### विशेष निरोधात्मक अभियान-

- हाल ही में आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए विशेष निरोधात्मक अभियान चलाया गया।
- यह अभियान 1 से 15 मई, 2026 तक चलाया गया। इस अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की गयी है।

### प्रदेश में वाटर होल पद्धति से वन्यजीव गणना के लिए विशेष अभियान का संचालन-

- प्रदेश में वन्यजीवों की संख्या का वार्षिक आंकलन प्रतिवर्ष की भांति 1 से 2 मई, 2026 को वाटर होल पद्धति के माध्यम से किया गया।
- इस दौरान प्रदेश के विभिन्न संभागों में कुल 2685 वाटर होल्स पर यह गणना की गयी जिनमें जयपुर में 421, अजमेर में 236, भरतपुर में 191, उदयपुर में 744, बीकानेर में 262, कोटा में 345, जोधपुर में 482 वाटर होल्स शामिल हैं।
- प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र में वन्यजीवों की अधिक आवाजाही वाले कम से कम 10 स्थानों पर कैमरा ट्रैप के माध्यम से वन्यजीवों की पहचान एवं संख्या का आंकलन किया गया।

### सहकारिता विभाग ने लॉंच किया 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' विशेष अभियान-

- राजस्थान राज्य सहकारिता विभाग ने 4 मई, 2026 से 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' विशेष अभियान शुरू किया है जो 29 मई 2026 तक चरणबद्ध रूप से संचालित किया गया।
- इस अभियान का उद्देश्य कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने, कार्यालयों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने तथा प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना था।
- इस अभियान का एक अन्य उद्देश्य सभी कार्यालयों में एवं संस्थानों में कुशल प्रबंधन, स्वच्छता, कार्यकुशलता एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी के लिए '5S' पद्धति को व्यवहार में लाया जाना भी है।
- '5S' पद्धति के तहत Seiri (छँटाई), Seiton (सुव्यवस्था), Seiso (स्वच्छता), Seiketsu (मानकीकरण) और Shitsuke (अनुशासन) है।
- इस अभियान के तहत कार्यालयों की साफ-सफाई सहित चिह्नित रिकॉर्ड एवं कबाड़ के निस्तारण की कार्यवाही की गयी।
- यह अभियान तीन चरणों में संचालित हुआ-
  - प्रथम चरण- इसमें अनुपयोगी रिकॉर्ड एवं सामग्री की पहचान की गयी।
  - दूसरा चरण- इसमें व्यापक सफाई एवं व्यवस्था सुधार किया गया।
  - तीसरा चरण- इसमें चिन्हित सामग्री का नियमानुसार निस्तारण किया गया।

### नवीन आपराधिक एवं साइबर कानूनों पर लोक अभियोजकों की राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित-

- हाल ही में राज्य के विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा ने 9 मई, 2026 को जयपुर में लोक अभियोजकों एवं विशेष लोक अभियोजकों के लिए एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य देश में लागू हुए नवीन आपराधिक कानूनों, बढ़ते साइबर अपराधों और विशेष रूप से दिव्यांगजनों से संबंधित कानूनों की गहन समझ विकसित करना था।

### सुर्खियों में सुर्ख़ियों में- स्वयंसिद्धा आश्रम योजना

- राजस्थान सरकार द्वारा समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों के लिए एक संवेदनशील पहल के रूप में स्वयंसिद्धा आश्रम योजना की शुरुआत की गई है।
- यह योजना उन बुजुर्गों और असहाय नागरिकों के लिए आशा का केंद्र बनकर उभरी है, जो जीवन के अंतिम पड़ाव में सहारे और सम्मानजनक जीवन की तलाश में हैं।
- राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2024-25 में संभाग स्तर पर 50-50 क्षमता के आश्रम स्थापित करने की घोषणा की गई थी, जिसे आगे बढ़ाते हुए बजट 2025-26 में 10 नए जिलों में विस्तार दिया गया।
- वर्तमान में राजस्थान के 17 जिलों में स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से स्वयंसिद्धा आश्रमों का सफल संचालन किया जा रहा है। यहां बुजुर्गों को परिवार जैसा वातावरण प्रदान किया जाता है।
- **पात्रता-**
  - किसी भी राज्य के वरिष्ठ नागरिक एवं असहाय/निराश्रित व्यक्ति पात्र हैं।
  - वरिष्ठ नागरिक पुरुष 58 वर्ष या इससे अधिक आयु का एवं महिला 55 वर्ष या इससे अधिक आयु की हो
  - इस योजना में असहाय/निराश्रित व्यक्तियों से तात्पर्य ऐसे पुरुष/महिला से है जो किसी प्रकार के आश्रय, सहारा या सहायता से वंचित हो/संतानहीन है/स्वयं के परिवार से प्रताड़ित है को माना गया है।
  - योजना के अंतर्गत प्रति आवासी 3,250 रुपये प्रतिमाह मैस भत्ता प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पांच वर्षों में 10,000 रुपये का अनावर्तक व्यय भी दिया जाता है।
  - वर्तमान में इस योजना के माध्यम से 483 से अधिक बुजुर्ग एवं असहाय नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।

### नगर निगम जयपुर ने चलाया रात्रिकालीन विशेष सफाई अभियान "ऑपरेशन क्लीन स्वीप"-

- नगर निगम जयपुर द्वारा शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को नई

ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 9 मई, 2026 को रात्रिकालीन (रात 12 बजे से सुबह 5 बजे) विशेष सफाई अभियान "ऑपरेशन क्लीन स्वीप" चलाया गया।

- यह अभियान जयपुर शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए चलाया गया है।
- निगम प्रशासन ने इस अभियान के सफल संचालन हेतु 36 बीट्स का गठन किया है।

## राज्य ब्रॉडबैंड समिति की 17वीं बैठक आयोजित-

- हाल ही में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 13 मई, 2026 को राज्य ब्रॉडबैंड समिति की 17वीं बैठक आयोजित हुई।
- यह बैठक राज्य में दूरसंचार अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने, डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार करने तथा दूरसंचार परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयोजित हुई।
- इस बैठक में मुख्य सचिव ने दूरसंचार राइट ऑफ वे नियम-2024 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किये जाने की बात कही।
- दूरसंचार राइट ऑफ वे नियम-2024 का उद्देश्य देश में फाइव-जी रोलआउट, फाइबर कनेक्टिविटी और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए टेलीकॉम टावर और तारों को बिछाने की मंजूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, डिजिटल और समयबद्ध बनाना है।

## राजस्थान पुलिस कल्याण निधि बोर्ड की 26वीं बैठक आयोजित-

- हाल ही में पुलिस मुख्यालय सभागार में 13 मई, 2026 को राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में राजस्थान पुलिस कल्याण निधि बोर्ड की 26वीं बैठक आयोजित की गई।
- यह बैठक राजस्थान पुलिस परिवार के कल्याण, सुरक्षा और सामाजिक संबल को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आयोजित की गयी थी।
- **बैठक में लिए गये निर्णय-**
  1. संतान ऑपरेशन प्रसूति पर होने वाले व्यय के संबंध में राहत प्रदान की जाएगी।
  2. राजस्थान पुलिस कल्याण निधि के वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्यय विवरण का अनुमोदन किया गया।
  3. नवसृजित जिला एवं यूनिटों में सीपीसी कैंटीन खोलने के प्रस्ताव आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया।
  4. पुलिस लाइंस में संचालित पुलिस कैंटीनों व लाइब्रेरी को आधुनिक और सुविधायुक्त बनाने के लिए उन्हें अपग्रेड किया जायेगा।
  5. सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को गंभीर एवं दीर्घकालिक बीमारियों के इलाज में होने वाले व्यय के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी।
  6. समस्त जिलों, यूनिटों एवं प्रशिक्षण संस्थानों से राजस्थान पुलिस कल्याण निधि नियम 1986 के तहत कल्याणकारी कार्यों हेतु आवश्यक प्रस्ताव मय एस्टीमेट आमंत्रित किए जाएंगे।

## जयपुर में आयोजित हुआ संयुक्त कमांडरों का सम्मेलन-

- हाल ही में जयपुर में 7-8 मई, 2026 को 'नये क्षेत्र में सैन्य क्षमता' विषय पर संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भाग लिया।

## ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम-2026) स्थगित-

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ईंधन की खपत में संयम बरतने की अपील के बाद राज्य सरकार ने 15 मई, 2026 को ग्राम-2026 को स्थगित करने का निर्णय लिया है।
- इससे पहले ग्राम-2026 का आयोजन 23 से 25 मई, 2026 तक जेईसीसी, जयपुर में प्रस्तावित था।

## मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज उन्नति की 5वीं बैठक

- हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 मई, 2026 को मुख्यमंत्री कार्यालय में 'राज उन्नति' की पांचवी बैठक की अध्यक्षता की।
- इस बैठक में मुख्यमंत्री ने 7 विभागों की लगभग 33 हजार 39 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति को लेकर निर्देश दिए।
- बैठक में लिए गये प्रमुख निर्णय और प्रदत्त अनुदेश-
  - राज्य सरकार ई-बसों का संचालन करेगी जिससे शहरों में प्रदूषण कम होगा तथा पेट्रोल एवं डीजल की बचत होगी।
  - जिलों में पानी व बिजली से जुड़े विभागों की साप्ताहिक बैठक आयोजित की जाएगी।
  - गंग कैनाल फेज-1 के स्वचालन परियोजना के तहत 3.14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में आधुनिक जल वितरण प्रणाली विकसित की जाएगी।
  - मई माह में छोटे जर्जर बस स्टैंडों को सुदृढ़ करवाया जाएगा।

## ग्राम रथ अभियान का समापन-

- प्रारम्भ- 27 अप्रेल, 2026 को
- समापन समारोह- 16 मई, 2026 को
- उद्देश्य- राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर किसानों और पशुपालकों तक जानकारी पहुँचाना।
- मुख्यमंत्री ने बगरू के ठिकरिया गांव से विडियो कालिंग के जरिए प्रदेशभर में आयोजित ग्राम रथ समापन समारोह को संबोधित किया।
- ग्राम रथ अभियान के माध्यम से 183 विधानसभा क्षेत्रों में जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाई गई।

## 'बिल्ड विद एआई' वर्कशॉप का आयोजन-

- हाल ही में राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (R-CAT) में 21 मई, 2026 को गूगल इंडिया के सहयोग से 'बिल्ड विद एआई' वर्कशॉप का आयोजन किया गया।
- यह पहल वर्कशॉप में एआई डेवलपर्स, इनोवेटर्स और तकनीकी प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी तैयार करने पर केंद्रित रही।

- इस गहन और व्यावहारिक वर्कशॉप में 100 से अधिक स्टार्टअप संस्थापकों, डेवलपर्स, छात्रों, इनोवेटर्स, कॉर्पोरेट लीडर्स और राजकीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

## मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान का समापन-

- हाल ही में आयोजित मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान का 15 मई, 2026 का समापन हुआ।
- इस अभियान का प्रारम्भ 19 मार्च, 2026 (राजस्थान दिवस) को आयोजित हुआ था।
- यह अभियान 19 मार्च, 2026 से 15 मई, 2026 तक 457 पंचायत समितियों की 14 हजार 403 ग्राम पंचायतें तथा 309 नगरीय निकायों के 10 हजार 245 वार्डों में संचालित हुआ।
- इस अभियान में आम नागरिकों, महिलाओं, युवाओं, किसानों, कारीगरों और दिव्यांगजनों से उनकी जरूरतें और आकांक्षाएं सुनी गई हैं तथा इन सुझावों और बेसलाइन डेटा के आधार पर ड्राफ्ट मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं।
- मुख्यमंत्री अध्यक्षता में 22 मई, 2026 को आयोजित मंत्रिमण्डल बैठक में निर्णय लिया गया है कि इन मास्टर प्लान के अनुमोदन के लिए आगामी 26 मई को प्रदेश भर में समस्त ग्राम पंचायतों में शेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

## 'विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंड टेबल 2026' का आयोजन-

- हाल ही में जयपुर (सुबोध कॉलेज) में 25 मई, 2026 को 'विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल 2026' का आयोजन किया गया।
- इसका आयोजन केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वाधान में 'माय भारत, जयपुर' द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' पहल के अंतर्गत किया गया।
- इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना, नवाचार आधारित सोच को बढ़ावा देना तथा स्टार्टअप एवं उद्यमिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करना था।

## आरएसआरडीसी की 131वीं बोर्ड बैठक-

- हाल ही में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में 24 मई, 2026 को राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (RSRDC) की 131वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न हुई।
- निर्णय-
  1. कोटपुतली-किशनगढ़ एवं ब्यावर-भरतपुर एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण हेतु 4 हजार 938 करोड़ रूपये के ऋण प्रस्ताव को स्वीकृति।
  2. नसीराबाद-सरवाड़-केकड़ी-देवली सड़क (SH-26) के अपग्रेडेशन, केकड़ी बाईपास निर्माण एवं सड़क को 2 लेन से 4 लेन किए जाने हेतु 460 करोड़ रूपये के ऋण प्रस्ताव को स्वीकृति।
  3. गोटन-बिलाड़ा-पुण्डल सड़क की मरम्मत हेतु ऋण राशि को 17 करोड़ से बढ़ाकर 27.87 करोड़ रूपये किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति।

## 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारम्भ-

- हाल ही में मुख्यमंत्री ने 25, मई, 2026 (गंगा दशमी) को टोंक स्थित बीसलपुर बांध पर 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की।
- यह अभियान 25 मई से 5 जून, 2026 (विश्व पर्यावरण दिवस) तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा।
- इस अभियान के तहत गांव-गांव में कुएं, बावड़ियों, तालाबों की सफाई, श्रमदान, जल चौपाल, प्रभात फेरी और पौधारोपण जैसे जा-गरूकता कार्यक्रम होंगे।
- इस अभियान में प्रदेश के सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में जल संरक्षण कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

## राज्यपाल ने किये राज्य विश्वविद्यालयों के कुलगुरु नियुक्त-

- हाल ही में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने 13 मई, 2026 को आदेश जारी कर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर और महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के कुलगुरू नियुक्त किये है।
  1. प्रो. कैलाश डागा (कुलगुरु)- मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
  2. प्रो. मदन सिंह राठौड (कुलगुरु)- महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर
- कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

## मिस एंड मिसेज इंडिया द क्राउन 2026-

- हाल ही में जयपुर के मानसरोवर में 'मिस एंड मिसेज इंडिया द क्राउन 2026' सौदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- इस प्रतियोगिता में मिस कैटेगरी में हरियाणा की रूबी चौधरी ने 'मिस इंडिया द क्राउन 2026' का खिताब तथा सिद्धि राठौर 'मिस इंडिया राजस्थान' का खिताब अपने नाम किया।
- मिसेज कैटेगरी में गरिमा चौहान ने 'मिसेज इंडिया' का खिताब अपने नाम किया।
- इस प्रतियोगिता में जया शर्मा को 'मिसेज इंडिया राजस्थान' चुना गया।

## 'पंचम वेद- नाट्यशास्त्र पर एकाग्र' ग्रंथ का लोकार्पण

- हाल ही में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने 22 मई, 2026 को उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'नाट्यशास्त्र : पंचम वेद पर एकाग्र' का लोकार्पण किया।
- यह ग्रंथ डॉ. राजेश कुमार व्यास के संपादन में प्रकाशित हुआ है।
- इस ग्रंथ में भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में नाट्यशास्त्र के विविध आयामों पर लेखन हुआ है।

## नाट्यशास्त्र

- इसे पंचम वेद कहा गया है।
- इसमें 37 अध्याय है।
- इसमें रस, संगीत, नृत्य आदि के साथ ही कलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण आख्यान और सूत्र हैं।
- इसमें ऋग्वेद से पाठ्य, सामवेद से गीत, यजुर्वेद से अभिनय और अथर्ववेद से रस को ग्रहण कर रचा गया है।
- नाट्यशास्त्र को अप्रैल 2025 में यूनेस्को के प्रतिष्ठित 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर में शामिल किया था।

### बालश्रम और बाल तस्करी के खिलाफ राजस्थान पुलिस का बड़ा अभियान–

- राजस्थान में बालश्रम, बाल बंधुआ मजदूरी एवं मानव दुर्व्यापार (बाल तस्करी) के खिलाफ राज्यव्यापी एक माह का विशेष अभियान 'उमंग-VII' चलाया जाएगा।
- यह अभियान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार 1 जून से 30 जून, 2026 तक प्रदेशभर में संचालित होगा।
- इस अभियान का उद्देश्य बालश्रम एवं बाल तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा पीड़ित बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

### वन मंत्री की अध्यक्षता में टाइगर फाउंडेशन की चतुर्थ बैठक आयोजित-

- हाल ही में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में 26 मई, 2026 को अरण्य भवन में राजस्थान बाघ संरक्षण फाउंडेशन की शासी निकाय की चतुर्थ बैठक आयोजित की गई।
- इस बैठक में वर्ष 2026-27 के दौरान टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों हेतु 6493 लाख रुपये की वार्षिक कार्य योजना को स्वीकृति प्रदान की गई।

## खेल

### राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग चैम्पियनशिप-

- हाल ही में भरतपुर अलवर के इन्दिरा गांधी स्टेडियम में 22 से 24 मई, 2026 के मध्य 5वीं राजस्थान राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक-बालिका बॉक्सिंग चैम्पियनशिप आयोजित की गयी।
- **विजेता-**
  - बालिका टीम- अलवर विजेता (कोटा उपविजेता)
  - बालक टीम- भरतपुर विजेता (अलवर उपविजेता)
  - बेस्ट बॉक्सर (बालक वर्ग)- यश कुमार, भरतपुर
  - बेस्ट बॉक्सर (बलिका वर्ग)- आरिका सिंह (कोटा)
  - बेस्ट चेलेंजर बॉक्सर (बालक वर्ग)- वीर मृत्युंजय (जयपुर)
  - बेस्ट चेलेंजर बॉक्सर (बलिका वर्ग)- प्रियांशी (हनुमानगढ)
  - बेस्ट प्रोमिजिंग बॉक्सर (बालक वर्ग)- युवराज कुमावत (अलवर)
  - बेस्ट प्रोमिजिंग बॉक्सर (बलिका वर्ग)- तस्लीमा (अलवर)

### राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी-

- हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग की 'राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी' को लक्ष्मी निवास मित्तल व आदित्य मित्तल ने 15,660 करोड़ रुपए में खरीद लिया है।
- इस खरीद पर अंतिम मोहर सितंबर, 2026 में लगेगी।
- **हिस्सेदारी**
  - मित्तल परिवार- 75 प्रतिशत
  - अदार पूनावाला- 18 प्रतिशत
  - मनोज बडाले- 7 प्रतिशत
  - लक्ष्मी मित्तल व आदित्य मित्तल को राजस्थान रॉयल्स के साथ-साथ इस फ्रेंचाइजी से जुड़ी दो अन्य टीमों (पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स) का मालिकाना हक भी मिलेगा।
- **लक्ष्मी निवास मित्तल-**
  - यह राजगढ़ (चूरू) के रहने वाले हैं।
  - इनका जन्म 15 जून, 1950 में हुआ था।
  - वे भारत के 12वें और दुनिया के 91वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 2.26 लाख करोड़ रुपए है।

### ऋषभ डागा-

- यह 18 वर्षीय जयपुर के निवासी है। इन्होंने हाल ही में वियतनाम के दा नांग में आयोजित प्रतिष्ठित आयरनमैन वियतनाम प्रतियोगिता पूर्ण करके राजस्थान के सबसे युवा आयरनमैन बनने का गौरव हासिल किया।
- ऋषभडागा ने 13 घंटे 46 मिनट में 3.8 किमी तैराकी, 180 किमी साइक्लिंग और 42.2 किमी मैराथन पूरी की।

### इनाया खान-

- यह 14 वर्षीय जयपुर की निवासी है। इन्होंने रोबोफेस्फ विश्व चैंपियनशिप-2026 में जुनियर बिल्डिंग ब्रिज श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।
- यह चैंपियनशिप अमेरिका के मिशिगन राज्य के साउथफील्ड स्थित लॉरेंस टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित हुई थी।
- इनाया ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर घाना का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी टीम को चैंपियन बनाया है।
- इनाया खान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में राजस्थान सरकार की ब्रांड एम्बेसेडर भी हैं।

### शौर्य माहेश्वरी-

- यह जयपुर के निवासी है। इन्होंने हाल ही में शिमला में आयोजित आयोजित अखिल भारतीय ओपन रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीटा है।
- इस प्रतियोगिता का आयोजन एमेचर रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था।

### आशीष बड़गोती

- यह जयपुर के निवासी है जो एंड्योरेंस एथलीट है। इन्होंने हाल ही में चीन के शंघाई में आयोजित प्रतिष्ठित आयरनमैन 70.3 प्रतियोगिता सफलतापूर्वक पूरी की है।

#### आयरनमैन 70.3-

- यह दुनिया की सबसे कठिन फिटनेस चुनौतियों में से एक मानी जाती है, जिसमें प्रतिभागियों को 1.9 किलोमीटर तैराकी, 90 किलोमीटर साइक्लिंग और 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन पूरी करनी होती है।

### मानव सुथार

- यह श्रीगंगानगर (राजस्थान) के आलराउंडर क्रिकेटर है। इनको हाल ही में बीसीसीआई सीनियर चयन कमेटी ने अफ़ग़ानिस्तान के विरुद्ध आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चयनित किया है
- भारत-अफगानिस्तान टेस्ट सीरीज का पहला मैच 6 जून 2026 से मुल्लांपुर में खेला जाएगा।

### अरुंधती चौधरी-

- यह कोटा (राजस्थान) की निवासी है।
- इनका ग्लासगो (इंग्लैण्ड) में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 के मुक्केबाजी प्रतिस्पर्धा में भारतीय टीम में चयन हुआ है।
- अरुंधती चौधरी का 9 अप्रेल को एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। अरुंधती 70 किलो भार वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।
- इससे पहले अरुंधती चौधरी ने वर्ष 2025 में आयोजित वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीता था।

### श्याम सुंदर स्वामी-

- यह राजस्थान के पैरा तीरंदाज है।
- इन्होंने जापान के आइची और नागोया में 18 से 24 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित होने वाले पैरा एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई है।
- इन्होंने हरियाणा के सोनीपत में आयोजित चयन ट्रायल में दूसरा स्थान हासिल किया था।

### दिव्यांशी जैन-

- यह जयपुर शहर के स्क्वैश खिलाड़ी है।
- इन्होंने हाल ही में चीन में संपन्न 33वीं लिनिंग एशियन जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में कांस्य पदक जी है।
- इस चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने एक स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य समेत कुल आठ पदक जीते।

### मोनिका जाखड़

- यह राजस्थान की शूटिंग की खिलाड़ी है। इन्होंने हाल ही में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में शूटिंग रेंज भोपाल (मध्यप्रदेश) में आयोजित 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता है।

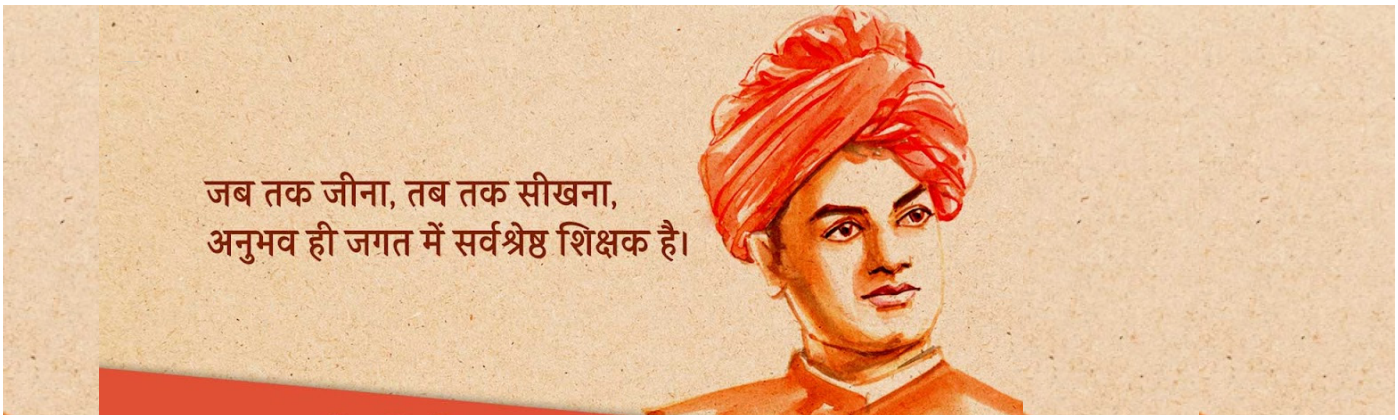

## चर्चित व्यक्ति/स्थान/अन्य

### बाबूलाल बैरवा

- यह राजस्थान विधनासभा के पूर्व सदस्य थे जिनका हाल ही में निधन हो गया। यह कठूमर विधानसभा के सबसे वरिष्ठ नेता थे, इन्होंने नौ बार चुनाव लड़कर चार बार चुनाव जीता।
- इन्होंने वर्ष 1980 में पहली बार निर्दलीय चुनाव जीता था।

### अंशु जैन-

- हाल ही में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने आगामी अंडर-19 एलीट बॉयज कैंप के अंशु जैन को मुख्य कोच नियुक्त किया है।
- अंशु जैन जयपुर जिले के निवासी है जो अंशु वर्तमान में राजस्थान रणजी टीम के मुख्य कोच हैं।
- अंशु जैन कैंप में बल्लेबाजी इकाई की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।
- बीसीसीआई का यह कैंप 11 मई से 9 जून तक रंगपो, सिक्किम में आयोजित किया जाएगा।

### रजत कुमार सैनी-

- यह जयपुर के निवासी हैं। इन्होंने हाल ही में थाईलैंड में आयोजित आइकेएफ बीच कोर्फबॉल विश्वकप में भारत की मेजबानी की थी।

### भवानी सिंह-

- यह राजस्थान के जाखल, नवलगढ़ (झुंझुनू) जिले के निवासी है।
- इन्होंने हाल ही में बैंकॉक में आयोजित पेटांक ट्रांसप्लांट एशियन ओपन चैंपियनशिप-2026 में पेटांक डबल्स में नेशन कैटेगरी में रजत पदक जीता है।
- भवानी सिंह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 18 पदक जीत चुके है और यह उनका 19वां पदक था।
- वे ट्रांसप्लांट खेलों में भारत के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले खिलाड़ी है।

### युवराज सिंह-

- यह राजस्थान के ब्यावर जिले के निवासी थे।
- हाल ही में जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर के नजदीक आतंकियों से मुठभेड़ में यह शहीद हो गए थे।

### राजेन्द्र मोहन शर्मा-

- जयपुर के वरिष्ठ साहित्यकार है।
- हाल ही में माटी के मानस संस्थान, धारवाड़ (कर्नाटक) इनकी रचित कहानी 'भीमा' को सर्वश्रेष्ठ कहानी के रूप में प्रथम स्थान के लिए चुना है।

### रणजीत सिंह राठौड़-

- यह पाली जिले के धुंधला गांव के निवासी है। इन्होंने लंदन में हिलिंगडन काउंसिल में काउंसलर का चुनाव जीता है।
- वे कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नॉर्थवुड हिल्स वार्ड से 1902 वोट लाकर विजयी घोषित किए गए हैं।

### कल्याण सिंह कोठारी-

- यह राजस्थान के वरिष्ठ पत्रकार थे जिनका हाल ही में 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें खोजी और रचनात्मक पत्रकारिता के लिए वर्ष 2011 में मानक अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- यह पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया, जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष रहे थे।

### डॉ. एस.आर. मेहता-

- यह पद्मश्री और बी.सी. रॉय पुरस्कार से सम्मानित एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य थे जिनका हाल ही में 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय उनकी दूरदृष्टि और प्रयासों की देन है।

### नीलम मीना-

- यह राजस्थान के बामनवास उपखंड (गंगापुर सिटी) क्षेत्र की कोयला ग्राम पंचायत की निवासी हैं। इन्हें हाल ही में पश्चिम बंगाल का मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।
- यह 1998 बैच की आइएएस अधिकारी है।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने 2 मई, 2026 को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पत्रकार श्री लखबीर सिंह, डिजिटल मीडिया में श्री राम गोपाल जाट और प्रिंट मीडिया में श्री मदन कलाल को नारद पुरस्कार से सम्मानित किया।
- अजमेर जिले में अरावली की तलहटी में स्थित विवेकानंद पार्क में एक आधुनिक आध्यात्मिक, योग एवं ध्यान केन्द्र विकसित किया जा रहा है।
- राज्य सरकार ने बांसवाड़ा के झांतलिया, उदयपुर के बांकी एवं सिरोही के जनापुर में चंदन वन विकसित किए जाने की घोषणा की है। इन प्रत्येक चंदन वन में 10 हजार से अधिक चंदन के पौधे रोपित किए जाएंगे।
- हाल ही में 47वीं अखिल भारतीय भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में राजस्थान की कुल 6 टीमों में के 47 खिलाड़ियों के अब तक के सबसे बड़ा दल ने भाग लिया है।
- हाल ही में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 6 मई, 2026 को शासन सचिवालय में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की 21वीं कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई।
- हाल ही में राज्य सरकार ने सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों को सुगमता से उपचार उपलब्ध करवाने एवं क्राउड मैनेजमेंट के लिए अधिक रोगी भार वाले विभागों में ईवनिंग ओपीडी शुरू करने की घोषणा की है। पहले चरण में यह शुरूआत मेडिसिन विभाग से होगी।
- हाल ही में केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ग्रिड कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर क्षमता जोड़ने पर जयपुर विद्युत वितरण निगम को 60 करोड़ रूपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि मंजूर की है।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई) पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन 11 मई, 2026 को जयपुर स्थित बिरला इस्टीटयूट ऑफ सांइटिफिक रिसर्च के ऑडिटोरियम में किया गया।
- हाल ही में अजमेर शहर की तीसरी बड़ी झील 'चौरसियावास तालाब' के समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया गया है।
- हाल ही में राज्य में 11 मई, 2026 को आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को केन्द्रीय कला एवं संस्कृति मंत्रालय और कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग तथा देवस्थान विभाग राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में राज्य एवं जिला स्तर आयोजित किया गया।
- हाल ही में राज्य में 9 मई, 2026 को विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा लोक अभियोजकों के लिए आयोजित कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने वर्ष 2030 तक समस्त जिलों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए जाने की घोषणा की है।
- हाल ही में 11 मई, 2026 को राज्य की सहकारी समितियों में गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल के माध्यम से खरीददारी की जानकारी प्रदान करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- हाल ही में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने व्हाट्सएप आधारित "TELL 14C चैटबॉट" प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है।
- हाल ही में राज्य सरकार द्वारा जारी सूचना के अनुसार 'ज्ञान भारतम मिशन' के अंतर्गत राजस्थान में 16.66 लाख से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण किया गया है, जो देश में सर्वाधिक है।
- हाल ही में "कोटा न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल" प्रसूताओं की मौत एवं स्वास्थ्य बिगड़ने के प्रकरण चर्चा में रहा था।
- हाल ही में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) द्वारा सीएसआर के तहत बीकानेर जिले के 40 सरकारी विद्यालयों में इंटरएक्टिव पैनल और ड्यूल डेस्क प्रदान किये गये है।
- हाल ही में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 14 मई, 2026 को नागौर जिले के मेड़ता में श्री राव दूदाजी के मूर्ति का अनावरण किया।
- हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलसीसी) द्वारा 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अनुदान के 75 से अधिक प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है।
- राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम- यह स्कीम केंद्र सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' की तर्ज पर शुरू की गई है जिसका उद्देश्य राजस्थान के प्रतिभावान खिलाड़ियों को खोजकर उन्हें तैयार करना है, ताकि वे ओलंपिक-2028 में पदक जीत सके।
- राज्य में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वारा विकसित जीआरएम (ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म) मॉड्यूल के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी के मामलों में जांच के दौरान फ्रीज किए जाने वाले बैंक खातों की शिकायत से समाधान तक सम्पूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन किये जाने की घोषणा की गयी है।
- हाल ही में राज्य सरकार द्वारा 18 मई से 25 मई, 2026 तक "जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान के अन्तर्गत जागृति एवं लाभ संतृप्ति कैम्पों का आयोजन किया गया।
- पीएम ई-बस योजना एवं राज्य स्तर पर स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान में अगस्त, 2026 तक सार्वजनिक परिवहन के लिए 500 ई-बसें उपलब्ध करवाई जाएंगी।

- हाल ही में इंद्रधनुष सभागार (पंचकुला) में 15 मई, 2026 को भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड का स्थापना दिवस का स्वर्ण जयंती समारोह के आयोजित हुआ। इस बोर्ड की स्थापना 15 मई, 1976 को हुई थी।
- राज्य में जनगणना- 2027 का अगला चरण 16 मई से 14 जून तक संचालित किया जा रहा है।
- हाल ही में राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई) के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेशभर में डेंगू से बचाव एवं रोकथाम को लेकर "जनभा_गीदारी से डेंगू पर प्रहार" थीम पर जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया।
- हाल ही में राजस्थान की कोटा डोरिया और पूर्वोत्तर भारत के प्रसिद्ध एरी सिल्क को मिलाकर नया प्रीमियम फैब्रिक विकसित करने की दिशा में पहल शुरू की गयी है।
- राज्य में पीएम ई-बस योजना एवं राज्य स्तर पर स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत अगस्त, 2026 तक सार्वजनिक परिवहन के लिए 500 ई-बसें उपलब्ध करवाई जाएंगी।
- राजस्थान राज्य सरकार ने प्रदेश की प्रतिभाओं को ओलंपिक के मंच तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की तर्ज पर 'राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' शुरू की है तथा जयपुर में राजस्थान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण किये जाने की घोषणा की है।
- हाल ही में राजस्थान सरकार और हरियाणा सरकार के बीच हुए समझौते के बाद राजस्थान नमो भारत नेटवर्क से जुड़ेगा और दिल्ली से अलवर के बीच नमो भारत ट्रेन का संचालन होगा।
- हाल ही में सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का जयपुर में शुभारंभ किये जाने की घोषणा की गयी है।
- हाल ही में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने 20 मई, 2026 को राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) परिसर में परिंडा बांधकर 'परिंडा बांधो अभियान' का शुभारम्भ किया।
- जनगणना संचालन-2026 के अंतर्गत स्वगणना अभियान में जयपुर जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जयपुर जिले द्वारा अब तक 3.25 लाख से अधिक स्वगणना दर्ज की गई हैं, जो राज्य की कुल स्वगणना उपलब्धि का लगभग 22 प्रतिशत है।
- हाल ही में राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 21 मई, 2026 को राज्य सहकारी विकास समिति (एससीडीसी) की 9वीं बैठक आयोजित की गयी।
- हाल ही में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने 24 मई, 2026 को गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन पीठ का शुभारंभ किया।
- हाल ही में हिन्दू सेवा मण्डल, जोधपुर द्वारा मारवाड़ की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक परम्परा "भोगीशैल परिक्रमा-2026" का शुभारम्भ किया गया।
- हाल ही में जयपुर के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में माटी कला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाने की घोषणा की गयी है। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से माटी की कला से जुड़े कलाकारों के लिए आधुनिक तकनीक के माध्यम से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।
- हाल ही में उपमुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय संयुक्त समीक्षा बैठक में प्रदेश के 10 जिला मुख्यालयों पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड पर आधुनिक सुविधायुक्त बस पोर्ट विकसित किए जाने की घोषणा की गयी है।
- प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत प्रदेश की रैंकिंग देश में प्रथम पाँच राज्यों में रही।
- हाल ही में एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में 24 मई, 2026 को "फिट इंडिया-साइकिल संडे" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष इस आयोजन की थीम "कॉमनवेल्थ डे 2030" थी।
- हाल ही में राजस्थान महिला खिलाड़ी आरती बिश्नोई को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआइ सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स में आयोजित अंडर 15 वीमेंस हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित किया गया है।
- हाल ही में राजस्थान ने अष्टम पोषण पखवाड़ा में प्रदेश ने 112.33 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पहला स्थान हासिल किया।
- हाल ही में राजस्थान ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण के मामले में 11वें स्थान पर रहा है। एचपीवी टीकाकरण देश में मध्यप्रदेश पहले, बिहार दूसरे और कर्नाटक तीसरे स्थान पर हैं।
- ऑपरेशन री-कॉल- जयपुर कमिश्नरेट की ईस्ट पुलिस द्वारा चलाए गया अभियान/ऑपरेशन जिसके तहत इस वर्ष अब तक करीब 2 करोड़ रुपए कीमत के 790 मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को लौटायें गये।
- हाल ही में राजस्थान की अंजलि शेखावत ने 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है।
- हाल ही में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने 31 मई, 2026 को ब्यावर के जैतारण में आधुनिक हॉकी टर्फ एवं हॉकी खेल अकादमी परियोजना का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किया।
- हाल ही में 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के तहत चयनित राज्य के 15 युवा (देशभर से 100 चयनित) हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों में राष्ट्र निर्माण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में भाग लेंगे।

- हाल ही में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रथम कुलगुरु और विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलगुरु प्रो. देवस्वरूप को अपने पद से तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश जारी किए हैं।
- हाल ही में राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा को क्रियान्विति करते हुए प्रदेश के 33 से अधिक जिलों में 77 सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों को सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की है। इनकी कुल अनुमानित लागत 676.74 करोड़ रुपए है।
- हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 29 मई, 2026 को नींदड वन क्षेत्र में नींदड बैनाड़ बायोडाइवर्सिटी प्रोजेक्ट ईको ट्रेल का उद्घाटन किया।
- हाल ही में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे के नव नियुक्त परिसहाय स्क्वाड्रन लीडर श्री सक्षम अग्रवाल ने पदभार ग्रहण किया। श्री सक्षम अग्रवाल अग्रवाल भारतीय वायुसेना के अधिकारी हैं।
- प्रदेश में मलेरिया उन्मूलन की दिशा में जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, मजबूत सर्विलांस एवं समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के लिए 'जून' माह एंटी मलेरिया माह के रूप में मनाया जाएगा।
- प्रदेश की औद्योगिक इकाइयों को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) की स्थापना के लिए 150 करोड़ रुपये तक अनुदान दिया जाएगा।
- हाल ही में राज्य के वन विभाग के साथ वेदांता ग्रुप की द एनिमल केयर ऑर्गेनाइजेशन (TACO) ने सरिस्का टाइगर रिजर्व में अग्निवेश अग्रवाल नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर (NIC) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।
- हाल ही में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान-2.0 के तहत जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन कार्यों को गति देने के लिए द्वितीय एवं तृतीय चरण के लिए 688.28 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियाँ जारी की गयी हैं।
- हाल ही में जनजातीय गौरव उत्सव के अंतर्गत केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार 18 मई से 25 मई, 2026 तक जयपुर जिले में "जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान संचालित किया गया।
- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के स्कूलों में राजस्थानी भाषा पढ़ाने और उसे भविष्य में शिक्षा का माध्यम बनाने का निर्देश दिया है।
- हाल ही में पाली जिला प्रशासन ने गांवों से निकल कर देश के अन्य हिस्सों और विदेशों में पहुंचे प्रवासियों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने के लिए प्रवासी प्रकोष्ठ का गठन किया है।
- हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर' की वीरगाथा से प्रेरित होकर बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील में नवगठित राजस्व ग्राम का नाम 'सिंदूर नगर' रखा गया है।
- हाल ही में राजस्थान राज्य जिमनास्टिक संघ के 2026-2030 कार्यकाल के लिए छुए चुनावों में चैन सिंह राठौड़ को अध्यक्ष, परमेश्वर प्रजापत को सचिव और सी.ए. सुधीश शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया है।
- हाल ही में जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर के रूप में प्रदेश में निजी क्षेत्र का पहला ऐसा डेटा सेंटर स्थापित किया गया है।
- हाल ही में अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से आयोजित समारोह में दिव्यांग अधिकार महासंघ के नेशनल चेयरमैन डॉ. हेमंत भाई गोयल को 'कर्म श्री अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है।
- हाल ही में जयपुर की रोबोटिक्स कंपनी 'क्लब फर्स्ट' ने 'कृष्णा' नामक रोबोट बनाया है।
- हाल ही में हाईकोर्ट ने आमेर, जयगढ़ और नाहरगढ़ किलों को जोड़ने वाले प्रस्तावित रोप-वे प्रोजेक्ट के लिए जारी अनुमति पत्र की पालना पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस अंतरिम रोक से प्रस्तावित रोप-वे प्रोजेक्ट का कार्य स्थगित हो गया।
- राजस्थान सरकार राज्य के युवाओं को विदेशों में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए जयपुर में स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना करेगी।
- हाल ही में प्रदेश के पहले अत्याधुनिक आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर का जयपुर स्थित 'विधिक सेवा सदन' परिसर में शुभारंभ किया गया है।
- हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने विज्ञान, गणित और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए 'ब्रह्मगुप्त पुरस्कार' शुरू करने तथा जयपुर के कोचिंग हब में 'इनोवेशन सेंटर' स्थापित करने की घोषणा की है।
- हाल ही में संसद रत्न पुरस्कार 2026 के लिए राजस्थान से सांसद पी.पी. चौधरी (राजस्थान) और लुंबाराम चौधरी (राजस्थान) को चुना गया है।
- हाल ही में महिमा ग्रुप के प्रेसिडेंट डॉ. आर. के. अरोड़ा को "राष्ट्रपति पुलिस पदक विशिष्ट सेवा" से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें 22 मई, 202 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित बीएसएफ इन्वेस्टिचर सेरेमनी में दिया गया।
- हाल ही में राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में वायु अस्त्र-1 का सफल परीक्षण किया गया है।
- हाल ही में आमेर (जयपुर) प्राचीन अम्बिकेश्वर महादेव मंदिर में करीब 1000 साल पुराना शैलचित्र मिले है। इन शैल चित्रों में भगवान राम और रावण के महायुद्ध के सजीव दृश्य उकेरे गए हैं।
- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा राजस्थान में ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश करेगा। यूएई द्वारा प्रदेश में करीब 3 लाख करोड़ रुपए की लागत से 60,000 मेगावाट क्षमता के रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट विकसित किये जायेंगे। ■■■■

# 2 राष्ट्रीय परिदृश्य

## विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और उपचुनाव 2026

**भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने 15 मार्च, 2026 को असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा के आठ विधानसभा निर्वाचन-क्षेत्रों के उप-चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था।**

### इन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में में निम्नानुसार मतदान कार्यक्रम आयोजित किए गये-

| आम चुनाव / उप-चुनाव वाले राज्य/ संघ राज्य-क्षेत्र का नाम | मतदान की तिथि और चरण |
|---|---|
| असम, केरल, पुदुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा | 09 अप्रैल, 2026 |
| तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र | 23 अप्रैल, 2026 |
| पश्चिम बंगाल | 23 अप्रैल, 2026 (चरण-I) |
| | 29 अप्रैल, 2026 (चरण-II) |

**स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR)-** चुनाव आयोग ने इस बार मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में विशेष अभियान चलाया था।

### असम

- कुल सीट- 126
- मतदान- 9 अप्रैल, 2026 (एक चरण में)
- चुनाव परिणाम- 4 मई, 2026
- मतदान प्रतिशत- 85.96%
- यह असम के विधानसभा चुनाव के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है।
- इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) ने तीन-चौथाई बहुमत के साथ सत्ता में लगातार तीसरी बार वापसी की है।
- हिमंत बिस्वा सरमा को पुनः राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है।

### दलवार परिणाम-

| दल का नाम | विजयी |
|---|---|
| भारतीय जनता पार्टी | 82 |
| इंडियन नेशनल काँग्रेस | 19 |
| बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट | 10 |
| असम गण परिषद | 10 |
| ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट | 2 |
| रायजोर दल | 2 |
| आल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस | 1 |
| कुल | 126 |

## पश्चिम बंगाल-

- कुल सीट- 294
- मतदान- दो चरणों में
- चरण-I- 23 अप्रैल, 2026
- चरण-II- 29 अप्रैल, 2026
- चुनाव परिणाम- 4 मई, 2026
- मतदान प्रतिशत- 92.47%
- दक्षिण- 24 परगना की फाल्टा विधानसभा सीट पर 29 अप्रैल को ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की शिकायतों के बाद चुनाव आयोग ने री-पोलिंग का आदेश दिया। 21 मई को मतदान हुआ, और 24 मई को भाजपा के देवांग्शु पांडा के पक्ष में नतीजा आया।
- भाजपा ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को हराकर राज्य में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ सुवेंदु आधिकारी के नेतृत्व में सरकार बनाई है।

### दलवार परिणाम-

| दल का नाम | विजयी |
|---|---|
| भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी | 208 |
| आल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस - एआईटीसी | 80 |
| इंडियन नेशनल काँग्रेस - आईएनसी | 2 |
| आम जनता उन्नयन पार्टी - एजेयूपी | 2 |
| कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट) - सीपीआई(एम) | 1 |
| ऑल इंडिया सेक्यूलर फ्रंट - ऐसफ | 1 |
| कुल | 294 |

## तमिलनाडु-

- कुल सीट- 234
- मतदान- 23 अप्रैल, 2026 (एक चरण में)
- चुनाव परिणाम- 4 मई, 2026
- मतदान प्रतिशत- 85.1%
- सी. जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप नियुक्त किया गया है।

### दलवार परिणाम-

| दल का नाम | विजयी |
|---|---|
| तमिलागा वेत्री कझगम - त्वक | 108 |
| द्रविड़ मुनेत्र कड़गम - डीएमके | 59 |
| ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम - एडीएमके | 47 |
| इंडियन नेशनल काँग्रेस - आईएनसी | 5 |
| पट्टाली मक्कल काची - पीएमके | 4 |
| इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग - आईयूएमएल | 2 |
| कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया - सीपीआई | 2 |
| विदुथलाई चिरूथईगल काची - वीसीके | 2 |
| कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मर्क्सिस्ट्स) - सीपीआई(एम) | 2 |
| भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी | 1 |
| देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम - डीएमडीके | 1 |
| अम्मा मक्कल मुन्नेट्र कळगम | 1 |
| कुल | 234 |

## केरल-

- कुल सीट- 140
- मतदान- 9 अप्रैल, 2026 (एक चरण में)
- चुनाव परिणाम- 4 मई, 2026
- मतदान प्रतिशत- 79.7%
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. डी. सतीशन को केरल के मुख्यमंत्री के रूप नियुक्त किया गया है।
- इन चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) ने वामपंथी गठबंधन (LDF) के 10 साल के शासन को समाप्त कर दिया।

### दलवार परिणाम-

| दल का नाम | विजयी |
|---|---|
| इंडियन नेशनल काँग्रेस - आईएनसी | 63 |
| कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट) - सीपीआई(एम) | 26 |
| इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग - आईयूएमएल | 22 |
| कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया - सीपीआई | 8 |
| केरल कांग्रेस - केईसी | 7 |
| रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी - आरएसपी | 3 |
| भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी | 3 |
| राष्ट्रीय जनता दल - आरजेडी | 1 |
| रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया - रमपोई | 1 |
| केरल कांग्रेस (जैकब) - केईसी(जे) | 1 |
| कम्युनिस्ट मार्क्ससिस्ट पार्टी केरल स्टेट कमेटी - सीएमपीकेएससी | 1 |
| निर्दलीय - आईएनडी | 4 |
| कुल | 140 |

## पुडुचेरी

- कुल सीट- 30
- मतदान- 9 अप्रैल, 2026 (एक चरण में)
- चुनाव परिणाम- 4 मई, 2026
- मतदान प्रतिशत- 89.87%
- श्री एन रंगास्वामी (ऑल इंडिया एन.आर.काँग्रेस) को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप नियुक्त किया गया है।

### दलवार परिणाम-

| दल का नाम | विजयी |
|---|---|
| ऑल इंडिया एन. आर. काँग्रेस - एआईएनआरसी | 12 |
| द्रविड़ मुनेत्र कड़गम - डीएमके | 5 |
| भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी | 4 |
| तमिलागा वेत्री कझगम - त्वक | 2 |
| इंडियन नेशनल काँग्रेस - आईएनसी | 1 |
| लचिया जननायक काची - लजक | 1 |
| ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम - एडीएमके | 1 |
| नेयम मक्कल कझगम - एनयएमके | 1 |
| निर्दलीय - आईएनडी | 3 |
| कुल | 30 |

## विधानसभा उपचुनाव 2026 परिणाम

**देश के 5 राज्यों की विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए जिनका परिणाम 4 मई, 2026 को घोषित हुए।**

### महाराष्ट्र

- बारामती सीट- उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा अजीत पवार (NCP) ने जीत दर्ज की। इन्होंने देश में विधानसभा चुनावों की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने 2,18,034 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।
- **राहुरी सीट-** भाजपा के अक्षय शिवाजीराव कर्डिले ने जीत हासिल की।

### कर्नाटक

- बागलकोट से उमेश हुल्लप्पा मेटी (कांग्रेस) ने जीत हासिल की।
- दावनगेरे दक्षिण से समर्थ शमनूर मल्लिकार्जुन (कांग्रेस) ने जीत हासिल की।

### गुजरात

- उमरेठ सीट पर भाजपा के हर्षदभाई गोविंदभाई परमार जीत हासिल की।

### त्रिपुरा

- धर्मनगर सीट पर भाजपा के जहर चक्रवर्ती जीत हासिल की।

### नागालैंड

- कोरिडांग सीट से भाजपा के दाओचियर आई. इमचेन जीत हासिल की।

## भारतीय मानक ब्यूरो ने विकलांग व्यक्तियों और वृद्धजनों के लिए सहायक उत्पादों हेतु नए मानक प्रकाशित किये

- हाल ही में 1 मई, 2026 को भारतीय मानक ब्यूरो ने विकलांग व्यक्तियों और वृद्धजनों के लिए सहायक उत्पादों हेतु छह नए मानक प्रकाशित किये है।
- इसके ठाट सुगम्य भारत अभियान को मजबूती मिलेगी और सहायक उत्पादों की सुरक्षा, गुणवत्ता और कार्यक्षमता (Performance) सुनिश्चित हो पायेगी।
- **प्रकाशित किए गए छह मानक निम्न है-**
  1. कोहनी बैसाख-IS 18558 (Part-1)
  2. चलने वाली छड़ें- IS 5145
  3. तीन या अधिक पैरों वाली छड़ें -IS 18558 (Part-4)
  4. स्पर्शनीय मार्गदर्शक मानचित्र - IS 19189
  5. ब्रेल का प्रयोग- IS 19190
  6. पोर्टेबल रैंप- IS 19631
- **भारतीय मानक ब्यूरो-**
  - स्थापना- 6 जनवरी, 1947
  - संबधित मंत्रालय- उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
  - यह भारत में वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन एवं गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है।

### भारतीय मानक ब्यूरो

- स्थापना- 6 जनवरी, 1947
- **संबधित मंत्रालय**- उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
- यह भारत में वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन एवं गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है|

## 'पद्म डोरी' का वैश्विक लाँच-

- हाल ही में पूर्वोत्तर हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम ने 1 मई, 2026 को औपचारिक रूप से 'पद्म डोरी' का अनावरण किया है।
- पद्म डोरी एक विशिष्ट अंतर-सांस्कृतिक वस्त्र पहल है, जो पूर्वोत्तर भारत की एरी (अहिंसा) रेशम परंपराओं को मध्य प्रदेश की चंदेरी बुनाई की समृद्ध धरोहर के साथ जोड़ती है।
- **इस पहल में दो विशिष्ट वस्त्र शैलियों का मिश्रण है, जो निम्न है-**
  1. **एरी रेशम-** यह पूर्वोत्तर भारत का प्रसिद्ध रेशम है। इसे 'अहिंसा रेशम' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें रेशम के कीड़ों को मारे बिना धागा निकाला जाता है।
  2. **चंदेरी बुनाई-** यह मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक और उत्कृष्ट बुनाई कला है, जो अपने सूक्ष्म अलंकरणों और हल्के वजन वाले वस्त्रों के लिए जानी जाती है।
- यह पहल प्रधानमंत्री के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है तथा भारत की स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और वस्त्र परंपराओं को आधुनिक फैशन के साथ जोड़ने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

## भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान ने आंध्र विश्वविद्यालय में सी-एआरटी की खुली वेधशाला का उद्घाटन किया-

- हाल ही में भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ने विशाखापत्तनम स्थित आंध्र विश्वविद्यालय में 1 मई 2026 को कोस्टल एटमॉस्फेरिक रिसर्च टेस्टबेड (सी-एआरटी) की खुली वेधशाला का उद्घाटन किया है।
- यह वेधशाला पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'मिशन मौसम' पहल का हिस्सा है।
- इस वेधशाला में कई अत्याधुनिक उपकरण जैसे इम्पैक्ट डिसड्रोमीटर, 3D प्रिंटेड ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन, एडी कोवेरियंस टावर, स्कैनिंग विंड लिडार, फेज ऐरे रडार और प्रोटॉन ट्रांसफर रिएक्शन मास स्पेक्ट्रोमीटर स्थापित किए गए हैं।
- इस वेधशाला की स्थापना के साथ ही तटीय क्षेत्रों में चरम मौसमी घटनाओं की बेहतर निगरानी और सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा।

## गुजरात में भारत का पहला मल्टी-लेन फ्री फ्लो बैरियर-रहित टोलिंग सिस्टम लॉन्च-

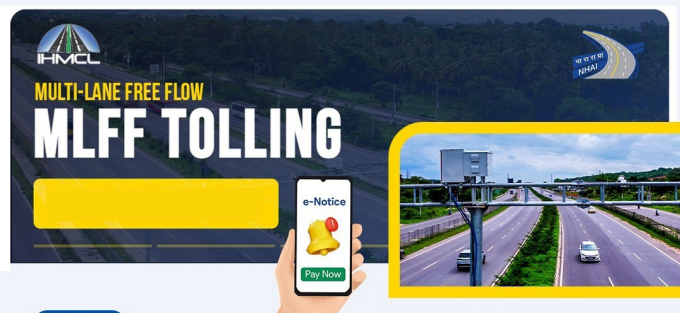


- हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने गुजरात में भारत की पहली मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) बाधा रहित (बैरियर-लेस) टोलिंग प्रणाली के शुभारंभ की घोषणा की है।

- यह प्रणाली राष्ट्रीय राजमार्ग- 48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर शुरू हुई है।
- यह अत्याधुनिक प्रणाली ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) और फास्ट टैग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके, वाहनों को बिना रुके निर्बाध टोल संग्रह की सुविधा प्रदान करती है।
- इस प्रणाली से यात्रा के समय में काफी कमी आने, राजमार्गों पर भीड़ कम होने, ईंधन दक्षता में सुधार होने, वाहनों के उत्सर्जन में कमी आने और टोल संचालन में मानवीय हस्तक्षेप कम होने की उम्मीद है।
- **मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF)-** एक आधुनिक टोलिंग प्रणाली है, जिसमें वाहनों को टोल प्लाजा पर बिना रुके, सामान्य गति से गुजरने की अनुमति मिलती है।

## 'सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम' का शुभारंभ-

- हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2 मई, 2026 को 'सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम' (सीबीएस) का शुभारंभ किया है।
- यह एक स्वदेशी तकनीक है जिसे दूरसंचार विभाग के सी-डीओटी द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और गृह मंत्रालय के सहयोग से विकसित किया गया है।
- यह पहल भारत की आपातकालीन संचार प्रणालियों को मजबूत करने और सार्वजनिक सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम-**
  - सेल ब्रॉडकास्ट सॉल्यूशन (सीबीएस) टेलीकॉम-आधारित एक ऐसी सार्वजनिक चेतावनी प्रणाली है, जो एक निश्चित क्षेत्र के भीतर सभी मोबाइल उपकरणों पर एक साथ सटीक जियो-टारगेटेड अलर्ट भेजने की सुविधा प्रदान करती है।
  - यह पारंपरिक एसएमएस-आधारित प्रणालियों की कमियों को दूर करता है और यह सुनिश्चित करता है कि संकट के समय महत्वपूर्ण जानकारी लक्षित क्षेत्रों की बड़ी आबादी तक बिना किसी देरी के और कुशलता से पहुँचाई जा सके।
  - सामान्य SMS 'पॉइंट-टू-पॉइंट' काम करता है जबकि लेकिन सीबीएस 'पॉइंट-टू-एरिया' काम करता है। इसमें मोबाइल नेटवर्क टावर अपने कवरेज क्षेत्र में मौजूद हर उस फोन को संदेश भेजते हैं जो उस समय सक्रिय होता है।
  - **विशेषताएँ-**
    - नेटवर्क जाम से मुक्ति क्योंकि नेटवर्क की आवश्यकता नहीं।
    - नंबर की आवश्यकता नहीं।
    - तेज़ आवाज़ और वाइब्रेशन।
    - इंटरनेट की जरूरत नहीं।
  - **उपयोग-**
    - प्राकृतिक आपदा की अग्रिम चेतावनी देने के लिए।
    - सरकारी सूचना से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रसारित करने के लिए।
    - सार्वजनिक सुरक्षा के समय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश देने के लिए।
  - **एसएमएस और CBS में अंतर-**

| विशेषता | सामान्य एसएमएस | सेल ब्रॉडकास्ट |
|---|---|---|
| पहुंच | व्यक्तिगत | समूह |
| नेटवर्क निर्भरता | नेटवर्क जाम होने पर फेल हो सकता है | जाम से अप्रभावित रहता है |
| स्थान आधारित | कठिन | बहुत सटीक (सिर्फ प्रभावित क्षेत्र में) |
| प्रभावीता | धीमी (एक-एक कर जाता है) | अत्यंत तीव्र (सेकंडों में लाखों तक) |

## भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में बढ़ोतरी-

- हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 5 मई, 2026 को स्वीकृत सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक-2026 के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश-2026' जारी किया है।

- **सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश-2026-**
  - यह अध्यादेश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 16 मई, 2026 को जारी किया गया।
  - इस अध्यादेश के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में जजों की अधिकतम स्वीकृत संख्या 34 से बढ़कर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो गई है।
- सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि होने से न्यायालय अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेगा, जिससे त्वरित न्याय सुनिश्चित हो सकेगा।

**पृष्ठभूमि-**

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 (1) में अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान किया गया है कि "भारत का एक सर्वोच्च न्यायालय होगा जिसमें भारत का एक मुख्य न्यायाधीश और संसद के कानून द्वारा अधिक संख्या निर्धारित न किए जाने तक सात से अधिक अन्य न्यायाधीश नहीं होंगे।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए 'सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956' बनाया गया था। इसके बाद विभिन्न संशोधनों के जरिए न्यायाधीशों की संख्या (मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) को निम्नानुसार बढ़ाया गया-
  - वर्ष 1956- 11 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)
  - वर्ष 1960- 14 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)
  - वर्ष 1977- 18 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)
  - वर्ष 1986- 26 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)
  - वर्ष 2008- 31 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)
  - वर्ष 2019- 34 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)
  - वर्ष 2026- 38 न्यायाधीश (मुख्य न्यायाधीश सहित)

## गुजरात के वडीनार में निर्मित होगा अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र-

- हाल ही में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने 5 मई, 2026 को हाल ही में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने 5 मई, 2026 को गु जरात के वडीनार में अत्याधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र के निर्माण को स्वीकृति दी है।
- इस परियोजना को दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण (डीपीए) और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा संयुक्त रूप से 1,570 करोड़ रुपये के निवेश से कार्यान्वित किया जाएगा।
- यह परियोजना एक ब्राउनफील्ड सुविधा के रूप में योजनाबद्ध है, जि समें 650 मीटर का जेटी, दो बड़े फ्लोटिंग ड्राई डॉक, कार्यशालाएं और संबंधित समुद्री अवसंरचना शामिल हैं।

**प्रभाव-**

- व्यापक समुद्री औद्योगिक इकोसिस्टम को भी बढ़ावा मिलेगा।
- इससे विदेशी शिपयार्डों पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा का विदेशों में जाना कम होगा।
- पश्चिमी तट पर मरम्मत क्षमता में सुधार और बेहतर टर्नअराउंड समय से भारतीय बंदरगाहों की समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी
- मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047 दीर्घकालिक समुद्री उद्देश्य पूर्ण होगे।
- जहाज मरम्मत, रसद और सहायक उद्योगों में लगभग 290 प्रत्यक्ष और लगभग 1,100 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगे।

## भारत इनोवेट्स 2026 के लिए पेरिस में रोड शो आयोजित-

- हाल ही में 5 मई, 2026 को शिक्षा मंत्रालय ने 'भारत इनोवेट्स 2026' में वैश्विक निवेशकों, कॉरपोरेट, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं की भागीदारी के लिए इस कार्यक्रम से पूर्व पेरिस में रोड शो आयोजित किया।

**भारत इनोवेट्स -2026**

- **आयोजन- 14 से 16 जून, 2026 तक**
  - आयोजन स्थल- नीस शहर, फ्रांस में
  - उद्देश्य- भारत के डीप-टेक स्टार्ट-अप्स और उच्च शिक्षा नवाचार इकोसिस्टम को दुनिया भर के निवेशकों, कॉरपोरेट्स, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ जोड़ना।

## भारत करेगा अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी-

- भारत 1 से 2 जून, 2026 के मध्य नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी करेगा।
- इस शिखर सम्मेलन मुख्य विषय 'बड़ी बिल्लियों को बचाएं, मानवता को बचाएं, पारिस्थितिकी तंत्र को बचाएं' है।
- इस सम्मेलन में में दुनिया भर से 400 से अधिक संरक्षणवादी, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, बहुपक्षीय एजेंसियां, वित्तीय संस्थान, कॉर्पोरेट नेता और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

**अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस**

- यह पहला वैश्विक मंच है जो उन देशों को एक साथ लाता है जहाँ 'बिग कैट' की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसके तहत 'बिग कैट' की 7 प्रजातियों (बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर, प्यूमा) का संरक्षण किया जाता है।

## नीति आयोग ने जारी की "भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली" पर रिपोर्ट-

- हाल ही में नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री सुमन बेरी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीमती निधि छिब्बर ने 6 मई, 2026 को भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली पर रिपोर्ट जारी की है।
- नीति आयोग ने यह रिपोर्ट "भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली: गुणवत्ता संवर्धन के लिए सामयिक विश्लेषण और नीतिगत रूपरेखा» नामक शीर्षक से जारी की है।
- यह रिपोर्ट पिछले एक दशक के दौरान भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली का व्यापक और गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है।
- इस रिपोर्ट में पहुंच व नामांकन, बुनियादी ढांचा, समानता व समावेशन और सीखने के परिणाम जैसे प्राथमिक स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

### रिपोर्ट में उल्लेखित महत्वपूर्ण बातें-

- वर्तमान में भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में 14.71 लाख स्कूल हैं। इनमें 24.69 करोड़ से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं और यह विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है।
- पिछले दशक में स्कूलों में बिजली, कार्यात्मक स्वच्छता सुविधाओं और समावेशी बुनियादी ढांचे के प्रावधान में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।
- स्कूलों में कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्टिविटी और स्मार्ट कक्षाओं तक पहुंच बढ़ने से डिजिटल शिक्षण व्यवस्था का महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है।

### रिपोर्ट में की गयी अनुशंसाएँ-

- रिपोर्ट में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 13 प्रमुख सिफारिशें की गई हैं और इन सिफारिशों को धरातल पर लागू करने के लिए 33 विशिष्ट तरीके सुझाए गए हैं।
- इन सभी उपायों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है- अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालीन दृष्टिकोण।
- इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों की भूमिका और जवाबदेही को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है।

## केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने लॉन्च किया 'जननी प्लेटफॉर्म'-

- हाल ही में संपन्न "राष्ट्रीय नवाचार एवं समावेशिता शिखर सम्मेलन- भारत के स्वास्थ्य भविष्य को आकार देने वाली सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों" में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जननी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है।
- जननी (प्रसवपूर्व, प्रसवोत्तर और नवजात शिशु एकीकृत देखभाल की यात्रा) प्लेटफॉर्म देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में योगदान देगा।

### जननी प्लेटफॉर्म-

- यह एक सेवा-केन्द्रित डिजिटल प्लेटफॉर्म है।
- यह वर्तमान में विद्यमान आरसीएच पोर्टल के उन्नत संस्करण के रूप में विकसित किया गया है।
- इसे प्रजनन आयु की महिलाओं के डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की व्यापक निगरानी और रखरखाव के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- उद्देश्य- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारू निगरानी सुनिश्चित करना।

## सीबीसी और एनसीजीजी ने श्रीलंका के 40 सिविल सेवकों के लिए क्षमतावर्द्धन के लिए सहयोग किया-

- हाल ही में क्षमता विकास आयोग (CBC) और राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG) ने श्रीलंका के 40 सिविल सेवकों के क्षमता निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सत्र का आयोजन किया है।
- यह रणनीतिक सत्र 'ग्लोबल डिजिटल कैपेसिटी बिल्डिंग एलायंस' के तहत आयोजित किया गया तथा यह "भविष्य अनुरूप सार्वजनिक संस्थानों का निर्माण" विषय पर था।

## पीएम-सेतु के लिए एनएसटीआई- कानपुर में उद्योग परामर्श बैठक का आयोजन

- हाल ही में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार ने 8 मई, 2026 को कानपुर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में एक उद्योग परामर्श बैठक का आयोजन किया।
- इस बैठक में वैमानिकी और संबद्ध क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र सहित उन्नत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से पीएम-सेतु के तहत प्रस्तावित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के लिए उद्योगों की सहभागिता एवं सहयोगपूर्ण अवसरों की संभावना पर विचार-विमर्श किया गया।

## प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड ITIs

- मंत्रिमंडल की मंजूरी- मई, 2025
- शुभारंभ- 4 अक्टूबर, 2025
- बजट- 60,000 करोड़ रुपये
- उद्देश्य- आधुनिक रोजगार बाजार के अनुरूप प्रशिक्षण को और अधिक प्रासंगिक बनाकर आईटीआई प्रणाली में मौजूदा कमियों को दूर करना|
- यह 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल पर आधारित है, जिसमें 200 'हब' आईटीआई को 800 'स्पोक' आईटीआई से जोड़ा जाएगा।

## तीन केन्द्रीय जन सुरक्षा योजनाओं के 11 साल पूर्ण-

- हाल ही में 9 मई, 2015 को शुरू की गई जनसुरक्षा योजनाएं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के 11 साल पूर्ण हो गये।
- यह योजनाएँ समाज के सभी वंचित और कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।
- इन प्रमुख योजनाओं का लक्ष्य नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से बचाकर और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देकर बीमा और पेंशन व्यवस्था को व्यापक बनाना है।
- अब तक पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमशः 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन पूर्ण हो चुके हैं।

## प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई)

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) किसी भी कारण से होने वाली मृत्यु के लिए प्रतिदिन 2 रुपये से कम के प्रीमियम पर जीवन बीमा कवर प्रदान करने के लिए बनाई गई है।
- पीएमजेजेबीवाई एक वर्षीय बीमा योजना है, जिसे हर साल नवीनीकृत किया जा सकता है।
- पात्रता- 18 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के सभी व्यक्तिगत खाताधारक।
- नामांकन अवधि- 1 जून से 31 मई तक एक वर्ष की अवधि के लिए।
- प्रीमियम- 436/- रुपये प्रति वर्ष प्रति सदस्य।

## प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)

- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) को दुर्घटना के आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता कवर प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इसका न्यूनतम प्रीमियम 2 रुपये प्रति माह से कम है।
- पीएमएसबीवाई एक वर्षीय बीमा योजना है, जिसे हर साल नवीनीकृत किया जा सकता है।
- **पात्रता-** 18 से 70 वर्ष की आयु वर्ग के सभी व्यक्तिगत खाताधारक।
- **नामांकन अवधि-** 1 जून से 31 मई तक एक वर्ष की अवधि के लिए।
- **प्रीमियम-** 20 रुपये प्रति वर्ष प्रति सदस्य।
- **लाभ-**

| स्थिति | बीमा राशि |
|---|---|
| मृत्यु होने पर | 2 लाख रुपये |
| दोनों आँखों की पूर्ण और अपूरणीय क्षति या दोनों हाथों या पैरों के उपयोग क्षमता पूरी तरह से समाप्त हो जाना या एक आंख की रोशनी का नुकसान और एक हाथ या एक पैर की क्षति | 2 लाख रुपये |
| एक आंख की दृष्टि का पूर्ण और अपूरणीय क्षति या एक हाथ या एक पैर की क्षति | 1 लाख रुपये |

## अटल पेंशन योजना (एपीवाई)

- अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का उद्देश्य सभी भारतीयों, विशेष रूप से गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक सार्व-भौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।
- इसका संचालन पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पी-एफआरडीए) द्वारा किया जाता है।
- पात्रता- 18 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बैंक खाताधारक (आयकर दाता नहीं हो)
- लाभ- योजना में शामिल होने के बाद ग्राहक द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर, ग्राहकों को 60 वर्ष की आयु के बाद 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की गारंटीकृत न्यूनतम मासिक पेंशन प्राप्त होगी।

## प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास योजना के चतुर्थ चरण का शुभारंभ

- हाल ही में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 मई, 2026 को को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के भेरूंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास योजना के चतुर्थ चरण का शुभारंभ किया।
- यह शुभारंभ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में किया गया।
- इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के अंतर्गत पिछले 25 वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बड़े राज्यों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।
- **सर्वाधिक सड़क लंबाई पूर्ण करने की श्रेणी में-**
  1. प्रथम स्थान- मध्य प्रदेश (90,766 किमी)
  2. द्वितीय स्थान- राजस्थान (75,868 किमी)
  3. तृतीय स्थान- उत्तर प्रदेश (75,695 किमी)
- **सर्वाधिक बसावटों को जोड़ने की श्रेणी में-**
  1. प्रथम स्थान- बिहार (31,287)
  2. द्वितीय स्थान- मध्य प्रदेश (17,493)
  3. तृतीय स्थान- ओडिशा (16,990)
- **हरित प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग की श्रेणी में-**
  1. प्रथम स्थान- गुजरात (98.42 प्रतिशत)
  2. द्वितीय स्थान- तमिलनाडु (98.39 प्रतिशत)
  3. तृतीय स्थान- हरियाणा (97.92 प्रतिशत)
- **ग्रामीण सड़कों के रखरखाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन की श्रेणी में-**
  1. प्रथम स्थान- उत्तर प्रदेश (654 करोड़ रुपये)
  2. द्वितीय स्थान- बिहार (553 करोड़ रुपये)
  3. तृतीय स्थान- पश्चिम बंगाल (497.62 करोड़ रुपये)

- **गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन की श्रेणी में-**
    1. प्रथम स्थान- मध्य प्रदेश
    2. द्वितीय स्थान- राजस्थान एवं तमिलनाडु
    3. तृतीय स्थान- गुजरात
- **दोष दायित्व अवधि के बाद ग्रामीण सड़कों के रखरखाव की श्रेणी में-**
    1. प्रथम स्थान- मध्य प्रदेश (1044 करोड़ रुपये)
    2. द्वितीय स्थान- छत्तीसगढ़ (490 करोड़ रुपये)
    3. तृतीय स्थान- उत्तर प्रदेश (284 करोड़ रुपये)
- **उत्तर-पूर्वी, पहाड़ी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वाधिक सड़क लंबाई पूर्ण करने की श्रेणी में-**
    1. प्रथम स्थान- असम (32,169 किमी)
    2. द्वितीय स्थान- हिमाचल प्रदेश (23,081 किमी)
    3. तृतीय स्थान- उत्तराखंड (21,874 किमी)

### प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

- प्रारम्भ- वर्ष 2000 में
- यह केंद्र प्रायोजित योजना है|
- उद्देश्य- ग्रामीण बस्तियों को उपयोगी सड़क संपर्क प्रदान करना।
- वित्तपोषण- केंद्र और राज्यों के बीच समतल क्षेत्रों हेतु 60:40 जबकि उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालयी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लिये यह 90:10
- इसमें त्रि-स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण को लागू किया गया है|
- लाभ- इससे देश में शहरी-ग्रामीण विभाजन कम हुआ और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच आसान हुई।

## प्रधानमंत्री ने किया वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने 10 मई, 2026 को तेलंगाना के वारंगल में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया।
- यह 1695.54 करोड़ रुपये की लागत से विकसित देश का पहला कार्यरत पीएम मित्र पार्क है।
- यह पार्क भारत सरकार की 5 एफ परिकल्पना "फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन" के अनुकूल है।
- इस पार्क में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावना है और वर्तमान में पार्क का 62 प्रतिशत हिस्सा आवंटित किया जा चुका है।
- यह पार्क 1,327 एकड़ में फैला है और इससे लगभग 24,400 से अधिक नौकरियों के सृजन की संभावना है।

### पीएम मित्र पार्क

- संबंधित मंत्रालय- वस्त्र मंत्रालय
- उद्देश्य- वस्त्र अवसंरचना के लिए एक राष्ट्रीय इकोसिस्टम को बढ़ावा देना|
- मंत्रिमंडल की मंजूरी- मार्च, 2023 में
- पार्कों की संख्या- सात (तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश)
- PM MITRA - Pradhan Mantri Mega Integrated Textile Region and Apparel पार्क

## सोमनाथ अमृत महोत्सव-

- हाल ही में सोमनाथ मंदिर के पुनर्स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 11 मई, 2026 को सोमनाथ अमृत महोत्सव आयोजित किया गया।
- इस महोत्सव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया था।
- 11 मई 1951 को स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने नवनिर्मित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किया था।

### सोमनाथ मंदिर

- भारत के सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों में से एक है जो द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है।
- यह मंदिर अरब सागर के तट पर कपिला, हिरण और सरस्वती नदियों के त्रिवेणी संगम पर सौराष्ट्र क्षेत्र के वेरावल (प्रभास पाटन), गुजरात में स्थित है।
- इस मंदिर पर पहला बड़ा और लिखित आक्रमण महमूद गज़नी द्वारा 1026 ईस्वीं में किया गया था। इस समय गुजरात पर चालुक्य राजा भीमदेव प्रथम का शासन था, जिन्होंने बाद में इसके पुनर्निर्माण में सहयोग किया।
- आधुनिक निर्मित मंदिर में 11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा ज्योतिर्लिंग की प्राण-प्रतिष्ठा की गई।
- राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने सोमनाथ को "भारत के सांस्कृतिक पुन-रुत्थान का प्रतीक" कहा था।
- आधुनिक मंदिर का निर्माण 'कैलाश महामेरु प्रसाद' स्थापत्य शैली में किया गया है। इसके मुख्य वास्तुकार प्रभाशंकर सोमपुरा थे।

## भारत की पहली सीसीयूएस फील्ड प्रयोगशाला का उद्घाटन

- हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 10 मई, 2026 को आईआईटी-बॉम्बे में भारत इनोवेट्स 2026 के अंतर्गत भारत की पहली एकीकृत कार्बन कैप्चर, यूटिलाइज़ेशन और स्टोरेज (सीसीयूएस) फील्ड प्रयोगशाला सुविधा का उद्घाटन किया।
- इस सीसीयूएस फील्ड प्रयोगशाला का विकास आईआईटी-बॉम्बे के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रोफेसर और डीएसटी-राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के संयोजक प्रोफेसर विक्रम विशाल के नेतृत्व में किया गया है।
- यह भारत की पहला पूर्ण विकसित फील्ड प्रयोगशाला है जो बेसाल्ट संरचनाओं में कार्बन कैप्चर और यूटिलाइज़ेशन (सीसीयू) को

भूवैज्ञानिक कार्बन डाइऑक्साइड पृथक्करण (जीसीएस) के साथ एकीकृत करती है।

- इसमें उन्नत जलीय-आधारित कार्बन डाइऑक्साइड कैप्चर तकनीक का प्रयोग किया गया है जिसमें उस जल का उपयोग होता है जो पीने योग्य नहीं है। इसके उपयोग से परिवेश की वायु और औद्योगिक उत्सर्जन से कार्बन डाइऑक्साइड को कैप्चर किया जाता है।

## सेहत मिशन लॉन्च-

- हाल ही में भारत सरकार द्वारा 11 मई, 2026 को सेहत मिशन लॉन्च किया गया है।
- यह मिशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) की साझेदारी से प्रारंभ हेल्दी फूड, हेल्दी फार्म और हेल्दी इंडिया का नया महत्वपूर्ण मिशन है।
- इस मिशन का मुख्य उद्देश्य कृषि, पोषण और स्वास्थ्य को आपस में जोड़कर कुपोषण और बीमारियों से बचाव करना है।
- Science Excellence for Health Through Agricultural Transformation - SEHAT

## युवा संगम के छठे चरण का शुभारंभ-

- हाल ही में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 12 मई, 2026 को युवा संगम के छठे चरण का शुभारंभ किया।
- यह संगम देश के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता एवं भावनात्मक एकीकरण को प्रोत्साहित करना।
- युवा संगम के वर्तमान चरण में पूरे देश के 22 जोड़ी वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और मेज़बान संस्थान शामिल हैं

### युवा संगम

- प्रारम्भ- वर्ष 2023 में
- संबंधित मंत्रालय- केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय
- प्रतिभागियों- 18 से 30 वर्ष युवा (छात्र, स्वयंसेवक और युवा पेशेवर)
- उद्देश्य- विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता एवं भावनात्मक एकीकरण को प्रोत्साहित करना।

## भारत सरकार ने शुरू किया "कंट्री स्ट्रैटेजिक अपॉर्चुनिटीज़ प्रोग्राम"-

- हाल ही में भारत सरकार ने 12 मई, 2026 को कृषि विकास के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के साथ "कंट्री स्ट्रैटेजिक अपॉर्चुनिटीज़ प्रोग्राम" का शुभारंभ किया है।
- यह प्रोग्राम 2033-2026 (आठ-वर्ष) की अवधि में क्रियान्वित किया जायेगा।
- इस प्रोग्राम का उद्देश्य देश भर में ग्रामीण आय में वृद्धि करना, संकटों का मजबूती से सामना करना और स्थायी आजीविका के अवसरों को बड़े पैमाने पर बढ़ाना है।
- यह भारत सरकार के विकसित भारत@2047 दृष्टिकोण के अनुरूप है और दो रणनीतिक प्राथमिकताओं पर केंद्रित है-
  1. ग्रामीण समुदायों की सामाजिक, आर्थिक और जलवायु-संबंधी सहनशीलता को बढ़ाना।
  2. भारत और 'विकासशील देशों में सिद्ध विकास मॉडलों का विस्तार करने के लिए ज्ञान प्रणालियों को सुदृढ़ बनाना।

## केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं की प्रोत्साहन योजना" को मंजूरी प्रदान की-

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पृथ्वी की सतह के निकट पाये जाने वाले कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।
- इस योजना का उद्देश्य भारत में कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण कार्यक्रमों में तेजी लाना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और महत्वपूर्ण रसायनों के आयात पर निर्भरता को कम करना।
- **योजना की प्रमुख विशेषताएं-**
  - इसके लिए 37,500 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय किया जायेगा।
  - इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण प्राप्त किया जायेगा।
  - इसके लिए संयंत्र और मशीनरी की लागत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन दिया जायेगा।
  - किसी एक परियोजना के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की अधिकतम सीमा पांच हजार करोड़ रुपये है; किसी एक उत्पाद के लिए अधिकतम सीमा नौ हजार करोड़ रुपये और किसी एक इकाई समूह के लिए सभी परियोजनाओं की अधिकतम सीमा 12 हजार करोड़ रुपये है।
  - इस योजना के माध्यम से देश में आयात प्रतिस्थापन, ऊर्जा सुरक्षा, भू-राजनीतिक सुरक्षा, रोजगार सृजन, उच्च राजस्व जैसे लाभ प्राप्त होंगे।

### कोयला गैसीकरण तकनीक

- यह औद्योगिक व थर्मोकेमिकल प्रक्रिया है| इसमें कोयले को पूर्ण रूप से जलाने के बजाय उसे ऑक्सीजन और भाप के साथ नियंत्रित परिस्थितियों में प्रतिक्रिया कराकर कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी 'सिंथेटिक गैस' या 'सिनगैस' में बदल लिया जाता है।

## लीड्स रिपोर्ट 2025 का विमोचन-

- हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में लीड्स रिपोर्ट-2025 का विमोचन किया।

### लीड्स रिपोर्ट 2025 (LEADS Report2025-)-

- LEADS- Logistics Ease Across Different States
- रिपोर्ट का संस्करण- 7वां
- यह रिपोर्ट राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रसद प्रदर्शन का मूल्यांकन और मानकीकरण को दर्शाती है।
- इस रिपोर्ट में पूर्ववर्ती रिपोर्ट्स के तीन स्तरीय वर्गीकरण प्रणाली को बदलकर अब चार स्तरीय प्रदर्शन फ्रेमवर्क अपनाया गया है।
- **चार स्तरीय प्रदर्शन फ्रेमवर्क में राज्यों की स्थिति-**
  1. **मिसाल (वे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं जो नीति, अवसंरचना, सेवा वितरण और नियामक आयामों में निरंतर उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं।)**
     - तटीय राज्य- तमिलनाडु
     - भूमि से घिरे राज्य- उत्तर प्रदेश
     - उत्तर-पूर्वी राज्य- मिजोरम
     - केंद्र शासित प्रदेश- दिल्ली
  2. **उच्च प्रदर्शन वाले राज्य (वे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं, जो अधिकांश प्रदर्शन संकेतकों में मजबूत और लगातार बेहतर परिणाम प्रदर्शित करते हैं।)**
     - तटीय राज्य- गुजरात, केरल, महाराष्ट्र
     - भूमि से घिरे राज्य- हरियाणा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, बिहार
     - उत्तर-पूर्वी राज्य- त्रिपुरा, मेघालय
     - केंद्र शासित प्रदेश- जम्मू और कश्मीर, पुडुचेरी
  3. **त्वरक (वे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिन्होंने हालिया वर्षों में शानदार प्रगति और सुधार की स्पष्ट दिशा प्रदर्शित की है।)**
     - तटीय राज्य- आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गोवा, कर्नाटक
     - भूमि से घिरे राज्य- पंजाब, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश
     - उत्तर-पूर्वी राज्य- नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम
     - केंद्र शासित प्रदेश- दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव, चंडीगढ़, लद्दाख, लक्षद्वीप
  4. **प्रगति खोजने वाले राज्य- (वे राज्य जो रसद प्रणाली के विकास और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के शुरुआती चरण में हैं।)**
     - तटीय राज्य- पश्चिम बंगाल
     - भू-बद्ध राज्य- राजस्थान
     - उत्तर-पूर्वी राज्य- सिक्किम
     - केंद्र शासित प्रदेश- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

## क्राइम इन इंडिया-2024 रिपोर्ट-

- हाल ही में राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) ने क्राइम इन इंडिया-2024 रिपोर्ट नामक रिपोर्ट जारी की है।
- यह रिपोर्ट भारत में अपराध की स्थितियों पर प्रकाश डालती है।
- **रिपोर्ट के निष्कर्ष-**
  - कुल संज्ञेय अपराध- 58.85 लाख मामले दर्ज (2023 की तुलना में 6% की गिरावट)।
  - अपराध दर- प्रति लाख आबादी पर मामले 448.3 से घटकर 418.9 हुए (2019 के बाद सबसे कम)।
  - **क्षेत्रीय स्थिति-**
    - उच्चतम अपराध दर व साइबर थ्रेट- तेलंगाना (प्रति लाख 70 साइबर मामले)।
    - प्रति व्यक्ति हिंसक अपराध- उत्तर प्रदेश शीर्ष पर (7.4), जबकि नागालैंड में सबसे कम अपराध दर।
    - सर्वश्रेष्ठ चार्जशीट दर- केरल (94.5%)
- **अपराधों की प्रवृत्ति-**

| श्रेणी | स्थिति/रुझान | मुख्य कारक / विशेषता |
|---|---|---|
| साइबर अपराध | 17% की वृद्धि<br>1.01 लाख से ज्यादा मामले | 70% से अधिक मामले वित्तीय धोखाधड़ी के। |
| बुजुर्ग | 16.9% की वृद्धि | चोरी, जालसाजी और अकेले रह रहे बुजुर्गों की हत्याएँ। |
| बच्चे | 5.9% की वृद्धि<br>अपराध दर- 42.3 | अधिकांश मामले अपहरण और पॉक्सो के। |
| महिलाएं | 1.5% की गिरावट<br>अपराध दर- 64.6 | कुल 4.41 लाख मामले। सर्वाधिक मामले 'पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' के। |
| हाशिए के समुदाय | ST के खिलाफ अपराधों में 23.1% की कमी<br>SC के खिलाफ अपराधों में भी 3.6% की गिरावट दर्ज। | |
| आत्महत्या रिपोर्ट | 1,70,746 आत्महत्याएं | |

- **राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB)-**
  - स्थापना- वर्ष 1986 में
  - संबंधित मंत्रालय- केन्द्रीय गृह मंत्रालय
  - मुख्यालय- नई दिल्ली में

## सिक्किम बना देश की पहली पेपरलेस राज्य न्यायपालिका-

- हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 1 मई, 2026 को गंगटोक में सिक्किम को देश की पहली 'पेपरलेस राज्य न्यायपालिका' घोषित किया।
- सिक्किम के न्यायालयों में अब कानूनी प्रक्रियाएं इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होंगी जिससे कागजी कार्रवाई खत्म होगी।
- सिक्किम के इस डिजिटल मॉडल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म 'अदालत एआई' और सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति द्वारा विकसित उपकरणों का उपयोग किया गया है।

## चार संसदीय समितियों का पुनर्गठन-

- हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वर्ष 2026-27 के लिए चार संसदीय समितियों का पुनर्गठन किया है।
- पुनर्गठित समितियाँ और अध्यक्ष-
- प्राक्कलन समिति- डॉ. संजय जायसवाल (भाजपा सांसद)
- लोक उपक्रम समिति बैजयंत पांडा (भाजपा सांसद)
- लोक लेखा समिति- के.सी. वेणुगोपाल (कांग्रेस सांसद)
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति- फग्गन सिंह कुलस्ते (भाजपा सांसद )

## जम्मू-कश्मीर में 'दरबार मूव' परंपरा पुन: प्रारम्भ-

- हाल ही में जम्मू और कश्मीर सरकार ने 150 साल पुरानी 'दरबार मूव' परंपरा बहाल कर दिया है।
- इस परम्परा के अनुसार सचिवालय और सरकारी कार्यालय जम्मू से श्रीनगर शिफ्ट होकर 6 महीने वहीं से काम करेंगे।
- इस परम्परा के अनुसार गर्मी में श्रीनगर और ठंड में जम्मू से सरकार चलती है।
- वर्ष 1872 में शुरू हुई यह परंपरा 2021 में बंद हुई थी।
- इस परंपरा का उद्देश्य दोनों क्षेत्रों में प्रशासन की पहुंच बनाए रखना है।

## सेंट्रल प्रभारी ऑफिसर (सीपीओ) पोर्टल का शुभारम्भ-

- हाल ही में नीति आयोग ने 5 मई, 2026 को सेंट्रल प्रभारी ऑफिसर (सीपीओ) पोर्टल लॉंच किया है।
- **पोर्टल के उद्देश्य-**
  - रियल-टाइम गवर्नेंस
  - अंतिम छोर तक सेवा वितरण
  - हितधारकों में समन्वय

## भोपाल 'एल्गी ट्री' का उद्घाटन-

- हाल ही में वर्ल्ड ग्रुप की ओर से विकसित कार्बन कैप्चरिंग तकनीक 'एल्गी ट्री' का उद्घाटन मध्यप्रदेश के भोपाल में किया गया है।
- यह कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन छोड़ता है। यह तकनीक बढ़ते कार्बन स्तर को ध्यान में रखते हुए विकसित की है।

## अफगानिस्तान में बॉर्डर क्रॉसिंग व आधुनिक लैब बनाएगा भारत-

- हाल ही में भारत और अफगानिस्तान के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग के लिए 46 मिलियन डॉलर से अधिक का समझौता हुआ है।
- यह समझौता भारतीय कंपनी टीसीआरसी और अफगान नेशनल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी के बीच हुआ हैं।
- इस समझौते का उद्देश्य अफगानिस्तान में आयात-निर्यात से जुड़े उत्पादों की गुणवत्ता जांच और मानक प्रणाली को और मजबूत करना है।
- इस समझौते के तहत काबुल समेत अफगानिस्तान की नौ प्रमुख सीमा चौकियों पर आधुनिक बॉर्डर क्रॉसिंग व एडवांस्ड लैब स्थापित की जाएंगी।
- इन लैब के जरिए खाद्य पदार्थों, दवाओं, कृषि उत्पादों और औद्योगिक सामानों की जांच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार की जा सकेगी।

## आरटीआइ एक्ट के दायरे से बाहर है बीसीसीआइ-

- हाल ही में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे से बहार है।
- सीआइसी के अनुसार कोई भी व्यक्ति आरटीआइ दाखिल करके बी-सीसीआइ से कोई सूचना नहीं मांग सकता।
- **केंद्रीय सूचना आयोग के अनुसार बीसीसीआइ-**
  - न तो सरकार के स्वामित्व में है।
  - न ही सरकार द्वारा नियंत्रित है।
  - न ही सरकार की ओर से कोई फंड प्राप्त करता है।; इन सभी कारणों से बीसीसीआई पर आरटीआइ एक्ट लागू नहीं होता।
  - बीसीसीआइ एक निजी स्वायत्त संस्था है, जो तमिलनाडु सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत है।
  - Note- इस निर्णय के तहत केंद्रीय सूचना आयोग ने बीसीसीआइ को लेकर अपने ही वर्ष 2018 के पूर्ववर्ती फैसले को पलट दिया है।

## भारत सरकार ने 'High-Level Committee on Demographic Change' का गठन किया-

- हाल ही में भारत सरकार ने अवैध आप्रवास और अन्य असामान्य कारणों से उत्पन्न जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करने और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से निपटने के उपायों पर सुझाव देने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।
- इस समिति के गठन के लिए नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को की घोषणा की थी जिसके लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 11 सितंबर, 2025 को प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी थी।

### समिति की संरचना-

- अध्यक्ष- न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त)
- सदस्य- जनगणना आयुक्त, तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ (श्री दुर्गा शंकर मिश्रा, श्री बालाजी श्रीवास्तव, डॉ. शमिका रवि)
- समिति के सदस्य सचिव- संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय
- यह समिति एक वर्ष के अंदर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और आवश्यकता होने पर गृह मंत्रालय द्वारा समिति के कार्यकाल को छह महीने तक बढ़ाया जा सकता है।
- **कार्य-** अवैध आप्रवास और अन्य असामान्य कारणों से देश के विभिन्न हिस्सों में होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का वैज्ञानिक रूप से आकलन करना, कारणों का विश्लेषण करना, और उचित नीति, विधायी और प्रशासनिक उपायों की सिफारिश करना।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में वित्तीय सेवा विभाग ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए 5 मई, 2026 को 'वायबिलिटी प्लान 2.0' को मंजूरी प्रदान की है।
- हाल ही में 5 मई, 2026 को भारतीय जनसंचार संस्थान ने हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 'संचार माध्यम' का विशेषांक जारी किया है। पहला हिंदी समाचार पत्र 'उदंत मार्तंड' वर्ष 1826 में कलकत्ता से प्रकाशित हुआ था।
- हाल ही में केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 6 मई, 2026 को पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग में इंडिया पोस्ट के 100वें एन-जेन डाकघर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।
- हाल ही में नीति आयोग ने 8 मई, 2026 को आईआईएम अहमदाबाद, गेट्स फाउंडेशन और गुजरात सरकार के सहयोग से राज्य सहायता मिशन के अंतर्गत आईआईएम अहमदाबाद में एसडीजी-5 (लैंगिक समानता) पर कार्यशाला का आयोजन किया था।
- हाल ही में 8 मई, 2026 को केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने जन सेवा कनेक्ट के तहत भविष्य के लिए तैयार डाकघर के रूप में मुंबई में नवीनीकृत अंधेरी रेलवे स्टेशन डाकघर का उद्घाटन किया है।
- हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्री ने 9 मई, 2026 को नई दिल्ली में सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता की किताबें The Bench, the Bar, and the Bizarre और The Lawful and the Awful का विमोचन किया।
- हाल ही में नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन द्वारा 'एआईएम संवाद - मध्य भारत' का आयोजन किया गया। यह संवाद केंद्र और राज्य सरकारों के मजबूत सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर नवाचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने पर केंद्रित था।
- हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत निजी भागीदार को शामिल करते हुए दीर्घकालिक लाइसेंस के माध्यम से नागपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन और आधुनिकीकरण को मंजूरी दी है।
- हाल ही में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पुस्तक 'अपनापन' लिखी है। यह पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ शिवराज सिंह चौहान के 35 वर्षों के अनुभवों पर आधारित है।
- हाल ही में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने दशेला (गुजरात) में मधुर डेयरी यूनिट-2 के अत्याधुनिक स्वचालित दुग्ध प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग संयंत्र का उद्घाटन किया। इस संयंत्र की प्रतिदिन 2.5 लाख लीटर दूध के प्रसंस्करण की क्षमता है।
- हाल ही में उपभोक्ता मामलों के विभाग के अंतर्गत गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (एनटीएच)-उत्तरी क्षेत्र ने अत्याधुनिक जूता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की है।
- हाल ही में भारत सरकार ने 19 मई, 2026 को आयुष क्षेत्र में डिजिटल शासन को सुदृढ़ करने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में आयुष अनुदान पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल आयुष ग्रिड पहल के तहत आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है।
- हाल ही में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन ने अभिसरण अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए 10 संस्थानों के चयन की घोषणा की है।
- हाल ही में वस्त्र मंत्रालय द्वार 20 मई, 2026 को 'भारत टेक्स 2026" ऐप लॉच किया। यह ऐप प्रदर्शकों, वक्ताओं, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, विदेशी खरीदारों, घरेलू थोक खरीदारों, सोर्सिंग सलाहकारों को व्यक्तिगत पहुंच, दृश्य और सहभागिता टूल उपलब्ध कराएगा।
- हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने 22 मई, 2026 को पी.पी.सत्यन की ओर से लिखित पुस्तक 'द लाइब्रेरी मैन ऑफ इंडिया- द स्टोरी ऑफ पी. एन. पणिक्कर' का विमोचन किया।

- हाल ही में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 22 मई, 2026 को वरिष्ठ नागरिकों के लिए "जीवन (ज्वाइंट इम्पाकवरमेंट एंड वर्चुअल असिस्टें स नेटवर्क मोबाइल एप्लिकेशन) और शतायु (वरिष्ठ नागरिकों के लिए समग्र देखभाल सहायता एवं प्रशिक्षण)" जेरियाट्रिक केयरगिवर डैशबोर्ड लॉन्च किया है।
- हाल ही में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के कार्यान्वयन हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 'पीएम-अजय' पोर्टल एवं पीएम-अजय मोबाइल ऐप लॉन्च किये जाने की घोषणा की गयी।
- हाल ही में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने नई श्रम संहिता के तहत प्रस्तावित 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का 7 मई, 2026 को शुभारंभ किया।
- हाल ही में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 17 मई, 2026 को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान-अहमदाबाद में इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया।
- हाल ही में केन्द्रीय चुनाव आयोग ने के. कविता की नई राजनीतिक पार्टी के लिए 'तेलंगाना रक्षण सेना' नाम को मंजूरी दी।
- हाल ही में कर्नाटक सरकार ने गिग वर्कर्स के लिए देश का पहला डिजिटल शिकायत निवारण सिस्टम शुरू किया।
- हाल ही में क्यूएस एग्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग 2026 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट-बेंगलूरु वैश्विक स्तर पर 64वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- हाल ही में अंडमान निकोबार प्रशासन ने राधानगर बीच पर पानी के भीतर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज (60 मीटर लंबा और 40 मीटर चौड़ा) फहराकर नया 'गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है।
- हाल ही में भारतीय रेलवे ने विशाखापट्टनम मुख्यालय के साथ नया 'दक्षिण तटीय रेलवे' जोन बनाने का फैसला किया।
- हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम1971-' में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत (वन्दे मातरम्) के अपमान या इसके गायन में बाधा डालने को दंडनीय अपराध घोषित कर दिया है।
- हाल ही में भारत सरकार ने वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में 'स्वस्थ भारत पोर्टल' लॉन्च किया है। यह प्लेटफॉर्म सभी स्वास्थ्य सेवाओं को एक जगह जोड़ने का काम करेगा।
- हाल ही में यूनेस्को ने सिक्किम सरकार के साथ मिलकर लेप्चा समुदाय की पारंपरिक विरासत को संरक्षित करने की पहल के तहत 'रु-सोम' नाम से जाने जाने वाले पारंपरिक बेंत (केन) के पुलों का दस्तावेजीकरण करने की घोषणा की है।
- हाल ही में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सप्त शक्ति ऑडिटोरियम, मिलिट्री स्टेशन (जयपुर) में सुनीता बैंसला द्वारा लिखित पुस्तक 'एक सैनिक की डायरी' का विमोचन किया।
- हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 30 मई, 2026 को लखनऊ में 'नौसेना शौर्य वाटिका' का उद्घाटन किया। यह वाटिका एक खुला संग्रहालय है जो भारतीय नौसेना की भावना, वीरता और पराक्रम को समर्पित है।
- हाल ही में भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी)-नई दिल्ली ने 29 मई, 2026 को एआईएमई अकादमी (एआई मीडिया और मनोरंजन अकादमी) का शुभारंभ किया। यह देश में एआई-आधारित मीडिया शिक्षा और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल है।
- हाल ही में आयुष मंत्रालय ने 'आईडीवाई हैंडबुक-2026' प्रस्तुत की है। यह पुस्तिका अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध में है जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, सामान्य योग अभ्यासक्रम, आयुष मंत्रालय की प्रमुख पहलों और वर्ष 2026 से संबंधित आयोजन में भाग लेने संबंधी जानकारी का एकल संदर्भ स्रोत है।
- हाल ही में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 26 मई, 2026 को राजस्थान के बीकानेर में BSF की सांचू पोस्ट पर जवानों से संवाद किया और महिला बैरकों का ई-उद्घाटन किया।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने सीबीआइ के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। 1986 बैच के आइपीएस प्रवीण सूद का मौजूदा कार्यकाल 24 मई, 2026 को पूरा हो रहा था। अब वे 24 मई 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे।
- हाल ही में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 1 अक्टूबर, 2026 से पूरे एनसीआर में बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिए जाने का निर्णय लिया है।
- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 में नागरिकों के सम्मानजनक जीवन के मौलिक अधिकार में सार्वजनिक स्थानों पर शारीरिक हमले या कुत्ते के काटने के भय से मुक्त होकर घूमने के अधिकार को शामिल किया है।

- हाल ही में पश्चिम बंगाल राज्य सरकार ने 'अन्नपूर्णा वित्तीय सहायता योजना' शुरू की है। यह योजना 1 जून, 2026 से लागू होगी। इसके तहत 25 से 60 साल की पात्र महिलाओं को हर महीने हजार रुपए मिलेंगे।
- हाल ही में नीति आयोग की रिपोर्ट 'भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली' के अनुसार, झारखंड ने प्राथमिक स्तर पर जीरो ड्रॉपआउट का लक्ष्य हासिल किया है।
- हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'जननी' पोर्टल लॉन्च किया। यह प्लेटफॉर्म महिलाओं के प्रजनन काल के दौरान उनके डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को ट्रैक करेगा।
- हाल ही में तमिलनाडु की सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम के लिए 'सिंगापेन' स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का फैसला किया। यह टास्क फोर्स सीधे मुख्यमंत्री की निगरानी में काम करेगी।
- हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त ने 'वन केस वन डेटा' पहल की शुरुआत की है।
- हाल ही में ओडिशा सरकार ने 1 जून, 2026 से सभी सरकारी विभागों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदना अनिवार्य किया।
- हाल ही में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा की 'याचिका समिति' का नया अध्यक्ष बनाया गया है। यह समिति आम लोगों की शिकायतों और प्रार्थनाओं पर विचार करती है।
- हाल ही में गुजरात सरकार ने मेटा के साथ समझौता किया है जिसके तहत राज्य के 20 से ज्यादा विभागों की सेवाएं व्हाट्सएप पर उपलब्ध करवाई जायेगी।
- हाल ही में असम की राज्य सरकार ने विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल, 2026 पेश किया है। इस बिल के में लिव-इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन, बहुविवाह पर रोक का प्रावधान है।
- हाल ही में महाराष्ट्र कैबिनेट ने सावंतवाड़ी रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'लोकमान्य मधु दंडवते रेलवे टर्मिनस' रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मधु दंडवते समाजवादी नेता और कोंकण रेलवे के मुख्य वास्तुकार माने जाते हैं।
- हाल ही में लद्दाख की पुगा घाटी में 14 हजार फुट से अधिक ऊंचाई पर भारत की पहली भूतापीय ऊर्जा परियोजना स्थापित करने को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन विकसित करेगी।
- हाल ही में भारतीय रेलवे ने हरियाणा के जींद-सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने को मंजूरी दे दी है। यह ट्रेन पूरी तरह हाइड्रोजन फ्यूल पर चलेगी और इसकी अधिकतम रफ्तार 75 किमी प्रति घंटा होगी।
- हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सिक्किम पुलिस को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस ध्वज प्रदान किया। सिक्किम यह पुरस्कार पाने वाला देश का 15वां राज्य बन गया है।
- हाल ही में सिक्किम को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया है। सिक्किम को यह उपलब्धि सरकार के 'उल्लास' यानी 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के तहत हासिल हुई।
- हाल ही में केरल और तमिलनाडु ने देश में पहली बार एआइ के लिए अलग मंत्रालयीय पोर्टफोलियो बनाया है। केरल में पी.के. कुन्हालीकुट्टी को जबकि तमिलनाडु आर. कुमार को इस मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने खंभात की खाड़ी पर 30 किलोमीटर लंबे अत्याधुनिक सी-ब्रिज के निर्माण को मंजूरी प्रदान की है। यह ब्रिज सौराष्ट्र के भावनगर से दक्षिण गुजरात के भरूच को सीधे जोड़ेगा। देश में फिलहाल सबसे लंबा सी-ब्रिज मुंबई का अटल सेतु है, जिसकी लंबाई 21.8 किलोमीटर है।

# 3 अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

## ओपेक और ओपेक+ संगठन से संयुक्त अरब अमीरात बाहर

- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और व्यापक ओपेक+ गठबंधन से बाहर निकलने की घोषणा की थी जो 1 मई, 2026 से प्रभावी हो गयी।
- यूएई ने यह ओपेक से बहार निकलने का फैसला राष्ट्रीय उत्पादन नीति, क्षमता और दीर्घकालिक आर्थिक प्राथमिकताओं की व्यापक समीक्षा के बाद लिया था।

**यूएई के ओपेक छोड़ने के प्रमुख कारण-**

- यूएई वर्तमान में अपनी तेल उत्पादन क्षमता को बढ़ा रहा है। उसकी वर्तमान क्षमता लगभग 5 मिलियन बैरल प्रति दिन है और वह 2027 तक इसे और विस्तारित करना चाहता है।
- यूएई अपने 'विजन 2030' और दीर्घकालिक आर्थिक प्राथमिकताओं के तहत इन्फ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करना चाहता है। इसके लिए उसे अल्पावधि में अधिक नकदी प्रवाह की आवश्यकता है, जो उत्पादन बढ़ाकर ही संभव है।
- ईरान से जुड़े हालिया व्यवधानों और होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता ने UAE के पारंपरिक निर्यात मार्गों पर दबाव बढ़ा दिया है।
- **प्रभाव-**

| प्रभावित क्षेत्र | संभावित प्रभाव और रणनीतिक विश्लेषण |
|---|---|
| ओपेक पर प्रभाव | वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित और निर्धारित करने की ओपेक की क्षमता कमजोर होगी। |
| वैश्विक तेल कीमतें | बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ेगी। इससे वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। |
| अमेरिका का रणनीतिक लाभ | ओपेक का कमजोर होना अमेरिका की ऊर्जा राजनीति और वैश्विक बाजार पर उसकी पकड़ के लिए एक रणनीतिक जीत माना जा सकता है। |
| अन्य सदस्यों पर प्रभाव | यह अन्य सदस्य देशों को अपने राष्ट्रीय हितों के लिए स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकता है। |

## ओपेक (OPEC)

- OPEC- Organization of the Petroleum Exporting Countries)
- स्थापना- वर्ष 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेज़ुएला द्वारा स्थापित
- यह एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन है|
- यह अपने सदस्य देशों की पेट्रोलियम नीतियों का निर्धारण करता है।
- इसमें संयुक्त अरब अमीरात वर्ष 1967 में शामिल हुआ था|
- OPEC के सक्रिय सदस्य- 11 सक्रिय सदस्य (अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब और वेनेज़ुएला)

## ओपेक+ (OPEC+)

- गठन- वर्ष 2016 में
- सदस्य- ओपेक के सक्रीय सदस्य + अज़रबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान, और सूडान।

## प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा-

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 मई, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात का आधिकारिक दौरा किया।
- इस दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता प्रकट की है।

**यात्रा के परिणाम-**

**समझौता ज्ञापन/समझौता**

- अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी द्वारा भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारों में 30 मिलियन बैरल तक कच्चे तेल का संभावित भंडारण किया जाएगा।
- संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में कच्चे तेल के संभावित भंडारण की संभावना तलाशी जाएगी, जो भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का हिस्सा बनेगी।

**घोषणा**

- भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक के निवेश की संभावनाओं का पता लगाने के लिए अबू धाबी निवेश प्राधिकरण और भारत के राष्ट्रीय अवसंरचना एवं निवेश कोष को नियुक्त किया गया है।
- एमिरेट्स न्यू डेवलपमेंट बैंक द्वारा भारत के आरबीएल बैंक में 3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा।
- अंतर्राष्ट्रीय होल्डिंग कंपनी भारत के सम्मान कैपिटल में 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी।
- **Note (स्मरणीय तथ्य)-** दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पहली बार वित्त वर्ष 2025-26 में 101.25 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। वर्तमान में, UAE भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार कार्यक्रम में भाग लेने वाला एकमात्र देश है।

## विश्व प्रवासन रिपोर्ट-2026-

- हाल ही में इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (IOM) द्वारा विश्व प्रवासन रिपोर्ट-2026 जारी की है।
- **रिपोर्ट के निष्कर्ष-**
  - वर्ष 2024 के मध्य तक दुनिया में लगभग 30.4 करोड़ अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी थे। यह संख्या दुनिया की कुल आबादी का लगभग 3.7% है।
  - रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 के अंत तक दुनिया भर में 8.34 करोड़ लोग अपने ही देशों के भीतर विस्थापित थे, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।
- **भारत-**
  - भारत दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों का सबसे बड़ा मूल देश है।
  - भारत के सबसे अधिक प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं।
  - प्रवासियों द्वारा अपने गृह देश में धन भेजने के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान पर है।

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा-

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16-17 मई 2026 को नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा की। यह प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड की दूसरी यात्रा थी।
- **यात्रा के परिणाम-**
  - दोनों देशों के बीच 'रणनीतिक साझेदारी' को बनाने का निर्णय लिया गया।
  - सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
  - संयुक्त व्यापार और निवेश समिति तथा फास्ट ट्रैक तंत्र के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार को और गति दी जाएगी।

## प्रधानमंत्री की इटली की आधिकारिक यात्रा-

- हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20-19 मई 2026 को इटली की आधिकारिक यात्रा की।
- **यात्रा के परिणाम -**
  - दोनों देशों ने विशेष रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए विदेश मंत्रियों के नेतृत्व में एक नए तंत्र की स्थापना का निर्णय लिया है।
  - दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक पहुंचाने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की है।
  - दोनों देशों ने भारत में "INNOVIT India" नामक एक नए नवाचार केंद्र की स्थापना निर्णय लिया है।
  - दोनों देशों ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) परियोजना को प्रगति देने के लिए वर्ष 2026 में पहली IMEC मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित कर ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

## साइप्रस के राष्ट्रपति ने की भारत की आधिकारिक यात्रा-

- हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलीडेस ने 20-23 मई, 2026 तक भारत की राजकीय यात्रा की।
- **यात्रा के परिणाम-**
  - आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक 'संयुक्त कार्य समूह' की स्थापना हेतु समझौता हस्ताक्षरित हुआ।
  - भारत के सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान और साइप्रस की राजनयिक अकादमी के बीच राजनयिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता हस्ताक्षरित हुआ।
  - साइप्रस के लारनाका संयुक्त बचाव समन्वय केंद्र और भारत के रक्षा मंत्रालय के बीच खोज एवं बचाव मामलों पर आधिकारिक समन्वय और तकनीकी व्यवस्था के लिए समझौता हस्ताक्षरित हुआ।
  - शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के लिए समझौता, तथा वर्ष 2026-2030 के लिए सांस्कृतिक सहयोग पर समझौता हस्ताक्षरित हुआ।
  - रक्षा और सुरक्षा संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए 'भारत-साइप्रस रक्षा सहयोग रोडमैप 2026-2031' को मंजूरी दी गई।
  - भारत द्वारा साइप्रस गणराज्य को 'भीष्म क्यूब' उपहार स्वरूप प्रदान करने की घोषणा की गई है।
  - अंतरिक्ष क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग को रेखांकित करते हुए 18 मई 2026 को पहला 'भारत-साइप्रस अंतरिक्ष दिवस' मनाया गया।

## वियतनाम के राष्ट्रपति का भारत दौरा-

- हाल ही में वियतनाम के राष्ट्रपति और वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव श्री तो लाम 5 से 7 मई, 2026 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे।
- **इस यात्रा के दौरान भारत और वियतनाम के मध्य निम्न बातों/समझौतों पर सहमती बनी-**
  - दोनों देशों के मध्य रणनीतिक कूटनीति-रक्षा संवाद (2+2) को स्थापित किए जाने की आकांक्षा व्यक्त की है।
  - वियतनाम इंडो पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव (आईपीओआई) में शामिल होगा।
  - दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने '2024-2028 की अवधि के लिए भारत-वियतनाम कार्य योजना' के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन पर बल दिया है।
  - वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का एक नया महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।
  - वियतनाम ने वर्ष 2027 से वियतनामी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दवाओं की खरीद में भारतीय कंपनियों की संभावित भागीदारी के उपायों का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की है।
  - भारतीय अंगूर और वियतनामी ड्यूरियन के लिए बाजार पहुंच प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

## भारत ने कॉमन क्राइटेरिया डेवलपमेंट बोर्ड (सीसीडीबी) का अध्यक्ष पद संभाला-

- हाल ही में भारत को कॉमन क्राइटेरिया डेवलपमेंट बोर्ड (सीसीडीबी) का अध्यक्ष बनाया गया है।
- भारत का इसके अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल अप्रैल, 2026 से अप्रैल, 2028 तक रहेगा।
- **कॉमन क्राइटेरिया रिकॉग्निशन अरेंजमेंट (सीसीआरए)-**
  - यह एक मूलभूत अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो सीमा पार आईटी सुरक्षा प्रमाणपत्रों को आपसी मान्यता देता है।
  - कॉमन क्राइटेरिया डेवलपमेंट बोर्ड, सीसीआरए की तकनीकी कोर के रूप में कार्य करता है।
  - कॉमन क्राइटेरिया डेवलपमेंट बोर्ड (सीसीडीबी) ग्लोबल आईटी उत्पादों को सुरक्षित करने के लिए तकनीकी मानकों और मूल्यांकन मानदंडों पर फोकस करता है।

## अमरीका ने भारत को 'वॉच लिस्ट' में रखा-

- हाल ही में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि सभा द्वारा 29 अप्रैल, 2026 को जारी 'स्पेशल 301 रिपोर्ट' में भारत सहित छह देशों को प्राथमिकता वाली निगरानी सूची में शामिल किया गया है।
- इसमें भारत को चीन, रूस, इंडोनेशिया, चिली और वेनेजुएला के साथ वॉच लिस्ट' में रखा गया है।
- स्पेशल 301 रिपोर्ट के अनुसार भारत में पेटेंट आवेदनों में अत्यधिक देरी, कॉपीराइट व पायरेसी से जुड़ी समस्याएं, सख्त मूल्य निर्धारण नीतियां और बौद्धिक संपदा के मामलों को लागू करने में आने वाली कानूनी चुनौतियां शामिल हैं।

## TIME-100 Philanthropy-2026

- हाल ही में टाइम पत्रिका ने TIME-100 Philanthropy-2026 सूची जारी की है।
- इस सूची में विआश्क के शीर्ष 100 परोपकरियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थापकों के समाज कल्याण के लिए किये गये प्रयासों को चिह्नित किया जाता है।
- **भारतीय व्यक्तित्व-**

### भारतीय व्यक्तित्व-

➤ **शिव नांडर-**
- HCL टेक्नोलॉजीज के संस्थापक।
- ग्रामीण शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए शामिल किया गया।

➤ **सुधीर और समीर मेहता-**
- टोरेंट ग्रुप के प्रमोटर।
- इनके 'यूल्एम फाउंडेशन' ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किये।

### भारतीय मूल के अमेरिकी-

➤ **राजीव जे. शाह-**
- रॉकफेलर फाउंडेशन के अध्यक्ष
- जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों से निपटने के लिए चुना गया है।

➤ **दीपक भार्गव-**
- फ्रीडम टूगेदर फाउंडेशन के अध्यक्ष
- प्रो-डेमोक्रेसी (लोकतंत्र समर्थक) और सामाजिक न्याय के प्रयासों के लिए चुना गया है।

➤ **एन्ना वर्गीज**
- द ऑडेसियस प्रोजेक्ट की कार्यकारी निदेशक
- वैश्विक स्तर पर बड़े दानदाताओं को एक मंच पर लाकर विभिन गैर-लाभकारी संगठनों के लिए $1 बिलियन से अधिक की प्रतिबद्धताएं जुटाने का अस्थुत कार्य किया है।

## भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का आयोजन-

- आयोजन तिथि- 19 मई, 2026
- आयोजन स्थल- ओस्लो, नार्वे
- भागीदार-
  - भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
  - डेनमार्क की कार्यवाहक प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन
  - नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे
  - फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो
  - आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रुन म्योल फ्रॉस्टडॉटिर
  - स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन
- यह शिखर सम्मेलन 2022 में कोपेनहेगन और 2018 में स्टॉकहोम में आयोजित पिछले दो शिखर सम्मेलनों पर आधारित था।
- **शिखर सम्मेलन के परिणाम-**

| | क्षेत्र | परिणाम |
|---|---|---|
| 1 | भारत-नॉर्डिक हरित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार रणनीतिक साझेदारी | ■ हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, डिजिटल अवसंरचना और नवाचार को बढ़ावा देना।<br>■ हरित रोजगार एवं ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि करना। |
| 2 | भारत-EFTA TEPA का प्रभाव | ■ बाजार पहुंच में सुधार, व्यापार बाधाओं में कमी, निवेश प्रवाह में वृद्धि, रोजगार सृजन एवं सतत विकास को प्रोत्साहन देना। |
| 3 | जलवायु कार्रवाई में सहयोग | ■ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, हरित निवेश आकर्षित करने और पर्यावरण-अनुकूल विकास को बढ़ावा देने में सहायता करना। |
| 4 | आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग | ■ ध्रुवीय अनुसंधान को बढ़ावा, भारत के मानसून, कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु सुरक्षा को मजबूती प्रदान करना। |
| 5 | STEM क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग | ■ अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, 6G जैसी उन्नत तकनीकों में सहयोग तथा नवाचार को प्रोत्साहन देना। |
| 6 | सामुद्रिक अर्थव्यवस्थामें सहयोग | ■ समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग, समुद्री व्यापार, रोजगार, क्षेत्रीय सुरक्षा एवं हिंद-प्रशांत सहयोग को मजबूती प्रदान करना। |
| 7 | प्रतिभा गतिशीलता | ■ छात्रों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों को वैश्विक अवसर, कौशल विकास, स्टार्टअप एवं नवाचार को प्रोत्साहन देना। |
| 8 | रक्षा उत्पादन में सहयोग | ■ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, घरेलू रक्षा उत्पादन, रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि एवं रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करना। |

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के लोग ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े प्रवासी समुदाय बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के निवासियों की संख्या 9,71,020 तक पहुंच गई है, जो कुल आबादी का 5.2 प्रतिशत है।
- हाल ही में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी 2 से 5 मई, 2026 तक म्यांमार की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहे।
- हाल ही में नीदरलैंड के लाइडेन विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने भारत सरकार को 11वीं शताब्दी के चोल ताम्रपत्र (21 बड़े ताम्रपत्र, 3 छोटे ताम्रपत्र) लौटाये है।

- हाल ही में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री ने 21 मई, 2026 को सियोल के इमजिनगैक पार्क में संयुक्त रूप से भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया है।
- हाल ही में भारत और इथियोपिया ने 22 मई, 2026 को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में इथियोपिया की सदस्यता के लिए जिनेवा में द्विपक्षीय प्रवेश प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए है।
- हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 18 से 19 मई, 2026 तक वियतनाम और 19 से 21 मई, 2026 तक दक्षिण कोरिया की आधिकारिक यात्रा की।
- हाल ही में भारत और यूरोपीय संघ ने भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद कार्य समूह-2 के तहत इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी पुनर्चक्रण को मजबूत करने के लिए 15.2 मिलियन यूरो की संयुक्त पहल शुरू की है।
- मेयोन ज्वालामुखी- यह फिलीपींस में स्थित ज्वालामुखी है जो हाल ही में फटने के कारण सुर्ख़ियों में रहा है।
- हाल ही में करमबीर सिंह कंग ब्रिटिश कोलंबिया की प्रमुख फेरी सेवा बीसी फेरीज में पूर्ण दाढ़ी के साथ कार्य करने वाले पहले सिख मरीन इंजीनियर बने है। करमबीर सिंह कंग पंजाब के गुरदासपुर जिले की धारीवाल तहसील स्थित कंग गांव के निवासी और बिट्स पिलानी के पूर्व छात्र है।
- हाल ही में दक्षिण कोरिया जोग्येसा मंदिर में 'गाबी' नाम के ह्यूमनॉइड रोबोट को बौद्ध भिक्षु के तौर पर पेश किया गया।
- हाल ही में मंगोलिया के उलानबातर स्थित गंडांटेगचेनलिंग मठ में भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों, अर्हत सारिपुत्र और अर्हत महामोग्गलाना के पवित्र अवशेषों को बुद्ध पूर्णिमा (बैसाखी) 2026 के अवसर पर विधिपूर्वक स्थापित किया गया है।
- हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मामलों की मंत्री सीनेटर पेनी वोंग ने 25-26 मई, 2026 को भारत का आधिकारिक दौरा किया। इन्होनें यात्रा के दौरान क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया और भारत के साथ रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और सप्लाई चेन रेजिलिएंस को सुनिश्चित करने पर चर्चा की।
- हाल ही में जापान के विदेश मंत्री श्री तोशिमित्सु मोतेगी ने 26 मई, 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाक़ात की। मुलाक़ात के दौरान, भारत–प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने में भारत–जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की भूमिका को दोहराया।
- सऊदी अरब इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस का 26वां सदस्य देश बनेगा।
- हाल ही में इराक की संसद ने प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के नेतृत्व वाली नई सरकार और उनके कैबिनेट के आंशिक हिस्से को मंजूरी दे दी है।
- हाल ही में लंदन के वेलकम कलेक्शन में सुरक्षित जैन पांडुलिपियां जैन समुदाय को वापस लौटाई जाएंगी। ये 2,000 पांडुलिपियां ब्रिटेन के एक दवा उद्योग से जुड़े बड़े व्यवसायी सर हेनरी वेलकम ने खरीदी थी।
- हाल ही में अमेरिका की यू.एस. कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने डोनाल्ड ट्रंप की 10% अस्थायी वैश्विक टैरिफ नीति को अनुचित घोषित कर दिया है।
- हाल ही में उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु नीति के अनुच्छेद3- में बदलाव किया है। इसके तहत अगर सर्वोच्च नेता किंग जोंग-उन की हत्या होती है या वो अक्षम होते हैं तो सेना स्वतः परमाणु हमला कर सकती है।
- हाल ही में भारत और अफ्रीकी संघ ने 28 से 31 मई, 2026 के मध्य होने वाले भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित किया। यह फैसला अफ्रीका में इबोला संक्रमण बढ़ने के कारण लिया गया।
- हाल ही में 'अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस' की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रम्प कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है।
- हाल ही में भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदा तत्वों की सुरक्षित आपूर्ति के लिए समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य खनन, रीसाइक्लिंग और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाना तथा चीन पर निर्भरता कम करना है।
- हाल ही में क्वाड समूह ने 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव फ्रेमवर्क' लॉन्च किया। इसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित सप्लाई चेन के लिए 1.6 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।
- हाल ही में ताइवान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। सेमीकंडक्टर और एआई तकनीक की दुनिया भर में बढ़ती मांग के कारण ताइवान की कंपनियों की कुल बाजार कीमत बढ़कर 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है।
- हाल ही में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जारी आकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 से 2023 के बीच कोविड19- से दुनिया भर में 2.21 करोड़ अतिरिक्त मौतें हुई।
- हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 23 से 26 मई, 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे।

# सुर्ख़ियों में रही- ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना

## परिचय

ग्रेट निकोबार परियोजना एक सामरिक पहल है, जिसका उद्देश्य अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की उपस्थिति को सशक्त बनाना है। यह परियोजना बंदरगाह-आधारित विकास और सटीक पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के साथ-साथ स्थानीय मूल समुदायों के संरक्षण के बीच एक आदर्श संतुलन स्थापित करने का प्रयास करती है। सामरिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्राथमिकताओं के अनूठे संगम के माध्यम से, यह परियोजना सुनिश्चित करती है कि ग्रेट निकोबार का विकास न केवल समावेशी और सतत हो, बल्कि राष्ट्रहित के भी पूर्णतः अनुरूप हो।

- यह परियोजना नीति आयोग द्वारा परिकल्पित की गयी थी। इसे वर्ष 2021 में लॉन्च किया गया था।
- इस परियोजना का कार्यान्वयन अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह एकीकृत विकास निगम द्वारा किया जा रहा है।
- यह परियोजना कुल 166.10 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है, जिसमें 35.35 वर्ग किलोमीटर राजस्व भूमि और 130.75 वर्ग किलोमीटर वन भूमि सम्मिलित है।
- इस परियोजना का उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया और अंडमान सागर में भारत की सुरक्षा और समुद्री रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करना।

### निर्मित की जाने वाली अवसंरचना-

1. अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल- लगभग 14.2 मिलियन TEU क्षमता का बंदरगाह
2. ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा- सैन्य और नागरिक उपयोग (दोहरा उपयोग)
3. टाउनशिप- एकीकृत टाउनशिप
4. पावर प्लांट- 450 एमवीए गैस-सोलर पावर प्लांट

- **योजना क्रियान्वन-** ग्रेट निकोबार परियोजना को तीन अलग-अलग चरणों में कार्यान्वित किया जा रहा है -
  - चरण-I (2025–35, 72.12 वर्ग किमी),
  - चरण-II (2036–41, 45.27 वर्ग किमी),
  - चरण-III (2042–47, 48.71 वर्ग किमी)

## परियोजना का महत्व-

### रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्व

- **हिंद महासागर में प्रभुत्व-** यह द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के बहुत करीब स्थित है, जहाँ से दुनिया का लगभग 70-90% समुद्री व्यापार गुजरता है। यहाँ सैन्य और बुनियादी ढांचे का विकास भारत को इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की निगरानी करने में सक्षम बनाता है।
- **सुरक्षा बलों की उपस्थिति-** परियोजना के तहत उन्नत सैन्य सुविधाओं और निगरानी प्रणालियों का विकास किया जा रहा है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक है।
- **हिंद महासागर की सुरक्षा-** यह क्षेत्र भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का केंद्र है। यहाँ मजबूत उपस्थिति के माध्यम से भारत पड़ोसी समुद्री क्षेत्रों में अपनी रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ कर सकता है।

### आर्थिक और व्यापारिक लाभ

- **अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल-** यहाँ एक 'इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल' (ICTT) बनाया जा रहा है। वर्तमान में, भारत के बहुत से मालवाहक जहाजों को कोलंबो या सिंगापुर जैसे विदेशी बंदरगाहों पर रुकना पड़ता है। इस टर्मिनल के बनने से भारत वैश्विक व्यापार लॉजिस्टिक्स में एक बड़ा केंद्र बन जाएगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।
- **नीली अर्थव्यवस्था-** यह परियोजना भारत की समुद्री क्षमता को अनलॉक करने और मत्स्य पालन, समुद्री पर्यटन और व्यापार जैसे क्षेत्रों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए महत्वपूर्ण है।

### रोजगार और बुनियादी ढांचे का विकास

- **स्थानीय विकास-** परियोजना में एक ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट और एक टाउनशिप का निर्माण शामिल है, जिससे स्थानीय स्तर पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
- रोजगार सृजन- बुनियादी ढांचे के निर्माण और भविष्य की औद्योगिक गतिविधियों से अंडमान और निकोबार के युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के हजारों अवसर पैदा होंगे।

### कनेक्टिविटी और डिजिटल पहुंच

- संचार में सुधार- इस द्वीप के विकास से मुख्य भूमि भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ कनेक्टिविटी और संचार नेटवर्क मजबूत होगा, जो क्षेत्रीय सहयोग के लिए आवश्यक है।

### सतत विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान

- पर्यावरण के अनुकूल विकास- सरकारी संस्थाओं (जैसे WII और ZSI) के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विकास के साथ-साथ यहाँ की दुर्लभ जैव विविधता और स्वदेशी जनजातियों के हितों की रक्षा भी की जाए। इसके लिए व्यापक 'पर्यावरण प्रबंधन योजना' लागू की जा रही है

### परियोजना के लिए पर्यावरणीय सुरक्षा उपाय-

- इस परियोजना का मूल्यांकन पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) अधिसूचना, 2006 और ICRZ अधिसूचना, 2019 के तहत किया गया है तथा जैव विविधता संरक्षण, कोरल (मूंगा) स्थानांतरण और दीर्घकालिक निगरानी के लिए एक मजबूत 'पर्यावरण प्रबंधन योजना' (EMP) तैयार की गई है।

### वनों और वृक्षों का संरक्षण-

- इस परियोजना के विकास के लिए 166.1 वर्ग किमी क्षेत्र प्रस्तावित है, जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2% है। इसके अतिरिक्त, परियोजना के लिए 130.75 वर्ग किमी वन क्षेत्र को डायवर्ट करने का प्रस्ताव है, जो कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82% है।
- परियोजना में काटे गए पेड़ों की क्षतिपूर्ति के लिए व्यापक स्तर पर वनीकरण और संरक्षण के उपाय किए जाएंगे।

### स्वदेशी समुदायों का संरक्षण-

- इस परियोजना में स्थानीय जनजातियों (विशेषकर शोम्पेन और निकोबारी) के अधिकारों और उनकी जीवनशैली की सुरक्षा को केंद्र में रखा गया है तथा जनजातीय आरक्षित क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के माध्यम से उनके हितों को सुनिश्चित किया जा रहा है।

### न्यायिक समीक्षा-

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने 3 अप्रैल, 2023 के अपने आदेश में इस परियोजना के रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा महत्व को स्वीकार किया है और इसकी निर्णय प्रक्रिया को बरकरार रखा है।

### परियोजना के समक्ष उभरते मुद्दे-

- इस परियोजना के कारण चीन, क्वाड तथा आसियान देशों के बीच

तनाव बढ़ सकता है। भारत द्वारा रणनीतिक उद्देश्य और द्वीप का सैन्यीकरण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन स्थापित करने के बजाय शक्ति संतुलन बिगाड़ सकता है।

- इस परियोजना के निर्माण से जुड़ी सामाजिक-पर्यावरणीय चिंताओं के कारण एक महत्वपूर्ण नैतिक प्रश्न उठता है।
- इस परियोजना के निर्माण के कारण द्वीप के सीमित संसाधन भंडार पर अत्यधिक भार पड़ने से वहाँ का पारितंत्र प्रभावित होगा।
- परियोजना के निर्माण से निकोबारी और शोम्पेन समुदाय जो अपनी आजीविका और सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए द्वीप के प्राकृतिक वातावरण पर निर्भर हैं, को प्रवास करना पद सकता है।
- निकोबार द्वीप समूह अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण सुनामी, चक्रवात और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, अत: यह परियोजना भी इन भौगोलिक आपदाओं से अछूती नहीं रह सकती।

## अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

**1. भौगोलिक स्थिति और संरचना-**

- क्षेत्रफल- 8,249 वर्ग किमी
- जनसंख्या- 3,79,944
- प्रमुख भाषाएँ- हिंदी, निकोबारी, बंगाली, तमिल, मलयालम, तेलुगु
- द्वीप समूह- इसमें कुल 572 द्वीप शामिल हैं, जिनमें से केवल 38 पर स्थायी आबादी है।
- विभाजन- यह दो मुख्य समूहों में बँटा है, उत्तर में अंडमान द्वीप और दक्षिण में निकोबार द्वीप। इन्हें '10 डिग्री चैनल' एक-दूसरे से अलग करता है।
- राजधानी- पोर्ट ब्लेयर (प्रशासनिक राजधानी और सबसे बड़ा शहर)
- सर्वोच्च शिखर- अंडमान द्वीप समूह की सबसे ऊँची चोटी सैडल पीक है, जो उत्तरी अंडमान में स्थित है।

**2. इतिहास और सामरिक महत्व-**

- काला पानी- ब्रिटिश काल के दौरान यहाँ की सेल्यूलर जेल स्वतंत्रता सेनानियों को निर्वासित करने के लिए कुख्यात थी।
- आजाद हिंद फौज- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, इन द्वीपों पर जापान का कब्जा था और नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने यहाँ भारत का झंडा फहराया था।
- सामरिक स्थिति- मलक्का जलडमरूमध्य के निकट होने के कारण यह क्षेत्र भारत की समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

**3. जनसांख्यिकी और जनजातियाँ-**

- विविधता- यहाँ की आबादी में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोग और मूल आदिवासी समुदाय शामिल हैं।
- **स्वदेशी जनजातियाँ-**
  - अंडमान समूह- जारवा, ओंगे, सेंटिनली और ग्रेट अंडमानी।
  - निकोबार समूह- निकोबारी और शोम्पेन।
  - नोट- सेंटिनली जनजाति अभी भी आधुनिक सभ्यता से पूरी तरह अलग-थलग रहती है।

**4. जैव विविधता और पर्यावरण-**

- पारिस्थितिकी- यहाँ उष्णकटिबंधीय वर्षावन पाए जाते हैं। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध समुद्री जैव विविधता, कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) और दुर्लभ वनस्पतियों के लिए जाना जाता है।
- ज्वालामुखी- भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप (Barren Island) यहीं स्थित है।
- राष्ट्रीय उद्यान- यहाँ महात्मा गांधी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और रानी झाँसी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान जैसे महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र हैं।

**5. अर्थव्यवस्था-**

- पर्यटन, कृषि (नारियल, सुपारी), मत्स्य पालन और हस्तशिल्प यहाँ की अर्थव्यवस्था के मुख्य आधार हैं।
- यह द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रणनीतिक अवस्थिति के कारण भारत का 'प्रवेश द्वार' माना जाता है|

# 4 आर्थिक परिदृश्य

## भारत में दो नई सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंज़ूरी-

- हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने 5 मई, 2026 को भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत दो और नई सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना को मंजूरी दी है।
- इन दोनों परियोजनाओं में लगभग 3,936 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा तथा यह दोनों इकाइयां गुजरात में स्थापित की जाएंगी।
- इनसे इकाइयों से कुशल पेशेवरों के लिए लगभग 2,230 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।
- इन दो नई इकाइयों की मंजूरी के साथ ही भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के तहत कुल स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या 12 हो गई है।
- **अनुमोदित इकाइयाँ-**

**1. क्रिस्टल मैट्रिक्स लिमिटेड- धोलेरा, गुजरात**

- यह इकाई देश की पहली व्यावसायिक GaN (गैलियम नाइट्राइड) तकनीक पर आधारित मिनी/माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले सुविधा स्थापित करेगी।
- इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 72,000 वर्ग मीटर डिस्प्ले पैनल की होगी। इन डिस्प्ले चिप्स का उपयोग बड़े टीवी, कमर्शियल डिस्प्ले, स्मार्टफोन, कार डिस्प्ले, स्मार्ट वॉच और एक्सटेंडेड रियलिटी (XR) ग्लासेस में किया जाएगा।

**2. सूचि सेमिकॉन प्राइवेट लिमिटेड- सूरत, गुजरात**

- यह सूरत में आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट सुविधा स्थापित करेगी।
- इसकी उत्पादन क्षमता लगभग 103 करोड़ चिप्स प्रति वर्ष होगी। ये चिप्स पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल (वाहनों), इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के काम आएंगे।

## आपातकालीन ऋण गारंटी योजना 5.0-

- हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने 5 मई, 2026 को आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 को मंजूरी दी है।
- इस योजना का उद्देश्य पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न अल्पकालिक नकदी के संकट से निपटने के लिए पात्र व्यवसायों,और एयरलाइनों को अतिरिक्त ऋण सहायता प्रदान करना है
- **योजना की प्रमुख विशेषताएं-**
  - गारंटी शुल्क- शून्य
  - पात्र- 31 मार्च, 2026 तक मौजूदा कार्यशील पूंजी सीमा वाले एमएसएमई और गैर-एमएसएमई तथा बकाया ऋण सुविधाएं रखने वाली शेड्यूल्ड यात्री एयरलाइन्स।
  - गारंटी कवरेज- एमएसएमई के लिए 100 प्रतिशत और गैर-एमएसएमई के साथ-साथ एयरलाइन क्षेत्र के लिए 90 प्रतिशत।
  - सहायता राशि- वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के दौरान उपयोग की गई अधिकतम कार्यशील पूंजी के 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण (अधिकतम 100 करोड़ रुपये)। एयरलाइंस के लिए 100 प्रतिशत तक (प्रति उधारकर्ता अधिकतम 1,500 करोड़ रुपये)।
  - ऋण की अवधि- एमएसएमई/गैर-एमएसएमई (एयरलाइन क्षेत्र को छोड़कर) के लिए ऋण वितरण की तिथि से 5 वर्ष और एयरलाइन क्षेत्र के लिए 7 वर्ष।
  - प्रभावी- 31 मार्च, 2027 तक।
- **प्रभाव-**
  - पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों से व्यवसायों को उबरने में सहायता मिलेगी।
  - इससे व्यवसायों को अपना परिचालन बनाए रखने, नौकरियों की रक्षा करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

## कपास उत्पादकता मिशन-

- हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने 5 मई, 2026 को कपास उत्पादकता मिशन के लिए 5659.22 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।
- यह मिशन वर्ष 2026-27 से 31-2030 की अवधि के लिए लागू होगा।
- यह मिशन भारत सरकार के -5एफ (फार्म टू फाइबर टू फैक्टरी टू फेशन टू फॉरेन) विजन के अनुरूप है।
- इस मिशन का कार्यान्वयन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।
- **उद्देश्य**
  - उच्च गुणवत्ता वाली कपास के निर्यात को बढ़ावा देना।
  - उद्योग को कम से कम संदूषण वाली कपास की आपूर्ति सुनिश्चित करना।
  - रोग और कीट प्रतिरोधी उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी) के बीजों के विकास के बल पर कपास की उत्पादकता बढ़ाना।

- 2031 तक कपास की उत्पादकता को 440 किलोग्राम/हेक्टेयर से बढ़ाकर 755 किलोग्राम/हेक्टेयर करके 498 लाख गांठ (प्रत्येक गांठ में 170 किलोग्राम कपास) का उत्पादन करना।
- राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से मौजूदा और नवीनतम फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों का बड़े पैमाने पर प्रचार और उसे अपनाकर विस्तार करना।

## केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को स्वीकृति दी-

- हाल ही में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने 5 मई, 2026 को रेल मंत्रालय की लगभग 23,437 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।
- ये परियोजनाएं पीएमगति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से बहु-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- इन तीन परियोजनाओं से मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के 19 जिलों में फैले भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 901 किलोमीटर तक की वृद्धि होगी।
- **ये परियोजनाओं निम्न है-**
  1. नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन (यह मार्ग राजस्थान और मध्य प्रदेश के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है।)
  2. गुंतकल-वाडी तीसरी और चौथी लाइन
  3. बुरहवाल-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन

## सड़क अवसंरचना में अपशिष्ट प्लास्टिक के अभिनव उपयोग-

- हाल ही में सड़क अवसंरचना के विकास में अपशिष्ट/कचरा प्लास्टिक के अभिनव और वैज्ञानिक उपयोग के लिए CSIR-CRRI और BPCL को संयुक्त रूप से 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में स्थान मिला है।
- यह निर्माण क्षेत्र में सिंगल-यूज़ या रिजेक्टेड प्लास्टिक कचरे के व्यावहारिक, वैज्ञानिक और बड़े पैमाने पर उपयोग को प्रदर्शित करने वाला पहला अनूठा प्रयास है।
- रिकॉर्ड का नाम- "उपयोग में लाए गए प्लास्टिक से बने तकनीकी टेक्सटाइल जियोसेल का उपयोग करके पहला रोडब्लॉक सेक्शन निर्मित"
- CSIR-CRRI- Council of Scientific and Industrial Research - Central Road Research Institute
- BPCL- Bharat Petroleum Corporation Limited

## सरकार ने चीनी कंपनियों के सीमित एफडीआइ की अनुमति प्रदान की-

- हाल ही में केन्द्रीय वित्त मंत्रालय ने भारत में चीनी कंपनियों के सीमित एफडीआइ की अनुमति के लिए अधिसूचना जारी की है।
- नए नियमों के तहत, यदि किसी विदेशी कंपनी में चीनी या हांगकांग के निवेशकों की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत या उससे कम है, तो वह कंपनी अब बिना किसी सरकारी पूर्वानुमति के भारत में सीधे निवेश कर सकती है।
- इस अधिसूचना के बाद भी उन मामलों में मंजूरी की आवश्यकता होगी जहां चीनी संस्थाओं के पास 10% से अधिक की हिस्सेदारी, पूंजी या लाभ का नियंत्रण होगा।
- भारत सरकार को निवेश प्रक्रिया को गति देने के लिए चीन से जुड़े निवेश प्रस्तावों वाले 40 विशिष्ट उप-क्षेत्रों के आवेदनों का निपटान अधिकतम 60 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश- किसी एक देश की कंपनी या व्यक्ति द्वारा दूसरे देश में स्थित व्यावसायिक हितों में किया जाने वाला दीर्घकालिक निवेश है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रकार-

| वर्गीकरण का आधार | का प्रकार | परिभाषा | उदाहरण |
|---|---|---|---|
| 1. प्रवेश मार्ग के आधार पर | स्वचालित मार्ग | निवेश के लिए सरकार या RBI की पूर्वानुमति की आवश्यकता नहीं होती। | आईटी (IT) सेक्टर, टेक्सटाइल |
| | सरकारी मार्ग | निवेश से पहले संबंधित केंद्रीय मंत्रालय या DPIIT की मंजूरी अनिवार्य होती है। | रक्षा, प्रिंट मीडिया |
| 2. व्यवसाय की दिशा के आधार पर | क्षैतिज | विदेशी कंपनी अपने गृह देश जैसा समान व्यवसाय/उत्पाद दूसरे देश में शुरू करती है। | अमेरिका की Apple या Tesla का भारत में सीधे अपने प्लांट लगाना। |
| | लंबवत | विदेशी कंपनी अपनी मुख्य आपूर्ति श्रृंखला के किसी हिस्से को दूसरे देश में स्थापित करती है। | कोई विदेशी कार कंपनी भारत में केवल 'कार के पुर्जे' या 'टायर' बनाने की फैक्ट्री लगाए। |
| | मिश्रित | विदेशी कंपनी एक ऐसे क्षेत्र में निवेश करती है जो उसके मुख्य व्यवसाय से पूरी तरह से अलग है। | कोई विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी भारत में आकर 'होटल या रियल एस्टेट' में निवेश करे। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. बुनियादी ढांचे की प्रकृति पर | ग्रीनफील्ड निवेश | विदेशी कंपनी दूसरे देश में जाकर बिल्कुल नए सिरे से (शून्य से) अपनी फैक्ट्री, जमीन और बुनियादी ढांचा तैयार करती है। | अमेज़न द्वारा भारत में एक नया डेटा सेंटर स्थापित करना। |
| | ब्राउनफील्ड निवेश | विदेशी कंपनी किसी देश में पहले से चल रही कंपनी या कारखाने को खरीदती है या उसमें हिस्सेदारी लेती है। | किसी विदेशी दवा कंपनी द्वारा भारत की किसी घरेलू फार्मा कंपनी को खरीद लेना। |

## सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण-

- हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आकड़े जारी किये गये है।
- इस श्रृंखला में अप्रैल-जून 2025 की तिमाही से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के त्रैमासिक अनुमान शामिल किए जाने लगे हैं।

**जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आकड़ों के परिणाम-**

- जनवरी-मार्च 2026 में 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए समग्र श्रम बल सहभागिता दर (एलएफपीआर) 55.5 प्रतिशत दर्ज की गयी, जबकि पिछली तिमाही में यह 55.8 प्रतिशत था।
- महिला श्रम बल सहभागिता दर (एलएफपीआर) (15+ वर्ष) पिछली तिमाही की तुलना में 34.7 प्रतिशत पर लगभग अपरिवर्तित रही।
- शहरी श्रमिक जनसंख्या अनुपात (15+ वर्ष) जनवरी-मार्च 2026 में 46.9 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या में जनवरी-मार्च 2026 के दौरान पिछली तिमाही के 14.8 प्रतिशत से बढ़कर 15.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- माध्यमिक और तृतीयक दोनों क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए ग्रामीण रोजगार के हिस्से में जनवरी-मार्च 2026 के दौरान वृद्धि दर्ज की गई।
- 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में गिरावट का रुझान आया है।

## वित्तीय सेवा विभाग ने 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल' लॉंच किया -

- हाल ही में वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने 12 मई, 2026 को 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर के घरेलू बीमा पूल 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल' (बीएमआईपी) को लॉन्च किया है।
- यह पूल मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत के समुद्री व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए लॉन्च किया गया है।
- **भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल-**
  - यह 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का एक घरेलू बीमा पूल है जिसके लिए भारत सरकार ने 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर की सॉवरेन गारंटी प्रदान की है।
  - भारतीय सामान्य बीमा निगम इस पूल के प्रशासक के रूप में कार्य करेगा।
  - यह पूल भारतीय झंडे वाले जहाजों, भारत द्वारा नियंत्रित जहाजों, या भारत आने-जाने वाले जहाजों के लिए सभी प्रकार के समुद्री जोखिमों को कवर करेगा।
  - 100 मिलियन डॉलर तक के दावे का निपटारा पूल अपनी संचित क्षमता और आंतरिक रिजर्व के माध्यम से स्वयं करेगा जबकि 100 मिलियन डॉलर से अधिक के दावे के लिए यदि पूल के जमा रिजर्व पूरी तरह समाप्त हो जाता है तो सरकार की सॉवरेन गारंटी का उपयोग किया जाएगा।

## लॉजिस्टिक्स पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स-2024-25-

- हाल ही में केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 29 मई, 2026 को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लॉजिस्टिक्स पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स जारी किया।
- **लॉजिस्टिक्स पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स-25-2024-**
  - यह 'सागर आकलन ढांचे' के तहत विकसित एक राष्ट्रीय मानक व्यवस्था है।
  - इसका उद्देश्य भारतीय बंदरगाहों की कार्यक्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना है।
  - यह सूचकांक तीन कार्गो श्रेणियों (ड्राई बल्क, लिक्विड बल्क और कंटेनर कार्गो) में बंदरगाहों का मूल्यांकन करता है।
  - इसके लिए वेसल टर्नअराउंड टाइम (जहाज के रुकने का समय), कंटेनर ड्वेल टाइम, और प्री-बर्थिंग वेटिंग टाइम जैसे परिचालन संकेतकों को मापा जाता है।
  - विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले बंदरगाह-
  - ड्राई बल्क श्रेणी- पारादीप पोर्ट अथॉरिटी, ओडिशा (प्रथम स्थान)
  - लिक्विड बल्क श्रेणी- सिक्का पोर्ट एंड टर्मिनल्स, गुजरात (प्रथम स्थान)
  - कंटेनर कार्गो श्रेणी- मुंद्रा बंदरगाह, गुजरात (प्रथम स्थान)

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, चीनी उत्पादन सीजन 2026-27 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य 365 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।
- हाल ही में भारत और कनाडा ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के लिए दूसरे दौर की वार्ता 4 से 8 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित हुई।
- हाल ही में 'एक जिला एक उत्पाद' पहल के तहत 9 मई, 2026 को बाक्सा जिले (असम) ने अमेरिका के लिए 20 मीट्रिक टन शहद के पहले खेप का निर्यात किया है।
- भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 26-2025 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का सर्वकालिक उच्च शुद्ध लाभ अर्जित किया है।
- हाल ही में केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने 12 मई, 2026 को बेंगलुरु में "पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत देश भर में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सक्षम बनाने" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- हाल ही में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जीडीपी के अनंतिम अनुमानों और चौथी तिमाही के जीडीपी के त्रैमासिक अनुमानों की प्रकाशन तिथि को मई के अंतिम कार्य दिवस से संशोधित करके 7 जून कर दिया है।
- हाल ही में उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 13 मई, 2026 को ₹189.79 करोड़ के परिव्यय से मिजोरम अदरक मिशन का शुभारंभ किया। इस मिशन का उद्देश्य मिजोरम राज्य में अदरक की खेती और मूल्य श्रृंखला का विकास करना है।
- हाल ही में केन्द्रीय मंत्री श्री जयंत चौधरी ने युगांडा गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम जनरल योवेरी कगुटा मुसेवेनी के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- हाल ही में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नागालैंड के लिए 'कॉफीज़ ऑफ़ नागालैंड मिशन' का शुभारंभ किया।
- हाल ही में मध्यप्रदेश के उर्टन (अनूपपुर जिला) कोयला खदान से 15 मई, 2026 को और धीरौली (सिंगरौली जिला) कोयला खदान से 17 मई, 2026 को कोयला उत्पादन शुरू हो गया।
- हाल ही में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 20 मई, 2026 को अरुणाचल प्रदेश में क्लस्टर-आधारित कीवी खेती और मूल्य श्रृंखला विकास के लिए «अरुणाचल कीवी- अरुणाचल प्रदेश की यूएसपी" मिशन लाँच किया है।
- हाल ही में सकुरा साइंस प्रोग्राम के अंतर्गत 24 मई से 30 मई, 2026 तक भारत के 56 स्कूली विद्यार्थी और 4 पर्यवेक्षक जापान की यात्रा की। ये सभी प्रतिभागी भारत सरकार की राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता हैं।
- हाल ही में आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (आयुषएक्सआईएल) और भारतीय मसाला बोर्ड ने 25 मई, 2026 को आयुष उत्पादों और औषधीय मसालों के वैश्विक संवर्धन को सुदृढ़ करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है।
- हाल ही में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने ग्रामीण महिलाओं के लिए 'स्वयं सहायता समूह बचत खाता' लॉन्च किया। इस जीरो बैलेंस खाते में दो लाख रुपए तक जमा किए जा सकते हैं।
- हाल ही में पारंपरिक खाद्य उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के पुणे स्थित अष्टम ट्रेडिंग कंपनी के साथ निर्यात समझौता किया गया है।इसके तहत कलबुर्गी की पारंपरिक ज्वार रोटी की 10 हजार रोटियों हर माह अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया व खाड़ी देशों में निर्यात किया जायेगा।
- हाल ही में भारत सरकार ने बीमा क्षेत्र में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को ऑटोमैटिक रूट के तहत मंजूरी दी है।
- हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने 'इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स' सेगमेंट प्रारम्भ किया है। इससे निवेशक फिजिकल सोने की जगह डिजिटल सिक्योरिटी के रूप में सोने में निवेश कर सकेंगे।
- हाल ही में उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने ने 31 मई, 2026 को कर्नाटक के बेलथांगडी में सिरी मातृश्री औद्योगिक पार्क का उद्घाटन किया है।
- हाल ही में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने त्रिपुरा में "मिशन क्वीन पाइनएप्पल" का शुभारंभ किया। यह 236 करोड़ रुपये की समन्वदय-आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य त्रिपुरा में अनन्नास की खेती और उससे जुड़ी मूल्य श्रृंखला का विकास करना है।
- हाल ही में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाने और उनकी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से 26 मई, 2026 को "निवेशक सहायता" के नाम से ऑनलाइन पोर्टल लाँच किया है।

- हाल ही में ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान %0.8 घटाकर %6 कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता के कारण जीडीपी ग्रोथ रेट को घटाया गया है।
- हाल ही में मॉर्गन स्टेनली ने वैश्विक अस्थिरता के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।
- हाल ही में भारत सरकार ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए 'मेड इन इंडिया ब्रांड स्कीम' शुरू करने की की बात कही है। इसके तहत ऐसे 100 उत्पादों की पहचान की जाएगी, जिनका देश में उत्पादन कम है या नहीं होता है।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने खरीफ सीजन की प्रमुख फसल धान के समर्थन मूल्य में प्रति क्विंटल 72 रुपए का इजाफा व बाजरे में प्रति क्विंटल 54 रुपए का इजाफा किया है। इसके साथ ही धान प्रति क्विंटल 2441 रुपए प्रति क्विंटल और बाजरा 2900 रुपए प्रति क्विंटल रुपए पर लरी किया जा सकेगा।
- हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने घरेलू आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर, 2026 तक रोक लगा दी है। सरकार ने कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी को 'प्रोहिबिटेड' श्रेणी में रखा है।
- हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'आईपी कैटलिस्ट' पहल और इसका डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इसका मुख्य उद्देश्य पेटेंट को तेजी से वास्तविक उत्पादों में बदलना है।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने चांदी के आयात पर तत्काल प्रभाव से पाबंदी लगा दी है। केंद्र सरकार के अनुसार 99.9 प्रतिशत या उससे अधिक वजन वाली चांदी की छड़ों के आयात की नीति को 'मुक्त' से 'प्रतिबंधित' कर दिया है।
- हाल ही में कर्नाटक राज्य शराब पर अल्कोहल-इन-बेवरेज आधारित नई टैक्स व्यवस्था लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना। अब शराब की कीमत ब्रांड के बजाय उसमें मौजूद अल्कोहल की मात्रा के आधार पर तय होगी।
- हाल ही में दक्षिण रेलवे ने वर्ष 2026-27 में चेन्नई के प्रमुख स्टेशनों पर 2,600 किलोवाट अतिरिक्त सौर क्षमता लगाने का लक्ष्य रखा।
- हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए का डिविडेंड देने की घोषणा की है।
- हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने क्वांटम तकनीक से जुड़े साइबर खतरों की जांच के लिए मद्रास के प्रोफेसर अनिल प्रभाकर की अध्यक्षता में Q-SAFE विशेषज्ञ समिति बनाई है। यह समिति बैंकिंग सिस्टम को क्वांटम के साइबर हमलों से सुरक्षित रखने के लिए रोडमैप तैयार करेगी।
- हाल ही में जारी स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल इकोनॉमी रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले साल भारत 8वें स्थान पर था।

# 5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

## रक्षा-प्रौद्योगिकी

### स्वदेशी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'महेंद्रगिरी' (प्रोजेक्ट 17ए) भारतीय नौसेना को सुपुर्द-

- हाल ही में मुंबई स्थित एमडीएसएल में 30 अप्रैल, 2026 को भारतीय नौसेना को महेंद्रगिरी (यार्ड 12654) सुपुर्द किया गया है।
- यह नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का छठा और इस श्रेणी का चौथा जहाज है जिसका निर्माण मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएसएल) में हुआ है।
- **विशेषताएं-**
  - यह प्रोजेक्ट 17 (शिवालिक श्रेणी) का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर स्टील्थ (रडार से बचने की क्षमता), हथियार और सेंसर लगे हैं।
  - इसमें CODOG (Combined Diesel or Gas) कॉन्फ़िगरेशन का उपयोग किया गया है, जिसमें डीजल इंजन और गैस टरबाइन दोनों शामिल हैं।
  - इस प्रोजेक्ट में 75% स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बल देता है।
  - इस का निर्माण 'ब्लॉक' पद्धति से किया गया है, जिससे निर्माण समय में काफी कमी आई है।

### संघमित्रा, यार्ड 3039 का प्रक्षेपण-

- हाल ही में कोलकाता स्थित मेसर्स जीआरएसई में अत्याधुनिक अपतटीय गश्ती पोत (एनजीओपीवी) यार्ड 3039 (संघमित्रा) का 20 मई, 2026 को प्रक्षेपण किया गया है।
- यह स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित जहाज है।
- यह निगरानी एवं रक्षा, खोज एवं बचाव, अपतटीय संपत्तियों की सुरक्षा, मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया जैसे बहु-क्षेत्रीय अभियानों के लिए मौजूदा क्षमता को बढ़ायेंगा।
- इस जहाज का नाम 'संघमित्रा' राजा अशोक की पुत्री के नाम पर रखा गया है।

### सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन हथियार का सफल परीक्षण-

- हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय वायु सेना ने 7 मई, 2026 को ओडिशा के तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टीएआरए) हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया गया।
- टीएआरए एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है जो अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है।
- टीएआरए को हैदराबाद स्थित इमारात अनुसंधान केंद्र (आरसीआई) ने डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से डिज़ाइन और विकसित किया है।
- इसका उद्देश्य ज़मीनी लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाना है।

### 'फुल स्केल एक्टिवली कूल्ड लॉन्ग ड्यूरेशन स्क्रैमजेट कंबस्टर' का सफल परीक्षण किया-

- हाल ही में डीआरडीओ की रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद ने "फुल स्केल एक्टिवली कूल्ड लॉन्ग ड्यूरेशन स्क्रैमजेट कंबस्टर" का व्यापक और दीर्घकालिक सफल परीक्षण किया।
- यह परीक्षण 9 मई, 2026 को हैदराबाद में अत्याधुनिक स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट सुविधा में लगभग 20 मिनट से अधिक समय तक किया गया।
- यह परीक्षण सुपरसोनिक एयर-ब्रीदिंग इंजन के माध्यम से हासिल किया गया है, जिसमें तरल हाइड्रोकार्बन एंडोथर्मिक ईंधन, उच्च तापमान थर्मल बैरियर कोटिंग और उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएं जैसी स्वदेशी तकनीकों का उपयोग किया गया है

- **परीक्षण का महत्व-**
  - इस परिक्षण ने भारत डिजाइन और क्षमता का सत्यापन करता है।
  - यह परिक्षण हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल कार्यक्रम का आधार स्थापित करेगा।

## आईसीजीएस अचल भारतीय तटरक्षक बल में शामिल-

- हाल ही में भारतीय तटरक्षक बल ने 9 मई, 2026 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) अचल को सेवा में शामिल किया है।
- **आईसीजीएस अचल-**
  - इस जहाज के अचल नाम होने का अर्थ 'अडिग' है।
  - यह नई पीढ़ी की अदम्य-श्रेणी में तीव्र गति के जहाजों की श्रृंखला का नवीनतम पोत है।
  - यह पोत तटीय और अपतटीय निगरानी, अवरोधन गतिविधि, खोज एवं बचाव (एसएआर), तस्करी-रोधी अभियान तथा समुद्री प्रदूषण से निपटने में सहायक है।
  - इस पोत को मेसर्स गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है।

## भारत ने एमआईआरवी प्रणाली से उन्नत अग्नि मिसाइल का किया सफल परीक्षण-

- हाल ही में भारत ने 8 मई, 2026 को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) सिस्टम से उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।
- इस मिसाइल का परीक्षण कई विस्फोटकों के साथ किया गया, जिनका लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र में एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैले विभिन्न लक्ष्य थे।
- इस मिसाइल प्रणाली का विकास रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा भारतीय उद्योगों के सहयोग से किया गया है।
- इस तकनीक का विकास सबसे पहले अमेरिका द्वारा किया गया था, जिसके बाद सोवियत संघ (रूस) ने इसे अपनाया। वर्तमान में यूएसए, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस के पास यह क्षमता मौजूद है।
- भारत ने वर्ष 2024 में 'मिशन दिव्यास्त्र' के तहत MIRV-सुसज्जित अग्नि-5 मिसाइल का पहला सफल परीक्षण कर इस विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया था।

### महत्व

- MIRV-मिसाइल को दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा णालियों के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार माना जाता है। एक साथ कई वारहेड्स और उनके साथ छोड़े गए छद्म लक्ष्यों को हवा में ही इंटरसेप्ट करना किसी भी रक्षा प्रणाली के लिए असंभव के बराबर होता है।
- यह तकनीक एकल प्रक्षेपण के माध्यम से व्यापक तबाही मचाने की क्षमता देकर भारत की परमाणु निवारक नीति को अत्यधिक मजबूत बनाती है।

### मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल प्रौद्योगिकी

- MIRV- Multiple Independently Targetable Re-entry Vehicle
- यह तकनीक एकल बैलिस्टिक मिसाइल को एक से अधिक परमाणु या पारंपरिक वारहेड ले जाने और उन्हें अलग-अलग भौगोलिक स्थानों पर स्थित विभिन्न लक्ष्यों पर स्वतंत्र रूप से प्रक्षेपित करने की क्षमता प्रदान करती है।
- पारंपरिक मिसाइलें केवल एक वारहेड ले जाती हैं और एक ही लक्ष्य को भेद सकती हैं। इसके विपरीत MIRV मिसाइल हवा में जाने के बाद अपनी प्रक्षेपण तंत्र से अलग-अलग गति और प्रक्षेपपथ पर कई वारहेड छोड़ सकती है।

## प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल-वी3 का सफल परीक्षण-

- हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने हवा-से-सतह और हवा-से-हवा में मार करने की क्षमता वाले यूएवी से प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल-वी3 (ULPGM-V3) का सफल परीक्षण किया है।
- यह परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास स्थित डीआरडीओ परीक्षण रेंज में किया गया।
- ये परीक्षण एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) के माध्यम से संचालित किए गए, जिसका उद्देश्य यूएलपीजीएम हथियार प्रणाली का प्रभावी कमांड एवं नियंत्रण सुनिश्चित करना था।
- इस मिसाइल के विकास और उत्पादन के लिए डीआरडीओ ने दो संस्थाओं जिनमें भारत डायनेमिक्स लिमिटेड-हैदराबाद और अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड- हैदराबाद को साझेदार बनाया है।
- इस परीक्षण के लिए मिसाइल को बेंगलुरु स्थित निजी क्षेत्र की कंपनी 'न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज' द्वारा विकसित यूएवी या ड्रोन में एकीकृत किया गया था।
- **ULPGM -** UAV-Launched Precision Guided Missile

### नेवल एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण-

- हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (**DRDO**) और **भारतीय नौसेना** ने ओडिशा के चांदीपुर तट पर स्वदेशी **नेवल एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज** का पहल सफल परीक्षण किया है।
- **विशेषताएं-**
  - विकसित- अनुसंधान केंद्र इमारत-हैदराबाद
  - जो मिसाइल को निरंतर गति और शक्ति प्रदान करता है।
  - मारक क्षमता- लगभग 55 - 80 किलोमीटर
  - गति- हाई सबसोनिक स्पीड
  - वॉरहेड- लगभग 100 किलोग्राम
  - यह 'दागो और भूल जाओ' प्रणाली पर आधारित है।
  - इसमें सॉलिड प्रोपल्शन बूस्टर (ठोस ईंधन आधारित बूस्टर) और एक लॉन्ग-बर्न सस्टेनर (लंबे समय तक जलने वाला इंजन) का उपयोग किया गया है।

### वज्रनेत्र ड्रोन-

- हाल ही में आइआइटी-जम्मू ने मेक इन इंडिया पहल के तहत वज्रनेत्र नामक ड्रोन तैयार किया है।
- इस ड्रोन का वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा परीक्षण किया जा रहा है।
- यह ड्रोन 100 फीट की ऊंचाई से 3KM तक की निगरानी करने में सक्षम है।
- इसमें दुश्मन के राडार और जेमर्स को चकमा देने की क्षमता भी है।

### सरमत मिसाइल-

- यह रूस की इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है जिसका हाल ही में सफल परीक्षण किया।
- इसकी मारक क्षमता 35,000 किमी से अधिक है।
- यह मिसाइल आधुनिक रक्षा प्रणालियों को भेदने में सक्षम है।
- पश्चिमी देशों में इस मिसाइल को 'सैटर्न ।' नाम से भी जाना जाता है।

### अपाचे हेलिकॉप्टर-हॉवित्जर तोप के लिए अमरीका देगा तकनीकी मदद-

- हाल ही में अमरीका ने भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 428 मिलियन डॉलर से ज्यादा के दो सैन्य सहायता सौदों को मंजूरी दी है।
- इस डील्स में भारतीय सेना के लिए एएच-64ई अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर और एम-777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर तोपों के रख-रखाव और लॉजिस्टिक सपोर्ट शामिल है।
- अपाचे हेलीकॉप्टर के रख रखाव के लिए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन तथा एम-777 हॉवित्जर के लिए ब्रिटेन की रक्षा कंपनी बीएई सिस्टम्स मदद प्रदान करेगी।
- वर्तमान में भारत के पास 145 एम777ए2 अल्ट्रा हॉवित्जर तोपें और 28 एएच-64ई अपाचे हेलिकॉप्टर है।
- **अपाचे हेलिकॉप्टर -**
  - यह 21 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है।
  - इसकी अधिकतम रफ्तार 280 किमी प्रति घंटे है।
  - यह 16 एंटी टैंक एजीएम और 114 हेलफायर व स्ट्रिंगर मिसाइल से लैस है।
- **हॉवित्जर तोप-**
  - यह 4200 किलो वजनी है जो अन्य तोपों से काफी कम है।
  - यह 5 चालक दल और अधिकतम 7 सदस्यों की क्षमता से युक्त है। इसकी रेंज 25 किलोमीटर (अधिकतम 40 किमी) है।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने हैदराबाद स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ भारतीय सेना के लिए 1,476 करोड़ रुपये की लागत से पांच ग्राउंड-बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की खरीद के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

- हाल ही में डीआरडीओ ने 6 मई, 2026 को दिल्ली के बुराड़ी मैदान में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु क्षेत्र प्रशिक्षण और प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया है।
- हाल ही में विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में 8 मई, 2026 को पांचवें फ्लीट सपोर्ट शिप का 'स्टील कटिंग' समारोह आयोजित किया गया।
- हाल ही में आईओएस- सागर 08 मई, 2026 को आईओएस सागर-2026 तैनाती के हिस्से के रूप में बांग्लादेश के चट्टोग्राम पहुंचा है।
- हाल ही में भारतीय नौसेना के समुद्र-वैज्ञानिक अनुसंधान पोत आईएनएस सागरध्वनि ने 04 से 08 मई, 2026 तक वियतनाम के कैम रान्ह की यात्रा पूरी की, जिससे भारत और वियतनाम के बीच मजबूत समुद्री और वैज्ञानिक साझेदारी और सुदृढ़ हुई है।
- हाल ही में भारतीय नौसेना ने 17 मई, 2026 को भोपाल की अपर लेक में नौसैनिक नौकायन केंद्र का शुभारंभ किया। इस अपर लेक को भोजताल के नाम से भी जाना जाता है।
- हाल ही में ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से 22 मई, 2026 को कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि- 1' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

- हाल ही में भारत ने डीआरडीओ द्वारा निर्मित 1,500 किमी रेंज वाली हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल का ओडिशा के चांदीपुर तट पर सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल की गति 5 मैक से अधिक है।
- हाल ही एन आंध्र प्रदेश सरकार ने डीआरडीओ को भारत के स्वदेशी 5वीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम के लिए पुत्तपर्थी में 600 एकड़ जमीन मुफ्त आवंटित करने का फैसला किया है।
- हाल ही में भारतीय कंपनी एनआइबीई लिमिटेड ने ओडिशा में एक्स्ट्रा और प्रिडेटर हॉक 'सूर्यास्त्र' रॉकेटों का सफल परीक्षण किया है। एक्स्ट्रा की मारक क्षमता 150 किलोमीटर और प्रिडेटर हॉक 'सूर्यास्त्र' की मारक क्षमता 300 किलोमीटर तक है।

## अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी

### 'मिशन दृष्टि' उपग्रह-

- हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप 'गैलेक्सआई' ने अपना पहला उपग्रह 'मिशन दृष्टि' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।
- यह उपग्रह स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से वैंडनबर्ग, अमेरिका से लॉन्च किया गया था।
- **मिशन दृष्टि-**
  - यह भारत का निजी तौर पर विकसित सबसे बड़ा भू-अवलोकन उपग्रह ( लगभग 190 किलोग्राम वज़नी) है।
  - यह दुनिया का पहला OptoSAR सैटेलाइट है जो पृथ्वी के अवलोकन के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और सिंथेटिक अपर्चर रडार इमेजिंग को एकीकृत करता है।
- **मिशन दृष्टि के अन्य घटक-**
  1. मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग सेंसर
  2. ऑप्टोसार फ्यूजन पेलोड
  3. संचार एंटीना
  4. स्टार ट्रैकर
  5. सोलर पैनल
- उपयोगिता- यह आपदा प्रतिक्रिया, सीमा निगरानी, रक्षा, कृषि, बुनियादी ढाँचे की निगरानी में उपयोगी होगा।
- **गैलेक्सआई-** यह कर्नाटक में अवस्थित निजी अंतरिक्ष स्टार्ट-अप है।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने 6 मई, 2026 को चेन्नई में शहरी परीक्षण केंद्र और एरोसोल वेधशाला का उद्घाटन किया
- हाल ही में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स फाल्कन हेवी रॉकेट के जरिए वियासैट- 3 एफ - 3 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया है। यह उपग्रह हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- हाल ही में पिक्सेल और सर्वम एआई देश का पहला ऑर्बिटल डेटा सेंटर सैटेलाइट 'पाथफाइंडर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह सैटेलाइट 200 किलो श्रेणी का होग और अंतरिक्ष में ही डेटा प्रोसेस करेगा।
- हाल ही में कर्नाटक सरकार ने स्पेस टेक्नोलॉजी में रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देना के लिए बेंगलुरु में स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए देश का पहला राज्य-स्तरीय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू किया।
- हाल ही में चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन ने 1000 किलोमीटर/घंटे की रफ्तार से चलने वाली अत्याधुनिक ट्रेन का एडवांस स्टेज परीक्षण किया है। यह ट्रेन मैग्नेटिक लेविटेशन (मैग्लेव) और लो-वैक्यूम ट्यूब सिस्टम पर आधारित है।
- हाल ही में जापान के वैज्ञानिकों ने एक छोटे पिंड-(612533) 2002x93 के आसपास वायुमंडल खोजा है।
- हाल ही में हैदराबाद की स्टार्टअप कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' देश की पहली स्पेस-टेक यूनिकॉर्न बनी। कंपनी ने 60 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग जुटाई है, जिसके बाद उसकी वैल्यूएशन 9,000 करोड़ रु से अधिक हो गई है।
- भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप 'आका स्पेस' अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग और कृत्रिम अंतरिक्ष उड़ान के अभ्यास के लिए देश का पहला अं_ डरवॉटर हैबिटेट प्रोग्राम तैयार कर रहा है। पानी के अंदर बनने वाला यह सेंटर अंतरिक्ष जैसी परिस्थितियां तैयार करेगा।
- हाल ही में स्पेसएक्स ने दुनिया के सबसे बड़े और शक्तिशाली रॉकेट 'स्टारशिप-V3' का सफल परीक्षण किया है। इस रॉकेट को टेक्सास के स्टारबेस से लॉन्च किया गया।
- हाल ही में चीन ने शेनझोउ-23 स्पेस मिशन लॉन्च किया। यह चीन का सबसे लंबा मानवयुक्त मिशन है। इसमें 3 अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं।
- नासा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'लूनर आउटपोस्ट' नाम से स्थायी बेस बनाएगा। इसके लिए रोबोटिक लैंडर, मून रोवर और ड्रोन का उपयोग होगा। नासा इस प्रोजेक्ट के लिए ब्लू ओरिजिन कम्पनी के साथ मिलकर काम कर रहा है।
- हाल ही में अमरीकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स ने भारत के चंद्रयान-3 मिशन को अंतरिक्ष विज्ञान व एस्ट्रोनॉटिक्स के क्षेत्र में अपना सर्वोच्च सम्मान 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' प्रदान किया है।
- हाल ही में हैदराबाद के स्टार्टअप 'रेड बैलून एयरोस्पेस' ने विजयवा_ड़ा में भारत के पहले सुपर-प्रेशर बैलून का सफल ट्रायल किया। यह सैटेलाइट के मुकाबले बेहद कम खर्च में ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने, मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने, आपदा के समय तुरंत कम्युनिकेशन बहाल करने में मदद करेगा।

# जैव, नैनो, सूचना-संचार व अन्य प्रौद्योगिकी

## डब्ल्यूएचओ ने इबोला रोग को "सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल" घोषित किया-

- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 17 मई, 2026 को अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम2005- के तहत इबोला रोग की स्थिति को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।
- वर्तमान में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में इबोला रोग के प्रकोपों तीव्रता दर्ज की गयी थी।
- अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भी इसे आधिकारिक तौर पर अफ्रीकी महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।

### इबोला वायरस रोग

- यह अत्यंत दुर्लभ लेकिन अत्यधिक गंभीर और जानलेवा संक्रमण है।
- यह एक प्रकार का वायरल हेमोरेजिक बुखार है, जो शरीर के भीतर रक्त वाहिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, जिससे आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव होने लगता है।
- **इबोला वायरस के प्रकार- इबोला वायरस के मुख्यत: चार स्ट्रेन पाए जाते है-**
  1. **जायरे इबोला वायरस-** यह इबोला का सबसे आम और सबसे खतरनाक प्रकार है। अधिकांश प्रकोपों और मौतों के लिए उतरदायी है।
  2. **सूडान इबोला वायरस-** यह भी अत्यधिक घातक है और संक्रमितों में से लगभग आधे लोगों की मौत का कारण बनता है।
  3. **बुंदीबुग्यो इबोला वायरस-** यह अन्य प्रकारों की तुलना में थोड़ा कम घातक होता है।
  4. **ताई फॉरेस्ट इबोला वायरस-** यह सबसे दुर्लभ प्रकार है।

### संचरण-

1. यह वायरस चमगादड़, बंदर, चिंपैंजी और एंटीलोप जैसे संक्रमित जंगली जानवरों के संपर्क में आने या उनका मांस खाने से इंसानों में आता है।
2. जब कोई व्यक्ति किसी संक्रमित मरीज के शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क में आता है, तो वह भी संक्रमित हो जाता है।
3. संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की गई सुइयां, कपड़े, बिस्तर या अन्य चिकित्सा उपकरणों को छूने से भी यह वायरस फैल सकता है।

- **लक्षण-** इबोला वायरस के संपर्क में आने के 2 दिनों से लेकर 21 दिनों के भीतर लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसके लक्षण चरणों में आगे बढ़ते हैं।
  1. तेज बुखार और अचानक ठंड लगना।
  2. अत्यधिक थकान, कमजोरी और सुस्ती।
  3. मांसपेशियों, जोड़ों और शरीर में तेज दर्द।
  4. तेज सिरदर्द और गले में खराश।
  5. भूख बिल्कुल खत्म हो जाना।
  6. लगातार उल्टी और दस्त।
  7. त्वचा पर लाल चकत्ते और रक्तस्राव होना।

## हंता वायरस-

- हाल ही में अर्जेंटीना से रवाना हुए एमवी होंडियस क्रूज़ जहाज़ पर हंता वायरस का प्रकोप देखा गया है।
- यह क्रूज़ जहाज़ अप्रैल, 2026 में उशुआइया, अर्जेंटीना से अंटार्कटिका और दक्षिण अटलांटिक के द्वीपों की यात्रा पर रवाना हुआ था।

### हंतावायरस-

- यह कृंतकों द्वारा फैलने वाले वायरस का एक समूह है।
- यह संक्रमित चूहों के मल-मूत्र, लार या सीधे संपर्क में आने से मानव को संक्रमित करता हैं।

- **भौगोलिक प्रभाव और बीमारियां-**
  - उत्तर और दक्षिण अमेरिका- यहाँ यह वायरस हंतावायरस कार्डियोपल्मोनरी सिंड्रोम का कारण बनता है।
  - यूरोप और एशिया- यहाँ यह वायरस रीनल सिंड्रोम के साथ रक्तस्रावी बुखार का कारण बनता है।
- **लक्षण-** बुखार, तेज सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पेट दर्द, मतली या उल्टी, फेफड़ों में तरल पदार्थ का संचय, रक्तस्राव विकार।
- **उपचार-** हंतावायरस के इलाज के लिए कोई स्वीकृत एंटीवायरल दवा या टीका उपलब्ध नहीं है।
- दुनिया भर में हंतावायरस के प्रतिवर्ष अनुमानित दस हजार से एक लाख मामले सामने आते हैं।

## 'रेडमॉड' एआइ सिस्टम-

- हाल ही में अमेरीका के मेयो क्लिनिक व एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर ने 'रेडमॉड' नामक एआइ सिस्टम विकसित करने का दावा किया है।
- यह सिस्टम अग्न्याशय (पैनक्रियाज) कैंसर का पता औपचारिक निदान से तीन साल पहले लगा सकता है। इस तकनीक में सूक्ष्म कोशिकीय बदलावों और ऊतकों की बनावट का विश्लेषण किया जाता है जिससे अग्न्याशय (पैनक्रियाज) कैंसर का पता लगाया जा सकता है।

## आईसीएमआर ने तीन स्वदेशी चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को उद्योग को हस्तांतरित किया-

- हाल ही में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई) के अवसर पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा तीन स्वदेशी चिकित्सा प्रौद्योगिकियों को व्यावसायिक उत्पादन के लिए उद्योग को हस्तांतरित किया गया।

**हस्तांतरित प्रौद्योगिकियाँ-**

| क्र.सं. | तकनीक का नाम | उपयोगी | विकासकर्ता संस्थान | हस्तांतरित |
|---|---|---|---|---|
| 1 | किफ़ायती PSP94 ELISA किट | प्रोस्टेट बायोप्सी के निर्णयों में सहायता के लिए-PSA स्तर < 20 ng/ml वाले मरीजों हेतु | आईसीएमआर- राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई | कृषजेन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड |
| 2 | चिकित्सा उपकरण/तकनीक | स्तन कैंसर या संबंधित डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र हेतु विशिष्ट तकनीक | आईसीएमआर-राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई | मेरिल लाइफ साइंसेज |
| 3 | सिंगल-ट्यूब मल्टीप्लेक्स रियल-टाइम RT-PCR किट | एक साथ डेंगू, चिकनगुनिया और जीका वायरस का पता लगाने के लिए | आईसीएमआर- राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे | वैनगार्ड लाइफ साइंसेज |

## सीएसआईआर ने 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योग को हस्तांतरित किया-

- हाल ही में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई) के अवसर पर वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योग को हस्तांतरित किया गया है।
- **हस्तांतरित प्रौद्योगिकियाँ निम्न है -**
  - कम कार्बन फुटप्रिंट वाली ईंट निर्माण तकनीक।
  - हाइब्रिड सौर-सहायता प्राप्त हीट पंप प्रणाली।
  - आरसीसी संरचनाओं की सुरक्षा के लिए आईपीएन कोटिंग तकनीक।
  - दीवार सुरक्षा के लिए पूर्वनिर्मित उच्च-शक्ति स्टील कॉर्ड सुदृढ़ीकरण तकनीक।
  - लकड़ी और लकड़ी के विकल्प से बनी सतहों के लिए अग्निरोधी पारदर्शी इंट्यूमेसेंट कोटिंग।

## ऑप्टिकल एम्प्लीफायर-

- हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बेहद उंगली के पोर (सिरे) जितन छोटा ऑप्टिकल एम्प्लीफायर बनाया है।
- यह ऑप्टिकल एम्प्लीफायर इंटरनेट की स्पीड को सौ गुना बढ़ाने के साथ बिजली की खपत कम कर सकता है।
- **ऑप्टिकल एम्पलीफायर-**
  - यह एक उपकरण होता है जो रोशनी के जरिए भेजे जा रहे सिग्नल को मजबूत करता है। इसका इस्तेमाल फाइबर ऑप्टिक इंटरनेट और टेलीकॉम नेटवर्क में किया जाता है।

## 'लायन' स्पीशीज स्पॉटलाइट कार्यक्रम-

- हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने 14 मई, 2026 को गुजरात के सासन गिर में 'लायन' स्पीशीज स्पॉटलाइट कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन 2026 से पहले आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक हिस्सा है।
- Note- भारत 2-1 जून, 2026 को नई दिल्ली में प्रथम आईबीसीए शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी करेगा।

## मल्टीपल मायलोमा बीमारी के इलाज हेतु समझौता-

- हाल ही में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने हेलिक्स सेल थेरेप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ मल्टीपल मायलोमा के इलाज के लिए उन्नत CAR-T सेल थेरेपी विकसित करने के लिए समझौता है।
- **मल्टीपल मायलोमा-**
  - यह एक अत्यधिक दुर्बल करने वाला और वर्तमान में लाइलाज रक्त कैंसर है।
  - यह शरीर की प्लाज्मा कोशिकाओं को प्रभावित करता है, जो स्वस्थ हड्डियों और प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुँचाती हैं।
- **CAR-T Cell Therapy-**
  - इसमें रोगी के स्वयं **के** टी-लिम्फोसाइट्स को शरीर से बाहर निकालकर आनुवंशिक रूप से इस प्रकार संशोधित किया जाता है कि वे विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं की पहचान करके उन्हें नष्ट कर सकें।

## पतली फिल्मों में नैनो-गोल्ड के समावेश से स्व-संचालित सेंसर और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स का विकास-

- हाल ही में नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (मोहाली) के वैज्ञानिकों ने प्रोफेसर दीपांकर मंडल और सुदीप नास्कर के निर्देशन में पतली फिल्मों में नैनो-गोल्ड के समावेश से स्व-संचालित सेंसर और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स का विकास किया है।
- इसके लिए वैज्ञानिकों ने सामान्य फेरोइलेक्ट्रिक पॉलीमर में नैनोगोल्ड की सूक्ष्म मात्रा को मिलाकर एक अति-पतली लचीली फिल्म विकसित की है।
- यह फिल्म तापमान में होने वाले बेहद सूक्ष्म उतार-चढ़ाव को भी कुशलतापूर्वक विद्युत संकेतों में बदल सकती है।
- **अनुप्रयोग-**
  - इससे परिवेश के तापमान और सूक्ष्म तापीय उतार-चढ़ाव से ऊर्जा संचित किया जा सकेगा।

- इससे बाहरी बैटरी पर निर्भरता कम करके स्व-संचालित सेंसर और पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स का विकास किया जा सकेगा।
- इसका उपयोग स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण निगरानी और ऊर्जा-कुशल उन्नत लचीली इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों में किया जा सकेगा।

## पीकॉक टैरेंटुला-

- हाल ही में आंध्र प्रदेश सरकार ने नागार्जुनसागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व में पीकॉक टैरेंटुला को बचाने के लिए एक सर्वे शुरू किया है।
- वर्तमान में वनों के कटाव और सुंदर रंग के कारण इसकी संख्या में कमी आई है।
- **पीकॉक टैरेंटुला-**
  - यह एक दुर्लभव सुंदर विषैली वृक्षीय मकड़ी है।
  - यह दुनिया की सबसे सुंदर मकड़ी में आता है।
  - इस मकड़ी प्रजाति को 'गूटी नीलम' भी कहा जाता है।
  - इसके पैरों का फैलाव लगभग 15-20 सेमी तक होता है।
  - यह तेज चलती है और घात लगाकर कीड़ों का शिकार करती है।
  - यह पुराने पर्णपाती वनों में पेड़ों के छिद्र और दरार में रहती है।

## ऑप्टिकल एम्प्लीफायर-

- हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बेहद उंगली के पोर (सिरे) जितन छोटा ऑप्टिकल एम्प्लीफायर बनाया है।
- यह ऑप्टिकल एम्प्लीफायर इंटरनेट की स्पीड को सौ गुना बढ़ाने के साथ बिजली की खपत कम कर सकता है।
- **ऑप्टिकल एम्पलीफायर-**
  - यह एक उपकरण होता है जो रोशनी के जरिए भेजे जा रहे सिग्नल को मजबूत करता है।
  - इसका इस्तेमाल फाइबर ऑप्टिक इंटरनेट और टेलीकॉम नेटवर्क में किया जाता है।

## 4डी प्रिंटेड तकनीक से बनाया गया सांस लेने वाला जालीदार कास्ट-

- हाल ही में 'कास्टोमाइज' कंपनी ने 4डी प्रिंटिंग तकनीक पर आधारित नए तरह का ऑर्थोपेडिक कास्ट विकसित किया है।
- 4डी जालीदार कास्ट और पारंपरिक कास्ट में अंतर-

| विशेषता | पारंपरिक प्लास्टर / फाइबरग्लास | 4डी-प्रिंटेड कास्ट |
|---|---|---|
| हवा का संचार | न के बराबर | बेहतरीन क्योंकि जालीदार होती है। |
| पानी का प्रभाव | गलने का खतरा | वाटरप्रूफ |
| सफाई और खुजली | सफाई मुश्किल | आसानी से सफाई |
| वजन | भारी | बहुत हल्का |
| हटाने की प्रक्रिया | इलेक्ट्रिक आरी से काटना पड़ता है। | गर्म करके आराम से खोला जा सकता है। |

## 3डी-प्रिंटेड कृत्रिम अंडों की मदद से 26 चूजों का जन्म

- हाल ही में अमरीकी कंपनी 'कोलोसल बायोसाइंसेज' ने 3डी-प्रिंटेड कृत्रिम अंडों की मदद से 26 चूजों को जन्म दिया है।
- कंपनी ने 3डी-प्रिंटेड कृत्रिम अंडा टाइटेनियम की 3डी-प्रिंटेड जालीदार संरचना और एक बायो-इंजीनियर्ड सिलिकॉन झिल्ली से बनाया था।
- यह तकनीक विलुप्त हो चुकी प्रजातियों को वापस लाने में सहायक सिद्ध होगी।

## शोधकर्ताओं ने विकसित किया स्मार्ट मटेरियल-

- हाल ही में जापान के वैज्ञानिक डॉ. रीना सातो और प्रोफेसर कियोशी कानी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एक ऐसा 'स्मार्ट मटेरियल' विकसित किया है, जो वातावरण के अनुसार अपना आकार बदल सकता है।
- वैज्ञानिकों ने इस स्मार्ट मटेरियल को विकसित करने के लिए सोने के नैनोकणों पर दो विशेष कार्बनिक अणुओं की परत चढ़ाई, जिससे यह कण जीवित कोशिकाओं की तरह प्रतिक्रिया देने लगे।
- यह स्मार्ट मटेरियल सामान्य स्थिति में पानी की सतह पर छोटे द्वीपों की तरह रहते हैं, लेकिन तापमान (40 डिग्री सेल्सियस) बढ़ने पर आपस में जुड़कर जाल बना लेते हैं तथा दबाव पड़ने पर यह जाल फिर टूटकर अलग-अलग कणों में बदल जाता है।
- **अनुप्रयोग-**
  - लक्षित दवा वितरण में
  - सॉफ्ट रोबोटिक्स में
  - स्मार्ट सेंसर्स और नैनो-स्विच में
  - पर्यावरण शुद्धीकरण में

## ईजीआई हवाई अड्डे पर भारत की पहली 'स्काईकास्ट' प्रणाली का उद्घाटन

- हाल ही में केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 29 मई, 2026 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत की पहली «स्काईकास्ट प्रणाली» का उद्घाटन किया है।
- यह भारत की पहली एकीकृत विमानन मौसम निगरानी प्रणाली है जिसे मिशन मौसम के तहत विकसित किया गया है।
- भारत विमानन मौसम निगरानी के लिए इस तरह की उन्नत एकीकृत प्रणाली तैनात करने वाला विश्व का 19वां देश बन गया है।
- यह प्रणाली पायलटों और विमानन संचालकों को वास्तविक समय में मौसम की जानकारी प्रदान करेगी तथा विमान चालक दल को लगभग 3 घंटे की छोटी समयावधि के भीतर भी अग्रिम चेतावनी प्रदान करेगी।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय ने 5 मई, 2026 को डिजिटल फोरेंसिक, साइबर सुरक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्रों में एक संरचित पांच वर्षीय सहयोग स्थापित करने के एमओयू किया है।
- हाल ही में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 मई, 2026 को 'स्वास्थ्य भारत पोर्टल' का शुभारंभ किया है। यह पोर्टल भारत के डिजिटल स्वास्थ्य परिवर्तन को गति देने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों का एकीकरण करेगा।
- हाल ही में जनजातीय गरिमा उत्सव-2026 के अंतर्गत सिकल सेल रोग के लिए भारत की पहली स्वदेशी सीआरआईएसपीआर आधारित जीन थेरेपी "बिरसा-101" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। बिरसा-101 सिकल सेल रोग के इलाज के लिए भारत की पहली स्वदेशी CRISPR-आधारित जीन थेरेपी है।
- हाल ही में आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली के विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग में 25 मई,2026 को रिंग गैन्ट्री आधारित लीनियर एक्सीलरेटर का शुभारंभ किया गया। यह उन्नत तकनीक कैंसर देखभाल सेवाओं को मजबूत करेगी।
- हाल ही में आईआईटी मद्रास ने अमेरिका के कैलिफोर्निया में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय केंद्र खोला है। इस केंद्र का उद्देश्य भारतीय डीप-टेक स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार, निवेश और टेक्नोलॉजी सहयोग से जोड़ने पर केंद्रित है।
- हाल ही में भारत और जापान ने क्वांटम टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता किया है। इसके तहत भारत के नेशनल क्वांटम मिशन और जापानी संस्थानों के बीच कंप्यूटिंग, सेंसिंग और सुरक्षित संचार नेटवर्क पर काम होगा।
- हाल ही में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 17 मई, 2026 को अहमदाबाद में 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' और 'GREMI सिटी कैंपस' का उद्घाटन किया।
- हाल ही में नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बीज के आकार का बेहद छोटा सर्जिकल रोबोट तैयार किया है, जिसकी लंबाई सिर्फ 4.4 मिलीमीटर है।
- हाल ही में किंग्स कॉलेज ऑफ लंदन के वैज्ञानिकों ने भेड़ की ऊन में पाए जाने वाले केराटिन नाम के प्रोटीन का इस्तेमाल करके मानव हड्डियों को जोड़ा है। यह केराटिन भेड़ की ऊन, इंसानों के बाल और नाखूनों में पाया जाता है।
- हाल ही में चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसा बैक्टीरिया खोजने का दावा किया है, जो रेगिस्तानी रेत को उपजाऊ मिट्टी में बदल सकता है। इस बैक्टीरिया को माइक्रोबियल तकनीक से पानी और पोषक तत्वों के साथ रेत में मिलाया जाता है जिससे यह चिपचिपा जैविक पदार्थ छोड़कर रेत के कणों को जोड़ता हैं।
- आर्गस- यह 20 पैरों वाला समुद्री जीव 'सी अर्चिन' जैसा दिखने वाला रोबोट है। इसका निर्माण अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है। यह रोबोट दीवारों पर चढ़ने, पेड़ों के बीच से निकलने और ऊबड़-खाबड़ जमीन पर चलने में सक्षम है।
- हाल ही में हाल ही में कनाडा और चीन के वैज्ञानिक ने दुनिया की पहली 'यूनिवर्सल किडनी' बनाने में सफलता प्राप्त की है। इसके लिए विशेष तकनीक से किडनी से ब्लड ग्रुप मार्कर्स हटाकर उसे यूनिवर्सल टाइप-ओ ऑर्गन में बदला गया।
- हाल ही में सीबीआई ने एआई आधारित चैटबॉट अभय लॉन्च किया है। यह चैटबॉट सीबीआई के नाम पर भेजे गए नोटिस के बारे में (असली या नकली) बतायेगा और डिजिटल ठगी से नागरिकों की रक्षा करेगा।
- हाल ही में स्कॉटलैंड में झील के नीचे 5,000 साल पुराने कृत्रिम द्वीप को खोजा गया है। साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने आइल ऑफ लुईस में इस संरचना की खोज की है जिसे 'क्रैनोग' कहा जाता है।
- हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक नया 'जीरो-गैप' माइक्रोबियल इलेक्ट्रोसिंथेसिस रिएक्टर बनाया है, जो $CO_2$ को 95% दक्षता के साथ मीथेन गैस में बदल सकता है।
- हाल ही में आयरलैंड के बुरेन नेशनल पार्क में वैज्ञानिकों को 33 करोड़ वर्ष पुराने शार्क के दांत मिले हैं। ये दांत 'स्यूफोडस मैग्रस' नाम की दुर्लभ प्रजाति के बताए जा रहे हैं।

# 6 खेल परिदृश्य

## क्रिकेट

### इंडियन प्रीमियर लीग (IPL)-2026

- संस्करण- 19वां
- आयोजन- 28 मार्च, 2026 से 31 मई, 2026 तक
- विजेता- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी की लगातार दूसरी खिताबी जीत)
- उपविजेता- गुजरात टाइटंसफाइनल
- फाइनल मैच- 31 मई, 2026 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया।
- परिणाम- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया।
- प्लेयर ऑफ द मैच- विराट कोहली
- इस संस्करण में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले गए थे।

#### प्रमुख पुरस्कार-

- ऑरेंज कैप विजेता- वैभव सूर्यवंशी (सर्वाधिक 776 रन, राजस्थान रॉयल्स)
- पर्पल कैप विजेता- कगिसो रबाडा (सर्वाधिक 29 विकेट, गुजरात टाइटंस)
- सीज़न के उभरते खिलाड़ी, सीज़न के सुपर स्ट्राइकर, सीज़न के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी, सीज़न के सुपर सिक्स - वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स)
- सीज़न के सर्वाधिक चौके- साई सुदर्शन (गुजरात टाइटंस)
- सीज़न का सर्वश्रेष्ठ कैच- मनीष पांडे (कोलकाता नाईट राइडर्स)
- सीज़न की सबसे अधिक डॉट बॉल- मोहम्मद सिराज़ (गुजरात टाइटंस)
- फेयर प्ले अवार्ड- पंजाब किंग्स
- पिच और ग्राउंड अवार्ड- क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल और हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (संयुक्त विजेता)

### आईपीएल में कोहली सर्वाधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी बने-

- हाल ही में जारी फैनेटिक स्पोर्ट्स और हुरुन की रिपोर्ट के अनुसार विराट कोहली 18 साल के आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं।
- आईपीएल में विराट कोहली ने 230 करोड़ रुपए, रोहित शर्मा ने 227.2 करोड़ और महेंद्र सिंह धोनी ने 200 करोड़ रुपये कमायें है।
- रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में आईपीएल की सभी फ्रेंचाइजी का कुल वैल्यूएशन 1.63 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।
- कोलकाता नाइट राइडर्स 19 हजार 200 करोड़ रुपए की वैल्यूएशन के साथ सबसे मूल्यवान फ्रेंचाइजी है।

### फातिमा सना

- यह पाकिस्तान की टी-20 क्रिकेट टीम की कप्तान है।
- इन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 में उन्होंने मात्र 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।
- इससे पहले यह रिकॉर्ड संयुक्त रूप से सोफी डिवाइन, फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष (18 गेंद) के नाम दर्ज था।
- फातिमा सना ने 19 गेंदों का सामना करते हुए 62 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

### सारा टेलर –

- यह इंग्लैंड की 36 वर्षीय पूर्व विकेटकीपर और बल्लेबाज है।
- इनको न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पुरुष टीम का फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है।
- वह इंग्लैंड पुरुष टीम को कोचिंग देने वाली पहली महिला बन गई हैं।

### मोंटी देसाई-

- हाल ही में भारतीय मूल के मोंटी देसाई को कनाडा की पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है।
- मोंटी देसाई आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के साथ काम कर चुके हैं।
- इन्होंने नेपाल व अफगानिस्तान की क्रिकेट टीमों के साथ भी काम किया था।

### विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में 600 रन बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम था।
- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार आईपीएल में सबसे तेज 200 छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सबसे तेज 200 छक्के लगाने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है।

- हाल ही में भारतीय ऑलराउंडर विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास ले लिया है। विजय शंकर को वर्ष 2019 के वर्ल्डकप में '3डी' ऑलराउंडर के नाम जाना गया था। उन्होंने वर्ष 2012 में तमिलनाडु के लिए डेब्यू किया था।
- हाल ही में दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। करीब तीन साल बाद वापसी कर रहीं इस्माइल के नाम 113 टी20 मैचों में 123 विकेट दर्ज हैं।

## तीरंदाजी विश्व कप 2026 (स्टेज-2)-

- आयोजन तिथि- 5 से 10 मई, 2026
- आयोजन स्थल- शंघाई, चीन में

### भारत का प्रदर्शन-

- **महिला रिकर्व टीम स्पर्धा-**
  - पदक- स्वर्ण पदक
  - विजेता खिलाड़ी- दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम अनिल मोहोद।
- **पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा-**
  - पदक- कांस्य पदक
  - विजेता खिलाड़ी- साहिल जाधव।
  - साहिल जाधव ने डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से पराजित किया।
  - यह साहिल के करियर का पहला विश्वकप पदक है।

## बैडमिन्टन

### उबेर कप-2026 और थामस कप-2026-

- आयोजन तिथि- 24 अप्रैल से 3 मई, 2026
- आयोजन स्थल- फोरम हॉर्सेंस, डेनमार्क
- संस्करण- थॉमस कप का 34वाँ और उबर कप का 31वाँ संस्करण।
- **थॉमस कप-2026 (पुरुष टीम)-**
  - विजेता (गोल्ड)- चीन
  - उप-विजेता (सिल्वर)- फ्रांस
  - कांस्य पदक- भारत और डेनमार्क
  - भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में फ्रांस से 0-3 से हार गई।
- **उबेर कप-2026 (महिला टीम)-**
  - विजेता (गोल्ड)- दक्षिण कोरिया
  - उप-विजेता (सिल्वर)- चीन
  - कांस्य पदक (Bronze)- जापान और इंडोनेशिया

## टेनिस एवं टेबल टेनिस

### कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 की मेजबानी दिल्ली को-

- 22वें कॉमनवेल्थ टेबिल टेनिस चैंपियनशिप-2026 की मेजबानी दिल्ली करेगा। इस चैंपियनशिप का आयोजन 27 जुलाई से 2 अगस्त, 2026 तक होगा तथा इसका आयोजन टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया और दिल्ली सरकार मिलकर करेगी।
- भारत की ओर से इस चैंपियनशिप में भारतीय दल की अगुआई मनिका बत्रा करेंगी।
- इस चैंपियनशिप में 35 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे

## स्नूकर

### विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप-2026

- आयोजन स्थल- क्रूसिबल थिएटर, शेफ़ील्ड
- आयोजन तिथि- 18 अप्रैल से 4 मई, 2026
- विजेता- वू यिजी, चीन
- उप-विजेता- शॉन मर्फी, ब्रिटेन
- चीन के 22 वर्षीय वू यिजी ने ब्रिटेन के शॉन मर्फी को 18-17 से हराकर स्नूकर वर्ल्ड चैम्पियनशिप का यह खिताब जीता है।

## कुश्ती

### एशियाई अंडर-23 कुश्ती चैंपियनशिप 2026-

- आयोजन तिथि- 23 से 26 मई, 2026
- आयोजन स्थल- दा नांग, वियतनाम
- इस चैंपियनशिप में भारत ने कुल 27 पदक (11 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य) जीते है।

**पुरुष फ्रीस्टाइल टीम (चैंपियन)-**

- **स्वर्ण पदक-** 1. अक्षय टी. ढेरे (57 किग्रा)
  2. विक्की (97 किग्रा)
  3. कुमार मोहित (65 किग्रा)
  4. चंदरमोहन (79 किग्रा)
- **रजत पदक-** 1. दीपक राठी (61 किग्रा)
  2. पुनीत कुमार (92 किग्रा)
  3. लकी (125 किग्रा)
- **कांस्य पदक-** 1. दीपक बेरवाल (74 किग्रा)
- 2. मोर सचिन (82 किग्रा)

**महिला कुश्ती टीम (चैंपियन)-**

- **स्वर्ण पदक-** 1. मुस्कान (53 किग्रा)
  2. तपस्या (57 किग्रा)
  3. भाग्यश्री (62 किग्रा)
  4. पुलकित (67 किग्रा)

5. मानसी (68 किग्रा)
6. काजल (76 किग्रा)

- **रजत पदक-** 1. नेहा (59 किग्रा)
  2. स्वीटी (50 किग्रा)
- **कांस्य पदक-** 1. अमृता (72 किग्रा)
  2. अहिल्या (55 किग्रा)
- **ग्रीको-रोमन टीम- स्वर्ण पदक**
  1. सुमित (63 किग्रा)
- **रजत पदक-** 1. सूरज (60 किग्रा)
  2. सागर सिंह (67 किग्रा)
- **कांस्य पदक-** 1. नीरज पटेल (55 किग्रा)
  2. सचिन (77 किग्रा)
  3. रोहित बूरा (87 किग्रा)
  4. रोहित (97 किग्रा)
  5. हरदीप (130kg)

## अन्य

### पेटांक ट्रांसप्लांट एशियन ओपन चैंपियनशिप 2026-

- आयोजन तिथि- 29 अप्रैल से 3 मई, 2026
- आयोजन स्थल- बैंकॉक, थाईलैंड
- आयोजक- वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स फेडरेशन (WTGF)
- इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम के कुल 12 ट्रांसप्लांट खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 6 पदक प्राप्त किए।
- प्रतियोगिता में 9 देशों (थाईलैंड, भारत, नेपाल, भूटान, मलेशिया, चीन, हांगकांग, हंगरी, ऑस्ट्रेलिया) के खिलाडियों ने भाग लिया था।
- **भारत का प्रदर्शन-**
  - भवानी सिंह- पेटांक डबल्स में नेशन कैटेगरी में रजत पदक
  - हर्षवर्धन सिंह- एशियन कैटेगरी में कांस्य पदक
  - मुजाहिद नकवी- नेशन कैटेगरी में कांस्य पदक

### IKF बीच कॉर्फ़बॉल विश्व कप (एशिया) 2026

- आयोजन तिथि- 2 से 3 मई, 2026
- आयोजन- बैंकॉक, थाईलैंड
- **सहयोगी संस्थाएं-** कॉर्फ़बॉल एसोसिएशन ऑफ थाईलैंड और आईकेएफ एशिया (IKF Asia) के सहयोग से।
- टीम- 10 टीम
- विजेता- हंगरी
- भारत- पाँचवां स्थान
- भात के कप्तान- रजत कुमार सैनी

### मियामी ग्रांप्री चैम्पियन-2026

- हाल ही में मर्सिडीज के 19 वर्षीय किमी एंटोनेली ने मियामी ग्रांप्री जीतकर इतिहास रच दिया।
- वे फॉर्मूला 1 इतिहास के पहले ऐसे ड्राइवर बन गए हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआती तीनों रेस पोल पोजीशन से जीती हैं।
- यह एंटोनेली की लगातार तीसरी जीत है।

### एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2026

- आयोजन तिथि- 11 से 17 मई, 2026
- आयोजन स्थल- गांधीनगर, गुजरात (भारत)
- इस चैंपियनशिप में 30 देशों के 172 एथलीटों ने हिस्सा लिया, जिनमें 97 पुरुष और 75 महिलाएं थीं।
- भारत का प्रदर्शन- इसमें भारत ने 10 पदक (1 रजत और 9 कांस्य) जीते
- **रजत पदक-** ज्ञानेश्वरी यादव (स्नैच, महिला वर्ग 53 किग्रा)
- **कांस्य पदक-**
  1. कोमल कोहर (महिला वर्ग 48 किग्रा)
  2. कोमल कोहर (क्लीन एंड जर्क, महिला वर्ग 48 किग्रा)
  3. ज्ञानेश्वरी यादव (महिला वर्ग 53 किग्रा)
  4. अजीत नारायण (पुरुष वर्ग 71 किग्रा)
  5. अजीत नारायण (क्लीन एंड जर्क, पुरुष वर्ग 71 किग्रा)
  6. हरजिंदर कौर (महिला वर्ग 69 किग्रा)
  7. संजना (महिला वर्ग 77 किग्रा)
  8. संजना (क्लीन एंड जर्क, महिला वर्ग 77 किग्रा)
  9. संजना (स्नैच, महिला वर्ग 77 किग्रा
- वहीं चीन 41 पदकों (21 स्वर्ण, 12 रजत, 8 कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

### सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स-2026-

- आयोजन तिथि- 15 और 16 मई, 2026।
- आयोजन स्थल- रियाद, सऊदी अरब।
- इसमें 5 महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों के लगभग 200 से अधिक पुरुष और महिला एथलीटों ने 31 स्पर्धाओं में हिस्सा लिया।

**भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन**

- **अनिमेष कुजूर (स्प्रिंटर)-**
  - 200 मीटर दौड़- 20.77 सेकंड में/ स्वर्ण पदक जीता
  - 100 मीटर दौड़- 10.44 सेकंड में/ रजत पदक जीता
- **मोहम्मद अफ़सल (800 मीटर)-**
  - 1 मिनट 48 सेकंड में/ स्वर्ण पदक जीता
  - पुरुषों की 4x100 मीटर रिले टीम-
- भारतीय चौकड़ी ने पुरुषों की 4x100 मीटर रिले स्पर्धा में 40.49 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता।

## 15वीं एशियन सीनियर कुराश चैंपियनशिप 2026-

- आयोजन तिथि- 11 से 15 जून, 2026।
- आयोजन स्थल- दुशांबे, ताजिकिस्तान।
- आयोजक- इंटरनेशनल कुराश एसोसिएशन
- कुराश- मध्य एशिया की पारंपरिक कुश्ती है जो अब एक प्रमुख वैश्विक खेल है।

## ताइपे कैपिटल कप 2026-

- आयोजन स्थल- ताइपे (ताइवान की राजधानी)
- आयोजन तिथि- 26 मई से 28 मई, 2026
- यह अंतरराष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता है।
- भारत का प्रदर्शन- भारत ने इसमें 2 रजत पदक और 3 योग्यता पुरस्कार जीते है।

| विजेता का नाम | श्रेणी | पदक/पुरस्कार |
|---|---|---|
| मुस्कान | पेंटिंग एवं सजावट | रजत पदक |
| अर्जुन सुमति विजयभास्कर | मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट | रजत पदक |
| मोहम्मद मफाज़ पूनाइकन्नन रबी अहमद | सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग विकास | योग्यता पुरस्कार |
| सुरेश कुमार गणेशण मीणा | डिजिटल निर्माण | योग्यता पुरस्कार |
| मोहम्मद सेराज | ऑटोमोबाइल प्रौद्योगिकी | योग्यता पुरस्कार |

## कोकोडोना 250

- यह दुनिया की सबसे कठिन अल्ट्रामैराथन जो अमेरिका के एरिज़ोना राज्य में आयोजित होती है।
- इसमें अमेरिकी रेसर रेचल एंट्रेकिन ने 56 घंटे 9 मिनट 48 सेकंड में करीब 402 किलोमीटर का सफर तय करके रिकार्ड कायम किया है।
- वह सबसे कम समय में यह रेस पूरी करने वाली धावक बन गई हैं।

### कोकोडोना -250

- यह अमरीका के एरिजोना राज्य में आयोजित होती है।
- यह रेस सोनोरन रेगिस्तान से शुरू होकर फ्लैगस्टाफ के पहाड़ी इलाकों और कठिन ट्रेल्स से गुजरती है।
- इस पूरी रेस में करीब 38,800 फीट की चढ़ाई होती है, जिस कारण इसे दुनिया की सबसे कठिन अल्ट्रामैराथन में गिना जाता है।

## फ्रेडरिक सोयेज

- हाल ही में फ्रांस के फ्रेडरिक सोयेज कों भारतीय जूनियर हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। फ्रेडरिक सोयेज दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट गोलकीपर पीआर श्रीजेश की जगह लेंगे।

## सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन बोर्ड नियम और राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण नियम, 2026 अधिसूचित किए-

- हाल ही में केंद्र सरकार ने 26 मई, 2026 को राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम, 2026 और राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है।

### राष्ट्रीय खेल बोर्ड-

- यह देश में राष्ट्रीय खेल निकायों की निगरानी और संचालन को विनियमित करने वाला केंद्रीय प्राधिकरण होगा।
- इस बोर्ड में कुल 3 सदस्य (एक अध्यक्ष और दो सदस्य) होंगे।
- इनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय खेल बोर्ड (खोज-सह-चयन समिति) नियम, 2026' के तहत गठित एक खोज-सह-चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएगी।
- **मुख्य कार्य एवं शक्तियाँ-**
  1. राष्ट्रीय खेल निकायों (National Sports Bodies) को आधिकारिक मान्यता प्रदान करना।
  2. खेल संघों में सुशासन, वित्तीय पारदर्शिता और नैतिक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करना।
  3. बोर्ड के सदस्यों के कार्यकाल, वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों का नियमन करना।
- **राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण-**
- यह खेल से जुड़े विवादों के त्वरित निवारण के लिए स्थापित एक समर्पित न्यायिक/अर्ध-न्यायिक निकाय के रूप में कार्य करेगा।
- इसका उद्देश्य खेल विवादों के लिए दीवानी अदालतों पर निर्भरता को कम करना तथा मुकदमों की बहुलता को रोकना है।
- यह खेल विवादों के स्वतंत्र, त्वरित, प्रभावी और किफायती समाधान के लिए "एकल-खिड़की व्यवस्था" प्रदान करेगा।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने ई-स्पोर्ट्स वर्ल्डकप-2026 के शतरंज इवेंट के लिए क्वालिफाई किया है। इस टूर्नामेंट का आयोजन 06 जुलाई से 23 अगस्त, 2026 तक पेरिस (फ्रांस) में होगा।
- हाल ही में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हंस मोके नीमैन ने वारसॉ, पोलैंड में आयोजित सुपर रैपिड एवं ब्लिट्ज खिताब जीता है। उन्होंने 13 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। इसमें वर्ल्ड चैम्पियन डी. गुकेश छठे स्थान पर रहे।
- हाल ही में केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में नई दिल्ली में राष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया।
- हाल ही में यूक्रेन की टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर तीसरी बार इटैलियन ओपन का खिताब जीता है। स्वितोलिना ने गॉफ को 6-4, 6-7, 6-2 से मात दी है।
- हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल-2030 की तैयारियों के मद्देनजर, भारतीय खेल प्राधिकरण ने मायभारत के सहयोग से तीन राष्ट्रव्यापी जागरूकता पहल शुरू की हैं।
- हाल ही में आइसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में भारत तीसरा स्थान हासिल किया है। वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया पहले और द. अफ्रीका दूसरे नंबर पर है।
- हाल ही में फीफा ने अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दोबारा खेलने की मंजूरी प्रदान की है।
- जून माह में कुआलालंपुर में आयोजित होने वाली दूसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में राजस्थान के दो खिलाड़ियों अरुण कुमार और निर्मला कुमारी का चयन किया गया है।
- हाल ही में इंडियन वीमेंस लीग (आइडब्ल्यूएल) 2025-26 में ईस्ट बंगाल ने नीता फुटबॉल एकेडमी के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की है। ईस्ट बंगाल लगातार दूसरी बार चैंपियन बनीं है।
- हाल ही में रियाद में आयोजित सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में अनिमेष ने 100 मीटर फर्राटा दौड़ में रजत पदक और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया है।
- हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप-2026 की तैयारियों के मद्देनजर वैंकूवर के साइंस वर्ल्ड में फीफा म्यूजियम के सहयोग से 'सॉकर एंड टेक्नोलॉजी' प्रदर्शनी शुरू हुई है। यह प्रदर्शनी 15 मई से 7 सितंबर, 2026 तक आयोजित होगी।
- हाल ही में भारतीय मूल के ब्रिटिश गोल्फर आरोन राय पीजीए चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। वह 107 साल बाद यह खिताब जीतने वाले पहले ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए है।
- हाल ही में मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान बूनी फर्नांडीस को फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन (FWA) अवार्ड्स 2026 के तहत साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया।
- हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बेलारूस के एथलीटों पर लगे सभी प्रतिबंध हटा दिए। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यूक्रेन पर हमले के बाद बेलारूस के एथलीटों पर वर्ष 2022 में प्रतिबंध लगाया था।
- हाल ही में क्रिस्टियानो रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल दागने के बाद फुटबॉल इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग घरेलू लीग में 100 या उससे ज्यादा गोल किए हैं।
- हाल ही में बार्सिलोना ने रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी और कुल 29वीं बार स्पेनिश ला लीगा का खिताब जीत लिया।
- पश्चिम एशिया में व्याप्त राजनीतिक तनाव और संघर्ष के कारण ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप-2026 सऊदी अरब (रियाद) की बजाय फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित करवाया जाएगा।
- हाल ही में पश्चिम एशिया में व्याप्त राजनीतिक तनाव और संघर्ष के कारण ईरान ने अपना फीफा वर्ल्ड कप बेस कैंप अमेरिका से हटाकर मैक्सिको शिफ्ट किया है।
- हाल ही में भारतीय धावक गुरिंदरवीर सिंह ने फेडरेशन कप में 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय स्प्रिंटर बने है।

# 7 पुरस्कार एवं सम्मान

## राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार -2025-

- हाल ही में पंचायती राज मंत्रालय ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2025 के विजेताओं की घोषणा की है, जिसमें पूरे देश से कुल 42 पंचायतों का चयन किया गया है।
- इन पुरस्कारों का वितरण 3 जून, 2026 को नई दिल्ली में किया जाएगा।
- यह पुरस्कार पंचायत प्रोत्साहन योजना (आईओपी) के तहत दिए जाते हैं, जो राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) की केंद्र प्रायोजित योजना का एक महत्वपूर्ण घटक है। **ये पुरस्कार दो अलग-अलग श्रेणियों के अंतर्गत दिए जायेंगे-**

### 1. दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार (डीडीयूपीएसवीपी)

- यह सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के 9 स्थानीयकरण विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों को मान्यता देता है।
- प्रत्येक विषय के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली पंचायतों को पुरस्कार दिए जाते हैं।
- राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2025 के अंतर्गत, 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली 34 ग्राम पंचायतों को डीडीयूपीएसवीपी के तहत चुना गया है

| दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार-2025 | | | |
|---|---|---|---|
| **पुरस्कार का विषय/श्रेणी** | **राज्य/केंद्र शासित प्रदेश** | **रैंक** | **पुरस्कार प्राप्तकर्ता ग्राम पंचायत (ब्लॉक, जिला) का नाम** |
| गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत | कर्नाटक | 1 | मुद्रदी (हेब्री, उडुपी) |
| गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत | आंध्र प्रदेश | 2 | चेम्मुल्लापल्ली (खाजीपेट, वाईएसआर) |
| गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत | सिक्किम | 3 | ग्यालशिंग ओमचुंग (ग्यालशिंग) |
| स्वस्थ पंचायत | त्रिपुरा | 1 | कंचनबाड़ी (कुमारघाट, उनाकोटि) |
| स्वस्थ पंचायत | कर्नाटक | 2 | वंदसे (कुंडापुरा, उडुपी) |
| स्वस्थ पंचायत | केरल | 3 | निरनम (पुलिकेझु, पथानामथिट्टा) |
| स्वस्थ पंचायत | ओडिशा | 3 | पोटलमपुर (छत्रपुर, गंजम) |
| बाल-हितैषी पंचायत | महाराष्ट्र | 1 | ईटगांव (पु) (भंडारा, भंडारा) |
| बाल-हितैषी पंचायत | कर्नाटक | 2 | हलनायकनहल्ली (बेंगलुरु पूर्व, बेंगलुरु शहरी) |
| बाल-हितैषी पंचायत | केरल | 3 | ओटूर (वर्कला, तिरुवनंतपुरम) |
| जल-पर्याप्त पंचायत | महाराष्ट्र | 1 | खारीवाली (खलापुर, रायगढ़) |
| जल-पर्याप्त पंचायत | कर्नाटक | 2 | मदमक्की (हेब्री, उडुपी) |
| जल-पर्याप्त पंचायत | ओडिशा | 3 | पडुआ (चंपुआ, केन्दुझार) |
| स्वच्छ एवं हरित पंचायत | मिजोरम | 1 | कावर्था नॉर्थ |
| स्वच्छ एवं हरित पंचायत | असम | 2 | जुमरमुर (कठियाटोली, नागांव) |
| स्वच्छ एवं हरित पंचायत | ओडिशा | 2 | हाथीबंधा (लाठीकटा, सुंदरगढ़) |
| स्वच्छ एवं हरित पंचायत | छत्तीसगढ | 3 | सरदिह (बागिचा, जशपुर) |
| स्वच्छ एवं हरित पंचायत | हिमाचल प्रदेश | 3 | लोहारदी (बल्ह, मंडी) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| पंचायत में आत्मनिर्भर अवसंरचना | केरल | 1 | मेलुकावु (एराट्टुपेट्टा, कोट्टायम) |
| पंचायत में आत्मनिर्भर अवसंरचना | असम | 2 | हुग्रीजन (तेंगाखाट, डिब्रूगढ़) |
| पंचायत में आत्मनिर्भर अवसंरचना | आंध्र प्रदेश | 3 | गुंडामाला (कोठा पटनम, प्रकाशम) |
| पंचायत में आत्मनिर्भर अवसंरचना | कर्नाटक | 3 | सानूर (करकल, उडुपी) |
| सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत | हिमाचल प्रदेश | 1 | शांशा (लाहौल, लाहौल और स्पीति) |
| सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत | महाराष्ट्र | 2 | चम्भरली (खलापुर, रायगढ़) |
| सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत | ओडिशा | 2 | मंदार (पोलोसारा, गंजाम) |
| सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत | जम्मू और कश्मीर | 3 | वागूरा (बीके पोरा, बुडगाम) |
| सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत | कर्नाटक | 3 | हकलाडी (कुंडापुरा, उडुपी) |
| सुशासन वाली पंचायत | आंध्र प्रदेश | 1 | श्रृंगवरम (नाथावरम, विशाखापत्तनम) |
| सुशासन वाली पंचायत | महाराष्ट्र | 2 | निंबाले (चांदवड, नासिक) |
| सुशासन वाली पंचायत | तेलंगाना | 3 | मोथुकुपल्ले (कोटेपल्ली, विकाराबाद) |
| महिला-हितैषी पंचायत | आंध्र प्रदेश | 1 | बोक्कासम पालेम (श्रीकलाहस्ती, तिरूपति) |
| महिला-हितैषी पंचायत | झारखंड | 2 | झिकरहाटी पूर्वी (पाकुड़, पाकुड़) |
| महिला-हितैषी पंचायत | तेलंगाना | 3 | फसलवाड़ी (सांगारेड्डी, संगारेड्डी) |
| महिला-हितैषी पंचायत | त्रिपुरा | 3 | बैकुंठपुर (हेज़ामारा, पश्चिम त्रिपुरा) |

## नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार (एनडीएसपीएसपीवीपी)

- यह जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को प्रदान किया जाता है।
- राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2025 के तहत, 8 पंचायतों को विजेता के रूप में चुना गया है, जिनमें से 3 को सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायत, 2 को सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक पंचायत और 3 को सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत श्रेणी में शामिल किया गया है।

| नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार-2025 | | | |
|---|---|---|---|
| **पुरस्कार का विषय/श्रेणी** | **राज्य/केंद्र शासित प्रदेश** | **रैंक** | **पुरस्कार विजेता पंचायत का नाम** |
| सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायत | त्रिपुरा | 1 | सेपाहिजाला |
| सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायत | ओडिशा | 2 | गंजम |
| सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायत | तमिलनाडु | 3 | कोयंबटूर |
| सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक पंचायत | केरल | 1 | हरिप्पाड (अलाप्पुझा) |
| सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक पंचायत | आंध्र प्रदेश | 2 | कुप्पम (चित्तूर) |
| सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत | असम | 1 | न्यू नापम (गभोरू, सोनितपुर) |
| सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत | बिहार | 2 | टेलकप (रोहतास, रोहतास) |
| सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत | उत्तर प्रदेश | 3 | बिरहारू (सैयान, आगरा) |

- विजेता पंचायतों को श्रेणी और स्तर के आधार पर प्रति पुरस्कार 50 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक का वित्तीय प्रोत्साहन प्राप्त होता है।
- Note- इस बार राजस्थान की किसी भी पंचायत को किसी भी श्रेणी और स्तर पर पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ।

## राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2026 प्रदान किए-

- हाल ही में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 12 मई, 2026 को नर्सिंग कर्मियों को वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किए।
- **पुरस्कार विजेता-**

| क्र.सं. | वर्ग | नाम | राज्य / केंद्र शासित प्रदेश |
|---|---|---|---|
| 1 | एएनएम | सुश्री कुलविंदर परही | लद्दाख |
| 2 | एएनएम | सुश्री उज्वला महादेव सोयम | महाराष्ट्र |
| 3 | एएनएम | सुश्री लालेंथांगी हनमते | मिजोरम |
| 4 | एएनएम | सुश्री मधु माला गुरुंग | सिक्किम |
| 5 | एएनएम | सुश्री पूजा परमार राणा | उत्तराखंड |
| 6 | एएनएम | सुश्री गीता कर्माकर | पश्चिम बंगाल |
| 7 | नर्स | सुश्री पूनम वर्मा | चंडीगढ़ |
| 8 | नर्स | सुश्री दीपा बिजू | दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव |
| 9 | नर्स | डॉ. श्रवण कुमार ढाका | दिल्ली |
| 10 | नर्स | सुश्री रक्षा रूपो पर्वतकर | गोवा |
| 11 | नर्स | सुश्री कविता जगन्नाथ | कर्नाटक |
| 12 | नर्स | सुश्री मंजू मोल वीएस | केरलम |
| 13 | नर्स | सुश्री आयशा बीबी के | लक्षद्वीप |
| 14 | नर्स | प्रो. (डॉ.) आर शंकर षनमुगम | तमिलनाडु |
| 15 | नर्स | मेजर जनरल लिसाम्मा पीवी | रक्षा मंत्रालय (सेना) का एकीकृत मुख्यालय, दिल्ली |

### राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार-

- स्थापना- वर्ष 1973 में
- नोडल मंत्रालय- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत
- उद्देश्य- समाज में नर्सिंग कर्मियों द्वारा प्रदान की गई सराहनीय, अनुकरणीय और उत्कृष्ट सेवाओं को मान्यता देना।

## लीप्स पुरस्कार-2025-

- हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में लीप्स पुरस्कार 2025 समारोह और लीड्स रिपोर्ट 2025 का विमोचन किया।
- **लीप्स पुरस्कार 2025-**
  - यह पुरस्कार रसद (लॉजिस्टिक्स) और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता प्रदान करते है।
  - इसके तहत कुल 13 श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

## व्हिटली अवार्ड-2026

- हाल ही में 1 मई, 2026 को भारतीय संरक्षणवादी बरखा सुब्बा और परवीन शेख को व्हिटली अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
- यह सम्मान बरखा सुब्बा को हिमालयन सैलामैंडर और परवीन शेख को चंबल की 'इंडियन स्किमर' पक्षी के संरक्षण के लिए प्रदान किया गया है।
- **व्हिटली अवार्ड-**
  - इसे 'ग्रीन ऑस्कर' के नाम से जाना जाता है।
  - यह लन्दन में प्रदान किया जाता है।
  - इसे 'व्हिटली फंड फॉर नेचर' द्वारा प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार स्थानीय स्तर के संरक्षण कर्त्ताओं और उनके प्रयासों को को मान्यता देता है।

## आउटस्टैंडिंग पोस्टडॉक्टरल परफॉर्मेंस अवार्ड्स-2025-

- हाल ही में अमेरीका की अर्गोन नेशनल लेबोरेटरी ने वर्ष 2025 के 'आउटस्टैंडिंग पोस्टडॉक्टरल परफॉर्मेंस अवार्ड्स' की घोषणा की है।
- इस वर्ष तीन भारतीय मूल के शोधकर्ता किरण कुमार यलामंची, एफएनयू शिल्पिका और कृष्ण तेजा चिट्टी-वेंकटा को इस अवार्ड्स से सम्मानित किया गया है।
- आउटस्टैंडिंग पोस्टडॉक्टरल परफॉर्मेंस अवार्ड्स उन वैज्ञानिकों को दिया जाता है जिनका शोध ऊर्जा, सुरक्षा और एआइ जैसे राष्ट्रीय मिशनों के लिए अहम होता है।

## भारतीय पत्रकार आनंद और सुपर्णा को पुलित्जर पुरस्कार

- हाल ही में भारतीय पत्रकार आनंद आरके और सुपर्णा शर्मा ने साइबर अपराध को उजागर करने वाली खोजी रिपोर्टिंग के लिए प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार जीता है।
- उन्हें यह पुरस्कार नताली ओबिको पियर्सन के साथ ब्लूमबर्ग के लिए तैयार की गई विशेष रिपोर्ट 'ट्रैप्ड' के लिए मिला है।
- उन्हें यह पुरस्कार इलस्ट्रेटेड रिपोर्टिंग और कमेंट्री श्रेणी में दिया गया।

### पुलित्जर पुरस्कार-

- यह पत्रकारिता के क्षेत्र में अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।
- पुरस्कार की स्थापना- वर्ष 1917 में
- यह पुरस्कार प्रसिद्ध समाचार पत्र प्रकाशक जोसेफ पुलित्ज़र के सम्मान में दिया जाता है।

## कैंब्रिज डेडिकेटेड टीचर अवार्ड्स-

- हाल ही में भारतीय शिक्षिका सोमा मंडल ने 'कैंब्रिज डेडिकेटेड टीचर अवार्ड्स' में दक्षिण एशिया क्षेत्र का खिताब जीता।
- उन्हें छात्रों को जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए यह सम्मान दिया गया।
- देशों से 12 हजार नामांकनों में वह शीर्ष नौ विजेताओं में शामिल रहीं।

## भारत की राष्ट्रपति ने नागरिक अलंकरण समारोह-I में पद्म पुरस्कार 2026 प्रदान किए-

- हाल ही में भारत की राष्ट्रपति ने 25 मई, 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-I में वर्ष 2026 के लिए पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए।
- **पुरस्कार प्राप्तकर्ता-**
- पद्म विभूषण- इस बार कुल पाँच लोगों को यह पुरस्कार देने की घोषणा हुई थी, जिनमें से समारोह-I में दो लोगों को सम्मान प्रदान किया गया है-

| क्र. सं. | नाम | क्षेत्र | राज्य |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री धर्मेंद्र सिंह देओल (मरणोपरांत) | कला | महाराष्ट्र |
| 2 | सुश्री एन. राजम | कला | उत्तर प्रदेश |

- **पद्म भूषण**- इस बार कुल तेरह लोगों को यह पुरस्कार देने की घोषणा हुई थी, जिनमें से समारोह-I में छह लोगों को सम्मान प्रदान किया गया है

| क्र. सं. | नाम | क्षेत्र | राज्य / देश |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री भगत सिंह कोश्यारी | सार्वजनिक मामले | उत्तराखंड |
| 2 | श्री कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी | चिकित्सा | तमिलनाडु |
| 3 | श्री पीयूष पांडे (मरणोपरांत) | कला | महाराष्ट्र |
| 4 | श्री शतावधानी आर. गणेश | कला | कर्नाटक |
| 5 | श्री उदय कोटक | व्यापार और उद्योग | महाराष्ट्र |
| 6 | श्री वी. के. मल्होत्रा (मरणोपरांत) | सार्वजनिक मामले | दिल्ली |

- **पद्मश्री पुरस्कार-** इस बार कुल एक सौ तेरह लोगों को यह पुरस्कार देने की घोषणा हुई थी, जिनमें से समारोह-I में अठावन लोगों को सम्मान प्रदान किया गया है।

### पद्म पुरस्कार 2026

- राष्ट्रपति ने वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों को स्वीकृति दी।
- इनमें 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं।
- सूची में 2 युगल पुरस्कार भी हैं, जिन्हें एक ही पुरस्कार माना गया है।
- पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 19 महिलाएँ शामिल हैं।
- इसके अतिरिक्त विदेशी/NRI/PIO/OCI श्रेणी के 6 व्यक्ति तथा 16 मरणोपरांत पुरस्कार प्राप्तकर्ता भी सूची में सम्मिलित हैं।

### पद्म पुरस्कार

- पद्म पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं।
- ये 3 श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं:
  1. पद्म विभूषण
  2. पद्म भूषण
  3. पद्म श्री
- ये पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, व्यापार व उद्योग, चिकित्सा, साहित्य व शिक्षा, खेल और सिविल सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में दिए जाते हैं।
- पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए तथा पद्म श्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।
- पद्म पुरस्कारों की स्थापना वर्ष 1954 में की गई थी।

- इनके लिए नामांकन गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से स्वीकार किए जाते हैं।
- पद्म पुरस्कारों के साथ कोई नकद राशि या पेंशन नहीं दी जाती।
- पद्म पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है।
- ये सम्मान भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोहों में प्रदान किए जाते हैं।

## प्रोफेसर कुलजीत कौर मरहास

- यह इसरो की वैज्ञानिक और फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल) में प्रोफेसर है। इनको 'द मेटियोरिटिकल सोसायटी' ने साल 2026 के लिए फेलो चुना है।
- इस संस्था के 93 साल के इतिहास में फेलो बनने वाली वे पहली भारतीय महिला वैज्ञानिक हैं।
- इस संस्था में उनसे पहले केवल दो भारतीयों (देवेंद्र लाल और जे.एन. गोस्वामी) को ही यह सम्मान मिला है।
- **द मेटियोरिटिकल सोसाइटी-** यह उल्कापिंडों और ग्रहों के विज्ञान की दुनिया की सबसे बड़ी संस्था मानी जाती है।

## द अर्थ पुरस्कार 2026-

- हाल ही में भारत के विवान छावछारिया, एरियाना अग्रवाल और अव्याना मेहता को 'द अर्थ पुरस्कार- 2026' का एशिया विजेता चुना गया है।
- इनको यह सम्मान इमली के बीज से बनाये गये पाउडर के लिए दिया गया है जो पानी के माइक्रोप्लास्टिक को हटाने में मदद करता है।
- इनके द्वारा निर्मित 'प्लास-स्टिक' नामक प्राकृतिक पाउडर पानी में मौजूद छोटे प्लास्टिक कणों को आपस में चिपकाकर बड़े गुच्छों में बदल देता है जिन्हें मैग्नेट से हटाया जा सकता है

## अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2026-

- घोषणा- 19 मई, 2026 को टेट मॉडर्न, लंदन में
- विजेता पुस्तक-'ताइवान ट्रैवलॉग'
- मूल लेखिका- यांग शुआंग-जी (ताइवान)
- अनुवादक- लिन किंग (ताइवानी-अमेरिकी)
- पुरस्कार राशि- 50,000 पाउंड

- पुरस्कार राशि नियमानुसार लेखिका और अनुवादक के बीच बराबर विभाजित होगी।
- पुस्तक की विषय-वस्तु- यह उपन्यास जापानी औपनिवेशिक शासन के अधीन ताइवान की पृष्ठभूमि पर आधारित है जो ताइवानी भोजन और दो महिलाओं के रिश्ते पर आधारित है।
- यह पहली बार है जब ताइवानी मंदारिन (Taiwanese Mandarin) भाषा से अनुवादित किसी पुस्तक ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता है।

### अंतर्राष्ट्रीय बुकर प्राइज़-

- स्थापना- वर्ष 2005 में
- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष एक उपन्यास या लघु कथाओं के संग्रह को दिया जाता है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया हो और जो यूनाइटेड किंगडम या आयरलैंड में प्रकाशित हुआ हो।
- विजेता शीर्षक के लिए 50,000£ का पुरस्कार दिया जाता है, जिसे लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से साझा किया जाता है।
- Note- भारत से केवल दो लेखक गीतांजलि श्री और बानू मुश्ताक ने इंटरनेशनल बुकर प्राइज हासिल किया है।

## भारतीय मूल के दो वैज्ञानिकों दक्षिण अफ्रीका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान-

- हाल ही में भारतीय मूल के दो वैज्ञानिकों प्रो. सलीम अब्दुल करीम और प्रो. कीर्तन ढेढा को दक्षिण अफ्रीका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया है।
- दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा नें प्रो. सलीम अब्दुल करीम को एड्स की रोकथाम के लिए ऑर्डर ऑफ मापुंगुब्वे-गोल्ड और प्रो. कीर्तन ढेढा को टीबी पर शोध के लिए ऑर्डर ऑफ मापुंगुब्वे-सिल्वर प्रदान किया है।

## संसद रत्न पुरस्कार 2026-

- हाल ही में संसद रत्न अवॉर्ड-2026 के लिए 12 व्यक्तिगत सांसदों (10 लोकसभा और 2 राज्यसभा) और 4 संसदीय स्थायी समितियों को चुना गया है।
- **चयनित सांसद-**

1. जगदंबिका पाल (उत्तर प्रदेश), व्यक्तिगत श्रेणी में
2. पी.पी. चौधरी (राजस्थान), व्यक्तिगत श्रेणी में
3. निशिकांत दुबे (झारखंड), व्यक्तिगत श्रेणी में
4. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (महाराष्ट्र), व्यक्तिगत श्रेणी में
5. प्रवीण पटेल (उत्तर प्रदेश)
6. विद्युत बरन महतो (झारखंड)
7. लुंबाराम चौधरी (राजस्थान)
8. डॉ. हेमंत विष्णु सावरा (महाराष्ट्र)
9. स्मिता उदय वाघ (महाराष्ट्र)
10. नरेश गणपत म्हस्के (महाराष्ट्र)
11. डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी (महाराष्ट्र) तथा
12. नरहरि अमीन (गुजरात)

- **समितियां-**
  1. कृषि संबंधी समिति
  2. वित्त समिति
  3. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज समिति
  4. कोयला एवं खान समिति
- **संसद रत्न पुरस्कार-**
  - स्थापना- वर्ष 2010 में (पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के सुझाव पर)
  - संस्थापक- प्राइम पॉइंट फाउंडेशन
  - पहले पुरस्कार समारोह की शुरुआत डॉ. कलाम द्वारा वर्ष 2010 में की गई थी।
  - 16वां संसद रत्न पुरस्कार समारोह जुलाई, 2026 में नई दिल्ली में आयोजित होगा।

## कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026-

- संस्करण- 79वां
- आयोजन- 13 से 24 मई, 2026
- आयोजन स्थल- कान्स शहर, फ्रांस में
- जूरी की अध्यक्षता- पार्क चान-वुक (प्रसिद्ध दक्षिण कोरियाई निर्देशक)
- इस वर्ष रोमानियाई निर्देशक क्रिस्टियन मुंगिउ ने अपने करियर का दूसरा 'पाम डी'ओर' पुरस्कार जीता।

### पुरस्कार-

| पुरस्कार | विजेता फिल्म/व्यक्ति | निर्देशक/देश |
|---|---|---|
| पाम डी'ओर (Palme d'Or) (सर्वोच्च पुरस्कार) | फ्जोर्ड (Fjord) | क्रिस्टियन मुंगिउ (रोमानिया) |
| ग्रैंड प्रिक्स (Grand Prix) (दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार) | मिनोटौर (Minotaur) | आंद्रेई ज़्व्यागिन्त्सेव (रूस) |
| जूरी पुरस्कार (Jury Prize) | दास गेत्राम्टे अबेंटियर (The Dreamed Adventure) | वैलेस्का ग्रिसेबाक (जर्मनी) |
| सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (संयुक्त विजेता) | 1. पावेल पावलिकोव्स्की (फादरलैंड के लिए)<br>2. जेवियर काल्वो और जेवियर एम्ब्रोसी (ला बोला नेग्रा के लिए) | |
| सर्वश्रेष्ठ पटकथा | नोत्रे सालुत (A Man of His Time) | इमैनुएल मैरे (फ्रांस) |
| सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (संयुक्त विजेता) | इमैनुएल मैकचिया और वैलेन्टिन कैम्पेन (फिल्म- Coward) | निर्देशक- लुकास ढोंट |
| सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (संयुक्त विजेता) | वर्जिनी एफिरा और ताओ ओकामोटो (फिल्म- Soudain / All of a Sudden) | निर्देशक: रियुसुके हमगुची |

- **कैमरा डी'ओर (Caméra d'Or - सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म)-**
- **बेन'इमाना (Ben'Imana)- निर्देशिका- मैरी-क्लेमेंटाइन दुसाबेजाम्बो।**

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में स्वीडन की महामहिम क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया है।
- हाल ही में नॉर्वे के महामहिम सम्राट हेराल्ड पंचम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'द रॉयल नॉर्वे ऑर्डर ऑफ मेरिट के ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया है।
- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया गया है।
- हाल ही में दैनिक भास्कर के सीनियर रिपोर्टर अर्पित शर्मा व भास्कर डिजिटल के रिपोर्टर सौरभ गृहस्थी को मनोज माथुर जर्नलिज्म अवार्ड से सम्मानित किया किया गया है।
- हाल ही में भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक को 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए चुना गया। वह लेबनान में UNIFIL मिशन के तहत 'फीमेल एंगेजमेंट टीम' की कमांडर हैं और महिलाओं व लड़कियों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।

# निर्वाचन और नियुक्ति

## प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष-

- हाल ही में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 2 मई, 2026 को श्री प्रसून जोशी को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया है।
- प्रसून जोशी भारत के प्रख्यात गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ है। वह इस नियुक्ति से पहले अगस्त, 2017 से मुंबई स्थित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

### प्रसार भारती

- यह भारत का वैधानिक स्वायत्त सार्वजनिक सेवा प्रसारक है।
- यह प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) अधिनियम, 1990 के तहत स्थापित है और 1997 से कार्यरत है|
- **इसके दो प्रमुख विभाग हैं-**
  1. ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर)
  2. दूरदर्शन (डीडी)

## श्री शशि शेखर वेम्पति सीबीएफसी के अध्यक्ष नियुक्त

- हाल ही में भारत सरकार ने श्री शशि शेखर वेम्पति को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है।
- श्री वेम्पति कार्यभार ग्रहण की तिथि से तीन वर्ष की अवधि तक इस पद पर रहेंगे।
- केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय है, जो सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 के प्रावधानों के तहत फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन को नियंत्रित करता है।
- केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा प्रमाणित होने के बाद ही फिल्मों को भारत में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है।

## वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन-

- हाल ही में भारत सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।
- इन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया है। उन्हें भारतीय नौसेना में लगभग चार दशकों की विशिष्ट सेवा का अनुभव है।

## लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रामनी-

- हाल ही में भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रामनी को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त किया है।
- वे कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तथा अगले आदेश तक भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे।
- वर्तमान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान 30 मई, 2026 को अपना कार्यकाल पूर्ण करेंगे।
- इन्हें विशिष्ट सेवाओं के लिए परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक तथा विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

### चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

- यह चार सितारा जनरल रैंक का पद है|
- इस पद के वेतन और भत्ते सेना प्रमुख के समकक्ष होंते है।
- यह रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सृजित होने वाले सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) का प्रमुख भी होता और इसके सचिव के रूप में कार्य करता है।
- यह सैन्य मामलों के विभाग के प्रमुख होने के साथ-साथ चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष भी होता है।
- यह तीनों सेनाओं से संबंधित सभी मामलों में रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे।
- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ किसी भी प्रकार की सैन्य कमान का प्रयोग नहीं करेंगे, जिसमें तीनों सेना प्रमुखों पर कमान भी शामिल है, ताकि वे राजनीतिक नेतृत्व को निष्पक्ष सलाह दे सकें।

## डॉ. जोराम आनिया और डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम-

- हाल ही में भारत सरकार ने डॉ. जोराम आनिया और डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति के साथ ही नीति आयोग की कोर टीम सात सदस्यों की हो गई है।
- **डॉ. जोराम आनिया-**
  - यह इस पद तक पहुंचने वाली अरुणाचल प्रदेश की पहली व्यक्ति हैं।
  - यह निशी समुदाय की पहली महिला पीएचडी धारक भी हैं।

## रोहित जैन-

- हाल ही में भारत सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए हुई है। वे निवर्तमान डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर की जगह लेंगे।

### प्रोफेसर सुसान एलियास-

- इनको हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज प्रिंसिपल नियुक्त किया गया है। वे 1 जून 2026 को कार्यभार संभालेंगी।
- प्रोफेसर सुसान एलियास सेंट स्टीफंस कॉलेज के इतिहास में इस कॉलेज की पहली महिला प्रिंसिपल नियुक्त हुई है।
- सेंट स्टीफंस कॉलेज की स्थापना के बाद से यह पद संभालने वाली वे 14वीं और पहली महिला प्रमुख होंगी।

### सहदेव यादव साउथ एशियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन अध्यक्ष चुने गये-

- हाल ही में सहदेव यादव को 12 मई, 2026 को अहमदाबाद, गुजरात में हुई साउथ एशियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन (एसएडब्ल्यूएफ) की इलेक्शन मीटिंग में सर्वसम्मति से एसएडब्ल्यूएफ का प्रेसिडेंट चुना गया है।
- वर्तमान में यह इंडियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के प्रेसिडेंट के तौर पर काम कर रहे हैं।

### रुमेन रादेव-

- हाल ही में बुल्गारिया की संसद ने पूर्व राष्ट्रपति रुमेन रादेव को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है।
- रुमेन रादेव की नवगठित पार्टी 'प्रोग्रेसिव बुल्गारिया ने संसदीय चुनाव में 135 से अधिक सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया।

### योवेरी मुसेवेनी-

- इन्होंने हाल ही में लगातार 7वीं बार युगांडा के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है।
- योवेरी मुसेवेनी वर्ष 1986 से सत्ता में है और उनकों शासन करते हुए लगभग 40 वर्ष पूर्ण हो चुके है।
- योवेरी मुसेवेनी ने जनवरी, 2026 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में 71.65% वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी।

### तुषार कुमार-

- यह 23 वर्षीय भारतवंशी ब्रिटिश नागरिक है।
- इन्हें एल्सट्री और बोरेहामवुड का मेयर नियुक्त किया गया है।
- वह ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतवंशी बन गए हैं।

### जेनेज़ जान्शा-

- यह हाल ही में स्लोवेनिया के प्रधानमंत्री चुने गए है।
- यह उनका चौथा कार्यकाल है।
- जेनेज़ जान्शा स्लोवेनियाई डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता है।

## चर्चित व्यक्ति

### आफरीन जबी

- भारत की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की ओपन-वाटर तैराक हैं जो पश्चिम बंगाल के मिदनापुर की रहने वाली हैं।
- इनके द्वारा पाल्क स्ट्रेट को 7 घंटे 5 मिनट में पार कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है।
- पाल्क स्ट्रेट भारत के तमिलनाडु और श्रीलंका के जाफना जिले के बीच स्थित समुद्री जलडमरूमध्य है, जो भारत और श्रीलंका को अलग करता है।
- इससे पहले इन्होंने इंग्लिश चैनल भी तैरकर पार किया है।

### क्यू मणिवन्नन-

- यह भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक है।
- इन्होंने हाल ही में स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव में 'स्कॉटिश ग्रीन्स' पार्टी के टिकट पर एडिनबर्ग से जीत हासिल की है।
- यह मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले थे।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में अनुग्रह नारायण दास ने 1 मई, 2026 से रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) का पदभार ग्रहण कर लिया है। यह भारतीय रक्षा लेखा सेवा (आईडीएएस) के 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी है।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गोवा में आयोजित होने वाले भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के 57वें संस्करण के लिए फिल्म निर्माता श्री आशुतोष गोवारिकर को महोत्सव निदेशक नियुक्त किया है।
- हाल ही में डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 9 मई, 2026 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।
- हाल ही में श्री सौरभ विजय ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे महाराष्ट्र कैडर के 1998 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।
- हाल ही में सीए रोहित दायमा को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) के अबू धाबी चैप्टर ने वर्ष 2026-27 के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।
- हाल ही में रक्षा मंत्रालय के तहत अनुग्रह नारायण दास को कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स के पद पर नियुक्त किया गया है। वे 1991 बैच के इंडियन डिफेंस अकाउंट्स सर्विस के अधिकारी हैं।
- हाल ही में फार्मा कंपनी बायोकॉन की फाउंडर किरण मजूमदार-शॉ ने बायोकॉन की कमान क्लेयर मजूमदार को सौंपने की घोषणा की है।

- हाल ही में आर. मुकुंदन को वर्ष 2026-27 के लिए कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) का नया अध्यक्ष चुना गया। वह टाटा केमिकल्स के एमडी और सीईओ हैं। उन्होंने राजीव मेमानी की जगह ली।
- हाल ही में प्रशांत पिसे को ओमान में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। यह भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी है। वह वर्तमान में विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हैं और जी. वी. श्रीनिवास का स्थान लेंगे।
- हाल ही में अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के अनुभवी आर्थिक सलाहकार और पूर्व इन्वेस्टमेंट बैंकर केविन वॉर्श को अमेरिकी के फेडरल रिजर्व का नया अध्यक्ष चुन लिया गया है। सीनेट में केविन वॉर्श की नियुक्ति को 54-45 के बहुमत से मंजूरी मिली है।
- हाल ही में जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने आकाश अंबानी को पांच साल के लिए अपना प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने प्रतिभा पारकर को पनामा रिपब्लिक में भारत की अगली राजदूत नियुक्त किया है। प्रतिभा पारकर आइएफएस बैच-2000 की अधिकारी है जो वर्तमान में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।
- हाल ही में राजनयिक पेरियासामी कुमारन ने ब्रिटेन में भारत के नए उच्चायुक्त के रूप में कार्यभार संभाला है। वे पहले विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) और सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त रह चुके हैं।
- हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'महिला सशक्तिकरण समिति' का पुनर्गठन किया है। भाजपा सांसद डॉ. दग्गुबती पुरंदेश्वरी को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने गुनवीर सिंह को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है। पदोन्नति से पहले गुनवीर सिंह आरबीआइ के पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स विभाग में चीफ जनरल मैनेजर-इन-चार्ज के पद पर कार्यरत थे।
- हाल ही में भारतीय वायु सेना की अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर सान्या कैट-ए क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर (क्यूएफआइ) योग्यता हासिल करने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई है।
- हाल ही में सौम्या स्वामीनाथन और आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल को रॉयल सोसायटी फेलो चुना गया है।
- हाल ही में संजय वत्सयन को नौसेना की पश्चिमी नौसेना कमान का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। वे कृष्णा स्वामीनाथन की जगह लेंगे।

## निधन

### मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूरी-

- यह उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता थे जिनका हाल ही में देहरादून में 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- वह भारतीय सेना में सेवाएँ दे चुके है तथा उन्हें 'अति विशिष्ट सेवा पदक' से सम्मानित किया गया था।
- उन्होंने दो बार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप (वर्ष 2007 से 2009 तक और 2011 से 2012) दो कार्यभार सम्भाला था तथा अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री भी रहे थे।

### रतनलाल भगतराम चौधरी-

- यह दक्षिण भारत के जाने-माने फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं व्यवसायी थे। इनका झूठा गांव (ब्यावर-पिंडवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग-162) के समीप सड़क हादसे में 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
- रतनलाल भगतराम चौधरी दक्षिण भारत में आर.बी. चौधरी के नाम से प्रसिद्ध थे।

### टेड टर्नर-

- यह अमरीकी मीडिया संस्थान सीएनएन के संस्थापक थे।
- इनका हाल ही में 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
- इन्हें आधुनिक टीवी पत्रकारिता में बड़े बदलाव लाने वाले दिग्गज के रूप में याद किया जाता है।

### रणधीर सिंह-

- यह भारतीय शूटर और एशियाड के पहले गोल्ड मेडलिस्ट थे जिनका हाल ही में निधन हो गया। उन्होंने वर्ष 1978 के बैंकॉक एशियन गेम्स के ट्रैप इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था।
- इनके नाम पांच बार ओलिंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का रिकॉर्ड है।
- यह ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष बनने वाले पहले भारतीय भी थे।
- इन्होंने प्रशासनिक करियर में वर्ष 1987 से 2010 तक भारतीय ओलिंपिक संघ के महासचिव और 2001 से 2014 तक इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के सदस्य की भूमिका निभाई।

### बशीर बद्र-

- यह भारतीय कवि और शायर थे जिनका हाल ही में निधन हो गया।
- इनके साहित्य और नाटक अकादमी में किए गये योगदानों के लिए वर्ष 1999 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

### सुमन कल्याणपुर-

- यह भारतीय पार्श्व गायिका थी जिनका 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
- इन्हें वर्ष 2023 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया था।
- इन्होंने 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे', 'ना-ना करते प्यार' जैसे यादगार गीत गाए है।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- **अमनप्रीत सिंह गिल-** यह भारतीय अंडर-19 टीम के सदस्य थे जिनका हाल ही में निधन हो गया। अमनप्रीत ने वर्ष 2006 से 2008 के बीच पंजाब के लिए छह प्रथम श्रेणी मैच खेले और 11 विकेट लिए हैं।
- शोर्ट- हाल ही में कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर निधन हो गया। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे जो चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे।
- शोर्ट- हाल ही में तेलुगु अभिनेता भरत कांत का सड़क हादसे में निधन हो गया। इन्होंने 'ग्रामम', 'टेनेंट' फिल्मों व 'गीतांजलि' जैसी वेब सीरीज में काम किया था।

## सम्मेलन/बैठक /मेला.महोत्सव/प्रदर्शनी

### ब्रिक्स महिला कार्य समूह की पहली प्रारंभिक बैठक-

- आयोजन- 30 अप्रैल, 2026
- मोड- वर्चुअल माध्यम
- आयोजक- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
- इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- **उद्देश्य-** महिला नेतृत्व वाले विकास को प्रोत्साहित करने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराना, जिसमें महिलाओं को आर्थिक विकास, शासन और सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख वाहक के रूप में मान्यता दी गयी।

### उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी-

- आयोजन तिथि- 4 से 6 मई, 2026
- आयोजन स्थल- प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
- आयोजक- भारतीय सेना की उत्तरी कमान और केंद्रीय कमान तथा सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) द्वारा संयुक्त रूप से
- विषय- "रक्षा त्रिवेणी संगम - प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैनिक क्षमता का संगम होता है।"
- यह संगोष्ठी परिचालन संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और एकीकृत करने हेतु एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करती है।

### अग्नि सुरक्षा सप्ताह-

- आयोजन तिथि- 4 से 10 मई, 2026
- विषय- "स्वास्थ्य सुविधा अग्नि सुरक्षा"
- आयोजक- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के सहयोग से।
- उद्देश्य- देश भर के स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों में आग के खतरों की रोकथाम और शमन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

### ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस और रणनीतिक निहितार्थों पर सम्मेलन-

- आयोजन- 5 मई, 2026
- आयोजन स्थल- नई दिल्ली
- विषय- "ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस:- संज्ञानात्मक क्षमताओं का विस्तार और इसके रणनीतिक निहितार्थ"
- आयोजक- एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और सेंटर फॉर ज्वाइंट वॉरफेयर स्टडीज़ द्वारा संयुक्त रूप से।
- उद्देश्य- रक्षा, चिकित्सा और कमान-नियंत्रण प्रणालियों के भविष्य को आकार देने के लिए मानव-मशीन एकीकरण और तंत्रिका प्रौद्योगिकियों के उपयोग का पता लगाना।

### भारत-जापान स्वास्थ्य सेवा संयुक्त समिति बैठक-

- बैठक क्रम- तीसरा
- आयोजन तिथि- 5 मई, 2026
- आयोजन स्थल- भारत मंडपम, नई दिल्ली
- अध्यक्षता- श्री जगत प्रकाश नड्डा और सुश्री किमी ओनोदा द्वारा
- यह बैठक भारत के "सबका साथ, सबका विकास» के सिद्धांत के तहत समावेशी विकास तथा दोनों देशों के साझा दृष्टिकोण पर आधारित थी।
- सहयोग के चार प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्र-
  1. गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार।
  2. आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच।
  3. डिजिटल स्वास्थ्य।
  4. मानव संसाधन विकास और आदान-प्रदान।

### राष्ट्रीय दुर्लभ रोग सम्मेलन

- आयोजन तिथि- 5 और 6 मई, 2026
- आयोजन स्थल- नई दिल्ली
- आयोजक- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
- उद्देश्य- दुर्लभ रोगों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के तरीके को सुदृढ़ करना।

## दुर्लभ रोग

- दुर्लभ रोग विभिन्न प्रकार की जटिल स्थितियों का एक समूह हैं जिनके लिए दीर्घकालिक, समन्वित देखभाल की आवश्यकता होती है और जिनका निदान तथा प्रबंधन अक्सर कठिन होता है।
- अधिकांश दुर्लभ रोग आनुवंशिक होते हैं और जीवन के शुरुआती चरणों में, अक्सर बचपन में ही प्रकट हो जाते हैं।
- ये रोग आमतौर पर दीर्घकालिक, गंभीर और कुछ मामलों में जानलेवा होते हैं|

## ब्रिक्स के रोजगार कार्य समूह की बैठक

- बैठक क्रम- दूसरा
- आयोजन तिथि- 6 और 7 मई, 2026
- आयोजन स्थल- तिरुवनंतपुरम, केरल में
- पहली बैठक 16 से 17 मार्च, 2026 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित हुई थी।
- इस बैठक में ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात के श्रम, रोजगार और श्रमिक कल्याण से संबंधित प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

## भारत-अल्जीरिया संयुक्त आयोग बैठक

- बैठक क्रम- प्रथम
- आयोजन तिथि-6 मई 2026
- आयोजन स्थल- नई दिल्ली में
- अल्जीरिया उत्तरी अफ्रीका का रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देश है।
- भूमध्य सागर और अफ्रीका महाद्वीप में भारत की पहुंच और 'डिफेंस डिप्लोमेसी' के दृष्टिकोण से यह बैठक एक मील का पत्थर है।

## वेव्स डॉक बाज़ार का आयोजन-

- संस्करण- दूसरा संस्करण
- आयोजन तिथि- 16 से 18 जून, 2026 को आयोजित होगा।
- आयोजन- एनएफडीसी कॉम्प्लेक्स, मुंबई में (19वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के साथ)
- उद्देश्य- ऑडियो-विज़ुअल उद्योग के स्थापित पेशेवरों और उभरती हुई प्रतिभाओं को एक साथ लाना।
- वेव्स डॉक बाज़ार एक प्रमुख मंच है जिसे वृत्तचित्र, एनिमेशन और लघु फिल्म निर्माताओं की प्रगति को बढ़ावा देने और गति प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।
- यह मंच सहयोग, मार्गदर्शन, बाज़ार तक पहुंच और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के अवसर प्रदान करता है।

## 61वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी (ला बिएननेल डि वेनेज़िया)-2026

- आयोजन तिथि- 9 मई - 22 नवंबर 2026 तक आयोजित होगी।
- आयोजन- वेनिस, इटली
- इस प्रदर्शनी में पैविलियन ऑफ इंडिया द्वारा 'जियोग्राफ़ीज़ ऑफ डिस्टेंस: रिमेम्बरिंग होम' नामक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया है।

## अखिल भारतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन (सैनिक विद्यालय)

- संस्करण- 52वाँ
- आयोजन तिथि- 7 से 8 मई, 2026 (दो दिवसीय)
- आयोजन स्थल- सैनिक विद्यालय, कझाकूटम (केरल)
- उद्देश्य- देशभर के सैनिक स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता और अनुशासन को सुनिश्चित करना।

## भारत विमान पट्टा एवं वित्तपोषण सम्मेलन-

- संस्करण- द्वितीय संस्करण (प्रथम- वर्ष 2025 में)
- आयोजन तिथि- 8 मई, 2026
- आयोजन स्थल- गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी), गांधीनगर (गुजरात)
- आयोजक- नागरिक उड्डयन मंत्रालय, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)
- इसके पहला संस्करण 2025 में हुआ था।
- इस सम्मेलन ने नीति, वित्तपोषण एवं विमानन उद्योग के विशेषज्ञों को एक साथ लाकर विमान पट्टे एवं विमानन वित्तपोषण में गिफ्ट आईएफएससी की भूमिका को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया, जिसमें गिफ्ट आईएफएससी को एक उभरते वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

## आईएसओ की अंतरराष्ट्रीय उपसमिति की बैठक-

- आयोजन तिथि- 8 मई, 2026
- आयोजन स्थल- नई दिल्ली में
- आयोजक- भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)
- बीआईएस ने अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) की आईएसओ टीसी 20/एससी 14 'अंतरिक्ष प्रणाली और संचालन' उपसमिति की 35वीं प्लेनरी और कार्य समूह की बैठक का आयोजन किया है।
- इस बैठक में 13 देशों के 131 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

## अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान अनुसंधान सम्मेलन-

- आयोजन तिथि- 9 और 10 मई, 2026
- आयोजन स्थल- मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली
- आयोजक- नेत्र रोग विभाग (आर्मी हॉस्पिटल, नई दिल्ली) द्वारा अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी के सहयोग से

- उद्देश्य- नेत्र विज्ञान में सार्थक नागरिक-सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना।
- यह देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय नेत्र रोग अनुसंधान सम्मेलन है।

### राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा महोत्सव (आरबीएसएम) 2026-

- आयोजन तिथि- 8 मई, 2026
- आयोजन स्थल- वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर)-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून
- उद्देश्य- भारत में बौद्धिक संपदा जागरूकता को बढ़ावा देना।
- यह आजादी का अमृत महोत्सव पहल का एक हिस्सा है और इसे पहली बार जुलाई 2023 में शुरू किया गया था।

### क्रेता-विक्रेता बैठक

- आयोजन तिथि- 9 मई, 2026
- आयोजन स्थल- मुंबई
- आयोजक- सीएसआईआर और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन
- यह बैठक मुंबई में आगामी 'लैवेंडर फेस्टिवल 2026' से पूर्व आयोजित की गयी है।

### कुशन व्हीकल का 'गर्डर लेइंग' समारोह-

- आयोजन तिथि- 11 मई, 2026
- आयोजन स्थल- चौगुले शिपयार्ड, गोवा
- आयोजक- भारतीय तटरक्षक बल
- यह समारोह भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के चौथे, पांचवें और छठे एयर कुशन व्हीकल (एसीवी) का 'गर्डर लेइंग' समारोह के रूप में था।

### प्रयोगशाला पशु कल्याण राष्ट्रीय सम्मेलन-

- आयोजन तिथि- 11 मई, 2026
- आयोजन स्थल- नई दिल्ली
- आयोजक- केन्द्रीय पशुपालन और डेयरी विभाग
- उद्देश्य- प्रयोगशाला पशु कल्याण मानकों को सुदृढ़ करना, नैतिक और जिम्मेदार अनुसंधान प्रथाओं को बढ़ावा देना और देशभर के नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, नियामक अधिकारियों और संस्थागत प्रतिनिधियों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- यह सम्मेलन 'प्रयोगशाला पशु कल्याण: नीतियां और सर्वोत्तम प्रथाएं" पर आयोजित हुआ था।

### संयुक्त परामर्श तंत्र (जेसीएम) की राष्ट्रीय परिषद की बैठक-

- बैठक का क्रम- 49वीं
- आयोजन तिथि- 11 मई, 2026
- आयोजन स्थल- सेवा तीर्थ, नई दिल्ली
- उद्देश्य- सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना।

### किम्बर्ले प्रोसेस अंतरसत्रीय बैठक-2026

- आयोजन तिथि- 11 से 14 मई, 2026
- आयोजन स्थल- मुंबई, भारत
- संबंधित मंत्रालय- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
- भारत ने 1 जनवरी 2026 को किम्बर्ले प्रोसेस की अध्यक्षता ग्रहण की।
- उद्देश्य- वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक हीरों के व्यापार से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करना और संघर्ष वाले क्षेत्रों से अवैध तरीके से प्राप्त हीरों का वैध हीरा व्यापार में प्रवेश रोकना।
- वर्ष 2026 में इस संगठन के लिए भारत की अध्यक्षता का विषय प्राकृतिक हीरा क्षेत्र में 3सी पर केंद्रित है जिनका अर्थ है विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास।

#### किम्बर्ले प्रोसेस प्रमाणन योजना

- यह एक अंतरराष्ट्रीय पहल है।
- स्थापित- संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प 55/56 (2000) के तहत
- उद्देश्य- संघर्ष वाले क्षेत्रों से अवैध तरीके से प्राप्त हीरों का वैध हीरा व्यापार में प्रवेश रोकना।
- सदस्य- 60 प्रतिभागी 86 देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं (यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देश एकल समूह के रूप में)।

### भारत-तंजानिया संयुक्त व्यापार समिति की बैठक-

- संस्करण/बैठक क्रम- 5वां (पिछली बैठक अगस्त, 2017 में नई दिल्ली में)
- आयोजन तिथि- 29-30 अप्रैल 2026
- आयोजन स्थल- दार एस सलाम, तंजानिया
- अध्यक्षता- भारत की ओर से वाणिज्य सचिव और तंजानिया की ओर से राजदूत डॉ. सैमुअल विलियम शेलुकिंडो।
- भारत-तंजानिया का द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 9.02 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है जो 2024-25 में 8.64 बिलियन डॉलर था।
- **भारत-तंजानिया के मध्य सहयोग के क्षेत्र-**
  - वित्तीय एवं डिजिटल सहयोग- स्थानीय में व्यापार निपटान को बढ़ावा देना।
  - शिक्षा और कौशल- IIT मद्रास ज़ांज़ीबार को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करना।
  - कृषि एवं मत्स्य पालन- दलहन के व्यापार और अनुबंध खेती पर चर्चा।
  - स्वास्थ्य एवं फार्मा- फार्मास्यूटिकल्स में नियामक सहयोग और कैंसर विज्ञान में क्षमता निर्माण।
  - ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा- नवीकरणीय ऊर्जा, प्राकृतिक गैस और जैव ईंधन के लिए एक व्यापक समझौता ज्ञापन की योजना।

### कलम और कवच 3.0-

- आयोजन तिथि- 14 मई, 2026
- आयोजन स्थल- मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली
- उद्देश्य- राष्ट्रीय सुरक्षा मकसद और आत्मनिर्भर भारत के विज़न के हिसाब से एकीकृत मिलिट्री क्षमता विकास, प्रोद्योगिकीय नवाचार और सामरिक भागीदारी पर चर्चा को आगे बढ़ाना।

### संयुक्त एयरोस्पेस पावर सेमिनार-

- आयोजन तिथि- 11 मई, 2026
- आयोजन स्थल- नागपुर
- आयोजक- रखरखाव कमान (भारतीय वायु सेना) ने स्वायत्त रक्षा थिंक टैंक, सेंटर फॉर एयरपावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (सीएपीएसएस) के सहयोग से
- विषय- "कुशल रखरखाव और आत्मनिर्भरता: वायु शक्ति के प्रवर्तक"
- उद्देश्य- वायु सेना की युद्ध क्षमता को बढ़ाना, नई तकनीकों को समझना और रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देना।

### अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ परिषद की बैठक-2026-

- आयोजन तिथि- 28 अप्रैल से 8 मई, 2026
- आयोजन स्थल- जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- उद्देश्य- वैश्विक दूरसंचार और डिजिटल नीति परिदृश्य को आकार देना, डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देना और संगठन की रणनीति, बजट और वित्तीय नियंत्रण की निगरानी करना।
- इस बैठक में दूरसंचार विभाग के उप-महानिदेशक श्री मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया।
- **आईटीयू परिषद-**
  - अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के शासी निकाय के रूप में कार्य करती है।
  - इसमें 48 निर्वाचित सदस्य देश शामिल होते हैं।
  - इसकी वार्षिक बैठक जिनेवा में होती है।
  - भारत वर्ष 1952 से आईटीयू परिषद का सदस्य रहा है।

### मौसम और जलवायु नवाचार सम्मेलन-WISE2026-

- आयोजन तिथि- 15 मई, 2026
- आयोजन स्थल- पुणे
- **आयोजक-** भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान - आईआईटीएम, पुणे
- यह सम्मेलन भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान-आईआईटीएम, पुणे में मौसम और जलवायु क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए समर्पित इनक्यूबेशन सेंटर के उद्घाटन के दौरान किया गया।

### पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन-

- आयोजन तिथि- 19 मई, 2026
- आयोजन स्थल- भुवनेश्वर, ओडिशा
- आयोजक- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
- उद्देश्य- कृषि क्षेत्र के समग्र विकास, किसानों की आय वृद्धि तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करना।

### अखिल भारतीय राजभाषा समारोह-2026

- आयोजन तिथि- 18 मई, 2026
- आयोजन स्थल- पूसा, नई दिल्ली
- आयोजक- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)
- उद्देश्य- केंद्र सरकार के कार्यालयों, मंत्रालयों और उपक्रमों में राजभाषा हिंदी के दैनिक उपयोग को बढ़ावा देना।

### विश्व स्वास्थ्य सभा का सत्र

- आयोजन तिथि- 18 से 23 मई, 2026
- आयोजन स्थल- जिनेवा, जिनेवा
- आयोजक- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)
- विश्व स्वास्थ्य सभा डब्ल्यूएचओ का निर्णय लेने वाला निकाय है।
- इसमें डब्ल्यूएचओ के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल भाग लेते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा तैयार किए गए विशिष्ट स्वास्थ्य एजेंडा पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- विश्व स्वास्थ्य सभा के मुख्य कार्य संगठन की नीतियों का निर्धारण करना, महानिदेशक की नियुक्ति करना, वित्तीय नीतियों की निगरानी करना और प्रस्तावित कार्यक्रम बजट की समीक्षा और अनुमोदन करना है।
- भारत की तरफ से केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने इसमें भाग लिया था।

### ब्रिक्स युवा उद्यमिता कार्य समूह की बैठक

- आयोजन तिथि- 21-20 मई, 2026
- आयोजन स्थल- इंदौर, मध्यप्रदेश
- आयोज- केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का युवा कार्यक्रम विभाग
- यह बैठक "सुदृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" के व्यापक विषय के अंतर्गत आयोजित गयी।
- इस बैठक में युवा उद्यमी तथा ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

### अपतटीय सुरक्षा समन्वय समिति (ओएससीसी) की बैठक

- संस्करण- 138वां
- आयोजन तिथि- 21 मई, 2026
- आयोजन स्थल- अहमदाबाद
- उद्देश्य- भारत के अपतटीय प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसंरचना के लिए सुरक्षा ढांचे की समीक्षा और उसे मजबूत करना।

### जोखिम प्रबंधन और चुनावी सुदृढ़ता" कार्यशाला-

- आयोजन तिथि- 25 से 29 मई, 2026
- आयोजन स्थल- भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली
- आयोजक- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अंतरराष्ट्रीय आईडीईए के सहयोग से
- इस कार्यक्रम में 12 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचन आयुक्तों और निर्वाचन प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के वरिष्ठ अधिकारियों, निर्वाचन प्रबंधकों, जोखिम प्रबंधन एवं तकनीकी पेशेवरों, और संकट प्रबंधन एवं चुनावी विश्वसनीयता से जुड़ी पहलों में संलग्न अधिकारियों सहित 32 प्रतिभागियों में भाग लिया।

### एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) के शासी निकाय का सत्र

- संस्करण- 68वां
- आयोजन तिथि- 20 से 22 मई, 2026
- आयोजन स्थल- भारत मंडपम, नई दिल्ली
- यह सत्र भारत की अध्यक्षता में हुआ। इस सत्र में एपीओ सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- इस सत्र में एपीओ विजन-2030 फ्रेमवर्क, 2027-28 की द्विवर्षीय अवधि के लिए एपीओ के प्रारंभिक बजट और एपीओ महासचिव चुनाव प्रक्रियाओं की समीक्षा पर उच्च स्तरीय चर्चाएं हुई।

### मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र: इनोवेटर्स-टू-इंडस्ट्री कनेक्ट सत्र-

- आयोजन तिथि- 25 मई, 2026
- आयोजन स्थल- मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली
- आयोजक- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद
- उद्देश्य- मजबूत उद्योग साझेदारी के माध्यम से स्वदेशी जैव चिकित्सा अनुसंधान को सुलभ, वास्तविक दुनिया के स्वास्थ्य सेवा समाधानों में परिवर्तित करना।
- यह भारत का सबसे बड़ा जैव चिकित्सा एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा कार्यक्रम है।

### मध्य/ केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद बैठक-

- बैठक- 26वीं
- आयोजन तिथि- 19 मई, 2026
- आयोजन स्थल- बस्तर, छत्तीसगढ़
- आयोजक- अंतर-राज्य परिषद सचिवालय द्वारा
- मेज़बानी- छत्तीसगढ़ राज्य सरकार
- अध्यक्षता- श्री अमित शाह (केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री)
- उद्देश्य- केंद्र और राज्यों के बीच, राज्यों-राज्यों के मध्य सहयोग, समन्वय और सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करना।

### मध्य/केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद

- केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद में मुख्य रूप से भारत के मध्य भाग में स्थित 4 राज्य शामिल हैं-
  - उत्तर प्रदेश
  - उत्तराखंड
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ़
- **संगठनात्मक संरचना-**
  - अध्यक्ष- केंद्रीय गृह मंत्री
  - उपाध्यक्ष- परिषद में शामिल राज्यों के मुख्यमंत्री (बारी-बारी से)
- **सदस्य-**
  - चारों राज्यों के मुख्यमंत्री।
  - प्रत्येक राज्य से राज्यपाल द्वारा नामित दो अन्य मंत्री।
- **सलाहकार-**
  - नीति आयोग द्वारा नामित प्रतिनिधि।
  - सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव।
  - राज्यों के विकास आयुक्त।

**ध्यातव्य तथ्य-**

#### क्षेत्रीय परिषद

- स्थापना राज्यों और उनसे संबंधित मामलों के पुनर्गठन की योजना के एक भाग के रूप में राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के भाग-III के तहत क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी।
- उद्देश्य- केंद्र और राज्यों के बीच, राज्यों-राज्यों के मध्य सहयोग, समन्वय और सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करना|
- **वर्तमान में क्षेत्रीय परिषद् और सदस्य-**
  - उत्तरी क्षेत्रीय परिषद् - हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र|
  - मध्य क्षेत्रीय परिषद्- छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश|
  - पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् - बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल|
  - पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद्- गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र और दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली संघ शासित क्षेत्र|
  - दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद्- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और पुडुचेरी संघ शासित प्रदेश|

### टेक्सप्रोसिल निर्यात पुरस्कार 2023-24 समारोह-

- आयोजन तिथि- 25 मई, 2026
- आयोजन स्थल- मुंबई

- आयोजक- कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (टेक्सप्रोसिल), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित
- अध्यक्षता- श्रीमती निर्मला सीतारमण (केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री)
- उद्देश्य- भारत के सूती वस्त्र निर्यात क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करना।

### राष्ट्रीय लोक निर्माण परिषद की उद्घाटन बैठक आयोजित-

- हाल ही में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में 26 मई, 2026 को नई दिल्ली में नवगठित राष्ट्रीय लोक निर्माण परिषद की उद्घाटन बैठक आयोजित हुई।
- इस परिषद का गठन भारत के लोक निर्माण और अवसंरचना तंत्र को आधुनिक बनाने के लिए किया गया है।
- इस परिषद के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के माननीय मंत्री और राज्य मंत्री इसके संरक्षक हैं।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में नई दिल्ली में 8 मई, 2026 को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा नीति वार्ता का 10वां दौर आयोजित किया गया।
- भारत सरकार 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' 2026 के अंतर्गत 12 सितंबर से एक सप्ताह तक चलने वाला तटीय सफाई अभियान का प्रारम्भ करेगी
- हाल ही में भारतीय वायु सेना ने 7 मई से 10 मई, 2026 तक नई दिल्ली में 88 घंटे की «ऑपरेशन सिंदूर यादगार श्रृंखला दौड़» का आयोजन किया।
- हाल ही में केन्द्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य पंचायती राज विभाग के सहयोग से 2 मई, 2026 को हैदराबाद में आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम पर एक जनसंपर्क कार्यशाला का आयोजन किया।
- हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस (3 मई) के अवसर पर, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 'रन फॉर सन' मैराथन का आयोजन किया।
- हाल ही में 'फ्रूट होराइज़न2026-' का आयोजन लखनऊ में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के फल उत्पादन और निर्यात को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना था।
- हाल ही में "सहकार से समृद्धि" के विज़न के तहत मिजोरम के आइजोल में 8 मई, 2026 को पहली बार क्षेत्रीय सहकारी सुधार सम्मेलन आयोजित हुआ।
- हाल ही में 8 मई, 2026 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू (टीएमआर) द्वारा आयोजित 'राष्ट्र के लिए एक दशक की मौन सेवा' नामक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 13 मई, 2026 को दिल्ली स्थित में भारतीय भाषा समर कैंप का शुभारंभ किया है।
- हाल ही में जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने 15 मई, 2026 को 8वें जिला कलेक्टर पेयजल संवाद का आयोजन किया।
- हाल ही में भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग ने 20-19 मई, 2026 को ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएम) और उसके बाद 22-21 मई, 2026 को गांधीनगर, गुजरात में ब्रिक्स न्याय मंत्रियों की बैठक (जेएमएम) की मेजबानी की है।
- हाल ही में नई दिल्ली में 20-19 मई, 2026 को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 की दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
- हाल ही में नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने 20 मई, 2026 को 'सुजल ग्राम संवाद' के सातवें संस्करण का आयोजन किया।
- हाल ही में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) के सहयोग से 19 मई, 2026 को बेंगलुरु में भारत इनोवेट्स इन्वेस्टर शोकेस का आयोजन किया गया।
- हाल ही में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से 23 मई, 2026 को आईएसबी-मोहाली में गवर्नेंस समिट 2026- विकसित भारत के लिए समावेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सम्मेलन का आयोजन किया।

## अभियान/ओपरेशन /युद्धअभ्यास

### बहुपक्षीय अभ्यास प्रगति-2026

- शुभारम्भ- 20 मई, 2026 (आगमी दो सप्ताह तक)
- आयोजन स्थल- उमरोई सैन्य स्टेशन, मेघालय
- भागीदार देश- 12 देश (भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम)
- **उद्देश्य-**
  - संयुक्त अभियानों में भाग लेने वाले देशों के बीच निर्बाध समन्वय स्थापित करना और सहयोग के सामान्य क्षेत्रों की पहचान करना।
  - विशेषज्ञता साझा करना एवं व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से विकसित सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के आदान-प्रदान के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना।
  - संयुक्त प्रशिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से रक्षा संबंधों और सौहार्द को मजबूत करने के साथ-साथ बहुराष्ट्रीय परिवेश में खुफिया जानकारी के प्रबंधन और साझाकरण के लिए सामान्य अवधारणाओं को विकसित करना।
  - EXERCISE PRAGATI- (Partnership of Regional Armies for Growth and Transformation in the Indian Ocean Region)

### सिनबैक्स-द्वितीय 2026 द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास-

- आयोजन तिथि- 4 से 17 मई, 2026
- आयोजन स्थल- स्थित टेको सेन फ्नोम थॉम ग्रीस प्रॉव रॉयल कंबोडियन एयर फोर्स प्रशिक्षण केंद्र (कैंप बेसिल), कंबोडिया
- सहभागिता- 120 सैन्यकर्मी भारतीय सेना के सदस्यों और 160 सैन्यकर्मी कंबोडियाई सेना के सदस्यों ने भाग लिया।
- उद्देश्य- दोनों देशों के दलों के बीच अंतर-संचालन क्षमता, समन्वय तथा परिचालन तालमेल को सुदृढ़ करना।
- संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स-द्वितीय 2026' भारत–कंबोडिया के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को प्रतिबिंबित करता है और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करते हुए दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करता है।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- **ऑपरेशन RAGEPILL-** यह भारत की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा चलाया गया एंटी-नारकोटिक्स अभियान है
- **Operation WHITE STRIKE-** यह ऑपरेशन संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) द्वारा चलाया गया है।

## दिवस

### महाराष्ट्र और गुजरात का स्थापना दिवस-

- आयोजन- प्रतिवर्ष 1 मई को
- इस वर्ष इन दोनों राज्यों का 65वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

### अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस-2026-

- आयोजन- प्रतिवर्ष 1 मई को
- विषय- "एक स्वस्थ मनोसामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करना"
- इद्देश्य- यह दिवस श्रमिको के संघर्ष, योगदान और अधिकारों का सम्मान करता है तथा उनकों बेहतर कामकाजी परिस्थितियों, शोषण के खिलाफ जागरूकता और श्रमिकों की एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।
- भारत में पहली बार मनाया गया मिक दिवस 1 मई, 1923 को मद्रास (वर्तमान- चेन्नई) में औपचारिक रूप से मनाया गया था।

### विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस-2026-

- आयोजन- प्रतिवर्ष 3 मई को
- विषय- "शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण: मानवाधिकार, विकास और सुरक्षा के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बढ़ावा देना।"
- उद्देश्य- यह दिवस प्रेस की आजादी के मूलभूत सिद्धांतों का जश्न, विश्व भर में मीडिया की स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करने, पत्रकारों पर होने वाले हमलों से उनकी रक्षा करने और कर्तव्य के दौरान जान गंवाने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि देना।

### अंतर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस-

- आयोजन तिथि- पर्तिव्रष 3 मई को
- उद्देश्य- सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देना।

### बीआरओ ने 'प्रोजेक्ट दीपक' का 66वां स्थापना दिवस मनाया-

- हाल ही में सीमा सड़क संगठन के 4 मई 2026 को शिमला (हिमाचल प्रदेश) में प्रोजेक्ट दीपक का 66वां स्थापना दिवस मनाया।
- **प्रोजेक्ट दीपक-**
  - प्रारम्भ- वर्ष 1961 में
  - संबंधित निकाय- सीमा सड़क संगठन (बीआरओ)
  - यह परियोजना देश के सबसे दुर्गम इलाकों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण में सहायक है।

### राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2026-

- आयोजन- प्रतिवर्ष 11 मई को
- उद्देश्य- देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के योगदान को सम्मानित करना तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।
- यह दिन 11 मई, 1998 को राजस्थान के पोखरण में भारत द्वारा सफलतापूर्वक किए गए परमाणु परीक्षणों (ऑपरेशन शक्ति) की याद में मनाया जाता है, जिसके कारण भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन गया।
- इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही इसी दिन स्वदेशी रूप से विकसित हंसा-3 विमान की पहली उड़ान भी हुई थी।

### अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस-2026

- आयोजन- प्रतिवर्ष 12 मई को
- विषय- "हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।"
- उद्देश्य- यह दिवस वैश्विक स्तर पर चिकित्सा के क्षेत्र में नर्सों योगदान और स्वास्थ्य सेवा में उनके अमूल्य योगदान को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है।

### विश्व मापन(Metrology) दिवस- 2026

- आयोजन- प्रतिवर्ष 20 मई को
- विषय- "मापन: नीति निर्माण में विश्वास का निर्माण"
- उद्देश्य- मापन के विज्ञान और दैनिक जीवन तथा औद्योगिक विकास में इसकी व्यावहारिक भूमिका के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना।
- यह दिवस 20 मई 1875 को पेरिस में हस्ताक्षरित ऐतिहासिक मीटर कन्वेंशन की 151वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

## अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026

- आयोजन- प्रतिवर्ष 22 मई
- विषय- "वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना"
- उद्देश्य- जैविक विविधता के संरक्षण, इसके स्थायी उपयोग और इससे जुड़े मानवीय व वैज्ञानिक मुद्दों के प्रति वैश्विक समाज को जागरूक करना।
- इस दिन (22 मई 1992) जैवविविधता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन को अपनाया गया था।

## गोडावण दिवस-

- आयोजन तिथि- प्रतिवर्ष 21 मई
- उद्देश्य- राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।
- **गोडावण-**
  - राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) है।
  - इसका वैज्ञानिक नाम एरडेओटिस नाइजीसेप्स है।
  - गोडावण को 1981 में राजस्थान का राज्य पक्षी घोषित किया गया।

## विश्वत दूरसंचार और सूचना समाज दिवस-

- आयोजन तिथि- प्रतिवर्ष 17 मई
- विषय- Digital lifelines: Strengthening resilience in a connected world
- उद्देश्य- इंटरनेट और इससे जुडी तकनीकों के सकारात्मnक उपयोग को बढावा देना।
- आज ही के दिन 1865 में पेरिस में संयुक्तr राष्ट्र डिजिटल-प्रौद्योगिकी एजेंसी-अंतरराष्ट्री य दूरसंचार संघ की स्था पना की गई थी।

## अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस-

- आयोजन तिथि- प्रतिवर्ष 18 मई
- विषय-"एक विभाजित विश्व को एकजुट करने वाले संग्रहालय"
- उद्देश्य- लोगों को समाज के विकास में संग्रहालयों की भूमिका और हमारी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के प्रति जागरूक करना।

## विविध तथ्य (शॉर्ट्स)

- हाल ही में आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे डॉ. हेमंत कुमार शर्मा को वर्ल्ड आयुर्वेद फाउंडेशन की सदस्यता प्रदान की गई है। वे अगस्त, 2026 में अमेरिका में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'आयुर्वेद और एकीकृत चिकित्सा' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- हाल ही में कान्हा शांति वनम, मोतियों की नगरी (हैदराबाद) में 2 मई, 2026 को 6000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास करके एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में यह रिकॉर्ड् दर्ज करवाया है।
- हाल ही में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) की पहली ऑल-वुमन टीम ने 21 मई, 2026 को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराया है।
- हाल ही में रूस के रुस्तम नबीव दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर केवल हाथों के बल पहुंचने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं।
- हाल ही में 'सुपर 30' के संस्थापक आनंद कुमार ने डिजिटल शिक्षा अभियान 'सुपर इन्फिनिटी' को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। इसका उद्देश्य कहानी, एनीमेशन, संगीत और वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से विश्व स्तर पर गणित को बेहद रोचक और आसान तरीके से पढ़ाना है।
- माउंट डुकोनो ज्वालामुखी- यह इंडोनेशिया के हलमहेरा द्वीप पर अवस्थित ज्वालामुखी है। इसमें हाल ही में हुए विस्फोट के बाद राख और धुएं का घना गुबार बनने से हवाई यातायात और जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया।
- हाल ही में जालंधर (पंजाब) की आठ वर्षीय हरनाज कौर ने लटकते हुए 25 सेकंड में 50 हूला हूप किए। यह कारनामा करने वाली हरनाज देश की पहली बच्ची हैं। इसके लिए उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स- 2026 में दर्ज हुआ है।
- हाल ही में नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने माउंट एवरेस्ट पर 32वीं बार सफल चढ़ाई की है।

**Dr. Leevis Yadav**
Expert faculty - Science and technology
Samyak IAS
(UPSC Mains 4 times, interview 2 times,
RAS interview 2 times)

# जैव प्रौद्योगिकी

## मिस्र की सभ्यता से वर्तमान समय तक

प्राकृतिक विज्ञानों पर आधारित प्रौद्योगिकियों का केंद्र बिंदु मानव कल्याण है। विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों का उपयोग, मानव जीवन को बेहतर और अधिक आरामदायक बनाने और नई चीजों को विकसित करने के लिए किया जाता है। जैव प्रौद्योगिकी भी इन्हीं में से एक है, जिसका विकास जीव विज्ञान की मूल अवधारणाओं से हुआ है। इसने नए उत्पाद और सेवाओं को लाकर हमारे दैनिक जीवन को गुणात्मक रूप से परिवर्तित कर दिया है।

### परिचय: जीव विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विलय

जैव प्रौद्योगिकी, जीव विज्ञान और प्रौद्योगिकी को मिलाकर ऐसे उत्पाद और सेवाएं विकसित करती है जो मानव जीवन के लिए लाभकारी हैं। किण्वन की प्राचीन तकनीकों से लेकर जीन संपादन की आधुनिक तकनीकों तक, विज्ञान की इस शाखा का तीव्र विकास हुआ है और यह चिकित्सा, कृषि और पर्यावरण नवाचार में अग्रणी है। मूलतः जैविक प्रणालियों, सजीवों या उनके व्युत्पन्न पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या संशोधन करना जैव प्रौद्योगिकी है।

यूरोपीय जैव प्रौद्योगिकी संघ के अनुसार, "उत्पादों और सेवाओं के लिए प्राकृतिक विज्ञान और जीवों, कोशिकाओं, उनके भागों और आणविक सादृश्यों का एकीकरण जैव प्रौद्योगिकी है।" इस परिभाषा में जैव प्रौद्योगिकी के पारंपरिक और आधुनिक दोनों दृष्टिकोण समाहित हैं।

### संक्षिप्त इतिहास–प्राचीन पद्धतियों से आधुनिक तकनीकों तक:

तकनीकों की जटिलता के आधार पर, जैव प्रौद्योगिकी को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

परंपरागत जैव प्रौद्योगिकी

प्राचीन जैव प्रौद्योगिकी

और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी।

### परंपरागत जैव प्रौद्योगिकी

प्राचीन काल से, जब जीव विज्ञान के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ था, तब से ही मनुष्य सूक्ष्मजीवों का उपयोग अपने लाभों के लिए करते आ रहे हैं। चीन और मिस्र की प्रारंभिक सभ्यताओं (6000 ईसा पूर्व) ने भोजन के किण्वन के लिए सूक्ष्मजीवों का उपयोग किया। सुमेरियन और बेबीलोनियन लोगों ने बीयर बनाने और अंगूरों को किण्वित करके शराब बनाने के लिए खमीर कवक का उपयोग किया। चीनियों ने सूक्ष्मजीव किण्वन का उपयोग करके दूध को दही और पनीर में परिवर्तित करने की तकनीक विकसित की।

न केवल किण्वन के क्षेत्र में, बल्कि उस युग में, मनुष्यों ने चयनात्मक प्रजनन के माध्यम से कृषि जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग भी किया। चयनात्मक प्रजनन में, अत्यधिक वांछनीय गुणों वाले पौधों और जानवरों का चयन किया जाता है और उन्हें प्रजनन करने दिया जाता है, जिससे पालतू प्रजातियों के आनुवंशिक गुणों में सुधार होता है।

### औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी का जन्म –

जैसे-जैसे जैविक प्रणालियों के प्रति वैज्ञानिक समझ बढ़ी, वैसे-वैसे जैविक प्रणालियों को नियंत्रित करने की क्षमता भी बढ़ी। 19वीं और 20वीं शताब्दियों में परीक्षण और त्रुटि आधारित किण्वन से जैविक प्रणालियों के सटीक और नियंत्रित उपयोग की ओर बदलाव देखा गया।

- 1857 में, लुई पाश्चर ने प्रदर्शित किया कि किण्वन जीवित खमीर के कारण होता है, जिससे औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान की नींव पड़ी।
- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, चैम वेइज़मैन ने स्टार्च को ब्यूटेनॉल और एसीटोन में किण्वित करने के लिए क्लोस्ट्रीडियम एसिटोब्यूटिलिकम का उपयोग किया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एसीटोन का उपयोग विस्फोटकों में किया गया था।

- 1919 में, हंगेरियन वैज्ञानिक कार्ल एरेकी ने "जैव प्रौद्योगिकी" शब्द गढ़ा।
- 1928 में, अलेक्जेंडर फ्लेमिंग ने पेनिसिलिन की खोज की, जो पेनिसिलियम नोटेटम नामक कवक द्वारा उत्पादित एक एंटीबायोटिक है। इस खोज ने फार्मास्युटिकल जैव प्रौद्योगिकी उद्योग की नींव रखी।

### आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी का उदय –

आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी का उदय 1970 के दशक में दो प्रमुख वैज्ञानिक खोजों के साथ हुआ –

1. 1953 में जेम्स वाटसन और फ्रांसिस क्रिक द्वारा डीएनए की द्विकुंडलित संरचना की खोज। (दोनों को 1962 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया)।
2. 1973 में हर्बर्ट बोयर और स्टेनली कोहेन द्वारा rDNA तकनीक का विकास।

इन दोनों खोजों ने वैज्ञानिकों को एक जीव से जीन को काटकर दूसरे जीव के डीएनए से जोड़ने की तकनीक को संभव बनाया, जिससे ट्रांसजेनिक जीव बने। इस अभूतपूर्व प्रगति ने जीव विज्ञान को एक प्रोग्रामेबल तकनीक में बदल दिया। चयनात्मक प्रजनन या प्राकृतिक सूक्ष्मजीव उत्पादों पर निर्भर रहने के बजाय, वैज्ञानिक अब सूक्ष्मजीवों को विशिष्ट प्रोटीन बनाने के लिए निर्देशित कर सकते थे।

आज आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी एक बहुविषयक दृष्टिकोण वाला विषय बन गई है जो जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न विषयों को एकीकृत करती है। यह एक शक्तिशाली क्षेत्र के रूप में विकसित हुई है जो मानव जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है, जिसे विभिन्न शाखाओं में वर्गीकृत किया गया है, जिन्हें अक्सर उनके विशिष्ट क्षेत्र अनुप्रयोग को दर्शाने के लिए "रंगों" द्वारा इंगित किया जाता है।

### जैव प्रौद्योगिकी के रंग: क्षेत्र का वर्गीकरण –

जैव प्रौद्योगिकी नवाचार संगठन (BIO) ने जैव प्रौद्योगिकी की व्यापकता और इसके अनुप्रयोगों को बेहतर ढंग से समझने के लिए इसकी विभिन्न शाखाओं को वर्गीकृत किया है।

**1. लाल जैव प्रौद्योगिकी -** लाल जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा विज्ञान और मानव स्वास्थ्य के लिए समर्पित है। यह रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार पर केंद्रित है।

**प्रमुख क्षेत्र:**

- **निदान -** त्वरित और सटीक निदान के लिए तकनीक और उपकरण विकसित करना, जैसे पीसीआर तकनीक आदि।
- **जैव औषधीय पदार्थ -** चिकित्सीय प्रोटीन, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी और टीके बनाने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित कोशिकाओं का उपयोग करना।
- **जीन चिकित्सा -** जीन को जोड़कर, बदलकर, हटाकर या निष्क्रिय करके आनुवंशिक दोषों को ठीक करना।
- **फार्माकोजेनोमिक्स -** किसी व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना के अनुसार चिकित्सा उपचारों को अनुकूलित करना, उनके दुष्प्रभावों को कम करना और उनकी प्रभावकारिता को अधिकतम करना।
- **स्टेम सेल प्रौद्योगिकी -** क्षतिग्रस्त ऊतकों और अंगों की मरम्मत या प्रतिस्थापन करना।

**2. हरित जैव प्रौद्योगिकी -** यह कृषि प्रक्रियाओं और खाद्य उत्पादन पर केंद्रित है। वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि के साथ, खाद्य सुरक्षा और खाद्य स्थिरता बढ़ाने के लिए हरित जैव प्रौद्योगिकी समय की आवश्यकता बन गई है।

**प्रमुख क्षेत्र:**

- **आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें (जीएम) -** फसलों को कीटों और कीड़ों से बचाने और सूखे जैसे पर्यावरणीय तनावों का सामना करने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित करना।
- **पोषण संवर्धन -** विटामिन ए युक्त गोल्डन राइस जैसी जैव-संरक्षित फसलों का विकास।
- **जैव-कीटनाशक –** रासायनिक कीटनाशकों के बजाय फसलों की सुरक्षा के लिए विशिष्ट जीवाणुओं जैसे प्राकृतिक जैविक एजेंटों का उपयोग।
- **आण्विक प्रजनन -** पारंपरिक चयनात्मक प्रजनन प्रक्रिया को गति देने के लिए जीनोमिक उपकरणों का उपयोग।

**3. श्वेत जैव प्रौद्योगिकी -** यह औद्योगिक प्रक्रियाओं को इस तरह से डिजाइन करने पर केंद्रित है जिससे ऊर्जा की खपत कम हो, अपशिष्ट कम उत्पन्न हो और इच्छित उत्पादों का उत्पादन अधिक हो। यह रसायनों, पदार्थों और ऊर्जा के उत्पादन के लिए सूक्ष्मजीवों और एंजाइमों पर निर्भर करती है।

**प्रमुख क्षेत्र–**

**जैव ईंधन –**

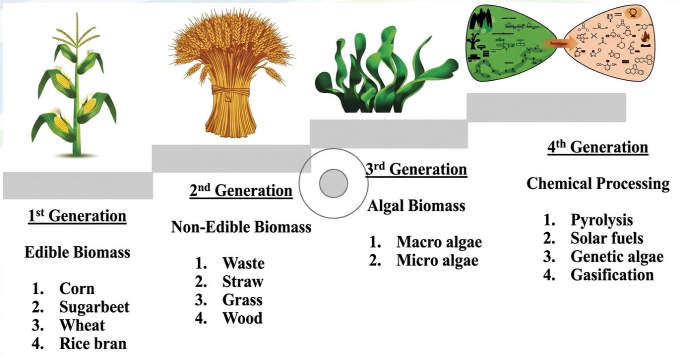


पौधों के बायोमास से शर्करा और स्टार्च का किण्वन करके इथेनॉल और बायोडीजल का उत्पादन करना, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है।

- **जैव प्लास्टिक** – जैव अपघटनीय प्लास्टिक के उत्पादन के लिए सूक्ष्मजीवों का उपयोग करना, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होता है।
- **एंजाइम इंजीनियरिंग** – विनिर्माण प्रक्रियाओं जैसे कपड़ा, खाद्य और कागज उद्योगों में प्रक्रियाओं को अधिक कुशल बनाने के लिए एंजाइमों का उपयोग करना।

4. **नीली जैव प्रौद्योगिकी** – यह जलीय और समुद्री वातावरण में जैव प्रौद्योगिकी तकनीकों को लागू करके समुद्री संसाधनों को उपयोगी उत्पादों और सेवाओं में परिवर्तित करती है। इसका उपयोग स्वास्थ्य, खाद्य, कृषि, ऊर्जा, सौंदर्य प्रसाधन और पर्यावरण सुधार में किया जाता है।

**प्रमुख क्षेत्र–**

- **मत्स्यपालन** - पाली गई मछलियों की वृद्धि दर और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना।
- **समुद्री औषधियाँ** - कैंसर, दर्द और संक्रमण के उपचार में उपयोग के लिए स्पंज, शैवाल और जीवाणु जैसे समुद्री जीवों से नए यौगिकों का निष्कर्षण।
- **जैव सामग्री** - समुद्री संसाधनों से चिपकने वाले पदार्थ, सौंदर्य प्रसाधन और पोषण पूरक पदार्थों का विकास करना।

**जैव प्रौद्योगिकी के अन्य रंग:**

5. **पीली जैव प्रौद्योगिकी** - यह शाखा खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने पर केंद्रित है, जिसमें किण्वन प्रक्रियाओं और कीट नियंत्रण का अध्ययन शामिल है।

6. **धूसर जैव प्रौद्योगिकी** - यह शाखा जैव उपचार और दूषित वातावरण की सफाई जैसे पर्यावरणीय अनुप्रयोगों पर केंद्रित है।

7. **स्वर्ण जैव प्रौद्योगिकी (= जैवसूचना विज्ञान)** - यह शाखा जैविक प्रणालियों को समझने के लिए एल्गोरिदम और डेटाबेस का उपयोग करते हुए जैविक डेटा के कम्प्यूटेशनल विश्लेषण पर केंद्रित है।

8. **बैंगनी जैव प्रौद्योगिकी** - यह शाखा जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित कानून, नैतिकता और अन्य मुद्दों पर केंद्रित है, जिसमें बौद्धिक संपदा अधिकार, जैव संरक्षण और जैव सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं।

## आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी की प्रमुख तकनीकें–

मूलभूत प्रयोगशाला तकनीकों तथा गणना तकनीकों के बिना जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति संभव नहीं हो पाती।

**निम्नलिखित तकनीकें आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के प्रमुख आधार हैं –**

**1. पुनर्संयोजित डीएनए (rDNA) तकनीक और आण्विक क्लोनिंग:**

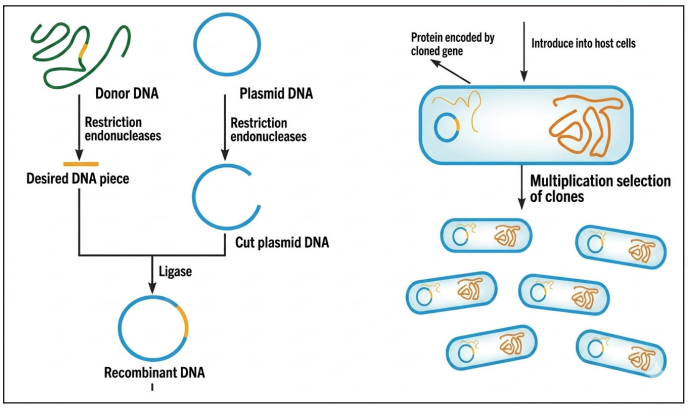


अमेरिकी जैव रसायनविदों हर्बर्ट बोयर और स्टेनली कोहेन के प्रयासों से 1973 में विकसित पुनर्संयोजित डीएनए तकनीक, एक जीव से जीन लेकर उसे दूसरे जीव के डीएनए में संयोजित करने की प्रक्रिया है। इसमें निम्नलिखित चरण शामिल हैं –

**(a) पृथक्करण** - इच्छित जीन को दाता जीव से रेस्ट्रिक्शन एंडोन्यूक्लिएज एंजाइमों के द्वारा पहचाना और पृथक किया जाता है।

**(b) सम्मिलन** - जीन को एक वाहक (आमतौर पर प्लास्मिड, बैक्टीरिया में पाया जाने वाला डीएनए का एक छोटा, गोलाकार टुकड़ा) में प्रवेश कराया जाता है।

**(c) रूपांतरण** - वाहक को गुणन/प्रवर्धन के लिए एक मेजबान जीव (आमतौर पर ई. कोलाई) में प्रवेश कराया जाता है।

**(d) अभिव्यक्ति** - मेज़बान जीव, इच्छित जीन को संशोधित करता है और साथ ही इच्छित जीन द्वारा एन्कोड किए गए प्रोटीन का उत्पादन भी कर सकता है।

यह प्रक्रिया वैज्ञानिकों को विशिष्ट प्रोटीन की बड़ी मात्रा में उत्पादन करने या नए गुणों वाले ट्रांसजेनिक जीव बनाने में सक्षम बनाती है।

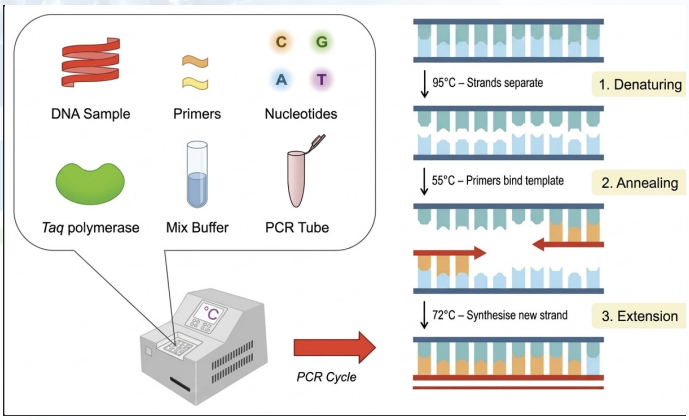


## 2. पीसीआर (पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन) –

इसे 1983 में कैरी मुलिस ने विकसित किया था। यह एक ऐसी तकनीक है जिससे किसी विशिष्ट डीएनए अनुक्रम की हजारों से लाखों प्रतियां (जीन प्रवर्धन) उत्पन्न की जा सकती हैं। पीसीआर आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी की आधारशिला है। इसका उपयोग आनुवंशिक परीक्षण, संक्रामक रोगों के निदान, फोरेंसिक विज्ञान (डीएनए फिंगरप्रिंटिंग) और क्लोनिंग में किया जाता है।

## 3. CRISPR-Cas9 जीनोम संपादन –

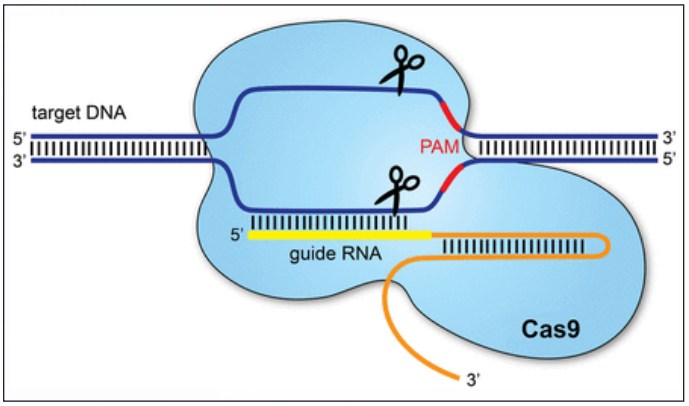


यह किसी भी पूर्व जीनोम संपादन तकनीक की तुलना में तीव्र, सस्ती और अधिक सटीक तकनीक है, जिससे आनुवंशिक रोगों के उपचार, पौधों और जानवरों में वांछित गुणों के विकास और औद्योगिक उपयोग के लिए सूक्ष्मजीवों के इंजीनियरिंग की संभावनाएं खुलती हैं।

यह तकनीक बैक्टीरियल प्रतिरक्षा प्रणाली से व्युत्पन्न है, CRISPR एक गाइड आरएनए (gRNA) का उपयोग करके Cas9 एंजाइम (आणविक कैंची) को डीएनए स्ट्रैंड पर एक विशिष्ट स्थान पर निर्देशित करता है, जहां कैस9 एंजाइम डीएनए को काटता है। डीएनए कट जाने के बाद, कोशिका के प्राकृतिक मरम्मत तंत्र का उपयोग करके आनुवंशिक अनुक्रमों को प्रतिस्थापित और जोड़ा जा सकता है।

## 4. सिंथेटिक बायोलॉजी (SynBio) -

जहां पारंपरिक आनुवंशिक अभियांत्रिकी में मौजूदा जीवों को संशोधित करना शामिल है, वहीं सिंथेटिक बायोलॉजी में जो प्रकृति में मौजूद नहीं हैं उन नए जैविक भागों, उपकरणों और प्रणालियों का डिज़ाइन और निर्माण करना या मौजूदा प्राकृतिक जैविक प्रणालियों का पुन: डिज़ाइन करना शामिल है। मानकीकृत आनुवंशिक भागों (बायो-ब्रिक्स) को संयोजित करके, वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों को करने में सक्षम कृत्रिम जीवों का निर्माण करना चाहते हैं, जैसे जटिल दवाओं का निर्माण, विषाक्त कचरे का शोधन या नए जैव ईंधन का उत्पादन।

## 5. बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग (= बायोमैन्युफैक्चरिंग) -

यह जैव प्रौद्योगिकी की वह शाखा है जो उत्पादों के निर्माण के लिए प्रयुक्त होने वाले उपकरणों और प्रक्रियाओं के डिज़ाइन और विकास से संबंधित है। बायोप्रोसेस इंजीनियर वांछित उत्पाद की अधिकतम उपज के लिए बायोरिएक्टर में तापमान, पीएच, पोषक तत्वों की आपूर्ति और ऑक्सीजन के स्तर जैसी स्थितियों को अनुकूलित करते हैं।

## 6. बायोइन्फॉर्मेटिक्स –

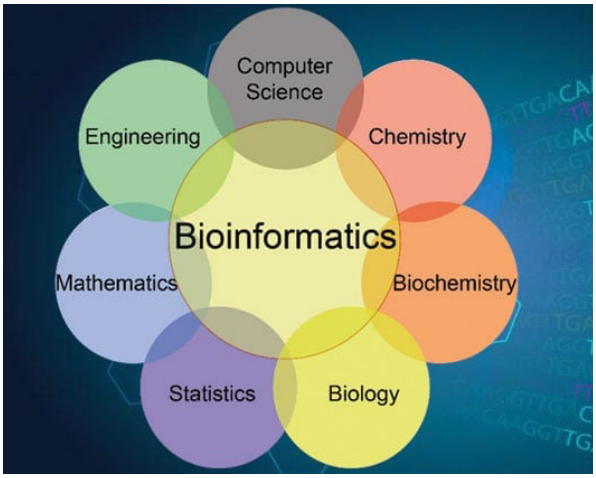


बायोइन्फॉर्मेटिक्स जैविक डेटा के विश्लेषण के लिए कंप्यूटर विज्ञान, गणित और सांख्यिकी का अनुप्रयोग है। बायोइन्फॉर्मेटिक्स के बिना, आधुनिक अनुक्रमण प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पादित विशाल मात्रा में डेटा को प्रबंधित करना असंभव होगा। यह अपरिष्कृत जैविक डेटा और नई जैविक खोजों के बीच एक सेतु का काम करता है।

कंप्यूटेशनल उपकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब उल्लेखनीय सटीकता के साथ प्रोटीन की त्रिविमीय संरचना का अनुमान लगा सकते हैं। यह क्षमता वैज्ञानिकों को ऐसे अणु डिजाइन करने में सक्षमता देकर नई दवाओं के विकास को गति देती है जो विशिष्ट प्रोटीन से जुड़कर उनके कार्य को बदल सकते हैं।

## 7. क्लोनिंग –

क्लोनिंग एक कोशिका, ऊतक, अंग या जीव की आनुवंशिक रूप से समान प्रतिलिपि बनाने की प्रक्रिया है। प्रजनन क्लोनिंग की शुरुआत डॉ. इयान विल्मुट ने SCNT (सोमैटिक सेल न्यूक्लियर ट्रांसफर) तकनीक का उपयोग करके एक भेड़ (डॉली भेड़) की सटीक प्रतिकृति बनाकर की थी।

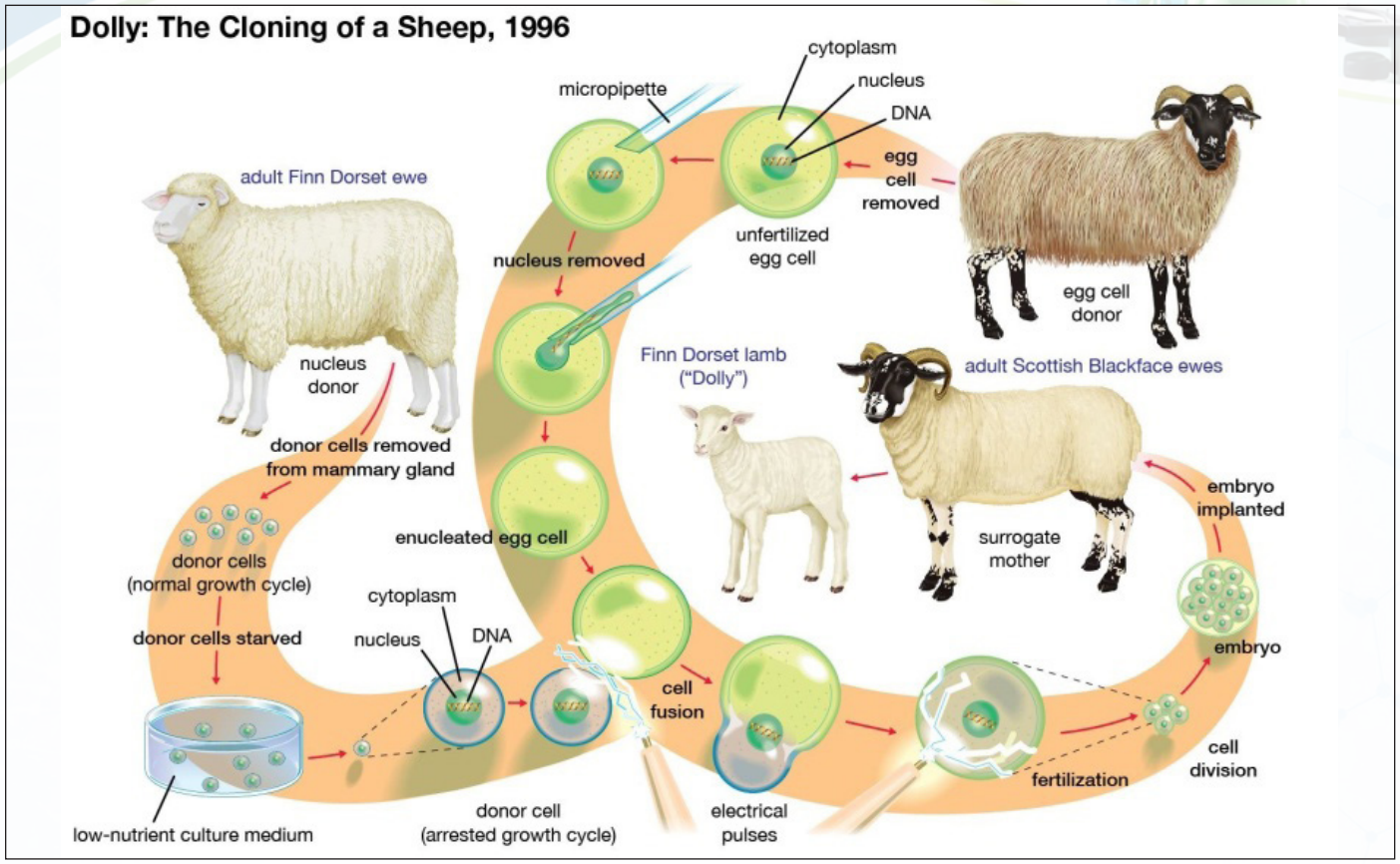


## 8. जीन साइलेंसिंग (RNA इंटरफेरेंस तकनीक) –

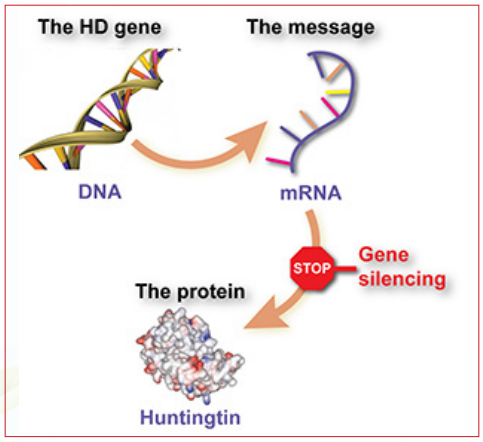


RNA इंटरफेरेंस सभी यूकेरियोटिक जीवों में कोशिकीय रक्षा के एक तरीके के रूप में होता है। इस विधि में एक विशिष्ट mRNA को एक पूरक dsRNA अणु द्वारा आबंध कर साइलेंट किया जाता है, जिससे mRNA का अनुवाद रुक जाता है (साइलेंसिंग)। जीन साइलेंसिंग एक ऐसी तकनीक है जो हानिकारक प्रोटीन को व्यक्त करने से रोकने के लिए समस्याग्रस्त जीनों को अस्थायी रूप से निष्क्रिय कर देती है।

## 9. डीएनए अनुक्रमण –

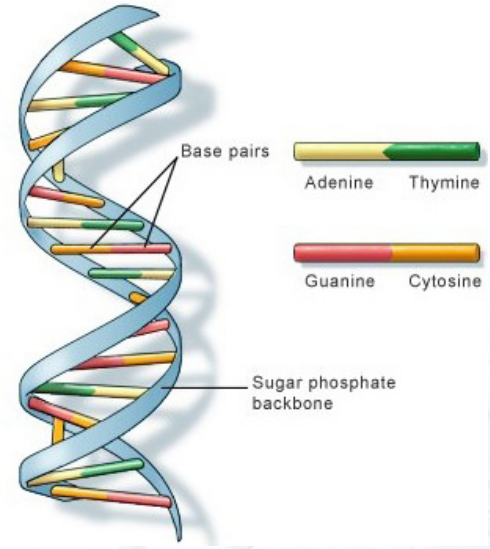

यह डीएनए अणु में चार नाइट्रोजनयुक्त क्षारकों (एडेनिन, थाइमिन, साइटोसिन और गुआनिन) के सटीक क्रम को निर्धारित करने की प्रक्रिया है। यह अद्वितीय क्रम आनुवंशिक जानकारी (डीएनए फिंगरप्रिंटिंग) प्रकट करता है तथा जीन कार्यों, नियामक कार्यों और रोग उत्पन्न करने वाले उत्परिवर्तनों को समझने में मदद करता है।

### जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग –

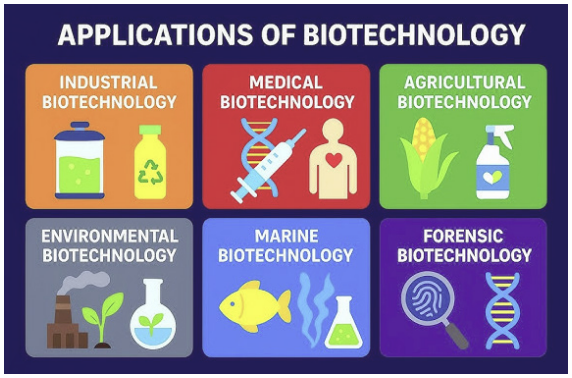


**1. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में -** मानव जीनोम के विश्लेषण और रोगों के आणविक तंत्र को समझने के बाद जैव प्रौद्योगिकी ने औषध विज्ञान और चिकित्सा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिए हैं।

**(a) पुनर्योजी चिकित्सा एवं टीके-** पहले, इंसुलिन जैसे चिकित्सीय प्रोटीन सूअरों और गायों के अग्न्याशय से निकाले जाते थे। इस विधि से रोगियों में अवांछित प्रतिरक्षी प्रतिक्रियाएँ (एलर्जी) उत्पन्न होती थीं। 1983 में, अमेरिका की एली लिली कंपनी ने मानव इंसुलिन की A और B श्रृंखलाओं के अनुरूप 2 डीएनए अनुक्रम तैयार किए और उन्हें ई. कोलाई के प्लास्मिड में डालकर इंसुलिन श्रृंखलाओं का उत्पादन किया। इस अभूतपूर्व प्रक्रिया ने पशुओं की पीड़ा को समाप्त कर दिया और लाखों मधुमेह रोगियों के लिए एक शुद्ध, सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध कराया।

आज, rDNA तकनीक का उपयोग विभिन्न प्रकार के चिकित्सीय प्रोटीनों के निर्माण में किया जाता है:

- वृद्धि हार्मोन - बच्चों में वृद्धि संबंधी विकारों के उपचार के लिए।
- रक्त के थक्के जमने वाले कारक - हीमोफिलिया के उपचार के लिए।
- इंटरफेरॉन- मल्टीपल स्केलेरोसिस और कुछ प्रकार के कैंसर के उपचार के लिए।
- **पुनर्संयोजित टीके -** पुनर्संयोजित टीके जैसे हेपेटाइटिस बी का टीका, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को उत्तेजित करने के लिए रोगजनक के आनुवंशिक पदार्थ के हानिरहित खंड का उपयोग करते हैं। mRNA टीकों के आगमन से टीकाकरण विज्ञान में एक ऐतिहासिक बदलाव आया, जिससे वायरल महामारियों के खिलाफ तेजी से प्रतिक्रिया संभव हो सकी।

**(b) जीन थेरेपी और जीनोम संपादन -** जीन थेरेपी में किसी बीमारी के इलाज के लिए रोगी की कोशिका या भ्रूण में जीन को जोड़ना, बदलना या संशोधित करना शामिल है। इसमें केवल लक्षणों का इलाज करने के बजाय, आनुवंशिक विकारों का शुरुआती चरण में ही इलाज करने की क्षमता है। पहली नैदानिक जीन थेरेपी 1990 में एडेनोसिन डीअमिनेज (ADA) की कमी से पीड़ित 4 वर्षीय बच्ची अशांति डी सिल्वा को दी गई थी। आज, जीन थेरेपी का उपयोग वंशानुगत अंधापन, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी और ल्यूकेमिया के इलाज के लिए किया जाता है।

इस क्षेत्र में हाल ही में विकसित हुई तकनीक CRISPR-Cas9 एक जीनोम संपादन तकनीक है, जो कहीं अधिक आकर्षक है। CRISPR, वैज्ञानिकों को जीनोम के विशिष्ट स्थानों पर डीएनए अनुक्रमों को काटकर और जोड़कर (डीएनए की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया का उपयोग करके) जीनोम के कुछ हिस्सों को संपादित करने की अनुमति देता है। वर्तमान में, सिकल सेल एनीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी स्थितियों के लिए CRISPR का नैदानिक परीक्षणों में मूल्यांकन किया जा रहा है।

**(c) वैयक्तिकृत चिकित्सा और फार्माकोजेनोमिक्स -** पारंपरिक रूप से, दवाएं एक ही तरीके से तैयार की जाती रही हैं, लेकिन आनुवंशिक भिन्नताओं के कारण, एक दवा जो एक व्यक्ति की बीमारी को ठीक करती है, दूसरे व्यक्ति के लिए घातक साबित हो सकती है। जैव प्रौद्योगिकी ने दवा तैयार करने की इस पारंपरिक विधि को बदल दिया है। किसी व्यक्ति के डीएनए के जीनोम अनुक्रमण या विशिष्ट बायोमार्कर के विश्लेषण के बाद, डॉक्टर रोगी की विशिष्ट आनुवंशिक प्रोफ़ाइल के अनुसार उपचार को अनुकूलित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, कैंसर के दौरान, डॉक्टर ट्यूमर के आनुवंशिक उत्परिवर्तन का परीक्षण करके सबसे प्रभावी उपचार निर्धारित कर सकते हैं, जिससे पारंपरिक कीमोथेरेपी के हानिकारक प्रभावों से बचा जा सकता है।

**(d) पुनरुज्जीवित चिकित्सा -** पुनरुज्जीवित चिकित्सा का उद्देश्य क्षतिग्रस्त कोशिकाओं, ऊतकों या अंगों को बदलना या पुनर्जीवित करना है। यह शाखा स्टेम सेल प्रौद्योगिकी पर निर्भर है। स्टेम कोशिकाएं वे कोशिकाएं हैं जिनमें किसी भी प्रकार की शारीरिक कोशिकाओं में विकसित होने की अद्वितीय क्षमता होती है। जैव प्रौद्योगिकी का लक्ष्य इन कोशिकाओं का उपयोग करके प्रतिस्थापन ऊतकों या अंगों को विकसित करना है, जिनका उपयोग अंततः पार्किंसंस रोग, हृदय विफलता, यकृत विफलता और मधुमेह से पीड़ित रोगियों द्वारा किया जा सकता है।

**(e) CAR-T सेल थेरेपी / कैंसर थेरेपी -** यह एक अभिनव, व्यक्तिगत प्रतिरक्षा चिकित्सा है जिसमें रोगी की अपनी टी-लिम्फोसाइट्स को प्रयोगशाला में पुन: प्रोग्राम किया जाता है, जहां उन्हें आनुवंशिक रूप से संशोधित करके उनमे काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (CAR) विकसित किया जाता है ताकि वे कैंसर कोशिकाओं को पहचान सकें और नष्ट कर सकें।

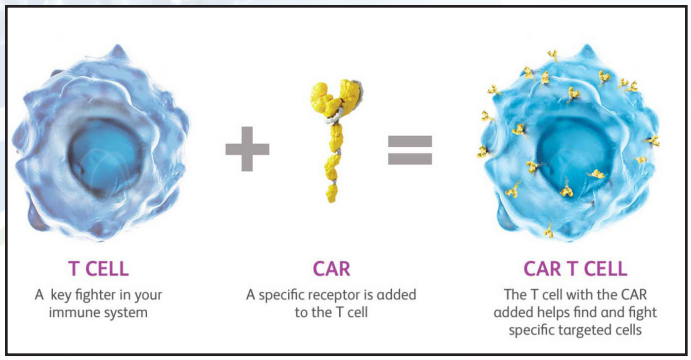


**(f) जैव औषधीय पदार्थ -** ये पारंपरिक रासायनिक संश्लेषण के बजाय जीवित कोशिकाओं या जैविक प्रणालियों का उपयोग करके जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से निर्मित चिकित्सा दवाएं हैं। इनमें प्रोटीन, एंटीबॉडी और न्यूक्लिक एसिड शामिल हैं जिनका उपयोग विभिन्न रोगों के उपचार या रोकथाम के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए ... मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, रिकॉम्बिनेंट प्रोटीन, जीन थेरेपी, mRNA वैक्सीन आदि।

**(g) मोनोक्लोनल एंटीबॉडी** - ये प्रयोगशाला में निर्मित प्रोटीन होते हैं जिन्हें वैकल्पिक एंटीबॉडी के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया जाता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा प्रतिजनों पर किए जाने वाले हमले को बढ़ा सकते हैं और उसकी नकल कर सकते हैं।

**(h) आण्विक निदान -** पारंपरिक निदान तकनीकें रोगों का उनकी प्रारंभिक अवस्था में निदान करने में असमर्थ थे। पीसीआर, rDNA, ELISA (Enzyme Linked Immunosorbent Assay) कुछ ऐसी तकनीकें हैं जिनका उपयोग प्रारंभिक निदान के लिए किया जाता है।

**2. कृषि क्षेत्र में -** FAO का अनुमान है कि बढ़ती जनसंख्या की भोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक खाद्य उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की आवश्यकता होगी। जैव प्रौद्योगिकी फसलों की पैदावार, पोषण मूल्य और फसलों की प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति सहनशक्ति बढ़ाकर इस समस्या का समाधान प्रदान करती है।

**(a) आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें (जीएम फसलें)** - जीएम फसलें वे फसलें हैं जिनके जीनोम को जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करके परिवर्तित किया गया है। इन्हें ट्रांसजेनिक फसलें भी कहा जाता है। फसल संशोधन के सामान्य लक्ष्य फसल संरक्षण में सुधार, पोषण मूल्य में वृद्धि और कटाई के बाद की विशेषताओं में सुधार करना है। जीएम फसलों का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण बीटी फसलें हैं। वैज्ञानिकों ने मिट्टी में पाए जाने वाले जीवाणु बैसिलस थुरिंजिएन्सिस से एक जीन को अलग करके कपास जैसी फसलों में डाला है। यह जीन एक ऐसा प्रोटीन उत्पन्न करता है जो विशिष्ट कीटों के लिए विषैला होता है, लेकिन मनुष्यों के लिए हानिरहित होता है। इस तकनीक ने रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता को काफी कम कर दिया है।

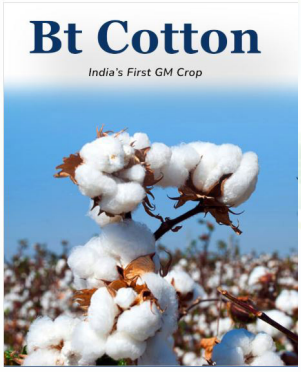


**(b) पोषण संवर्धन (बायोफोर्टिफिकेशन) -** जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग न केवल पैदावार में सुधार और संरक्षण के लिए किया जाता है, बल्कि खाद्य फसलों के पोषण प्रोफाइल में सुधार के लिए भी किया जाता है। इसे बायोफोर्टिफिकेशन के नाम से जाना जाता है। इसका प्रसिद्ध उदाहरण "गोल्डन राइस" है। सुनहरे चावल को बीटा-कैरोटीन (विटामिन ए का एक अग्रदूत) उत्पन्न करने के लिए फोर्टिफाइड किया जाता है। बायोफोर्टिफिकेशन उन आबादी को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने का एक किफायती तरीका है जो मुख्य रूप से एक ही फसल पर निर्भर हैं।

**(c) कृषि जैविक उत्पाद** - कृषि जैविक उत्पादों में जैव कीटनाशक, जैव उर्वरक और जैव प्रोत्साहक शामिल हैं। ये उत्पाद कृत्रिम रसायनों के बजाय जीवित सूक्ष्मजीवों या उनके उत्पादों का उपयोग करके पौधों की वृद्धि को बढ़ाते हैं और फसलों की रक्षा करते हैं। उदाहरण के लिए, नाइट्रोजन स्थिरीकरण जीवाणुओं को मिट्टी में डालकर कृत्रिम रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को कम किया जा सकता है।

**3. औद्योगिक एवं पर्यावरणीय उपयोग -** औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी रासायनिक, खाद्य और ऊर्जा क्षेत्रों में उत्पादों के निर्माण और संशोधन के लिए जीवित कोशिकाओं और एंजाइमों का उपयोग करती है। इसमें औद्योगिक उत्पादन को पेट्रोकेमिकल आधारित प्रक्रियाओं से जैविक प्रक्रियाओं की ओर स्थानांतरित करने की क्षमता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सकती है।

**(a) जैव ईंधन -** जैव ईंधन जैविक संसाधनों से विकसित किए जाते हैं और जीवाश्म ईंधन का विकल्प प्रदान करते हैं। पहली पीढ़ी के जैव ईंधन खाद्य फसलों (मक्का, गन्ना आदि) से उत्पादित होते हैं; दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन कृषि अवशेषों जैसे अखाद्य बायोमास से उत्पादित होते हैं; तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन शैवाल से उत्पादित होते हैं।

**(b) जैवप्लास्टिक -** जैव प्रौद्योगिकी जैवप्लास्टिक के उत्पादन के माध्यम से प्लास्टिक कचरे का एक विकल्प प्रदान करती है। राल्स्टोनिया यूट्रोफा जैसे कुछ जीवाणु प्राकृतिक रूप से पीएचए (पॉलीहाइड्रॉक्सीएल्केनोएट) का उत्पादन करते हैं। वैज्ञानिक इन जीवाणु संवर्धनों से पीएचए निकालकर जैव-अपघटनीय प्लास्टिक बना सकते हैं।

**(c) औद्योगिक एंजाइम -** औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विनिर्माण प्रक्रियाओं को अधिक कुशल, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए एंजाइमों का उपयोग करती है।

**उदाहरण के लिए-**

- **डिटर्जेंट उद्योग -** प्रोटीन और वसा के दागों को कम तापमान पर तोड़ने के लिए लॉन्ड्री डिटर्जेंट में प्रोटीएज़ और लाइपेज़ एंजाइम मिलाए जाते हैं, जिससे ऊर्जा की बचत होती है।
- **वस्त्र उद्योग** - कपड़ों को मुलायम बनाने, जींस का रंग हल्का करने और बुनाई प्रक्रिया के दौरान स्टार्च हटाने के लिए एंजाइमों का उपयोग किया जाता है, जिससे कठोर रसायनों का विकल्प मिलता है।
- **खाद्य एवं पेय पदार्थ -** फलों के रस को शुद्ध करने, कृत्रिम मिठास पैदा करने वाले पदार्थों के उत्पादन में और बीयर बनाने में एंजाइमों का उपयोग किया जाता है।

**(d) जैव उपचार** - पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी प्रदूषित वातावरण को साफ करने के लिए जैविक प्रणालियों का उपयोग करती है। यह जैव उपचार के समान है। औद्योगीकरण, खनन और कृषि अपवाह के कारण मिट्टी और पानी में भारी धातुओं और जहरीले रसायनों का प्रदूषण हुआ है। सूक्ष्मजीवों ने तेल, कीटनाशकों और विलायकों सहित कार्बनिक प्रदूषकों को विघटित करने के लिए स्वयं को विकसित किया है। वैज्ञानिक जैव उपचार में इन सूक्ष्मजीवों का उपयोग दो तरीकों से करते हैं -

(i) **जैव प्रोत्साहन**-प्रदूषक-विघटन करने वाले प्राकृतिक सूक्ष्मजीवों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए दूषित वातावरण में पोषक तत्व मिलाना।

(ii) **जैव संवर्धन -** विशिष्ट प्रदूषकों को विघटित करने के लिए किसी दूषित स्थल पर विशिष्ट, प्रयोगशाला में संवर्धित सूक्ष्मजीवों या आनुवंशिक रूप से संशोधित सूक्ष्मजीवों को मिलाना, जिन्हें प्राकृतिक सूक्ष्मजीव आसानी से विघटित नहीं कर सकते।

**4. समुद्री जैव प्रौद्योगिकी: महासागरों की क्षमता का दोहन -** समुद्री जैव प्रौद्योगिकी में नए उत्पाद और औद्योगिक अनुप्रयोग विकसित करने के लिए समुद्री जैव संसाधनों का अन्वेषण और दोहन शामिल है।

**(a) समुद्री औषधियाँ** - गहरे समुद्र की कठोर परिस्थितियाँ, जिनमें अत्यधिक तापमान, उच्च दबाव और प्रकाश की अनुपस्थिति शामिल हैं, ने समुद्री जीवों को अद्वितीय उपापचय पथ और रासायनिक यौगिक विकसित करने के लिए विवश किया है। ये अनुकूलन नई औषधियों का एक समृद्ध स्रोत बन गए हैं। स्पंज, ट्यूनिकेट और शैवाल स्वयं की रक्षा के लिए उपापचय यौगिक उत्पन्न करते हैं। इनमें से कई यौगिकों में एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल या कैंसररोधी गुण होते हैं। उदाहरण के लिए, सार्कोमा के उपचार में प्रयुक्त दवा योंडेलिस मूल रूप से कैरेबियन ट्यूनिकेट से प्राप्त की गई थी।

**(b) जलीय कृषि और मत्स्य पालन -** मत्स्य पालन मछली, क्रस्टेशियन और जलीय पौधों की खेती है। जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग मत्स्य पालन में स्थिरता और उपज में सुधार के लिए किया जाता है:

- चयनात्मक प्रजनन और जीनोमिक्स।
- पाली गई मछलियों की रोगजनकों से रक्षा के लिए पुनर्योजी टीकों का विकास।
- एक्वाएडवांटेज सालमोन जैसी ट्रांसजेनिक मछलियों का विकास करना ताकि वे तेजी से बढ़ सकें और खाद्य पदार्थों को बाजार तक पहुंचाने में **लगने वाले समय को कम कर सकें।**

**(c) समुद्री जैव-सामग्री और एंजाइम -** समुद्री जीव अपने उपयोग के लिए अद्वितीय पदार्थ बनाते हैं, लेकिन वे मनुष्यों के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समुद्री मसल्स विशेष चिपकने वाले पदार्थ स्रावित करते हैं। जैव प्रौद्योगिकी इन जैव-चिपकने वाले पदार्थों को चिकित्सा, दंत चिकित्सा और औद्योगिक अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए दोहराने का प्रयास कर रही है।

कुछ समुद्री जीव अत्यधिक स्थिर एंजाइम भी बनाते हैं। ये "एक्सट्रीमोएंजाइम" अत्यधिक तापमान और दबाव पर कार्य कर सकते हैं। इनका उपयोग उन औद्योगिक प्रक्रियाओं में किया जाता है जिनमें कठोर परिस्थितियों की आवश्यकता होती है, जैसे कि पीसीआर तकनीक और कुछ औद्योगिक विनिर्माण।

## नैतिक, कानूनी और सामाजिक मुद्दे -

जैव प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ इसने गंभीर नैतिक, कानूनी और सामाजिक मुद्दे भी खड़े किए हैं। जीनोम अनुक्रम में हेरफेर करने और इस प्रकार उत्पादित प्रोटीन को बदलने की क्षमता महत्वपूर्ण जिम्मेदारी लेकर आती है। जीवित जीवों के साथ छेड़छाड़ के लिए सख्त विनियमन की आवश्यकता है। जैव-इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं की निगरानी के लिए कुछ नैतिक मानकों की आवश्यकता है ताकि समाज की नैतिकता को बनाए रखा जा सके।

बैंगनी (Violet) जैव प्रौद्योगिकी लगातार दिशानिर्देशों पर बहस और उनकी जांच करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जैव प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति का उपयोग सुरक्षित और नैतिक रूप से किया जाए।

**1. मानव आनुवंशिकी में नैतिक चिंताएँ -** नियोक्ता और बीमा कंपनियाँ आनुवंशिक जानकारी का उपयोग कुछ बीमारियों के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों के साथ भेदभाव करने के लिए कर सकती हैं। एक अन्य चिंता लोगों की आनुवंशिक जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा है। इस आनुवंशिक जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है। एक और चिंता जनन कोशिकाओं (शुक्राणु और अंडाणु) के संपादन से संबंधित है, जो भावी पीढ़ियों के जीनोम को बदल सकती है। ऐसे परिवर्तनों के दीर्घकालिक परिणाम अज्ञात हैं। "डिजाइनर बेबी", जिनमें सौंदर्य संबंधी विशेषताओं

या बुद्धिमत्ता को बढ़ाने के लिए जीन को बदला जाता है, एक अत्यधिक विवादास्पद विषय बना हुआ है।

**2. पर्यावरण और कृषि की नैतिक चिंताएँ -** आलोचक आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के सेवन के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों और उनके पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। ऐसी फसलों के संशोधित जीन जंगली प्रजातियों में फैल सकते हैं, जो खरपतवारनाशक-प्रतिरोधी "सुपरवीड" बन सकती हैं। एक गंभीर चिंता यह भी है कि कीट-प्रतिरोधी फसलों में उत्पादित विषाक्त पदार्थ मोनार्क तितलियों जैसे हानिरहित कीटों और परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य उपयोगी कीटों को प्रभावित कर सकते हैं।

"जीन ड्राइव" जैव प्रौद्योगिकी की एक अन्य चिंता का विषय है। जीन ड्राइव किसी विशेष जीन के वंशानुक्रम की उच्च दर की ओर झुकाव है। वैज्ञानिक मच्छर जनित रोगों को समाप्त करने के लिए मच्छरों में बांझपन पैदा करने के लिए "जीन ड्राइव" का उपयोग करते हैं; लेकिन यह पारिस्थितिक संतुलन के लिए हानिकारक हो सकता है और अपरिवर्तनीय पारिस्थितिक व्यवधान उत्पन्न कर सकता है।

**3. सुरक्षा एवं संरक्षा संबंधी नैतिक चिंताएँ -** कई जैव प्रौद्योगिकी में दोहरे उपयोग की दुविधा का अंतर्निहित जोखिम होता है, अर्थात् लाभकारी उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकें दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए भी उपयोग की जा सकती हैं। उदाहरण के लिए, वायरल-वाहक वैक्सीन विकसित करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक का उपयोग वायरल-वाहक जैविक हथियार विकसित करने के लिए भी किया जा सकता है। जीन संपादन तकनीक और वायरस को संश्लेषित करने की क्षमता के लिए सख्त अंतरराष्ट्रीय जैव सुरक्षा एवं जैव संरक्षा नियमों की आवश्यकता होती है। अमेरिका में, जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों को एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) और ईपीए (पर्यावरण संरक्षण एजेंसी) द्वारा विनियमित किया जाता है। भारत में, जीईएसी (आनुवंशिक अभियांत्रिकी अनुमोदन समिति) आनुवंशिक रूप से संशोधित उत्पादों के उत्पादन को विनियमित करती है। जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल जैसी अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उद्देश्य आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवित जीवों के सुरक्षित संचालन, परिवहन और उपयोग को सुनिश्चित करना है, जो जैव विविधता के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

**4. बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित नैतिक चिंताएँ -** आलोचक नए आनुवंशिक अनुक्रमों, आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों के विकास और जैव प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं में नवाचारों के पेटेंट पर चिंता व्यक्त करते हैं।

एक ओर, नवप्रवर्तक पेटेंट के माध्यम से अपने नवाचारों के लिए प्रोत्साहन को अपना अधिकार मानते हैं, वहीं दूसरी ओर, आलोचकों का तर्क है कि जैविक प्रणालियों का पेटेंट कराना जीवन रक्षक उपचारों को महंगा बना देता है।

जैविक चोरी भी एक अन्य चिंता का विषय है, जहां विकसित देश और बड़ी कंपनियां या बहुराष्ट्रीय कंपनियां जैविक संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक ज्ञान, या विकासशील देशों में पाए जाने वाले जैविक संसाधनों का पेटेंट, बिना स्थानीय आबादी के साथ लाभ साझा किए करा सकती हैं।

## जैव प्रौद्योगिकी का भविष्य -

इसमें कोई संदेह नहीं है कि जैव प्रौद्योगिकी का भविष्य उज्ज्वल है और यह मानवता के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। जटिल बीमारियों के उन्मूलन से लेकर जलवायु परिवर्तन को कम करने तक, जैव प्रौद्योगिकी का भविष्य विशाल और परिवर्तनकारी है।

**कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जैव प्रौद्योगिकी का संगम -** जैव प्रौद्योगिकी का भविष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग से गहराई से जुड़ा होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग विशाल जैविक डेटा के तीव्र और सटीक विश्लेषण में और किसी विशेष डीएनए अनुक्रम द्वारा बनने वाले प्रोटीन की सटीकता के साथ भविष्यवाणी करने में मदद कर सकती है। यह तालमेल दवा खोज की गति को बढ़ाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) सिंथेटिक जीव विज्ञान के मार्गों को भी अनुकूलित करेगी, जिससे विनिर्माण और जैव उपचार के लिए अनुकूलित किए गए सूक्ष्मजीवों का सटीक डिज़ाइन संभव हो सकेगा।

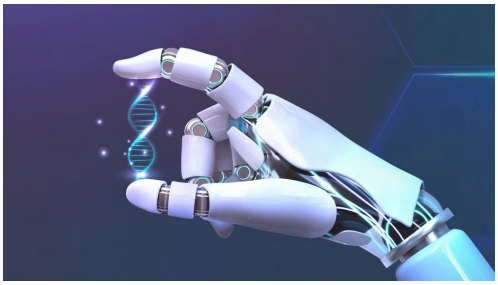

**जैव विनिर्माण और चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था -** सिंथेटिक जीव विज्ञान कम से कम संसाधनों का उपयोग करके उच्च-मूल्य वाली सामग्री, रसायन और भोजन का उत्पादन करने में सक्षम सूक्ष्मजीवों के निर्माण को संभव बनाएगा। यह परिवर्तन एक चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक है, जहाँ औद्योगिक प्रक्रियाएँ नवीकरणीय जैविक संसाधनों द्वारा संचालित होती हैं और नगण्य या शून्य अपशिष्ट उत्पन्न करती हैं।

**जलवायु परिवर्तन का समाधान -** जलवायु परिवर्तन को कम करने में जैव प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वैज्ञानिक ऐसे पौधों को विकसित करने पर काम कर रहे हैं जिनकी जड़ प्रणाली गहरी हो और जो मिट्टी में अधिक कार्बन संग्रहित कर सकें। इसके अलावा, सिंथेटिक जीव विज्ञान ऐसे सूक्ष्मजीवों को विकसित कर रहा है जो वायुमंडल से $CO_2$ को ग्रहण कर सकते हैं या ग्रीनहाउस गैसों को मूल्यवान औद्योगिक उत्पादों में परिवर्तित कर सकते हैं।

**पुनरुज्जीवित चिकित्सा और 3D बायोप्रिंटिंग -** पुनरुज्जीवित चिकित्सा का एक प्रमुख केंद्र बिंदु 3D बायोप्रिंटिंग है। प्लास्टिक का उपयोग करने के बजाय, बायोप्रिंटर ऊतकों के निर्माण के लिए जीवित कोशिकाओं से बनी बायोइंक का उपयोग करते हैं। भविष्य में, इस तकनीक का उपयोग रोगी की अपनी कोशिकाओं से अंग प्रत्यारोपण के लिए अंगों के निर्माण में किया जा सकता है, जिससे अंग अस्वीकृति की संभावना समाप्त हो जाएगी।

**जीन संपादन में प्रगति -** जैव प्रौद्योगिकी जीन संपादन के क्षेत्र में CRISPR-Cas9 तकनीक के आगे बढ़कर प्रगति करेगी। भविष्य में होने वाली प्रगति में बेस एडिटिंग और प्राइम एडिटिंग शामिल हैं, जो जीनोम के अधिक सटीक संशोधन को सिद्ध करेंगी। ये तकनीकें जीन थेरेपी को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाएंगी। इसके अलावा, रोगी की लक्षित कोशिकाओं में संपादन उपकरणों की सीधी डिलीवरी करने वाली इन-विवो डिलीवरी प्रणालियाँ, उपचार योग्य रोगों की सीमा का विस्तार करेंगी।

**कृषि में प्रगति -** वैज्ञानिक CRISPR-Cas9 तकनीक का उपयोग करके ऐसी फसलें विकसित करेंगे जिन्हें बहुत कम मात्रा में पानी, उर्वरक और खनिजों की आवश्यकता होती है, और जो स्वयं नाइट्रोजन स्थिर करने में सक्षम होती हैं। इससे कृत्रिम उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

**अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए जैव प्रौद्योगिकी -** अंतरिक्ष जैव प्रौद्योगिकी में बाह्य अंतरिक्ष वातावरण में जीवन को बनाए रखने के लिए जैविक प्रणालियों का विकास शामिल है। इसमें सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में फसलें उगाना, लंबी अंतरिक्ष यात्राओं पर भोजन, ऑक्सीजन और फार्मास्यूटिकल्स का उत्पादन करने के लिए सूक्ष्मजीवों का इंजीनियरिंग करना और अपशिष्ट पुनर्चक्रण के लिए बायोरिएक्टर विकसित करना शामिल है।

**निष्कर्ष -** जैव प्रौद्योगिकी मानव इतिहास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सबसे शक्तिशाली और परिवर्तनकारी क्षेत्रों में से एक है। जैविक प्रणालियों की क्षमता का उपयोग करके, इसने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, औद्योगिक उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं।

6000 साल पहले मेसोपोटामियाई लोगों की प्राचीन किण्वन प्रक्रिया और चयनात्मक प्रजनन से शुरू हुआ यह क्षेत्र आज rDNA, जीन संपादन, जीनोमिक्स, जीन मैपिंग, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और एआई द्वारा संचालित एक अत्यधिक विकसित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में परिणत हो चुका है। आज यह हमें जीन स्तर पर आनुवंशिक रोगों का इलाज करने, व्यक्तिगत दवाएं विकसित करने, बढ़ती वैश्विक आबादी को खिलाने के लिए उच्च पोषण मूल्य और उच्च फसल उपज वाली आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें विकसित करने, टिकाऊ जैव ईंधन और जैवप्लास्टिक का उत्पादन करने और जैव-उपचार के माध्यम से पर्यावरण को स्वच्छ करने में सक्षम बनाता है।

हालांकि, इस अपार शक्ति के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है क्योंकि इन सभी खोजों के नैतिक, सामाजिक और कानूनी निहितार्थ हैं। आनुवंशिक गोपनीयता सुनिश्चित करना, दुरुपयोग को रोकना, पारिस्थितिक जोखिमों का प्रबंधन करना और जैव प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति तक समान पहुंच प्रदान करना आदि के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मजबूत नियामक ढांचे की आवश्यकता है।

जैव प्रौद्योगिकी को "भविष्य की प्रौद्योगिकी" और "आशा की प्रौद्योगिकी" कहा जाता है, क्योंकि इसमें उभरती हुई मानवीय चुनौतियों का समाधान करने की अपार क्षमता है। जटिल रोगों के उपचार से लेकर, मानव प्रत्यारोपण के माध्यम से अंगों की कमी को दूर करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने तक, संभावनाएं असीमित हैं।

जैसे-जैसे जीव विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अंतर्संबंध बढ़ता जा रहा है, जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता भी असीमित होती जा रही है, जो एक आशाजनक, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य प्रदान करेगी।

अशोक कुमार शर्मा
राजस्थान तहसीलदार सेवा

# फ्लेगशिप योजनाएं

## फ्लेगशिप योजनाएं

राजस्थान सरकार ने राज्य निधि से संचालित व केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में से 25 योजनाओं को फ्लेगशिप योजना के रूप में घोषित किया है।

| क्र.सं. | विभाग का नाम | योजना का नाम |
|---|---|---|
| 1 | खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग | 1. नवीन परिवारों को NFSA से लाभान्वित करना |
| 2 | ऊर्जा विभाग | 2. प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (कुसुम योजना)<br>3. संशोधित वितरण क्षेत्र योजना |
| 3 | महिला अधिकारिता विभाग | 4. लाडो प्रोत्साहन योजना |
| 4 | कृषि एवं उद्यानिकी विभाग | 5. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना |
| 5 | चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग | 6. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन |
| 6 | भूजल विभाग | 7. कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान |
| 7 | पंचायती राज विभाग | 8. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)<br>9. स्वामित्व योजना<br>10. मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0<br>11. अटल ज्ञान केन्द्र |
| 8 | स्कूल शिक्षा | 12. मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान |
| 9 | सार्वजनिक निर्माण विभाग | 13. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना<br>14. अटल प्रगति पथ |
| 10 | स्वायत्त शासन विभाग | 15. प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी<br>16. स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)<br>17. मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना |

| | | |
|---|---|---|
| 11 | उद्योग विभाग | 18. पीएम विश्वकर्मा योजना |
| 12 | वन विभाग | 19. मिशन हरियालो राजस्थान |
| 13 | जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग | 20. जल जीवन मिशन<br>21. अमृत योजना |
| 14 | आयोजना विभाग | 22. पंच गौरव योजना |
| 15 | ग्रामीण विकास विभाग | 23. प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण<br>24. पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना<br>25. नमो ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी योजना, बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी |

## खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग

### नवीन परिवारों को NFSA से लाभान्वित करना

- विभाग का नाम :- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति
- लक्ष्य :- छूटे हुए एवं पात्र परिवारों को जोड़ना।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) के तहत ग्रामीण आबादी का 75 % एवं शहरी आबादी के 50 % लोगों को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करना।
- इस अधिनियम की धारा 10 के अनुसार NFSA के लिए लाभार्थी/पात्र परिवारों की पहचान राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। राजस्थान सरकार द्वारा बजट-2025-26 में खाद्य सुरक्षा हेतु 10 लाख नवीन यूनिट्स को जोड़ने की घोषणा की थी।
- अन्त्योदय अन्न योजना के तहत- 35 Kg खाद्यान्न प्रतिमाह व अन्य परिवारों को 5 Kg दिया जा रहा है।
- Note: प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (1 जनवरी, 2024)- 5 वर्ष तक प्रति परिवार 35 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

## ऊर्जा विभाग

### प्रधानमंत्री कुसुम योजना (किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं महाउत्थान अभियान)

- शुरुआत- मार्च, 2019
- केन्द्र का मंत्रालय- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
- राजस्थान का विभाग- RRECL (Rajasthan Renewable Renewable Energy Limited) (राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड) ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एजेंसी।

PM KUSUM Scheme

- **कुसुम योजना के 3 घटक-**
  - घटक A- ग्रिड से जुड़े 2 मेगावाट क्षमता तक के सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना।
  - घटक B- 7.5 HP क्षमता तक के स्वतंत्र सौर कृषि पंपों की स्थापना।
  - घटक C- ग्रिड से जुड़े 7.5 HP क्षमता तक के मौजूदा कृषि पंपों का सौर ऊर्जा से संचालन।
- राजस्थान में लक्ष्य- 1000 मेगावाट (कम्पोनेन्ट A का), 4 लाख सोलर पम्प सेट की स्थापना (कम्पोनेंट C)

### संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (RDSS)

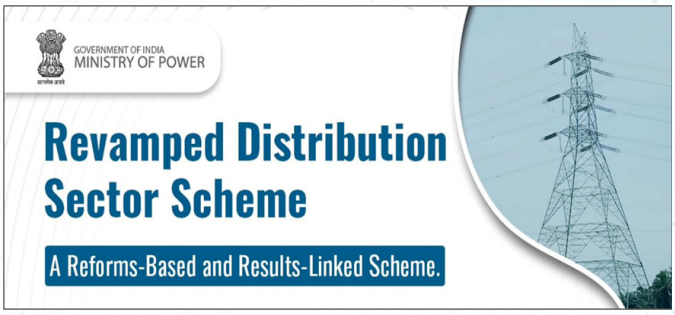

- विभाग- केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय और राज्य का ऊर्जा विभाग (राजस्थान में)
- अवधि: वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 (जुलाई 2021 में शुरू)
- व्यय: 303758 करोड़ (5 वर्षों में)
- **लक्ष्य:**
  - AT&C घाटे को 12-15% तक लाना।
  - ACS-ARR अन्तर को शून्य करना।
  - प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग लगाना आदि।

## महिला अधिकारिता विभाग

### लाड़ो प्रोत्साहन योजना

- विभाग: महिला अधिकारिता विभाग
- शुभारंभ: 1 अगस्त, 2024
- पात्रता: 1 अगस्त, 2024 के बाद जन्म लेने वाली बालिकाएं
- उद्देश्य: गरीब परिवारों की बालिकाओं को वित्तीय सुरक्षा।
  - (पूर्व में राशि 1 लाख, महिला दिवस 8 मार्च, 2025 से 1.5 लाख रुपये आकर दी गयी है।)
  - पहली किस्त: उदयपुर, 14 दिसम्बर, 2025 को महिला सम्मेलन में प्रदान की गई।
- 7 किस्तों में 1.5 लाख रुपये -
  1. प्रसव के समय = 5000 रुपये
  2. टीकाकरण (समस्त) (1 वर्ष तक) = 5000 रुपये
  3. प्रथम कक्षा में प्रवेश: 5000 रुपये
  4. 6th class में प्रवेश = 10,000
  5. 10th कक्षा में प्रवेश = 20,000
  6. 12th कक्षा में प्रवेश = 25,000
  7. स्नातक पूर्ण एवं 21 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर = 70,000

## कृषि एवं उद्यानिकी विभाग

### प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)

- शुरुआत : 1 जुलाई 2015
- योजना अवधि : 2015-16 से 2025-26
- वित्तीय पेटर्न : 60:40 (केंद्र : राज्य)
- लक्ष्य : "हर खेत को पानी"
- टैगलाइन : "Per Drop More Crop"
- नोडल मंत्रालय : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय
- योजना का प्रकार : केंद्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme)

**योजना में सम्मिलित प्रमुख कार्यक्रम**

- **त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP)** – जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
- हर खेत को पानी (HKKP)
- **पर ड्रॉप मोर क्रॉप (PDMC)** – सूक्ष्म सिंचाई (Drip/ Sprinkler Irrigation)
- जलागम विकास घटक (Watershed Development Component)

**उद्देश्य**

- खेत स्तर पर सिंचाई निवेश का समन्वय एवं अभिसरण करना।
- प्रत्येक खेत तक सिंचाई जल पहुँचाना।
- कृषि योग्य भूमि एवं सिंचित क्षेत्र का विस्तार करना।
- जल उपयोग दक्षता बढ़ाना।
- सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों जैसे ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देना।
- जल संरक्षण एवं "More Crop per Drop" को प्रोत्साहित करना।
- सिंचाई क्षेत्र में निजी निवेश आकर्षित करना।

**प्रमुख विशेषताएँ**

- जिला सिंचाई योजनाओं (District Irrigation Plans) की व्यवस्था।
- जल उपयोग दक्षता पर विशेष जोर।
- सूखा प्रभावित एवं वर्षा आधारित क्षेत्रों पर प्राथमिकता।
- माइक्रो इरिगेशन हेतु किसानों को वित्तीय सहायता।
- जल संरक्षण, जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा।

## चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

### प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM)

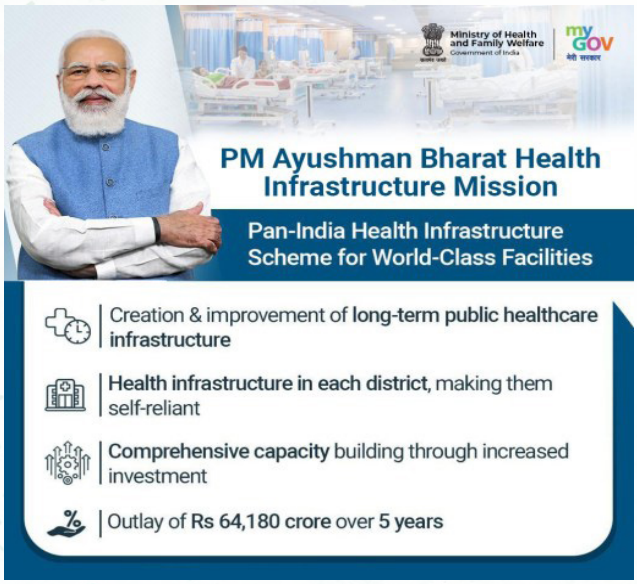


- बजट 2021-22 में "प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना" की घोषणा की गई, जिसे बाद में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) नाम दिया गया।
- 15 सितम्बर, 2021 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृति तथा 25 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाराणसी से शुभारम्भ।
- अवधि- 2021-22 से 2025-26
- कुल बजट- ₹64,180 करोड़
- नोडल मंत्रालय- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

- **उद्देश्य**
  - देश की स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करना।
  - प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार।
  - महामारी एवं स्वास्थ्य आपदाओं से निपटने हेतु सक्षम स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करना।
  - Disease Surveillance एवं Emergency Response System को सुदृढ़ बनाना।

**प्रमुख घटक-**

- **केंद्र प्रायोजित घटक (Centrally Sponsored Components)-**
  - 10 High Focus States में 17,788 ग्रामीण स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र।
  - 11 High Focus States में 3,382 Block Public Health Units।
  - सभी जिलों में Integrated Public Health Labs (IPHLs) की स्थापना।
  - 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले जिलों में Critical Care Hospital Blocks की स्थापना।
- **केंद्रीय क्षेत्र घटक (Central Sector Components)-**
  - राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) एवं क्षेत्रीय रोग नियंत्रण केंद्रों को सुदृढ़ करना।
  - Integrated Health Information Portal का विस्तार।
  - 15 Health Emergency Operation Centres एवं Container-based Mobile Hospitals की स्थापना।
  - 4 नए National Institutes of Virology तथा BSL-III प्रयोगशालाओं की स्थापना।

## भूजल विभाग

### कर्मभूमि से मातृभूमि

- विभाग: भूजल विभाग (राज० सरकार)
- शुरुआत- 15 जनवरी 2025 (माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी द्वारा)
- उद्देश्य- वर्षा जल की एक-एक बूंद का संरक्षण, संवर्द्धन व जल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण जन सहभागिता से कर राज्य में गिरते भू-जल स्तर को रोकना।
- लक्ष्य- आगामी 4 वर्षों में भामाशाहों, प्रवासी राजस्थानियों के माध्यम से 45 हजार रिचार्ज/जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण। (2027-28 तक)
- प्रगति- अभी तक 14,025 भू-जल रिचार्ज/जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कार्य पुरा।
- इस अभियान में शुरुआत में सिरोही, पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, जयपुर, झुंझुनू जिलों को प्राथमिकता दी गई है।

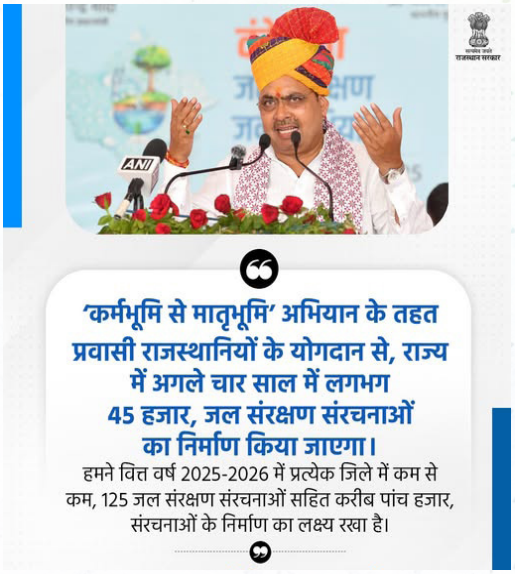

# पंचायती राज विभाग

## स्वच्छ भारत मिशन – ग्रामीण (SBM-G)

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, शौचालय निर्माण एवं ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार की प्रमुख अभियानात्मक योजना।
- योजना का प्रकार : केंद्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme)
- शुरुआत : 2 अक्टूबर 2014
- **टैगलाइन :** "एक कदम स्वच्छता की ओर"
- **नोडल मंत्रालय :** जल शक्ति मंत्रालय
- **राजस्थान में नोडल विभाग** : पंचायती राज विभाग

### योजना का मुख्य उद्देश्य

- ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ODF) बनाना।
- ग्रामीण स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य में सुधार।
- ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देना।
- व्यवहार परिवर्तन एवं जनभागीदारी आधारित स्वच्छता मॉडल विकसित करना।

### SBM-G : चरण-I (2014–2019)

- **उद्देश्य-** 2 अक्टूबर 2019 तक ग्रामीण भारत को ODF घोषित करना।
- **प्रमुख उपलब्धियाँ**

| संकेतक | उपलब्धि |
|---|---|
| ग्रामीण स्वच्छता कवरेज | 2014 में 39% → 2019 में लगभग 100% |
| ODF घोषणा | अक्टूबर 2019 तक सभी राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश |
| राजस्थान ODF घोषणा | 31 मार्च 2018 |

### SBM-G : चरण-II (2020-21 से 2025-26)

- **उद्देश्य-**
  - ODF से ODF Plus मॉडल की ओर संक्रमण।
  - ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करना।

**चरण-II के प्रमुख घटक**

1. **व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (IHHL)**
   - पात्र परिवारों को शौचालय निर्माण हेतु ₹12,000 प्रोत्साहन राशि।
2. **सामुदायिक स्वच्छता परिसर (CSC)**
   - ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण।
   - दिव्यांग अनुकूल सुविधाओं पर विशेष ध्यान।
   - प्रति परिसर लगभग ₹3 लाख लागत प्रावधान।
3. **ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM)**
   - ग्रे-वाटर प्रबंधन
   - प्लास्टिक एवं जैविक अपशिष्ट निस्तारण
   - कम्पोस्टिंग एवं पुनर्चक्रण व्यवस्था
4. **गोबर-धन (GOBAR-DHAN) योजना**
   - पशु अपशिष्ट एवं जैविक कचरे से ऊर्जा एवं जैविक खाद उत्पादन।
   - ग्रामीण स्वच्छता एवं आय सृजन दोनों को बढ़ावा।
   - प्रत्येक जिले में मॉडल गोबर-धन परियोजना विकसित करने का लक्ष्य।
   - **वित्तीय साझेदारी-**

| क्षेत्र | केंद्र : राज्य अनुपात |
|---|---|
| सामान्य राज्य | 60 : 40 |
| पूर्वोत्तर एवं विशेष श्रेणी राज्य | 90 : 10 |
| केंद्र शासित प्रदेश | 100% केंद्र सहायता |

## स्वामित्व योजना (SVAMITVA Scheme)

- ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति स्वामित्व का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने हेतु भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना।
- **योजना का प्रकार :** केंद्रीय क्षेत्रक योजना (Central Sector Scheme)
- **शुरुआत :** 24 अप्रैल 2020 (राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस)
- **पूरा नाम** : Survey of Villages and Mapping with Improvised Technology in Village Areas (SVAMITVA)
- **नोडल मंत्रालय :** पंचायती राज मंत्रालय
- **तकनीकी सहयोग :** Survey of India
- **योजना की आवश्यकता**
  - ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में स्पष्ट संपत्ति रिकॉर्ड का अभाव।
  - भूमि सीमांकन विवाद एवं न्यायालयीन मामलों में वृद्धि।
  - ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) हेतु सटीक GIS डेटा की आवश्यकता।
  - ग्रामीण परिवारों की संपत्ति को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ना।

- **प्रमुख उद्देश्य**
  - ग्रामीण आबादी भूमि का वैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं डिजिटल मानचित्रण।
  - संपत्ति संबंधी विवादों में कमी लाना।
  - ग्रामीण नागरिकों को Property Card प्रदान करना।
  - पंचायत स्तर पर GIS आधारित विकास योजना तैयार करना।
  - डिजिटल भूमि प्रशासन एवं वित्तीय समावेशन को मजबूत करना।
- **प्रमुख विशेषताएँ**

**1. ड्रोन आधारित सर्वेक्षण**
  - आबादी क्षेत्रों का High Resolution Drone Survey।
  - GIS आधारित डिजिटल नक्शे तैयार किए जाते हैं।
  - संपत्ति सीमाओं का सटीक निर्धारण।

**2. Property Card**
  - ग्रामीण परिवारों को स्वामित्व प्रमाण-पत्र जारी।
  - बैंक ऋण, संपत्ति हस्तांतरण एवं वित्तीय सेवाओं में उपयोगी।

**3. GIS आधारित ग्रामीण नियोजन**
  - ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) तैयार करने में सहायता।
  - सड़क, जल, आवास एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों की योजना निर्माण में उपयोग।

**4. डिजिटल गवर्नेंस**
  - डिजिटल भूमि रिकॉर्ड प्रणाली को बढ़ावा।
  - ग्रामीण प्रशासन में पारदर्शिता एवं दक्षता।
  - राष्ट्रीय स्तर की प्रगति (Official Data )

## मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 (MJSA 2.0)

- राजस्थान सरकार द्वारा जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने हेतु संचालित राज्य स्तरीय अभियान।
- शुरुआत : फरवरी 2024
- नोडल विभाग : पंचायती राज विभाग
- **पृष्ठभूमि-**
  - यह अभियान पूर्व में संचालित "मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (MJSA)" का उन्नत एवं विस्तारित स्वरूप है।
  - मूल अभियान की शुरुआत : 27 जनवरी 2016
  - शुभारम्भ स्थल : गर्दनखेड़ी गाँव, झालावाड़
  - उद्देश्य : जल संरक्षण को जनभागीदारी आधारित आंदोलन बनाना।
- **MJSA 2.0 के प्रमुख लक्ष्य**
  - अगले 4 वर्षों में राज्य के 20,000 गाँवों को शामिल करना।
  - लगभग 5 लाख जल संचयन एवं जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण/पुनर्जीवन।
  - ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा एवं भूजल स्तर सुधार सुनिश्चित करना।
- **प्रमुख कार्य**
  - नए एनीकट (Anicut) निर्माण।
  - खेत तालाब (Farm Pond) निर्माण।
  - Mini Percolation Tank (MPT) विकसित करना।
  - Sub Surface Barrier (SSB) निर्माण।
  - पारंपरिक जल संरचनाओं का पुनर्जीवन एवं मरम्मत।
  - वर्षा जल संचयन एवं भूजल रिचार्ज कार्य।
- **Economic Review 2025-26**
  - Phase-I के अंतर्गत लगभग 1.10 लाख कार्य एवं ₹2,289.49 करोड़ व्यय का उल्लेख।
  - Phase-II में 20,000 गाँवों में 26,059 कार्य स्वीकृत।
  - जल संरक्षण को "Community-led Water Management Model" के रूप में विकसित किया गया।
- **अभियान के प्रमुख उद्देश्य**
  - अधिकतम वर्षा जल संचयन सुनिश्चित करना।
  - भूजल स्तर में सुधार एवं जल पुनर्भरण बढ़ाना।
  - पेयजल उपलब्धता को मजबूत करना।
  - सिंचित क्षेत्र एवं कृषि उत्पादकता में वृद्धि।
  - जल संसाधनों के वैज्ञानिक एवं विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना।
  - मूल MJSA (2016) की चार अवधारणाएँ
  - संग्रहित जल का संरक्षण एवं उपचार।
  - मौजूदा जल संरचनाओं का प्रभावी उपयोग।
  - गैर-कार्यात्मक जल संरचनाओं का पुनर्जीवन।
  - नई जल संचयन संरचनाओं का निर्माण।

## अटल ज्ञान केंद्र योजना (Rajasthan)

- राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं, प्रतियोगी परीक्षा तैयारी एवं ई-गवर्नेंस सुविधाओं की पहुँच बढ़ाने हेतु प्रारम्भ की गई महत्वपूर्ण पहल।
- घोषणा : 24 दिसम्बर 2024 (सुशासन दिवस)
- योजना का क्रियान्वयन ग्राम पंचायत स्तर पर किया जा रहा है।
- **पृष्ठभूमि**
  - राज्य सरकार ने ग्रामीण युवाओं को डिजिटल संसाधन एवं अध्ययन सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर "अटल ज्ञान केंद्र" स्थापित करने की घोषणा की।
  - राजस्थान बजट 2025-26 में इस योजना को औपचारिक रूप से शामिल किया गया।

- **मुख्य उद्देश्य**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में Digital Inclusion को बढ़ावा देना।
  - युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं कैरियर मार्गदर्शन हेतु संसाधन उपलब्ध कराना।
  - पंचायत स्तर पर ई-गवर्नेंस सेवाओं को मजबूत करना।
  - सरकारी योजनाओं की Last Mile Delivery सुनिश्चित करना।

**प्रमुख विशेषताएँ**

1. **अटल प्रेरक -**
   - स्थानीय युवक-युवतियों को "अटल प्रेरक" के रूप में चयनित किया जाएगा।
   - इनका कार्य ग्रामीण परिवारों को सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ उपलब्ध कराना होगा।
2. **डिजिटल एवं अध्ययन सुविधाएँ-**
   - प्रत्येक केंद्र पर e-Library की व्यवस्था।
   - प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, Current Affairs Magazine एवं समाचार पत्र उपलब्ध।
   - न्यूनतम 4 डिजिटल वर्कस्टेशन एवं इंटरनेट सुविधा।
3. **ई-मित्र एवं ई-गवर्नेंस सेवाएँ-**
   - प्रमाण पत्र, ऑनलाइन आवेदन एवं अन्य डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध।
   - पंचायत स्तर पर डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में कार्य।
4. **कैरियर काउंसलिंग-**
   - युवाओं को रोजगार, कौशल विकास एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु मार्गदर्शन।
   - ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं परामर्श सुविधा।
   - राजस्थान बजट एवं आर्थिक समीक्षा 2025-26 के तथ्य
   - प्रथम चरण में 3000 से अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर केंद्र स्थापित करने की घोषणा।
   - प्रथम चरण में लगभग 2056 ग्राम पंचायत मुख्यालय शामिल।
   - 1687 केंद्रों को वित्तीय स्वीकृति।

## स्कूल शिक्षा विभाग

### मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (MSRA)

- राजस्थान सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा के विस्तार एवं शत-प्रति-शत नामांकन सुनिश्चित करने हेतु प्रारम्भ किया गया राज्य स्तरीय अभियान।
- शुरुआत : 29 मार्च 2025
- शुभारम्भ : कोटा में आयोजित "मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन" के दौरान।
- **नोडल विभाग :** स्कूल शिक्षा विभाग
- **पृष्ठभूमि**
  - पूर्व में संचालित "स्कूल में शिक्षा के बढ़ते कदम" अभियान को पुनर्गठित कर "मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (MSRA)" नाम दिया गया।
  - अभियान को "विकसित राजस्थान" विजन के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र सुधार से जोड़ा गया।
- **अभियान के प्रमुख उद्देश्य**
  - राज्य में विद्यालयी नामांकन दर में वृद्धि।
  - ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को पुनः मुख्यधारा से जोड़ना।
  - बालिका शिक्षा एवं सामाजिक समावेशन को प्रोत्साहन।
  - सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करना।
  - समुदाय एवं अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाना।

## सार्वजनिक निर्माण विभाग

### प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)

- ग्रामीण संपर्कता को सुदृढ़ करने हेतु भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई प्रमुख सड़क अवसंरचना योजना।
- शुभारम्भ : 25 दिसम्बर 2000
- नोडल मंत्रालय : ग्रामीण विकास मंत्रालय
- राजस्थान में क्रियान्वयन : सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD)
- **योजना का मुख्य उद्देश्य-**
  - ग्रामीण बस्तियों को बारहमासी (All Weather) सड़क सुविधा से जोड़ना।
  - ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि मंडियों एवं रोजगार तक पहुँच बढ़ाना।
  - आधारभूत संरचना विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देना।

- **पात्र बस्तियाँ-**

| क्षेत्र | न्यूनतम जनसंख्या |
|---|---|
| सामान्य मैदानी क्षेत्र | 500 या अधिक |
| जनजातीय, मरुस्थलीय, हिमालयी एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र (जनगणना 2001 के आधार पर) | 250 या अधिक |

- **वित्तीय साझेदारी-**

| अवधि | वित्तीय अनुपात |
|---|---|
| प्रारंभिक व्यवस्था | 100% केंद्र सहायता |
| 2015-16 के बाद (सामान्य राज्य) | 60 : 40 |
| पूर्वोत्तर एवं विशेष श्रेणी राज्य | 90 : 10 |

- **PMGSY के प्रमुख चरण**
- **चरण-I (2000–2012)**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में पहली बार सड़क संपर्क उपलब्ध कराने पर केंद्रित।
- **चरण-II (2013–2019)**
  - मौजूदा ग्रामीण सड़कों के उन्नयन एवं मजबूती पर जोर।
  - लगभग 50,000 किमी सड़क सुधार लक्ष्य।
- **चरण-III (2019–2025)**
  - ग्रामीण संपर्क को आर्थिक एवं सामाजिक संस्थानों से जोड़ना।
  - स्कूल, अस्पताल एवं कृषि मंडियों तक सड़क नेटवर्क मजबूत करना।
  - राष्ट्रीय स्तर पर 1.25 लाख किमी सड़क उन्नयन लक्ष्य।

## अटल प्रगति पथ योजना (Rajasthan)

- शुभारम्भ : 29 मार्च 2025
- शुभारम्भ स्थल : कोटा (युवा एवं रोजगार महोत्सव)
- नोडल विभाग : सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD)
- राजस्थान बजट 2024-25
- 10,000 से अधिक आबादी वाले गाँवों में 1–3 किमी लंबी मुख्य सड़क को "अटल प्रगति पथ" के रूप में विकसित करने की घोषणा।
- राजस्थान बजट 2025-26 में योजना का दायरा बढ़ाया गया।
- 5,000 से अधिक आबादी वाले 250 गाँवों में सीमेंट-कंक्रीट (CC) सड़क निर्माण का प्रावधान।
- कुल व्यय प्रावधान : ₹500 करोड़।
- **उद्देश्य**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ सड़क अवसंरचना विकसित करना।
  - गाँवों को सर्व-ऋतु (All Weather) सड़क सुविधा उपलब्ध कराना।
  - ग्रामीण संपर्क, बाजार पहुँच एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना।
  - ग्रामीण-शहरी आधारभूत सुविधाओं के अंतर को कम करना।
- **आर्थिक समीक्षा 2025-26 के तथ्य**
  - प्रथम चरण : 10,000+ आबादी वाले गाँव शामिल।
  - द्वितीय चरण : 5,000–10,000 आबादी वाले गाँव शामिल।

# स्वायत्त शासन विभाग

## प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी (PMAY-U)

- प्रारम्भ : 25 जून 2015
- नोडल मंत्रालय : आवास और शहरी कार्य मंत्रालय
- मिशन : Housing for All
- उद्देश्य : शहरी क्षेत्रों में झुग्गीवासियों तथा EWS, LIG एवं MIG वर्गों को बुनियादी सुविधाओं सहित पक्का एवं किफायती आवास उपलब्ध कराना।
- **लक्षित लाभार्थी**

| श्रेणी | वार्षिक पारिवारिक आय |
|---|---|
| EWS (Economically Weaker Section) | ₹3 लाख तक |
| LIG (Low Income Group) | ₹3–6 लाख |
| MIG-I | ₹6–12 लाख |
| MIG-II | ₹12–18 लाख |

- महिला सशक्तिकरण हेतु महिला मुखिया को घर का मालिक/सह-मालिक बनाना अनिवार्य।
- **PMAY-U के चार प्रमुख घटक-**

1. **In-Situ Slum Redevelopment (ISSR)**
   - "Land as a Resource" मॉडल पर झुग्गी पुनर्विकास।
   - निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ स्लम निवासियों को पक्का आवास।
   - प्रति घर ₹1 लाख तक केंद्रीय सहायता।
2. **Credit Linked Subsidy Scheme (CLSS)**

| श्रेणी | ऋण सीमा | ब्याज सब्सिडी |
|---|---|---|
| EWS/LIG | ₹6 लाख तक | 6.5% |
| MIG-I | ₹9 लाख तक | 4% |
| MIG-II | ₹12 लाख तक | 3% |
| गृह निर्माण, खरीद एवं विस्तार हेतु ब्याज सब्सिडी। | | |

3. **Affordable Housing in Partnership (AHP)**
   - राज्य सरकार/निजी डेवलपर्स की भागीदारी से किफायती आवास निर्माण।
     प्रत्येक EWS आवास हेतु ₹1.5 लाख केंद्रीय सहायता।
4. **Beneficiary Led Construction (BLC)**
   - EWS परिवारों को स्वयं का घर बनाने/विस्तार हेतु सहायता।
   - प्रति आवास ₹1.5 लाख केंद्रीय सहायता।

- **योजना की प्रमुख विशेषताएँ-**
  - Demand-driven Scheme : राज्यों/UTs की मांग के आधार पर स्वीकृति।
  - DBT के माध्यम से सहायता राशि का प्रत्यक्ष हस्तांतरण।
  - सामाजिक समावेशन एवं महिला स्वामित्व पर विशेष जोर।
- **उपलब्धियाँ एवं नवीन पहल-**
  - मार्च 2022 तक लगभग 122.69 लाख आवास स्वीकृत।
  - PMAY-U 2.0 के अंतर्गत 1 करोड़ शहरी गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को सहायता का लक्ष्य।
- **राजस्थान विशेष तथ्य**
  - राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अनुसार राज्य में PMAY-U के अंतर्गत 2,88,550 आवासों को स्वीकृति

## स्वच्छ भारत मिशन – शहरी (SBM-U)

- परिचय- शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, खुले में शौच मुक्त (ODF) स्थिति एवं वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार का प्रमुख मिशन।
- शुरुआत : 2 अक्टूबर 2014
- नोडल मंत्रालय : आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
- योजना प्रकार : केंद्र प्रायोजित योजना
- **उद्देश्य**
  - शहरी भारत को ODF एवं Garbage Free बनाना।
  - 100% वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।
  - व्यवहार परिवर्तन एवं जनभागीदारी को बढ़ावा।
  - Circular Economy एवं Waste to Wealth मॉडल विकसित करना।
- **SBM-U 1.0 (2014–2019) -**
- **प्रमुख लक्ष्य**
  - सभी वैधानिक शहरों को ODF बनाना।
  - वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करना
  - **प्रमुख उपलब्धियाँ**

| संकेतक | उपलब्धि |
|---|---|
| शहरी ODF घोषणा | 2019 |
| व्यक्तिगत शौचालय | 66 लाख + |
| सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय सीटें | 6 लाख + |

- **SBM-U 2.0 (2021–2026)**
  - **वित्तीय परिव्यय-** लगभग ₹1.41 लाख करोड़
  - **मुख्य फोकस**
    - ODF → ODF+ → ODF++
    - Garbage Free Cities
    - Used Water Management
    - Legacy Waste Remediation
  - **प्रमुख घटक**
    - Source Segregation एवं Door-to-Door Collection
    - 100% वैज्ञानिक कचरा प्रसंस्करण
    - Faecal Sludge & Septage Management (FSSM)
    - Material Recovery Facilities (MRF)
    - IEC/BCC द्वारा जन-जागरूकता
  - **ODF श्रेणियाँ**

| श्रेणी | अर्थ |
|---|---|
| ODF | खुले में शौच मुक्त |
| ODF+ | ODF + कार्यशील सार्वजनिक शौचालय |
| ODF++ | ODF+ + सुरक्षित सीवेज/मल-कीचड़ प्रबंधन |

- **राजस्थान : आर्थिक समीक्षा 2025-26 के तथ्य**
  - राज्य में ODF+/ODF++ प्रमाणित नगर निकायों की संख्या में वृद्धि।
  - Door-to-Door Waste Collection एवं Solid Waste Processing Infrastructure का विस्तार।
  - Legacy Waste Disposal एवं Garbage Free Cities पर विशेष फोकस।
- **महत्व**
  - शहरी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में सुधार।
  - प्रदूषण एवं अनियंत्रित कचरा निस्तारण में कमी।
  - Sustainable Urban Development को बढ़ावा।

## मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना

- प्रारम्भ : 15 दिसम्बर 2024
- शुभारम्भ स्थल : सांगानेर, जयपुर
- नोडल विभाग : स्वायत्त शासन विभाग
- योजना का उद्देश्य : शहरी क्षेत्रों के असंगठित श्रमिकों एवं जरूरत_मंद परिवारों को आर्थिक सहायता एवं स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराना।
- **लक्षित लाभार्थी**
  - भवन निर्माण श्रमिक
  - हस्तशिल्प श्रमिक
  - गिग वर्कर
  - ट्रांसपोर्ट वर्कर
  - सफाई कर्मी
  - घरेलू एवं केयर वर्कर
  - अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिक
- **पात्रता**
  - आयु : 18 से 60 वर्ष
  - राजस्थान का मूल निवासी होना आवश्यक।
  - शहरी क्षेत्र का असंगठित श्रमिक/जरूरतमंद परिवार।
- **योजना के प्रमुख प्रावधान**
  - बिना गारंटी ऋण सुविधा
  - बैंक द्वारा बिना गारंटी एवं बिना प्रक्रिया शुल्क ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।
  - कुल ₹80,000 तक ऋण तीन चरणों में दिया जाएगा।

| चरण | ऋण राशि | पुनर्भुगतान अवधि |
|---|---|---|
| प्रथम चरण | ₹10,000 | 12 माह |
| द्वितीय चरण | ₹20,000 | 18 माह |
| तृतीय चरण | ₹50,000 | 36 माह |

  - ब्याज अनुदान- समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को राज्य सरकार द्वारा 7% ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा।
- **योजना का महत्व**
  - शहरी गरीब एवं असंगठित श्रमिकों को स्वरोजगार हेतु वित्तीय सहायता।
  - छोटे व्यवसाय एवं सूक्ष्म उद्यमों को प्रोत्साहन।
  - साहूकारों पर निर्भरता कम करने का प्रयास।
  - वित्तीय समावेशन एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा।

# उद्योग विभाग

## पीएम विश्वकर्मा योजना (PM Vishwakarma)

- शुरुआत : 17 सितम्बर 2023
- योजना का प्रकार : केंद्रीय क्षेत्रक योजना (Central Sector Scheme)
- नोडल मंत्रालय : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, राजस्थान का उद्योग विभाग (नोडल)
- अवधि : 2023-24 से 2027-28
- कुल वित्तीय परिव्यय : ₹13,000 करोड़
- बजट 2023-24 में "PM Vishwakarma Kaushal Samman (PM-VIKAS)" की घोषणा।
- **उद्देश्य**
  - पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को समग्र सहायता प्रदान करना।
  - पारंपरिक कौशल एवं "गुरु-शिष्य परंपरा" का संरक्षण।
  - Skill, Credit, Toolkit एवं Market Support उपलब्ध कराना।
  - कारीगरों को MSME एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ना।
- **पात्रता**
  - 18 वर्ष से अधिक आयु के पारंपरिक कारीगर/शिल्पकार।
  - चिन्हित 18 पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े व्यक्ति।
  - प्रति परिवार केवल एक सदस्य पात्र।
  - सरकारी कर्मचारी एवं उनके परिवारजन अपात्र।
- **प्रमुख लाभ**
  - कौशल प्रशिक्षण- Basic Training : 5–7 दिन (40 घंटे) व Advanced Training : 15 दिन तक
  - स्टाइपेंड : ₹500 प्रतिदिन
  - टूलकिट सहायता- आधुनिक उपकरण खरीद हेतु ₹15,000 सहायता (e-RUPI/e-Voucher)।
  - **ऋण सहायता (Collateral Free Loan)**

| किस्त | राशि | अवधि |
|---|---|---|
| प्रथम | ₹1 लाख | 18 माह |
| द्वितीय | ₹2 लाख | 30 माह |

  - 5% रियायती ब्याज दर।
  - डिजिटल प्रोत्साहन- प्रति माह 100 डिजिटल लेनदेन तक ₹1 प्रति लेनदेन प्रोत्साहन।
- **महत्वपूर्ण व्यवसाय**
  - बढ़ई, लोहार, सुनार, कुम्हार, मोची, दर्जी, नाई, राजमिस्त्री, टोकरी निर्माता आदि।
  - Note- राजस्थान बजट 2025-26 में कोटा में "विश्वकर्मा कौशल संस्थान" स्थापित करने की घोषणा।
  - प्रस्तावित राशि : ₹150 करोड़।

## वन विभाग

### हरियालो राजस्थान मिशन

- नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ माँ के नाम' से प्रेरित मिशन
- शुरुआत: 7 अगस्त 2024 (जाहोता - दूदू जिला - जयपुर से)
- विभाग: वन विभाग, राजस्थान सरकार।
- लक्ष्य: मिशन के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य।
- (वर्तमान वर्ष में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य)
- **अन्य मुख्य बिन्दु-**
  - 2028 तक 20,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा।
  - ग्रीन बजट 2025-26 की अवधारण से प्रेरित

## जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

### जल जीवन मिशन

- शुरुआत- 15 अगस्त, 2019
- केन्द्र-राज्य अनुपात- 50 : 50
- लक्ष्य- 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जल उपलब्धता, वर्ष 2028 तक हर घर नल कनेक्शन
- शुरुआत- माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 15 अगस्त, 2019
- उद्देश्य- हर घर, हर गाँव और ढाणी तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना
- प्रगति- विगत दो वर्षों में 10482 करोड़ रू. की लागत से 13 लाख 56 हजार से अधिक परिवारों को जल उपलब्ध कराया गया।
- इस वर्ष राजस्थान में 20 लाख जल कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया है। (बजट घोषणा)

### अमृत 2.0 योजना

- AMRUT - पूरा नाम- Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation
- शुरुआत- 25 जून, 2015, प्रारंभ में 29 शहर शामिल
- विभाग-जलापूर्ति संबंधी कार्यों के लिए PHED (राज्य का विभाग)
- केन्द्र का मंत्रालय- आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय
- प्रगति- अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 178 शहरी निकायों में पेयजल व्यवस्था में सुधार हेतु 5099.56 करोड़ रू. की स्वीकृतियाँ जारी, जिनमें से 104 निकायों के कार्यादेश जारी।
- कार्य- जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, पार्क विकास, वाई-फाई आदि
- **वित्तीय पैटर्न-**

| जनसंख्या | केन्द्र का अंशदान |
|---|---|
| 1 लाख से कम : | 50 % |
| 1 - 10 लाख तक : | 33 % |
| 10 लाख से अधिक : | 25 % |

- Note- बाकी राशि का व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है जिसका 10 % निकाय द्वारा देय होता है।

## आयोजना विभाग

### पंच गौरव योजना

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के संतुलित एवं बहुआयामी विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 'पंच गौरव योजना' प्रारम्भ की गई।
- यह योजना प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान, स्थानीय संसाधनों, सांस्कृतिक धरोहर, कृषि उत्पादन, उद्योग तथा खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।
- प्रारम्भ- 17 दिसम्बर, 2024
- राज्य- राजस्थान
- **संबंधित विभाग-** आयोजना विभाग
- **उद्देश्य-** पंचमुखी विकास को बढ़ावा देना
- **लक्षित क्षेत्र-** प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान का विकास
- **योजना का उद्देश्य-** राजस्थान के निम्न क्षेत्रों का विकास करना है-
  1. कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना
  2. स्थानीय वनस्पतियों एवं जैव विविधता का संरक्षण
  3. स्थानीय उद्योगों एवं उत्पादों को प्रोत्साहन
  4. पर्यटन विकास एवं रोजगार सृजन
  5. खेल प्रतिभाओं का विकास
- **पंच गौरव के 5 घटक-**
  1. एक जिला- एक उत्पाद
  2. एक जिला- एक फसल
  3. एक जिला- एक वनस्पति प्रजाति
  4. एक जिला- एक खेल
  5. एक जिला- एक पर्यटन स्थल।
- **प्रशासनिक व्यवस्था-** योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दो स्तरों पर समितियों का गठन किया गया है –

1. **राज्य स्तरीय समिति**
   - **अध्यक्ष** – मुख्य सचिव
   - **कार्य** – योजना की निगरानी, समन्वय एवं नीति निर्धारण
2. **जिला स्तरीय समिति**
   - अध्यक्ष – जिला कलेक्टर
   - कार्य – जिला स्तर पर योजना का संचालन एवं क्रियान्वयन

■■■■

## जिलेवार चिन्हित पञ्च गौरव-

| क्र. सं. | जिला | उपज | वनस्पति प्रजाति | उत्पाद | पर्यटन स्थल | खेल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अजमेर | गुलाब | नीम | ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद | पुष्कर तीर्थ | कबड्डी |
| 2 | अलवर | प्याज | अर्जुन | ऑटामोबाइल पार्ट्स | सरिस्का टाईगर रिजर्व | कुश्ती |
| 3 | बालोतरा | अनार | रोहिड़ा | टैक्सटाइल उत्पाद | नाकोड़ा जैन मंदिर | क्रिकेट |
| 4 | बांसवाड़ा | आम | सागवान | मार्बल के उत्पाद | त्रिपुरा सुंदरी मंदिर | तीरंदाजी |
| 5 | बारां | लहसुन | चिरौंजी | लहसुन के उत्पाद | रामगढ़ क्रेटर | फुटबॉल |
| 6 | बाड़मेर | ईसबगोल | रोहिड़ा | कशीदाकारी | किराडू मंदिर | बास्केटबॉल |
| 7 | ब्यावर | गेंहू | करंज | क्वार्ट्ज एवं फेल्डस्पार पाउडर | टोडगढ़ पहाड़ी | हॉकी |
| 8 | भरतपुर | शहद | कदम्ब | कृषि आधारित उत्पाद | केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान | कुश्ती |
| 9 | भीलवाड़ा | संतरा | अर्जुन | टेक्सटाईल उत्पाद | माण्डलगढ़ किला | बास्केटबॉल |
| 10 | बीकानेर | मोठ | रोहिड़ा | बीकानेरी नमकीन | करणी माता मंदिर | तीरंदाजी |
| 11 | बून्दी | चावल | धोक | सेन्ड स्टोन | रामगढ़ विषधारी टाईगर रिज़र्व | कबड्डी |
| 12 | चित्तौड़गढ़ | सीताफल | बिल्व पत्र | ग्रेनाईट एवं मार्बल के उत्पाद | चित्तौडगढ़ दुर्ग | कबड्डी |
| 13 | चूरू | ग्वारपाठा | खेजड़ी | लकड़ी के उत्पाद | सालासर बालाजी मंदिर | एथलेटिक्स |
| 14 | दौसा | सौंफ | ढाक | पत्थर के उत्पाद | मेहंदीपुर बालाजी मंदिर | फुटबॉल |
| 15 | डीडवाना—कुचामन | प्याज | खेजड़ी | मार्बल एवं ग्रेनाईट के उत्पाद | डीडवाना झील | बास्केटबॉल |
| 16 | डीग | सरसों | अर्जुन | स्टोन आधारित उत्पाद | डीग महल | कुश्ती |
| 17 | धौलपुर | आलू | करंज | स्टोन आधारित उत्पाद | मचकुण्ड | हॉकी |
| 18 | डूंगरपुर | आम | सागवान | मार्बल के उत्पाद | बेणेश्वर धाम | हॉकी |
| 19 | हनुमानगढ़ | किन्नू | शीशम | कृषि आधारित उत्पाद | गोगामेड़ी मंदिर | हॉकी |
| 20 | जयपुर | आंवला | लिसोड़ा | रत्नाभूषण | आमेर दुर्ग | कबड्डी |
| 21 | जैसलमेर | खजूर | जाल | येलो स्टोन के उत्पाद | जैसलमेर दुर्ग | जिमनास्टिक |
| 22 | जालौर | अनार | जाल | ग्रेनाईट के उत्पाद | सुँधा माता मंदिर | बॉक्सिंग |
| 23 | झालावाड़ | संतरा | सागवान | कोटा स्टोन के उत्पाद | गागरोन दुर्ग | बास्केटबॉल |
| 24. | झुन्झुनू | सरसों | नीम | लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद | लोहार्गल तीर्थ | बास्केटबॉल |
| 25. | जोधपुर | जीरा | जाल | लकड़ी के फर्नीचर | मेहरानगढ़ दुर्ग | जिमनास्टिक |
| 26. | करौली | तिल | बरगद | सेण्ड स्टोन के उत्पाद | कैलादेवी मंदिर | क्रिकेट |
| 27. | खैरथल - तिजारा | प्याज | शीशम | ऑटोमोबाईल पार्ट्स | तिजारा जैन मंदिर | कुश्ती |
| 28. | कोटा | धनिया | खैर | कोटा डोरिया | चम्बल रिवर फ्रंट | कुश्ती |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 29. | कोटपूतली- बहरोड़ | गाजर | गूगल | ऑटोमोबाईल पार्ट्स | बैराठ | कुश्ती |
| 30. | नागौर | मूंग | खेजडी | पान मैथी एवं मसाला प्रसंस्करण | मीराबाई स्मारक | कबड्डी |
| 31. | पाली | मेंहदी | नीम | टेक्सटाईल के उत्पाद | रणकपुर जैन मंदिर | बास्केटबॉल |
| 32. | फलौदी | जीरा | जाल | सोनामुखी के उत्पाद | खींचन | एथलेटिक्स |
| 33. | प्रतापगढ़ | कलौंजी | तेंदू | थेवा आभूषण | सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण | तीरंदाजी |
| 34. | राजसमन्द | सीताफल | नीम | ग्रेनाईट एवं मार्बल के उत्पाद | कुम्भलगढ़ किला | हॉकी |
| 35. | सलूम्बर | मक्का | पलाश | क्वार्ट्ज | जयसमंद झील | कबड्डी |
| 36. | सवाई माधोपुर | अमरूद | नीम | मार्बल के उत्पाद | रणथम्भौर नेशनल पार्क | फुटबॉल |
| 37. | सीकर | प्याज | अरडू | लकड़ी के फर्नीचर | खाटूश्यामजी मंदिर | बास्केटबॉल |
| 38. | सिरोही | सौंफ | महुआ | मार्बल के उत्पाद | देलवाड़ा जैन मंदिर | तीरंदाजी |
| 39. | श्रीगंगानगर | किन्नू | शीशम | सरसों का तेल | बूढ़ा जोहड़ | एथलेटिक्स |
| 40. | टोंक | सरसों | अमलतास | स्लेट स्टोन के उत्पाद | डिग्गी कल्याण जी | एथलेटिक्स |
| 41. | उदयपुर | सीताफल | महुआ | मार्बल एवं ग्रेनाईट के उत्पाद | फतेहसागर एवं पिछोला झील | तैराकी |

## ग्रामीण विकास विभाग

### प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण (PMAY-G)

- शुरुआत : 1 अप्रैल 2016
- योजना का प्रकार : केंद्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme)
- पूर्व योजना : इंदिरा आवास योजना (IAY) का पुनर्गठित स्वरूप।
- नोडल मंत्रालय : ग्रामीण विकास मंत्रालय
- उद्देश्य : "Housing for All" के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के आवासहीन एवं कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना।
- **प्रमुख उद्देश्य**
  - सभी पात्र ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं सहित पक्का घर उपलब्ध कराना।
  - स्वच्छ एवं सुरक्षित आवास के माध्यम से जीवन स्तर में सुधार।
  - महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।
  - ग्रामीण गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।
  - योजना का विस्तार (2024-29 )
  - प्रारंभिक लक्ष्य : 2.95 करोड़ घर (2023-24 तक)।
  - अगस्त 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा योजना को 2028-29 तक बढ़ाया गया।
  - अतिरिक्त 2 करोड़ नए घरों को मंजूरी।
  - कुल परिव्यय : ₹3,06,137 करोड़।
- **लाभार्थी चयन**
  - चयन का आधार : SECC-2011 (Socio Economic & Caste Census)।
  - ग्राम सभा द्वारा सत्यापन एवं Geo-Tagging अनिवार्य।
  - महिला मुखिया को मालिक/सह-मालिक बनाना योजना की प्रमुख विशेषता।
- **वित्त पोषण पैटर्न**

| क्षेत्र | केंद्र : राज्य अनुपात |
|---|---|
| मैदानी राज्य | 60 : 40 |
| पूर्वोत्तर राज्य, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख | 90 : 10 |
| अन्य केंद्र शासित प्रदेश | 100% केंद्र सहायता |

- **वित्तीय सहायता**

| क्षेत्र | सहायता राशि |
|---|---|
| मैदानी क्षेत्र | ₹1.20 लाख |
| पहाड़ी/दुर्गम एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र | ₹1.30 लाख |

- **अतिरिक्त लाभ**
  - स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण हेतु ₹12,000 अतिरिक्त।
  - महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) के अंतर्गत 90 दिवस का रोजगार।
  - DBT के माध्यम से सीधे बैंक खाते में राशि हस्तांतरण।

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना

- परिचय- राजस्थान सरकार की ग्रामीण विकास एवं गरीबी उन्मूलन आधारित समेकित योजना।
- शुरुआत- राजस्थान बजट 2025-26
- उद्देश्य- ग्रामीण क्षेत्रों में बहुआयामी गरीबी को कम कर आत्मनिर्भर गांव विकसित करना।
- नोडल विभाग- ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
- **उद्देश्य**
  - ग्रामीण गरीब परिवारों की पहचान एवं समग्र उत्थान।
  - रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा।
  - आधारभूत सुविधाओं एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का संतृप्तिकरण।
  - गांवों को "गरीबी मुक्त ग्राम" के रूप में विकसित करना।
- **प्रमुख प्रावधान**
  - चयनित गांवों में परिवार आधारित सर्वेक्षण।
  - पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना।
  - आजीविका, कौशल विकास एवं वित्तीय समावेशन पर विशेष फोकस।
  - महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को प्रोत्साहन।
- **प्रमुख फोकस क्षेत्र**

| क्षेत्र | प्रमुख गतिविधियाँ |
|---|---|
| आजीविका | स्वरोजगार एवं रोजगार |
| कौशल विकास | युवाओं का प्रशिक्षण |
| सामाजिक सुरक्षा | पेंशन एवं DBT योजनाएँ |
| वित्तीय समावेशन | बैंक खाते एवं ऋण सुविधा |
| आधारभूत सुविधाएँ | आवास, पेयजल, स्वच्छता |

- **योजना की रणनीति**
  - "Convergence Model" आधारित क्रियान्वयन।
  - विभिन्न विभागीय योजनाओं का एकीकरण।
  - ग्राम पंचायत आधारित मॉनिटरिंग।
  - डेटा आधारित गरीबी पहचान एवं ट्रैकिंग।
- **राजस्थान बजट 2025-26 : प्रमुख बिंदु-**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में समावेशी विकास पर विशेष जोर।
  - अंत्योदय आधारित विकास मॉडल को बढ़ावा।
  - गरीब परिवारों को सरकारी योजनाओं की Saturation Coverage सुनिश्चित करने का लक्ष्य।
- **योजना का महत्व-**
  - ग्रामीण गरीबी में कमी।
  - सामाजिक एवं आर्थिक असमानता घटाना।
  - ग्रामीण आत्मनिर्भरता एवं रोजगार सृजन।
  - "Antyodaya" दर्शन को बढ़ावा।

## नमो ड्रोन दीदी योजना

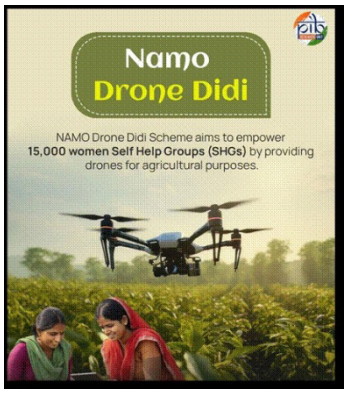


- परिचय- महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को ड्रोन उपलब्ध करवाकर कृषि सेवाओं में भागीदारी बढ़ाने हेतु केंद्र सरकार की पहल।
- शुरुआत: 2023
- नोडल मंत्रालय : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
- **उद्देश्य-**
  - महिला SHGs को ड्रोन तकनीक से जोड़ना।
  - कृषि में Precision Farming एवं Nano Fertilizer Spraying को बढ़ावा।
  - ग्रामीण महिलाओं की आय वृद्धि।
- **प्रमुख तथ्य**
  - 2024-25 से 2025-26 तक लगभग 15,000 महिला SHGs को ड्रोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य।
  - ड्रोन खरीद हेतु लगभग 80% तक सहायता (अधिकतम ₹8 लाख)।
  - प्रशिक्षण एवं Drone Pilot Certification की व्यवस्था।
- **महत्व**
  - कृषि का आधुनिकीकरण।
  - महिला तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा।

## सोलर दीदी पहल

- परिचय- ग्रामीण महिलाओं को Solar Energy आधारित आजीविका एवं ऊर्जा सशक्तिकरण से जोड़ने की पहल।
- **संबंधित योजनाएँ-**
  - PM Surya Ghar
  - Deendayal Antyodaya Yojana – NRLM
- **उद्देश्य-**
  - महिलाओं को सोलर उपकरण संचालन एवं रखरखाव में प्रशिक्षित करना।
  - हरित ऊर्जा एवं ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा।

- **प्रमुख कार्य-**
  - Solar Lantern, Solar Pump एवं Rooftop Solar से संबंधित प्रशिक्षण।
  - SHGs को Green Energy Entrepreneurship से जोड़ना।

## लखपति दीदी योजना

- परिचय- स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की वार्षिक आय ₹1 लाख से अधिक करने का अभियान।
- घोषणा: स्वतंत्रता दिवस 2023
- नोडल मंत्रालय- ग्रामीण विकास मंत्रालय
- **लक्ष्य-**
  - प्रारम्भिक लक्ष्य : 2 करोड़ महिलाएँ
  - बाद में लक्ष्य बढ़ाकर : 3 करोड़ "लखपति दीदी"
- **रणनीति**
  - Skill Development
  - Micro-enterprise Promotion
  - Financial Literacy
  - SHG Credit Linkage
- **राजस्थान संदर्भ**
  - राजस्थान में NRLM के अंतर्गत महिला SHGs को स्वरोजगार, डेयरी, हस्तशिल्प एवं ग्रामीण उद्यमिता से जोड़ा जा रहा है।

## बैंक सखी

- परिचय- ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु SHG महिलाओं को "Banking Correspondent Sakhi" के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है।
- **उद्देश्य-**
  - Doorstep Banking सेवाएँ उपलब्ध कराना।
  - वित्तीय समावेशन बढ़ाना।
- **सेवाएँ-**
  - नकद निकासी/जमा
  - DBT भुगतान
  - आधार आधारित बैंकिंग
  - जनधन खातों का संचालन
- **महत्व-**
  - ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय भागीदारी में वृद्धि।

## कृषि सखी

- **परिचय-**
  - SHG महिलाओं को कृषि विस्तार सेवाओं से जोड़ने की पहल।
  - कृषि मंत्रालय एवं DAY-NRLM के सहयोग से संचालित।
- **उद्देश्य**
  - प्राकृतिक खेती एवं उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार।
  - महिला किसानों तक वैज्ञानिक कृषि जानकारी पहुँचाना।
- **प्रमुख कार्य**
  - जैविक खेती प्रशिक्षण
  - उर्वरक एवं कीटनाशक उपयोग सलाह
  - FPO एवं कृषि योजनाओं की जानकारी

## पशु सखी-

- परिचय- ग्रामीण महिलाओं को पशुपालन आधारित आजीविका एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की पहल।
- **उद्देश्य-**
  - पशुपालन क्षेत्र में महिला भागीदारी बढ़ाना।
  - डेयरी एवं Livestock आधारित आय वृद्धि।
- **प्रमुख कार्य-**
  - पशु टीकाकरण जागरूकता
  - पशु पोषण सलाह
  - डेयरी प्रबंधन प्रशिक्षण
- **राजस्थान संदर्भ-**
  - राजस्थान में पशुपालन आधारित SHG मॉडल को ग्रामीण आजीविका मिशन से जोड़ा गया है।
- **भारत आर्थिक सर्वेक्षण**
  - महिला SHGs को "Rural Transformation Engine" बताया गया।
  - डिजिटल वित्तीय समावेशन एवं महिला उद्यमिता पर विशेष जोर।
- **राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2025-26**
  - SHG आधारित आजीविका मॉडल, महिला उद्यमिता एवं ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा।
  - NRLM के माध्यम से महिला समूहों की बैंक लिंकिंग एवं कौशल विकास पर फोकस।

■■■■

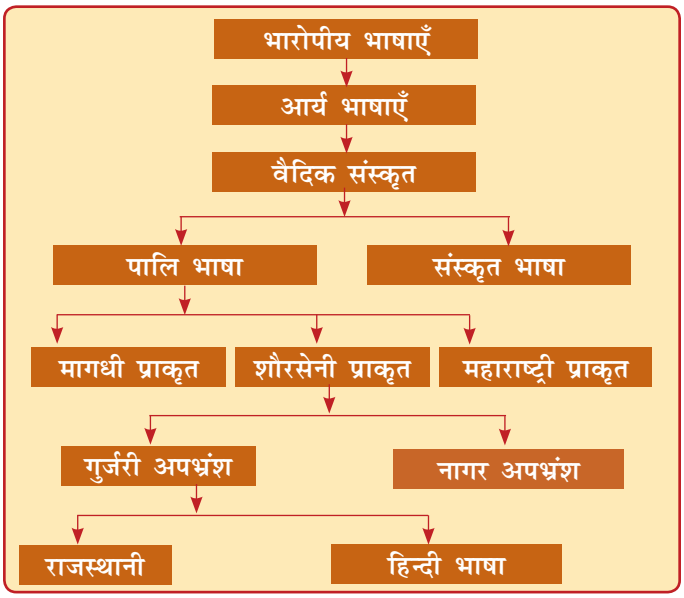


- राजस्थान की मूल भाषा राजस्थानी है तथा इसकी उत्पत्ति शौरसेनी के गुर्जर अपभ्रंश से हुई। कुछ विद्वान इसका उद्भव नागर अपभ्रंश से मानते है।
- कुवलयमाला में वर्णित देशी भाषाओं में **मरुभाषा** तथा पिंगल शिरोमणि व आइने अकबरी में **मारवाड़ी** शब्द का प्रयोग मिलता है।
- हिन्दी के प्रचलन से पूर्व राजस्थानी भाषा ही प्रचलित थी जिसके अन्तर्गत मेवाड़ी, मारवाड़ी, मालवी, बागड़ी आदि बोलियाँ सम्मिलित थी। इन बोलियों पर क्षेत्र विशेष की भाषाओं का भी प्रभाव पड़ा है।
- मध्यकाल से पूर्व साहित्य राजस्थानी संस्कृत में ही रचा जाता था। मगर मध्यकाल के बाद राजस्थानी साहित्य को गति मिली। पौराणिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, धार्मिक व वीर साहित्य लिखा गया। राजस्थानी साहित्य का मौलिक रूप 'रास' में देखा जा सकता है जो नृत्य, गान व अभिनय तीनों का मिश्रण है। जैन कवियों ने इस साहित्य को पोषित किया। खुमाण रासो तथा बीसलदेव रासो उत्तर मध्यकालीन रचनाएँ है। शालिभद्रसूरि द्वारा रचित बाहुबलि (1184 ई.) में भी खण्ड काव्य का बेहतरीन उदाहरण है। धीरे- ध ीरे राजस्थानी साहित्य में अपभ्रंश शब्दों की न्यूनता आई व लौकिक शब्दों का महत्त्व बढ़ता गया। 14 वीं से 16 वीं शताब्दी तक लौकिक शब्द राजस्थानी साहित्य में जुड़ते गए। जहाँ 'कान्हड़दे प्रबंध' वीररस से पूर्ण था तो 'वेलि किशन रूकमणी री पर ब्रजभाषा का प्रभाव था। काल विभाजन के आधार पर इसे प्रारम्भकालीन, मध्यकालीन व आधुनिक साहित्य में विभक्त किया जा सकता है जो शैली के दृष्टिकोण से संत शैली, चारणशैली, जैन शैली व लौकिक शैली में विभक्त किया जा सकता है।
- राजस्थानी भाषा के इतिहास को देखने पर पता चलता है कि उद्योतन सूरि द्वारा लिखित **'कुवलयमाला' ग्रन्थ** (जालौर में रचित वि.सं. 835) में वर्णित 18 देशी भाषाओं में **'मरू भाषा'** को भी शामिल किया गया जो पश्चिमी राजस्थान में बोली जाती थी। इसी प्रकार कवि कुशललाभ ने अपने ग्रंथ **'पिंगल शिरोमणि'** में मारवाड़ी भाषा शब्द प्रयुक्त किया है।
- अबुल फजल ने प्रमुख आर्य भाषाओं में मारवाड़ी भाषा को भी शामिल किया है।
- राजस्थानी नाम का सर्वप्रथम प्रयोग जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने 1912 में अपने ग्रंथ **'लिंगविस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया'** में किया है।
- **डॉ. एल.पी. टैसीटोरी** ने **''इंडियन एन्टीक्वेरी''** पत्रिका में राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डाला है।

डॉ. ग्रियर्सन ने राजस्थान की बोलियों को दो भागों में बांटा है-

- मोतीलाल मेनारिया ने राजस्थानी भाषा निम्न विकास चरणों से गुजरी का वर्णन किया है।
  - i. **गुर्जर अपभ्रंश:** 11 वीं से 13 वीं सदी
  - ii. **प्राचीन राजस्थानी:** 13 वीं से 16 वीं सदी
  - iii. **मध्य राजस्थानी** 16 वीं से 18वीं सदी
  - iv. **अर्वाचीन (आधुनिक) राजस्थानी** 18वीं से वर्तमान तक

## मारवाड़ी

- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थानी बोलियों में प्रथम स्थान रखती है। यह मुख्य रूप से जोधपुर, पाली,बीकानेर, नागौर, सिरोही, जैसलमेर, आदि जिलों में बोली जाती है। **मेवाड़ी, शेखावाटी, नागौरी, खैराड़ी, गोड़वाड़ी आदि बोली इसकी उपबोलियाँ है।** विशुद्ध मारवाड़ी जोधपुर क्षेत्र में बोली जाती है। मारवाड़ी बोली के साहित्यिक रूप को **'डिंगल'** कहा जाता है। मारवाड़ी बोली का साहित्य अत्यन्त समृद्ध है। अधिकांश जैन साहित्य 'मारवाड़ी' बोली में ही लिखा गया है। राजिया के सोरठे, वेलि क्रिसन रूकमणी री, ढोला-मरवण, मूमल आदि लोकप्रिय काव्य इसी बोली में हैं।
- **मारवाड़ी की उपबोलियाँ**- मेवाड़ी, बागड़ी, शेखावाटी, बीकानेरी, ढटकी, थली, खैराड़ी, नागौरी देवड़ावाटी, गौडवाड़ी।
  - i. **मेवाड़ी:** मेवाड़ी बोली उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ व राजसमंद जिलों के अधिकांश भाग में बोली जाती है। मेवाड़ी बोली में साहित्य कम लिखा गया है। फिर भी इस बोली की अपनी साहित्यिक परम्परा है। कुम्भा की 'कीर्तिस्तम्भ प्रशस्ति' में मेवाड़ी बोली का प्रयोग किया गया है। मोतीलाल मेनारिया ने मेवाड़ी को मारवाड़ी की ही उपबोली माना है। मेवाड़ी तथा मारवाड़ी बोली की भाषागत विशेषताओं में साम्य है। मेवाड़ी में 'ए' और 'ओ' की ध्वनि का विशेष प्रयोग होता है। मारवाड़ के बाद यह राजस्थान की दूसरी महत्त्वपूर्ण बोली है।
  - ii. **बागड़ी:** डूँगरपुर व बाँसवाड़ा का सम्मिलित क्षेत्र 'बागड़' कहलाता है और इस क्षेत्र की बोली बागड़ी कहलाती है। इस पर गुजराती प्रभाव अधिक परिलक्षित होता है। **इसमें च व छ का उच्चारण 'स' से किया जाता है** तथा इस बोली में भूतकालिक सहायक क्रिया **'था'** के स्थान पर **'हतो'** का प्रयोग होता है। ग्रियर्सन ने इसे 'भीली बोली' कहा है।
  - iii. **शेखावाटी:** क्षेत्र- सीकर, झुंझुनं तथा चुरू। मारवाड़ी व ढूँढ़ाडी का प्रभाव दृष्टिगोचर।
  - iv. **खेराड़ी:** यह शाहपुरा (भीलवाड़ा) व बूँदी के कुछ भागों में बोली जाती है। यह मेवाड़ी, ढूँढाड़ी व हाड़ौती का मिश्रण है।
  - v. **गोड़वाडी:** यह मारवाड़ी की उपबोली है तथा जालौर की आहोर तहसील से प्रारम्भ होकर पाली तक बोली जाती है। बीसलदेव रासो इस बोली की मुख्य रचना है। उपबोलियाँ- बालवी, सिरोही, खणी, महाहड़ी।
  - vi. **देवड़ावाटी:** मारवाड़ी की उपबोली, सिरोही क्षेत्र में बोली जाती है।

  **नोट**- सोरठा, छंद व माँड राग मारवाड़ी की शिल्पगत विशेषताएँ हैं।

## ढूँढाड़ी

- पूर्वी राजस्थान की प्रमुख बोली यह किशनगढ़, जयपुर, टोंक, अजमेर व मेरवाड़ा की पूर्वी भागों में बोली जाती है। यह बोली गुजराती एवं ब्रजभाषा से प्रभावित है। इस बोली में गद्य और पद्य दोनों में प्रचुर साहित्य रचा गया। दादूपंथ का साहित्य इसी बोली में है। बाइबिल का भी ढूँढाड़ी में अनुवाद मिशनिरियों द्वारा प्रकाशित किया गया। इस बोली में वर्तमान के लिए **'छै'** तथा भूतकाल के लिए **'छी', 'छौ'** का प्रयोग होता है। **प्रमुख उपबोलियाँ**- तोरावाटी, राजावाटी, चौरासी, नागरचोल, किशनगढ़ी, अजमेरी, काठेड़ी, हाड़ौती।
  - i. **तोरावाटी:** झुंझुनूं जिले का दक्षिणी भाग, सीकर जिले का पूर्वी भाग एवं दक्षिणी पूर्वी भाग तथा जयपुर जिले के कुछ उत्तरी भाग को तोरावाटी कहा जाता है। अत: यहाँ की बोली तोरावाटी कहलायी। कांतली नदी का प्रवाह क्षेत्र।
  - ii. **राजावाटी:** जयपुर जिले के पूर्वी भाग में बोली जाती है।
  - iii. **काठेडी:** यह सवाईमाधोपुर में प्रचलित है।
  - iv. **चौरासी:** जयपुर जिले के दक्षिणी-पश्चिमी और टोंक जिले के पश्चिमी भाग में प्रचलित है।
  - v. **नागरचोल:** टोंक व सवाई माधोपुर में।
  - vi. **हाड़ौती:** कोटा, बूँदी, बारां और झालावाड़ का क्षेत्र **'हाड़ौती' कहलाया।** इस पर गुजराती एवं मारवाड़ी का प्रभाव है बूँदी के कवि सूर्यमल्ल मीसण की रचनाऐं हाड़ौती बोली में रची गई हैं।

## मेवाती

- मेवाती बोली अलवर, भरतपुर, धौलपुर तथा करौली के पूर्वी भाग में बोली जाती है। इस पर ब्रजभाषा का प्रभाव दृष्टिगत होता है। उद्भव और विकास की दृष्टि से मेवाती पश्चिमी हिन्दी एवं राजस्थानी के मध्य सेतु का कार्य करती है। मेवाती बोली पर ब्रज भाषा का प्रभाव अधिक दृष्टिगोचर होता है। लालदासजी व चरणदासी सम्प्रदायों का अधिकतर साहित्य मेवाती भाषा में लिखा गया है। चरणदास की शिष्याएँ दयाबाई व सहजोबाई की रचनाएँ इसी बोली में है। स्थान भेद के आधार पर मेवाती बोली के विविध रूप- खड़ी मेवाती, राठी मेवाती, कठेर मेवाती, भयाना मेवाती, बीघोता मेवाती, ब्राह्मण मेवाती आदि।

## अहीरवाटी/राठी

- अलवर के बहरोड़, मुण्डावर किशनगढ़ तथा कोटपूतली में अहीरवाटी भाषा बोली जाती है।
- प्राचीन काल में आभीर जाति इस क्षेत्र में आबाद हो जाने से यह क्षेत्र अहीरवाटी या हीरवाल कहा जाने लगा। ऐतिहासिक

दृष्टि से इस बोली के क्षेत्र को राठ व बोली को राठी भी कहा जाता है।

- जोधराज का हम्मीर रासो महाकाव्य (नीमराना के राजा चन्द्रभान सिंह चौहान का दरबारी कवि), शंकर राव का **'भीम विलास'** काव्य आदि की रचना इसी बोली में की गई।

## मालवी

- यह बोली मालवा, झालावाड़, कोटा व प्रतापगढ़ में बोली जाती है। इस बोली में मारवाड़ी एवं ढूँढाड़ी दोनों की विशेषताएँ पाई जाती है। यह कर्णप्रिय व कोमल भाषा है। (गुजरात व मराठी का प्रभाव सीमित मात्रा में) उपबोली- नीमाड़ी, रांगड़ी।
  - **(i) नीमाड़ी** - इसे मालवी की उपबोली माना जाता है। नीमाड़ी को **'दक्षिणी राजस्थानी'** भी कहा जाता है। इस पर गुजराती व बागड़ी बोली का प्रभाव है।
  - **(ii) राँगड़ी** - मालवी बोली क्षेत्र में मालवी व मारवाड़ी के मिश्रण से बनी राँगड़ी बोली भी प्रचलन में है। यह बोली कुछ कर्कशता लिए हुए है और प्रमुखत: मालवा के राजपूतों में बोली जाती है।

## ब्रज

- भरतपुर, धौलपुर तथा अलवर क्षेत्र में बोली जाती है।

| जिलेवार बोली जाने वाली अन्य बोलियाँ | |
|---|---|
| किशनगढ़ी | अजमेर |
| रांगड़ी | धौलपुर, भरतपुर |
| सोंदवाड़ी | झालावाड़ |
| धावड़ी | उदयपुर |
| ढाटी | बाड़मेर |
| जगरौती | करौली |

- प्रतापगढ़, अजबगढ़, थानागाजी और बलदेवगढ़ में कठेर मेवाती बोली जाती है।
- उद्भव एवं विकास की दृष्टि से मेवाती पश्चिमी हिन्दी एवं राजस्थानी के मध्य सेतु का काम करती है।

## राजस्थानी लिपि

- **राजस्थानी लिपि- 1. देवनागरी, 2. मुड़िया।**

1. **देवनागरी**- राजस्थानी भाषा के अधिकांश अक्षर देवनागरी लिपि से समानता रखते है। अक्षरों की बनावट में पूर्व में जो विभेदता थी वह अब धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। राजस्थानी शब्द 'ळ'; देवनागरी के शब्द 'ल' से समानता रखता है। लेकिन अर्थ में भिन्न है। देवनागरी के शब्द 'श' व 'ष' के लिए राजस्थानी लिपि में 'स' शब्द का उपयोग किया जाता है।
2. **मुड़िया लिपि**- व्यापारी व महाजन वर्ग द्वारा राजस्थानी लिपि को शुद्ध न लिखकर मात्राओं व विराम चिह्नों का कम उपयोग कर लिखा जाता है जिसे मुड़िया लिपि कहते हैं। यह 'बायीं से दायीं' ओर लिखी जाती है।

## राजस्थान साहित्य

- राजस्थानी साहित्य के विभिन्न रूप यहाँ के ज्ञान के प्रमाण है। कठिन से कठिन विषय को प्रवाहपूर्ण शैली में अभिव्यक्त किया गया है जिससे वे जनमानस के भी समझने योग्य है। मुगलकाल राजस्थानी साहित्य का स्वर्ण काल माना जा सकता है। राजस्थान के साहित्य को पल्लवित करने में संत, शासक, चारण, भाट, जैन, वैष्णवों का प्रमुख योगदान रहा परन्तु इस पर जनसमूह की प्रवृत्तियों का प्रभाव रहा है न केवल पुरूष साहित्यकारों ने वरन् नारियाँ भी इस दिशा में प्रयासरत रही। मीरा के भजन हो या पद्मिनी के शौर्य की गाथा, आज भी आदर्श नारियों से सम्बद्ध साहित्य प्रेरणा का स्रोत है।

### चारण साहित्य के निम्न रूप है-

- **जैन साहित्य**- जैन धर्मावलम्बियों तथा जैन धर्म से सम्बन्धित साहित्य। धूर्ताख्यान (हरिभद्र सूरी), कुवलयमाला (उद्योतन सूरी)
- **ब्राह्मण साहित्य**- ब्राह्मण साहित्य के अन्तर्गत ब्राह्मण शैली में धर्मशास्त्र विषयों से सम्बन्धित साहित्य की रचना की गई है। जैसे- हितोपदेश, बैताल पच्चीसी इत्यादि।
- **चारण साहित्य**- विशुद्ध गायक जातियों यथा चारण, भाट, ढाढ़ी इत्यादि द्वारा रचित रचनाओं से है जो अधिकांश पद्य में वीर रसात्मक शैली में लिखे गए हैं। जैसे- रामरासो (माधोदास), पृथ्वीराज रासो, वेलि किसन रूकमणि री इत्यादि।

### चारण साहित्य के निम्न रूप है-

- प्रबंधकाव्य के रूप में
- प्रभावोत्पादक गीतों के रूप में
- दोहों, सोरठों, कुंडलियों, छप्पयों, झूलणों, सवैयों इत्यादि स्फुट छन्दों के रूप में।

- **संत साहित्य**- मुख्यत: पद्य में संतों द्वारा रचित साहित्य। जैसे-मीरा के सत्याभामा जी नू रूसणो व रूक्मणी मंगल।
- **लोक साहित्य**- लोकसाहित्य सामान्यजन द्वारा लोक गाथाओं प्रेमाख्यान कहावतें, पहेलियों, लोकगीतों के रूप में विद्यमान है। जैसे- ढोलामारू रा दूहा प्रसिद्ध लोककाव्य है।

## साहित्यिक रूप

### डिंगल-

1. पश्चिमी राजस्थान का साहित्यिक रूप।
2. विकास- गुर्जरी अपभ्रंश।
3. अधिकांश साहित्य चारण कवियों द्वारा लिखा गया।

**पिंगल-**

1. पूर्वी राजस्थान का साहित्यक रूप।
2. विकास-शौरसेनी अपभ्रंश।
3. अधिकांश साहित्य भाट कवियों द्वारा लिखा गया।

## साहित्यिक विधाएँ

- **ख्यात** - ख्यातों का नामकरण वंश, राज्य या लेखक के नाम से किया जाता है। राजस्थानी साहित्य के इतिहासपरक ग्रन्थ जिनकी रचना तत्कालीन शासकों ने अपनी मान-मर्यादा एवं वंशावली के चित्रण हेतु करवाई। ख्यातों में विशिष्ट वंश के पुरुष एवं पुरुषों के कार्यों व उपलब्धियों का विवरण मिलता है। इन्हें दो भागों (शैली की दृष्टि से) में बाँटा जा सकता है।
  - (i) **संलग्न ख्यात:** ऐसी ख्यातों में क्रमानुसार इतिहास लिखा हुआ होता है: जैसे दयालदास री ख्यात
  - (ii) **बात-संग्रह:** ऐसी ख्यातों में अलग-अलग छोटी या बड़ी बातों द्वारा इतिहास के तथ्य लिखे हुए मिलते है: **जैसे-''नैणसी एवं बाँकीदास की ख्यात''**
- **बारहमासा:** वर्ष के 12 मास की परिस्थितियों का चित्रण करते हुए नायिका का विरह वर्णन (आषाढ़ मास से प्रारंभ)
- **रूपक:** किसी वंश अथवा व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों के स्वरूप को दर्शाने वाला काव्य।
- **वंशावली:** इस श्रेणी की रचनाओं के राजवंशों की वंशावलियाँ विस्तृत विवरण के साथ लिखी गई—अमर काव्य वंशावली, सूर्यवंश वंशावली, सिसोद वंशावली।
- **वात:** वात का अर्थ कथा या कहानी से है। ये ऐतिहासिक घटनाओं, प्रसिद्ध ऐतिहासिक पात्रों और पौराणिक आख्यानों को लेकर लिखी गई— राणा प्रताप री वात, राव मालदेव री वात व अचलदास खीची री वात। वातों में बाल विवाह, बहु विवाह, पर्दा प्रथा, दहेज, सती प्रथा, आदि का चित्रण मिलता है।
- **प्रकास:** किसी वंश अथवा व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों या घटना विशेष पर प्रकाश डालने वाली कृतियों को **'प्रकास'** कहा गया। इनमें किशोरदास का राजप्रकाश, करणीदान का सूरज प्रकाश, रामदान लालस का भीप्रकाश, आशिया मोडजी का पाबू प्रकाश, किशन सिढ़ायच का उदयप्रकाश, बख्तावर का केहर प्रकाश, **आसिया मानसिंह का महायश प्रकास तथा कमजी दधवाड़िया का दीपक कुल प्रकास इत्यादि ग्रंथ है।**
- **वचनिका:** राजस्थानी साहित्य में गद्य-पद्य मिश्रित काव्य को वचनिका की संज्ञा दी गई। वचनिका के दो भेद होते है। पद्यबद्ध में 8-8 अथवा 20-20 मात्राओं के तुकयुक्त पद होते है जबकि गद्यबद्ध में मात्राओं का नियम लागू नहीं होता जैसे- अचलदास खींची री वचनिका।
- **मरस्या:** इससे तात्पर्य 'शोककाव्य' से है। राजा या किसी व्यक्ति विशेष की मृत्यु उपरांत शोक व्यक्त करने के लिए इनकी रचना की जाती है। इसमें उन व्यक्ति के चारित्रिक गुणों के अलावा अन्य क्रिया कलापों का जिक्र भी किया जाता है। ये कृतियाँ समसामयिक होने के कारण उपयोगी है। जैसे-'राणे जगपत रा मरस्या' मेवाड़ के महाराणा जगत सिंह की मृत्यु पर शोक प्रकट करने के लिए लिखा गया।
- **दवावैत (उर्दू-फारसी शब्दावली से युक्त):** गद्य-पद्य में लिखी गई तुकान्त रचनाएँ **'दवावैत'** कहलाती है। गद्य के छोटे-छोटे वाक्य खण्डों के साथ पद्य में किसी घटना या किसी पात्र का जीवनवृत्त **'दवावैत'** में मिलता है। जैसे-राजा जयसिंह री दवावैत, अखमला देवड़ा री दवावैत।
- **रासौ:** मोतीलाल मेनारिया के अनुसार जिस काव्य ग्रंथ में किसी राजा की कीर्ति विजय, युद्ध वीरता का विस्तृत वर्णन हो उसे रासौ कहते है। राजाओं की प्रशंसा में लिखे गये काव्य ग्रन्थ जिनमें उनके युद्ध अभियानों व वीरतापूर्ण कृत्यों के विवरण के साथ-साथ उनके राजवंश का भी विवरण मिलता है। पृथ्वीराज रासों (चन्द्रबरदाई), बीसलदेव रासो (नरपतिनाल्ह), कायम खाँ रासो (कवि जान), खुमाण रासो (दलपत विजय), सगत रासो (गिरधर आसियाँ), शत्रुसाल रासो (डूँगरसी), हम्मीर रासो (जोधराज), प्रताप रासो (जाचिक जीवन), जवान रासो (सीताराम रतनू), बिन्है रासौ (महेशदास), रतन रासौ (कुंभकर्ण)।
- **वेलि:** ऐतिहासिक वेलि ग्रंथ ''वेलियों'' छंद में लिखे मिलते है इन ग्रंथों में सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक मान्यताओं की जानकारी प्राप्त होती है। जैसे-दईदास जैतावत री वेलि, रावरतन री वेलि।
- **विगत:** इसमें किसी विषय का विस्तृत विवरण मिलता है ऐतिहासिक दृष्टि से शासक, शासकीय परिवार, राज्य के प्रमुख व्यक्ति अथवा उनके राजनीतिक सामाजिक व्यक्तित्व का वर्णन मिलता है इससे प्राप्त आर्थिक आंकड़े-तत्कालीन सामाजिक आर्थिक स्थिति को जानने में उपयोगी-जैसे- नैणसी की मारवाड़ रा परगनां री विगत।
- **विलास:** इनमें राजनीतिक घटनाओं के अलावा आमोद-प्रमोद विषयक पहलुओं का भी विवरण मिलता है।-राजविलास। बुद्धि विलास, विजय विलास, भीम विलास इत्यादि।
- **कक्का**- वर्णमाला के बावन वर्ण में से प्रत्येक वर्ण से रचना का प्रारंभ करना कक्का कहलाता है।
- **टब्बा**- मूल रचना के भावार्थ हेतु पत्र के किनारों पर टिप्पणियाँ लिखना, टब्बा कहलाता है।
- **बालावबोध**- मूल रचना का विस्तृत स्पष्टीकरण बालावबोध कहलाता है।

- **झमाल व झूलणा**- राजस्थानी काव्य के मात्रिक छंद है। इसमें 24 अक्षर के वर्णिक छंद के अंत में सगण होता है। जैसे- अमरसिंह राठौड़ रा झूलणा, राव इन्द्रसिंह री झमाल।
- **साखी**- आँखों देखी बात का वर्णन, साखी कहलाता है। जैसे- कबीर की साखियाँ।
- **सिलोका**- साधारण पढ़े-लिखे लोगों द्वारा लिखे होते हैं। जैसे राव अमरसिंह रा सिलोका।
- **आड़ी/हियाली शब्द** - राजस्थानी लोकसाहित्य में पहेलियों के लिए प्रयुक्त शब्द।

| प्रमुख साहित्यिक रचनाएँ | | |
|---|---|---|
| प्रारंभिक काल या वीर गाथाकाल | मध्यकालीन साहित्य | आधुनिक साहित्य |

**नोट:**

1. **पद्य साहित्य**- पद्य साहित्य में दूहा, सोरठा, गीत, कुण्डलियाँ, छंद छप्पय आदि आते हैं।
2. **गद्य साहित्य**- गद्य साहित्य के अन्तर्गत वात, वचनिका, ख्यात, दवाबैत, वशावंली, पट्टावली, पीढ़ियावली, दफ्तर, विगत एवं हकीकत आदि आते हैं।

## प्रारंभिक काल या वीरगाथाकाल की साहित्यिक रचनाएँ

1. **कुवलयमाला**-
   - जैन मुनि उद्योतन सूरि।
   - मरु भाषा का उल्लेख।
2. **नेमिनाथ बारहमासा**-
   - पाल्हण।
   - मारुगुर्जर भाषा का पहला बारहमासा।
3. **पृथ्वीराज रासौ**-
   - कवि चन्दबरदाई।
   - पृथ्वीराज चौहान तृतीय की जानकारी।
4. **बीसलदेव रासौ**-
   - नरपतिनाल्ह।
   - अजमेर शासक विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव) एवं उनकी रानी राजमति की प्रेमगाथा की जानकारी।
5. **रणमल छंद**-
   - श्रीधर व्यास।
   - 70 छंद (वीर काव्य)।
   - पाटन के सूबेदार मुज्जफरशाह एवं ईड़र के राठौड़ राजा रणमल के युद्ध का वर्णन।
6. **अचलदास खींची री वचनिका**-
   - शिवदास गाडण।
   - डिंगल ग्रन्थ जो एक चंपू काव्य है।
   - माँडू के सुल्तान हौशगंशाह एवं गागरोन के शासक अचलदास खींची के मध्य हुए युद्ध (सन् 1423) का वर्णन है।
7. **पृथ्वीराज विजय**-
   - जयानक
   - संस्कृत भाषा में।
   - पृथ्वीराज-तृतीय की जानकारी।
8. **विजयपाल रासौ**-
   - नल्लसिंह।
   - पिंगल भाषा (वीर रसात्मक काव्य)
   - करौली के राजा विजयपाल की जानकारी।
9. **हम्मीर महाकाव्य**-
   - नचनचन्द्र सूरि।
   - रणथम्भौर के शासकों की जानकारी।
   - संस्कृत भाषा में लिखा गया।
10. **ढोलामारू रा दूहा** -
    - कवि कल्लोल।
    - डिंगल भाषा (शृंगार रस)
    - ढोला एवं मारवणी का प्रेमाख्यान।
11. **वीरमायण**-
    - बादर ढाढी।
    - खेड़ के रावल मल्लीनाथ व गोगादे की जानकारी।
    - पूर्व से इसे बादर ढाढी की नीसांणिया भी कहते थे।
12. **ब्रह्मस्फुट सिद्धांत**-
    - ब्रह्मगुप्त द्वारा (भीनमाल, जालौर)
    - खगोलशास्त्र की जानकारी।
13. **शिशुपालवध**-
    - महाकवि माघ द्वारा रचित।
14. **खण्डखाद्यकम्**-
    - ब्रह्मगुप्त द्वारा रचित।
    - इसमें समतल व गोलीय त्रिकोणमिति की जानकारी मिलती है।
15. **शारंगधर संहिता**-
    - शारंगधर द्वारा रचित।
    - इसमें संगीत के लुप्त ग्रंथ 'गान्धर्वशास्त्र' का संक्षिप्त पाठ सुरक्षित है।
16. **कृषि पाराशर ग्रन्थ**-
    - महर्षि पाराशर द्वारा।
    - इस ग्रंथ में गौ-धन पूजा का प्राचीन सन्दर्भ, दीपावली के बाद पड़वा को करने का वर्णन।
    - वर्षा सम्बन्धी भविष्यवाणी, कृषि पंचांग की जानकारी, पशु-पक्षीयों के व्यवहार, हवा की दिशा, मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी।
17. **समराइच्चकथा**-
    - हरिभद्र सूरि द्वारा रचित।
    - राजस्थान के जनजीवन के बारे में उल्लेख मिलता है।

**18. ललित विग्रहराज-**
- सोमदेव द्वारा रचित।

**19. देशीनाम माला-**
- हेमचद्रसूरि द्वारा रचित ग्रन्थ

**20. स्थूलि भद्र रास, रेवंतगिरिरास**
- जम्बू स्वामी द्वारा रचित

## मध्यकाल की साहित्यिक रचनाएँ (15वीं शताब्दी से 19वीं शताब्दी पूर्व)

**1. विश्ववल्लभ-**
- चक्रपाणि मिश्र (महाराणा प्रताप के दरबारी कवि)।
- इस ग्रंथ में विष्णु धर्मेतर पुराण से लेकर वराहमिहिर की वृहत्संहिता में एकत्रित सामग्री का वर्णन है।
- इसमें रोगोपचार विधियों में पेड़ की सिंचाई, पौधस्बान धूपन, छिड़काव-बुरकाव और मंत्र-पाठ मुख्य हैं।

**नोट: अन्य ग्रंथ-**
- **विश्ववल्लभ वृक्षायुर्वेद**- चक्रपाणि मिश्र के इस ग्रन्थ में जलाशय वर्णन के संदर्भ में राजवल्लभ के श्लोकों को विस्तार दिया गया है।
- राज्याभिषेक पद्धति, मूहूर्तमाला व व्यवहारादर्श चक्रपाणि मिश्र के अन्य ग्रंथ थे।

**2. सूत्रधार मण्डन-**
- कुंभा कालीन मूर्तिकला, स्थापत्यकला का ज्ञाता।
- गुजरात के सोमपुरा शिल्पज्ञ कुल से संबंधित।
- **ग्रंथ**- देवतामूर्ति प्रकरण, प्रासादमण्डन वास्तुराजवल्लभ वास्तुशास्त्रम्, वास्तुमण्डनम्, वास्तुसार, वास्तुमंजरी।

**3. मुहणोत नैणसी ख्यात-**
- मुहणोत नैणसी (राजपूताने का अबुल फजल)।
- जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के आश्रित कवि।
- अन्य ग्रंथ- 'मारवाड़ रा परगना री विगत'- इसे राजपूताने का गजेटियर भी कहते हैं।
- मुहणौत नैणसी, डिंगल भाषा के कवि थे।

**4. गजगुण रूपक-**
- केशवदास गाडण (गजसिंह प्रथम के आश्रित कवि)
- 1000 छंदों का ग्रंथ।
- जोधपुर महाराजा गजसिंह प्रथम के शासनकाल की जानकारी।

**5. कान्हड़दे प्रबंध**
- पद्मनाभ (जालौर के चौहान शासक अखैराज के आश्रित कवि)।
- कान्हड़दे चौहान व अलाउद्दीन खिलजी के मध्य हुए युद्ध का वर्णन।

**6. राव जैतसी रो छंद-**
- बीठू सूजा द्वारा रचित।
- बाबर के पुत्र कामरान व बीकानेर के शासक राव जैतसी के बीच हुए युद्ध का वर्णन।

**7. हाला झाला री कुंडलियाँ-**
- बारहठ ईसरदास द्वारा रचित।
- झाला रायसिंह व हाला जसाजी के मध्य हुए युद्ध का वर्णन है।

**8. सगतरासौ-**
- गिरधर आशिया रचनाकार
- हल्दीघाटी के युद्ध एवं शक्ति सिंह के वंशजों का वर्णन।

**9. एकलिंग महात्म्य-**
- कान्ह व्यास द्वारा रचित।
- गुहिल शासकों की राजनीतिक व सामाजिक संगठन की जानकारी।

**10. पद्मावत-**
- मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा रचित। (1540 ई. में)
- 1303 ई. में लड़े गए रतनसिंह व अलाउद्दीन खिलजी के मध्य युद्ध का वर्णन।

**11. राजिये रा सोरठा-**
- सीकर के राव राजा लक्ष्मण सिंह के आश्रित कवि कृपाराम खिड़िया ने नौकर राजिया को संबोधित नीतिगत सोरठों का वर्णन 'राजिये रा सोरठा' में किया है।

**12. वेलि क्रिसन रुक्मणि री-**
- बीकानेर के पृथ्वीराज राठौड़ (पीथल) द्वारा रचित।
- 305 पद्यों का खण्ड काव्य जिसमें श्रीकृष्ण व रुक्मणी के विवाह की कथा का वर्णन है।
- दुरसा आढ़ा ने इसे 5वाँ वेद व 19वाँ पुराण कहा है।
- टेस्सीटोरी ने पृथ्वीराज को डिंगल का होमर कहा है।

**13. खुमाण रासौ-**
- दलपत विजय द्वारा रचित ग्रंथ हल्दीघाटी युद्ध के समय प्रताप शक्तिसिंह का मिलन तथा अमरसिंह द्वारा की गई मुगल-मेवाड़ संधि का वर्णन मिलता है।

**14. बीकानेर रा राठौड़ा री ख्यात-**
- दयालदास सिंढायच द्वारा लिखित इस ग्रन्थ में जोधपुर व बीकानेर के राठौड़ों की जानकारी मिलती है।
- **अन्य ग्रंथ**- ''आर्याख्यान कल्पद्रम'' व ''गामां री पट्टा री विगत''।

**15. सूरज प्रकाश-**
- करणीदान कविया द्वारा रचित डिगल ग्रन्थ में राठौड़ो की 13 शाखाओं का वर्णन मिलता है। इसमें राठौड़ों की वंशावली कुश से शुरू होती है, सुमेल (1544) व धरमत (1658) युद्ध का उल्लेख मिलता है।

**16. बांकीदास री ख्यात-**
- बांकीदास द्वारा रचित ग्रन्थ में जोधपुर महाराजा मानसिंह के सम्बंध में जानकारी प्राप्त होती है।

**17. नेहतरंग-**
- बूँदी नरेश बुधसिंह की रचना।
- ब्रजभाषा में लिखा गया है।

**18. गुण जोधायण-**
- गाडण पसाइत द्वारा रचित ग्रन्थ जिसमें राव जोधा की प्रशंसा की गई है। **अन्य ग्रन्थ**- राव रिणमल रो रूपक।

**19. राठौड़ रतनसिंह की वेलि-**
- दूदा विसराल द्वारा रचित ग्रन्थ जिसमें मुगलों व जैतारण शासक रतनसिंह के मध्य हुए युद्ध का वर्णन है।

**20. हम्मीर रासौ-**
- कवि जोधराज द्वारा रचित इस ग्रन्थ से रणथम्भौर शासक हम्मीर देव चौहान की वंशावली की जानकारी प्राप्त होती है।

**21. यशवंत यशोभूषण-**
- कविराज मुरारिदान द्वारा रचित संस्कृत भाषा का ग्रन्थ।
- अन्य ग्रन्थ- वंश समुच्चय व डिंगल कोश।

**22. रामरासौ-**
- माधोदास दधवाड़िया द्वारा रचित पौने ग्यारह सौ छन्दों का ग्रन्थ जिसमें रामकथा का वर्णन है।

**23. राजरूपक-**
- विरभान रत्नू द्वारा रचित जिसमें जोधपुर के शासक अभयसिंह की जानकारी मिलती है।
- अन्य ग्रन्थ-एकाक्षरी नाममाला व भगवत प्रकाश।

**24. अजीतोदय-**
- जगजीवन भट्ट द्वारा रचित।
- भाषा- संस्कृत।
- मारवाड़ की ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी मिलती है।

**25. अमरसार-**
- पं. जीवधर द्वारा रचित।
- अमरसिंह व महाराणा प्रताप की जानकारी मिलती है।

**26. अमीरनामा-**
- मुंशी भुसावन लाल द्वारा रचित।
- टोंक के नवाब अमीर खाँ पिण्डारी की जानकारी मिलती है।

**27. क्यामखाँ रासो-**
- कविजान (नियामत खाँ)
- चौहानों को वत्सगौत्रीय बताया गया है।

**नोट-बिजौलिया शिलालेख में भी वत्सगौत्रीय ब्राह्मण दर्शाया है।**

**28. छत्रपति रासो-**
- कवि काशी छंगाणी द्वारा रचित।
- बीकानेर का इतिहास।
- 'मतीरे की राड़' का उल्लेख है।

**29. प्रतापरासो-**
- जाचक जीवण द्वारा रचित।
- अलवर के शासक रावराजा प्रतापसिंह की जानकारी मिलती है।

**30. प्रबंध चिन्तामणि-**
- आचार्य मेरुतुंग।
- पृथ्वीराज चौहान के शासक प्रणाली की जानकारी मिलती है।

**31. बुद्धिविलास-**
- शाह बखतराम द्वारा रचित।
- जयपुर नगर निर्माण की जानकारी मिलती है।

**32. मानचरित्र रासो-**
- कवि नरोत्तम द्वारा रचित।
- महाराजा मानसिंह प्रथम की जानकारी मिलती है।

**33. मुण्डियार री ख्यात-**
- मुण्डियार गाँव के चारणों द्वारा रचित।
- मारवाड़-मुगल सम्बन्धों की जानकारी मिलती है।

**34. राज प्रकाश-**
- किशोरदास रचित।
- मेवाड़ राजवंश की जानकारी मिलती है।

**35. राज रत्नाकर-**
- सदाशिव द्वारा रचित।
- महाराणा राजसिंह की जानकारी मिलती है।

**36. राजवल्लभ-**
- शिल्पी मण्डन।
- बीकानेर शासक राव कल्याणमल की जानकारी मिलती है।

**37. राजविनोद-**
- सदाशिव भट्ट
- बीकानेर शासक राव कल्याणमल की जानकारी मिलती है।

**38. वीर विनोद-**
- श्यामदास दधिवाड़िया। (श्यामलदास)
- मेवाड़ राजवंश की जानकारी मिलती है।

**39. हम्मीरायण-**
- भाण्डनु व्यास (भांडउ व्यास)।
- हम्मीर की जानकारी (रणथम्भौर)।

**40. हम्मीर हठ-**
- चन्द्रशेखर द्वारा लिखा गया।
- रणथम्भौर के शासक हम्मीर की जानकारी मिलती है।

**41. हम्मीर मदमर्दन-**
- जयसिंह सूरी द्वारा रचित।

**42. दुरसा आढ़ा के ग्रंथ-**
- विरुद्ध छतहरी, किरतार बावनी, झूलणा राव अमरसिंह गजसिंह घोत री ।

## आधुनिक साहित्यकार

**1. शंकरदान सामौर-**
- जन्म- बोबासर (चुरु) में।
- अंग्रेजी शासन की नीतियों व कार्यप्रणालियों की आलोचना की।
- प्रमुख रचनाएँ- सगती सुजस, भागीरथी महिमा वखतरो बायरो देस दर्पण, साकेत सर्तक इत्यादि।

**2. जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन-**
- **अंग्रेज भारतीय भाषाविद्**
- **प्रमुख रचनाएँ-**

1. लिंग्विस्टिक सर्वेक्षण ऑफ इंडिया (Linguistic survey of India) 1912 में।
2. मॉडर्न वर्नाकुलर लिटरेचर ऑफ नॉर्दन इंडिया (Modern Vernacular Literature of Northern India)

**3. इकराम राजस्थानी- सीकर घराने से संबंधित**
- प्रमुख रचनाएँ- अक्षरों के इर्द-गिर्द, सुकून, दर्द के रंग, इस सदी का आखिरी पन्ना, एक रहा है एक रहेगा अपना हिन्दुस्तान, अमर है जिनसे राजस्थान, खुले पंख।
- इन्होंने पवित्र कुरान शरीफ का हिन्दी व राजस्थानी भाषा में अनुवाद किया जो प्रकाश पथ के नाम से जाना जाता है।

**4. कन्हैयालाल सहल-**
- नवलगढ़ (झुंझुनूँ) के निवासी।
- रचनाएँ- 'चौबोली' हरजस बावनी, राजस्थान के ऐतिहासिक प्रवाद, राजस्थानी कहावतें।

**5. श्रीलाल नथमल जोशी-**
- बीकानेर निवासी।
- रचनाएँ- 'आभै पटकी', 'धोरां रो धोरी', 'एक बीनणी दो बीन', 'सरणागर' परण्योड़ी कंवारी, मोलायाड़ी लाड़ी, भाडेती इत्यादि।

**6. लक्ष्मी कुमारी चूडाँवत-**
- उदयपुर के देवगढ़ ठिकाने में जन्म राजस्थानी साहित्यकार पूर्व सांसद 1972-78 राज्यसभा सदस्य एवं विधायक लक्ष्मीकुमारी चूडाँवत को 1984 में पद्मश्री व 2012 में राजस्थान रत्न से सम्मानित किया गया है। 1978 में संयुक्त राष्ट्र संघ के न्यूयॉर्क निशस्त्रीकरण सम्मेलन में इन्होंने भाग लिया।
- **प्रमुख रचनाएँ** 1. देवनारायण बगड़ावत की महागाथा। 2. फ्रॉम पर्दा टू द पीपल। 3. कै रे चकवा वात। 4. मँझली रात 5. शांति के लिए संघर्ष 6. लेनिन री जीवनी 7. मूमल 8. हिंदूकुश के उस पार।

**7. चन्द्रप्रकाश देवल-**
- **रचनाएँ**-पागी, कावड़, मारग, तोपनामा, बोलो माधवी।

**8. शिवचन्द्र भरतिया-**
- इन्हें आधुनिक राजस्थान का 'भारतेंदु हरिशचन्द्र' कहा जाता है।
- रचनाएँ-केसर विलास (नाटक) व कनक सुन्दर।

**9. मेघराज मुकुल :**
- जन्म राजगढ़ (चुरु) में, 'कोडमरे', 'आण री बात', 'दुरगावती', 'चँवरी' आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ है। 'सैनाणी री जागी जोत' और 'किरत्या' मुकुल की प्रकाशित रचनाओं के संग्रह हैं। 'उमंग' इनकी प्रथम पुस्तक थी। सैनाणी इनकी प्रसिद्ध काव्य रचना है। जिसमें इन्होंने मेवाड़ के चूँडावत सरदार द्वारा निशानी माँगने पर उसकी नववधू हाड़ी रानी ने अपना सिर काटकर ही दे दिया था, का वर्णन किया है।

**10. मणि मधुकर**
- राजगढ़ (चुरु) में जन्में (1942) प्रमुख रचनाऐं-'कालो घोड़ो', 'नरक वाडो', 'सोजती गेट', 'अम्बादास रो चितराम', 'पगफैरों', इनकी चर्चित कविताएँ हैं। 'सुधि सपनों के तीर', 'रसगंधर्व', 'खेलापालेमपुर' आदि इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं।

**11. सत्यप्रकाश जोशी**
- 'राधा' और 'बोल भारमली' जोशी की दो विशिष्ट काव्य कृतियाँ हैं। 'दीवा काँपै क्यू', 'लस्कर नाथामै','ढोला मारू' और 'ऊजळी' जोशी की अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ है।

**12. विजयदान देथा**
- जन्म-बोरूंदा (जोधपुर) बिज्जी राम से लोकप्रिय इनकी रचना बाताँ री फुलवारी 14 खण्ड़ों में प्रकाशित। 10वें खण्ड को केन्द्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला था। इन्होंने राजस्थानी शोध पत्रिका 'परम्परा', 'लोकगीत', 'गोरा हट जा', राजस्थान के प्रचलित प्रेमाख्यान का विवेचन,'जैठवै रा सोहठा' और कोमल कोठारी के साथ संयुक्त रूप से 'वाणी' और 'लोक संस्कृति' का सम्पादन किया। इन्हें 2002 में बिहारी पुरस्कार, 2007

में 'पद्मश्री' से भी सम्मानित किया जा चुका है। 'माँ रो बदलो', 'तीडौराव', देथा के दो प्रमुख लोक उपन्यास हैं, जिनमें लोक कथाओं को आधार बनाकर समाज व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य किया गया है। 'माँ रो बदलो' उपन्यास सामन्ती व्यवस्था की विकृतियों पर कड़ा प्रहार है। 'रूँख', 'उलझन', 'सपनप्रिया','केंचुली', 'द डिलेमा', अलेखूँ, हिटलर इनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ है। उनकी कृतियाँ **दुविधा, परिणति** एवं **चरणदास चोर** पर फिल्म बन चुकी हैं। इन्हें 2012 में 'प्रथम राजस्थान रत्न' से नवाजा गया है। बिज्जी कोमल कोठारी के साथ 'रूपायन संस्थान' के सह संस्थापक भी थे।

### 13. यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

- बीकानेर के राजस्थानी साहित्यकार इनकी प्रमुख रचनाऐं-'हजार घोड़ों पर सवार', 'मिट्टी का कलंक', 'खम्मा अन्नदाता', 'चांदा सेठाण', 'लाज राखो राणी सती','तास रो घर', 'हूँ गोरी किण पीवरी', 'जमारो' आदि है। इन्हें मीरा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

### 14. चन्द्रसिंह 'बिरकाली'

- जन्म बिरकाली (हनुमानगढ़) में इनकी महत्त्वपूर्ण रचना 'बादळी' आधुनिक राजस्थानी की प्रथम काव्यकृति है। अन्य कृति 'लू' साँझ,सीप, वाळसाद, दिलीप, चित्रांगदा, काळजे री कोर, कह-मुकरणी तथा जफरनामों।

### 15. कन्हैयालाल सेठिया

- इनका जन्म सुजागढ़ (चुरु) में 'पातल और पीथल' इनकी महत्त्वपूर्ण रचना है। जिसमें इन्होंने महाराणा प्रताप की स्थिति का मार्मिक चित्रण किया है। 'मींझर', 'लीलटांस', 'हेमाणी', 'मायड़ रो हैलो', 'लीक लिकोड़ो', 'कालो रोड रो आदि इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ है। 'वनफूल' प्रथम काव्य संग्रह था। इनकी हिंदी भाषा की 'निर्ग्रंथ' रचना को **मूर्तिदेवी साहित्य पुरस्कार** मिला है। 2008 में इनके निधन के उपरांत इन्हें 'राजस्थान रत्न' से सम्मानित किया गया। भारत सरकार द्वारा इन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया। 'लीलटांस' के लिए राजस्थानी में साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा 'सबद' राजस्थानी काव्य संग्रह के लिए इन्हें राजस्थानी भाषा साहित्य व संस्कृति अकादमी, बीकानेर द्वारा सर्वोच्च **सूर्यमल्ल मीसण शिखर** पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 'धरती धोरां री.....' अरे घास री रोटी, जद बन बिलावड़ों ले भाग्यो.....' आदि इनकी लोकप्रिय और अमर रचनाएँ है। के.एल. सेठिया फाउंडेशन ने श्री सेठिया की स्मृति में कविता के लिए **कन्हैयालाल सेठिया** पुरस्कार प्रारंभ किया है। जिसके तहत् 1 लाख रूपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

### 16. कर्नल जेम्स टॉड:

- जन्म इंस्लिगटन (इग्लैण्ड) में मार्च 1782 में हुआ।
- 1817 से 1822 तक पॉलिटिकल एजेंट के रूप में कार्य किया, 1822 में स्वास्थ्य कारणों से त्यागपत्र दिया, 1835 में इनकी मृत्यु हो गई।
- कर्नल टॉर्ड ने 1829 ई. में ग्रन्थ Annals and antiquities of Rajasthan (Central and Western Rajpoot States of India) का प्रथम खण्ड लिखा तथा इसका दूसरा खण्ड 1832 ई. में प्रकाशित हुआ। इनका दूसरा ग्रन्थ **'पश्चिमी भारत की यात्रा'** इनकी मृत्यु के बाद 1839 ई. में प्रकाशित हुआ। एनल्स के प्रथम खण्ड में टॉड ने राजपूताने की भौगोलिक स्थिति, राजपूतों की वंशावली, तत्कालीन सामन्त व्यवस्था तथा मेवाड़ का इतिहास व दूसरे खण्ड में मारवाड़, बीकानेर, जैसलमेर, आमेर और हाड़ौती के राज्यों का वर्णन मिलता है।
- टॉड ने अपनी पुस्तक **'एनल्स'** में उल्लेख किया है कि—''राजस्थान में कोई छोटा सा राज्य भी ऐसा नहीं है जिसमें थर्मोपल्ली जैसी रणभूमि न हो और शायद ही कोई ऐसा नगर मिले जहाँ लियोनाईडिस जैसा वीर पुरूष पैदा न हुआ हो।'
  **जैन यति ज्ञानचन्द को इन्होंने अपना गुरु बनाया तथा अपनी कृति इन्हें ही भेंट की।**

### 17. डॉ. एल.पी. टेस्सीटोरी

- जन्म उदीने नगर (इटली) 13 दिसम्बर 1887 में बीकानेर इनकी कार्यस्थली रही। उन्होंने रामचरित मानस विषय पर डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।
- भाषा शास्त्री जार्ज ग्रियर्सन ने उसकी विद्धता से प्रभावित होकर कलकत्ता की एशियाटिक सोसाइटी के अन्तर्गत राजपूताना के ऐतिहासिक सर्वेक्षण के कार्य के लिए भारत बुलाया। **8 अप्रैल, 1914** को टेस्सीटोरी सर्वप्रथम भारत आए। **बीकानेर के महाराजा गंगासिंह ने उन्हें चारण साहित्य के सर्वेक्षण एवं संग्रह का कार्य सौंपा था** जिसकी उन्होंने विवरणात्मक सूची तैयार की तथा **'राजस्थान चारण'** साहित्य का ऐतिहासिक सर्वे तथा पश्चिमी राजस्थानी का व्याकरण 'नामक पुस्तक लिखी' वेलि क्रिसन रूकमण ी री और राव जैतसी रो छंद नामक डिंगल ग्रन्थों को संपादित करने का श्रेय उन्हीं को जाता है। उन्होंने इंद्रिय पराजय और नासिकेत की कथा का इटेलियन भाषा में अनुवाद किया।
- साहित्य के अतिरिक्त डॉ. टेस्सीटोरी ने पुरातत्त्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। इन्होंने बड़ोपल, रंगमहल, रतनगढ़ तथा सूरतगढ़ आदि स्थानों की खुदाई करवाई। इनकी मृत्यु 22 नवम्बर, 1919 ई. में बीकानेर में ही हुई।

### 18. सूर्यमल्ल मीसण

- जन्म-हरणा गांव (बूँदी), 1815 ई. में जन्में आधुनिक राजस्थानी काव्य के नवजागरण के पुरोधा। इनके पिता चण्डीदान बूँदी नरेश महाराव रामसिंह के दरबारी कवि थे। अपने पिता के पश्चात् सूर्यमल्ल ने रामसिंह के दरबारी कवि के रूप में प्रसिद्धि पाई। इन्होंने **'वंशभास्कर'**, 'वीर सतसई', **'बलवन्त** विलास', **'छंद मयूख'**, 'सती रासों' 'रामरंजाट', 'धातु रूपावली' आदि नामक ग्रन्थों की रचना की। महाराव की आज्ञानुसार 1840 ई. में इन्होंने **'वंश भास्कर'** को लिखना प्रारम्भ किया लेकिन महाराव से अनबन हो जाने पर उसे 1856 ई. में लिखना बन्द कर दिया। इसके बाद इनके दत्तक पुत्र मुरारीदान ने इसे पूर्ण किया।

### 19. गौरी शंकर हीराचंद ओझा:-

- जन्म रोहिड़ा गांव (सिरोही) में हुआ। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री ओझा को राजस्थान के रेजीडेन्ट अर्सकीन ने 1908 ई. में अजमेर बुलाकर उन्हें राजस्थान म्यूजियम का क्यूरेटर बना दिया, जिस पर इन्होंने 30 वर्ष तक कार्य किया।
- इनके द्वारा लिखा भारतीय प्राचीन लिपिमाला श्रेष्ठतम ग्रंथ माना जाता है। इन्होंने राजपूताने का इतिहास के अलावा मुहणोत नैणसी री ख्यात' का संपादन किया। इसके अलावा इन्होंने कर्नल टॉड की पुस्तक एनल्स एण्ड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान का हिंदी में अनुवाद किया। इन्हें राजस्थान का ग्रिबन कहा जाता है।

### 20. मुंशी देवी प्रसाद

- जन्म 1847 ई. में जयपुर राज्य में हुआ तथा इनको अरबी तथा हिन्दी भाषाओं का ज्ञान प्राप्त था इन्होंने कई फारसी ग्रन्थों का हिन्दी अनुवाद किया जिनमें **''बाबरनामा''**, **''हुमायूँनामा''**, **''जहाँगीर नामा''**,**''आलमगीरनामा''**, आदि प्रमुख है। हिन्दी भाषा में इन्होंने स्वतंत्र रूप से **'जसवंत सिंह की जीवनी'** (जोधपुर), उदयपुर व जयपुर के शासकों की जीवनी लिखी। उनके द्वारा लिखित **'स्वप्न राजस्थान'** आधुनिक राजपूत शासकों के चरित्र का विशुद्ध रूप प्रस्तुत करता है। 1923 ई. में इनका निधन हो गया।

### 21. कविराज श्यामलदास:

- जन्म मेवाड़ के छालीवाड़ा गाँव में 1838 ई. में तथा स्वर्गवास 1893 ई. में हुआ था। इन्होंने मेवाड़ के तत्कालीन महाराणा शम्भूसिंह के कहने पर उदयपुर का इतिहास लेखन प्रारम्भ किया। लेकिन महाराणा फतेहसिंह ने इस ग्रन्थ के प्रचलन पर रोक लगा दी।

### 22. रांगेय राघव:

- रांगेय राघव (तेरुमल्लई वीर राघव आचार्य)-जन्म 1923 आगरा में, 18 वर्ष की आयु में इन्होंने 'घरौंदा' नामक उपन्यास लिखा तब से वे रांगेय राघव के नाम से जाने लगे।
- **प्रमुख रचनाऐं**-कब तक पुकारूँ, मुर्दो का टीला, अंधेरे में जुगनू, विवाद मठ, तूफानों के बीच, प्रतिदान, चीवर आदि।

### 23. प. झाबरमल्ल शर्मा:

- प. झाबरमल्ल शर्मा-जन्म जसरापुर (खेतड़ी) में, ये संस्कृत, हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषाओं के विद्वान रहे।
- निम्न पत्रों के संपादक रहे-भारत, ज्ञानोदय, कलकत्ता समाचार, हिंदू संचार-1981 पद्मभूषण से सम्मानित, इन्हें पत्रकारिता का भीष्म पितामह के रूप में जाना जाता है।

## साहित्य में प्रथम

1. **राजस्थान की प्राचीनतम रचना**- भारतेश्वर बाहुबलि घोर (वज्रसेन सूरि द्वारा रचित)
2. **राजस्थान का प्रथम नाटक**- केसर विलास (शिव चन्द्र भरतिया द्वारा रचित)
3. **राजस्थान की प्रथम कहानी**-विश्रांत प्रवास (शिवचन्द्र भरतिया द्वारा रचित)
4. **राजस्थान का पहला उपन्यास**- कनक सुन्दर (शिवचन्द्र भरतिया)
5. **राजस्थान का प्रथम वचनिका**- अचलदास खींची री वचनिका (शिवदास गाडण)
6. **स्वातंत्र्योत्तर काल का प्रथम राजस्थानी उपन्यास** -आभैपटकी (श्रीलाल नथमल जोशी)
7. **आधुनिक राजस्थानी की प्रथम काव्यकृति**-बादली (चंद्रसिंह बिरकाली)

| रचनाऐं/ग्रंथ | लेखक |
|---|---|
| 1. पृथ्वीराज रासौ | कवि चन्द्र बरदाई |
| 2. खुमाण रासौ | दलपत विजय |
| 3. विरुद छतहरी, किरतार बावणी | कवि दुरसा आढ़ा |
| 4. बीकानेर रां राठौड़ा री ख्यात | दयालदास सिंढायच |
| 5. संगत रासौ | गिरधर आसिया |
| 6. हम्मीर रासौ | जोधराज |
| 7. पृथ्वीराज विजय | जयानक |
| 8. अजीतोदय | जगजीवन भट्ट |
| 9. ढोला मारु रा दूहा | कवि कल्लोल |
| 10. गजगुणरूपक | केशवदास गाडण |

| रचनाऐं/ग्रंथ | लेखक |
|---|---|
| 11. सूरज प्रकास | कविया करणीदान |
| 12. एकलिंग महात्म्य | कान्हा व्यास |
| 13. नैणसी री ख्यात, मारवाड़ रा परगना री विगत | मुहणौत नैणसी |
| 14. पद्मावत | मलिक मोहम्मद जायसी |
| 15. विजयपाल रासौ | नल्ल सिंह |
| 16. नागर समुच्चय | भक्त नागरीदास |
| 17. हम्मीर महाकाव्य | नयनचन्द्र सूरि |
| 18. बिहारी सतसई | महाकवि बिहारी |
| 19. वेलिन किसन रुक्मणि री | पृथ्वीराज राठौड़ |
| 20. कान्हड़देव प्रबन्ध | पद्मनाभ |
| 21. राजरूपक | वीरभाण |
| 22. कुवलयमाला | उद्योतन सूरी |
| 23. ब्रजनिधि ग्रन्थावली | महाराजा प्रताप सिंह |
| 24. हम्मीर हठ, सुर्जन चरित | कवि चन्द्रशेखर |
| 25. हम्मिरायण | भाण्डऊ व्यास |
| 26. वीरमायण | बादर |
| 27. रघुनाथ रूपक | मंछाराम |
| 28. बीसलदेव रासौ | नरपति नाल्ह |
| 29. रणमल छंद | श्रीधर व्यास |
| 30. अचलदास खींची री वचनिका | शिवदास गाडण |
| 31. राव जैतसी रो छंद | बीठ सूजाजी |
| 32. रुक्मणी हरण, नागदमण | कवि सायांजी झूला |

- राजस्थान की प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाएँ

### राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

- राजस्थान में साहित्य के विकास, प्रचार-प्रसार एवं प्रोन्नति तथा साहित्यकारों को संरक्षण एवं सहयोग देने के उद्देश्य से **28 जनवरी, 1958** में इस अकादमी की स्थापना उदयपुर में की गयी। ग्रन्थ एवं पत्रिका प्रकाशन, पाण्डुलिपि प्रकाशन, साहित्यिक संस्थाओं को प्रसारात्मक कार्य हेतु सहयोग और मूर्धन्य साहित्यकारों का सम्मान करना अकादमी की प्रमुख गतिविधियाँ हैं। अकादमी द्वारा कई पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इनमें प्रमुख हैं-**'मीरा पुरस्कार'** तथा **'देवी लाल सामर पुरस्कार'**। अकादमी का प्रथम मीरा पुरस्कार डॉ. रामानन्द तिवारी को दिया गया। अकादमी द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका **'मधुमति'** अपनी विशिष्ट पहचान रखती है।

### राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर

- राजस्थान की संगीतज्ञ एवं नाट्य विधाओं के प्रचार-प्रसार के लिए इस अकादमी की स्थापना **6 सितम्बर 1957** में की गई। नाट्य, लोकनाट्य, शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, लोकसंगीत आदि गतिविधियों का संचालन इसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ हैं। इस अकादमी का प्रमुख कार्य राज्य में संगीत के प्रति अधिकाधिक आकर्षण उत्पन्न करना तथा प्रतिभावान संगीतज्ञों को आर्थिक सहायता देकर प्रोत्साहित करना है।

### ललित कला अकादमी, जयपुर

- राजस्थान में दृश्य एवं शिल्पकला को प्रोत्साहित एवं विकास के लिए तथा प्रांतीय सांस्कृतिक एकता स्थापित करने के लिए स्थापित।
- **राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुरः** हिन्दी में विश्वविद्यालय स्तरीय साहित्य की रचना एवं हिन्दी भाषा के विकास और समृद्धि के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 के तहत् **15 जुलाई, 1969** में जयपुर में यह अकादमी स्थापित की गई।

### राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

- **बीकानेर** में राजस्थानी भाषा एवं साहित्य के विकास हेतु **25 जनवरी, 1983** में इसकी स्थापना की गई। अकादमी का मूल उद्देश्य भाषा, साहित्य और संस्कृति विकास, संवर्द्धन एवं संरक्षण के लिए साहित्यकार और विद्वानों में पारस्परिक सहयोग की अभिवृद्धि करना, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उच्च स्तरीय ग्रन्थों, पत्र-पत्रिकाओं, कोष सर्वेक्षण व सूचीकरण में सहायता देना है। अकादमी का सर्वोच्च पुरस्कार **'सूर्यमल्ल मिसण शिखर पुरस्कार'** है। अकादमी द्वारा **जागती जोत** नामक पत्रिका प्रकाशित की जाती है।

### रूपायन संस्थान (बोरुंदा), जोधपुर

- जोधपुर जिले के **बोरूंदा गाँव** में रूपायन सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था कार्य कर रही है। यह संस्था **1960** में गाँव के कुछ सामाजिक, उत्साही कार्यकर्ताओं व साहित्यकारों के प्रयास से स्थापित हुई थी। इस संस्थान ने राजस्थानी सांस्कृतिक धरोहर को सिलसिलेवार एकत्र करने का दुर्लभ कार्य किया है। इसके माध्यम से सांस्कृतिक उपादानों, लोककथाओं, लोकगीतों, लोकवाद्यों, लोकवार्ताओं, भाषाओं की अन्य वस्तुओं का एकत्रण किया जा रहा है। **'कोमल कोठारी'** व **'विजयदान देथा'** द्वारा इस संस्था को अपना अमूल्य योगदान दिया।

### पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर

- उदयपुर में सन् **1986** में **पश्चिमी सांस्कृतिक केन्द्र** की स्थापना, लुप्त हो रही लोक-कलाओं के पुनरुत्थान के उद्देश्य से की गई। राजस्थान के कलाकारों को अधिकाधिक मंच प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित सात केन्द्रों में से

एक है। इसके लिए उदयपुर में **शिल्पग्राम** की स्थापना की गई है जिसमें राजस्थान, गुजरात, **महाराष्ट्र, गोवा,** दमन-दीव को जोड़कर इनकी लोककला एवं संस्कृति को संरक्षित एवं प्रोत्साहित किया जाता है। इसका कार्यालय **बागौर** की हवेली में है।

### भारतीय लोककला मण्डल, उदयपुर

- **पद्मश्री स्व. देवीलाल सामर** द्वारा सन् **1952** में उदयपुर में इस संस्थान की स्थापना की गई। संस्थान का उद्देश्य लोककला, प्रदर्शनोपयोगी लोक कलाओं एवं कठपुलियों के शोध, सर्वेक्षण, प्रशिक्षण एवं लोक कलाओं का प्रचार-प्रसार करना है। संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक संस्कृति संग्रहालय है तथा यह संस्थान प्रतिवर्ष **'बालकठपुतली समारोह'** का आयोजन करता है।

### जवाहरकला केन्द्र, जयपुर

- पारम्परिक एवं विलुप्त होती जा रही कलाओं की खोज, उनका संरक्षण एवं संवर्द्धन करने तथा कलाओं को जनाश्रयी बनाकर उनका समुचित विकास करने के लिए इस केन्द्र का औपचारिक उद्घाटन **8 अप्रैल, 1993** को राष्ट्रपति **श्री शंकरदयाल शर्मा** ने किया। इसके वास्तुविद् **'चार्ल्स कोरिया'** थे। इसमें नौ सभागार खण्ड हैं जिसमें मुक्ताकाशी मंच के अलावा प्रदर्शनी क्षेत्र, थियेटर, पुस्तकालय, कैफेटेरिया तथा स्टूडियो है। केन्द्र परिसर में एक शिल्पग्राम भी है जिसमें ग्रामीण आवासीय एवं जीवनशैली की झौपड़ियाँ बनाई गई हैं। यहाँ का 'मुक्ताकाशी मंच' प्रसिद्ध है।

### मौलाना अब्दुल कलाम आजाद अरबी-फारसी शोध संस्थान, टोंक

- इसकी स्थापना **4 दिसम्बर, 1978** टोंक में अरबी-फारसी शोध संस्थान की वर्तमान नाम 1987 में रखा। उसके द्वारा अरबी और फारसी भाषाओं के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक अनुसंधान कार्य करवाए जाते हैं। साथ ही प्राच्य शोध, सूचीकरण, सम्पादन, प्रकाशन तथा अन्य साहित्यिक गतिविधियों का भी संचालन किया जाता है। यहाँ की **दुर्लभ** पाण्डुलिपियों में कुरान के कई रूप देखने को मिलते हैं, जैसे-'आलमगिरी कुरान शरीफ' (औरंगजेब लिखित) तथा 'कुरान-कमाल' जो शाहजहाँ द्वारा तैयार करवाई गई।

### राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

- राज्य में संस्कृत साहित्य के प्रचार-प्रसार, विकास एवं संस्कृत साहित्यकारों को संरक्षण एवं सहयोग के लिए सन् **1980-1981** में इसकी स्थापना जयपुर में की गई। वेद **संरक्षण योजना** के अन्तर्गत आंचलिक क्षेत्रों में वेद विद्यालयों का संचालन, ज्योतिष प्रशिक्षण एवं कर्मकाण्ड शिविरों का आयोजन, पत्रिका प्रकाशन और संस्कृत के विद्वानों का सम्मान करना अकादमी की मुख्य गतिविधियाँ हैं। अकादमी द्वारा **स्वर मंगला नामक पत्रिका** का प्रकाशन किया जाता है। अकादमी प्रतिवर्ष **माघ पुरस्कार** प्रदान करती है।

### राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर

- राजस्थान राज्य अभिलेखागार की स्थापना सन् 1955 में हुई। सन् 1960 में इसे **'जयपुर से बीकानेर'** स्थानान्तरित कर दिया गया। राजस्थान राज्य अभिलेखागार **'अभिलेखों की अपार एवं अमूल्य राष्ट्रीय निधि'** के कारण देश-विदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान रखता है। इसमें भूतपूर्व राजस्थान की रियासतों तथा 25 वर्ष से अधिक के दीर्घकालीन महत्त्व के अभिलेख सुरक्षित किए जाते हैं।

### राजस्थान सिंधी अकादमी, जयपुर

- इस अकादमी की स्थापना 1979 में सिंधी साहित्य के प्रचार-प्रसार, संरक्षण एवं विकास हेतु की गई। इस अकादमी द्वारा **रिहाण** नामक वार्षिक साहित्यिक पत्रिका प्रकाशित की जाती है।

### राजस्थान उर्दू अकादमी, जयपुर

- उर्दू भाषा एवं साहित्यिक कार्य-कलापों को प्रोत्साहित करने हेतु सन् **1979** में इस संस्था की स्थापना की गई। इसकी गतिविधियाँ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के अनुरूप हैं।

### राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी, जयपुर

- इसकी स्थापना 19 जनवरी, 1986 को जयपुर में हुई। इसके द्वारा त्रैमासिक पत्रिका **'ब्रजशत दल'** का प्रकाशन किया जाता है। ब्रजभाषा का प्रचार-प्रसार करना इनका मुख्य उद्देश्य है।

### राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर

- राज्य में संगीत की शिक्षा की समृद्धि हेतु सन् **1950** में इसकी स्थापना की गई। इस संस्थान में शास्त्रीय गायन, सितार, वायलिन, तबला, गिटार एवं कत्थक नृत्य के शिक्षण की व्यवस्था है।

### रवीन्द्र मंच, जयपुर

- **15 अगस्त, 1963** को जयपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रदर्शन हेतु इसकी स्थापना की गई थी। यह जयपुर के **'रामनिवास बाग'** में स्थापित है।

### राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

- राज्य की संस्कृति, इतिहास आदि प्राच्य विद्या के प्रतीक प्राचीन एवं दुर्लभ हस्तलिखित ग्रन्थ के संग्रह, सर्वेक्षण, संपादन, प्रकाशन एवं संस्करण के उद्देश्य से **1951** में इसकी स्थापना की गई थी।

## जयपुर कत्थक केन्द्र

- **सन् 1978** में जयपुर में कत्थक नृत्य को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी स्थापना की गई। कत्थक केन्द्र के जयपुर घराने की प्राचीन एवं शास्त्रीय शैली की पुनर्जीवित कर उसे समुन्नत करने के लिए इसकी स्थापना की गई। कत्थक केन्द्र जयपुर घराने के कत्थक नृत्य का पारम्परिक प्रशिक्षण देने और नृत्य शिक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं व जनसाधारण में रूचि जाग्रत करना।

## गुरु नानक संस्थान, जयपुर

- जयपुर में इस संस्थान की स्थापना 30 मई, 1969 में की गई। यह संस्थान छात्रों के लाभार्थ हेतु कार्यरत है। संस्थान द्वारा अल्पावधि के प्रशिक्षण, नि:शुल्क कोचिंग तथा ग्रीष्मावकाश में शिविरों का आयोजन कर विभिन्न प्रवृत्तियों का संचालन छात्रों के लाभार्थ करवाया जाता है।

## नगर श्री लोक संस्कृति शोध संस्थान, चुरू

- इस संस्थान की स्थापना सन् **1964** में रामनवमी के दिन **श्री सुबोध कुमार अग्रवाल** ने चुरू में की। सीकर, झुंझुनूं, चुरू, नागौर, बीकानेर जिलों के लोकजीवन से जुड़े विविध प्रसंगों के छाया चित्रों के कारण एक सजीव संग्रहालय बना हुआ है।
- संस्थान के संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियाँ, सिक्कों, ताड़पत्रीय प्रतियों, हस्तलिखित पुस्तकों, प्राचीन लेखों-बहियों आदि का दुर्लभ संग्रह है जो लोक संस्कृति के विभिन्न पक्षों से साक्षात्कार कराता है।
- इसके अलावा शोध-यात्राओं के दौरान **कालीबंगा,** रंगमहल, **कराती,पल्लू** आदि के धोरों से प्राप्त हजारों वर्ष पुरानी पुरातात्त्विक सामग्री भी संस्थान में धरोहर के रूप में सुरक्षित है।
- नगर श्री के शोध विभाग में **मुडिया लिपि** में लिखी गई अनेक लेखा बहियाँ हैं। **वर्तमान में संस्थान द्वारा 'राजस्थानी लोक-कथा कोश' नामक पुस्तक के प्रकाशन का काम हाथ में लिया हुआ है।** इसके अलावा लोकगीतों की पाण्डुलिपियाँ भी तैयार की गई है।
- राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट एण्ड क्राफ्ट्स जयपुर स्थापना 1857 ई. में जयपुर के महाराजा सवाई रामसिंह द्वारा मदरसा-ए-हुनरी की स्थापना की गई 1886 में यह महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट एण्ड क्राफ्ट्स और अब राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट क्राफ्ट्स कर दिया गया।
- **श्रीरामचरण प्राच्य विद्यापीठ एवं संग्राहलय**-इसकी स्थापना 1960 में की गई।
- **राजस्थानी पंजाबी भाषा अकादमी, श्रीगंगानगर**-7 मार्च 2006 को स्थापित।
- **राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण, जयपुर**-19 अगस्त 2006 को स्थापित।

■■■■

Samyak
An Institute For Civil Services
Join our Social Media Platforms
YouTube
Samyak Civil Services
Instagram
Samyak Civil Services
Telegram
Samyak Civil Services
Whatsapp
Samyak Civil Services

# RAS - Pre
# पाठ्यक्रम

## राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परंपरा एवं विरासत

- राजस्थान के प्रागैतिहासिक स्थल - पुरापाषाण काल से लेकर ताम्रपाषाण काल तक और कांस्य युग, प्राचीन राजस्थान का समाज और संस्कृति
- राजस्थान इतिहास के स्रोत: पुरातात्विक, अभिलेखीय, साहित्यिक और मुद्राशास्त्रीय
- राजस्थान के मुख्य राजवंशों के प्रमुख शासकों की राजनैतिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, केन्द्रीय सत्ता के साथ सहयोग एवं प्रतिरोध, मध्यकालीन राजस्थान में प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था
- 18वीं-19वीं शताब्दी में राजनैतिक और सामाजिक स्थिति, 20वीं शताब्दी में किसान और आदिवासी आंदोलन, प्रजा मंडल आंदोलन और जन जागृति, राजस्थान का एकीकरण
- राजस्थान की स्थापत्य परंपराएँ - मंदिर, किले, महल, स्मारक, मानव निर्मित जलाशय, चित्रकला और हस्तशिल्प की विभिन्न शैलियाँ: प्रदर्शन कलाएँ: लोक नृत्य और नाटक, संगीत (शास्त्रीय और लोक) और वाद्ययंत्र
- भाषा एवं साहित्य: राजस्थानी भाषा की बोलियाँ, राजस्थानी भाषा का साहित्य और लोक साहित्य, धार्मिक जीवन: राजस्थान में धार्मिक समुदाय, संत और संप्रदाय, राजस्थान के लोक देवता और धार्मिक प्रथाएँ
- राजस्थान में सामाजिक जीवन: मेले और त्यौहार( सामाजिक रीति-रिवाज और परंपराएँ, वेशभूषा और आभूषण
- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व

## भारत का इतिहास

### प्राचीनकाल एवं मध्यकाल :-

- भारत के सांस्कृतिक आधार - सिंधु और वैदिक युग: छठी शताब्दी ईसा पूर्व के धार्मिक विचार - आजीवक, बौद्ध और जैन धर्म।
- मुख्य राजवंशों के प्रमुख शासकों की उपलब्धियाँ: मौर्य, कुषाण, सातवाहन, गुप्त, चालुक्य, पल्लव और चोल।
- प्राचीन भारत में कला एवं स्थापत्य कला एवं वैज्ञानिक विकास
- भारतीय ज्ञान एवं मूल्य व्यवस्था: वर्णाश्रम, पुरुषार्थ, संस्कार, दर्शन एवं शिक्षा व्यवस्था।
- **सल्तनत काल**: प्रमुख राजवंशों की उपलब्धियाँ, विजयनगर साम्राज्य की राजनैतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
- **मुगल काल:** प्रशासन एवं विभिन्न नीतियाँ: मराठा
- मध्यकाल में कला एवं वास्तुकला, साहित्य, चित्रकला और संगीत का विकास।
- धार्मिक आंदोलन और भक्ति एवं सूफी आंदोलन का योगदान।

### आधुनिक काल (प्रारंभिक 19वीं शताब्दी से 2000 तक) :-

- ब्रिटिश साम्राज्यवाद और प्रतिरोध - मराठा, मैसूर, सिख।
- 1857 का विद्रोह।
- ब्रिटिश राजनैतिक, आर्थिक और प्रशासनिक नीतियाँ। राष्ट्रवाद का उदय, सामाजिक-धार्मिक आंदोलन।
- स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन- विकास, चरण और प्रमुख घटनाएँ। क्रांतिकारी और विभिन्न क्षेत्रीय आंदोलन। स्वतंत्रता और विभाजन की ओर।
- स्वतंत्रोत्तर राष्ट्र निर्माण (2000 तक), राज्य पुनर्गठन, नेहरु युग में संस्थागत निर्माण, योजना एवं आर्थिक सुधार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास

## विश्व एवं भारत का भूगोल

### विश्व का भूगोल :-

- भौतिक स्वरूप: पर्वत, पठार, मैदान एवं मरुस्थल
- प्रमुख नदियाँ एवं झीलें
- प्राकृतिक वनस्पति
- कृषि : प्रकार, वितरण तथा प्रमुख फसलें
- प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा प्रमुख उद्योग
- परिवहन तंत्र
- पर्यावरणीय मुद्दे - मरुस्थलीकरण, वनोन्मूलन, जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापीयन), ओजोन अवक्षय

### भारत का भूगोल:-

- भौतिक विभाग
- जलवायु
- प्रमुख नदियाँ एवं झीलें
- सिंचाई
- कृषि : प्रमुख फसलें
- खनिज: धात्विक और अधात्विक
- प्रमुख औद्योगिक प्रदेश तथा प्रमुख उद्योग

### राजस्थान का भूगोल

- राजस्थान: अवस्थिति, विस्तार तथा भौतिक विभाग
- नदियाँ एवं झीलें
- जलवायु की विशेषताएँ
- प्राकृतिक वनस्पति, जीव विविधता तथा संरक्षण
- मृदा
- कृषि
- पशुधन

- सिंचाई
- जनसंख्या- वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात
- नगरीकरण
- जनजातियाँ
- खनिज- धात्विक एवं अधात्विक
- पर्यटन

## भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था और शासन

- संविधान का निर्माण, उद्देशिका, नागरिकता, मौलिक अधिकार, राज्य की नीति के निर्देशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्य
- संघीय सरकार- कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका
- संघ राज्य संबंध, आपातकालीन प्रावधान
- शहरी और ग्रामीण स्थानीय सरकार
- निर्वाचन आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और नीति आयोग
- लोक नीति, नागरिक चार्टर, सामाजिक अंकेक्षण और शिकायत निवारण प्रणाली
- लोकपाल, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, केन्द्रीय सूचना आयोग

## राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद, राजस्थान विधान सभा, राजस्थान उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय एवं अन्य न्यायिक निकाय, महाधिवक्ता
- मुख्य सचिव, राज्य सचिवालय, विभिन्न विभागों के निदेशालय, संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर/ जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, उप-खंड अधिकारी, तहसीलदार
- राजस्थान लोक सेवा आयोग, राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान सूचना आयोग, राजस्थान राज्य महिला आयोग, राजस्व मंडल, लोकायुक्त
- राजस्थान में पंचायती राज एवं नगर पालिकाओं का प्रशासन

## आर्थिक अवधारणाएँ एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

- आर्थिक वृद्धि और विकास। पर्यावरण क्षरण और सतत् विकास।
- विकास के मापक- पारंपरिक माप, मानव विकास सूचकांक और अन्य संबद्ध सूचकांक।
- आर्थिक विकास में मौद्रिक और राजकोषीय नीति की भूमिका। भारत सरकार का नवीनतम बजट और संसाधन संग्रहण।
- राजकोषीय संघवाद- केंद्र- राज्य वित्तीय संबंध और वित्त आयोग।
- कृषिगत विकास- संस्थागत और तकनीकी पहलू। भारतीय कृषि में सुधार-चुनौतियाँ और सरकारी पहल।
- औद्योगिक वृद्धि, स्वरूप, नीति और औद्योगिक सुधार- उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण।
- आर्थिक वृद्धि में सेवा क्षेत्र की भूमिका- चुनौतियाँ और अवसर। ऊर्जा, परिवहन और संचार।
- कौशल विकास और रोजगार संवर्द्धन- कार्यक्रम और नीतियाँ। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण

## राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- अर्थव्यवस्था का वृहत् परिदृश्य और राज्य बजट।
- कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र की मौजूदा स्थिति, मुद्दे और सरकारी पहल।
- आधारभूत संरचना का विकास: ऊर्जा, परिवहन और संचार।
- ग्रामीण विकास, पंचायती राज और राज्य वित्त आयोग।
- मूलभूत सामाजिक सेवाएँ- शिक्षा और स्वास्थ्य।
- राजस्थान सरकार की मुख्य कल्याणकारी योजनाएँ।

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- दैनिक जीवन में विज्ञान के मूलभूत तत्व।
- कंप्यूटर, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी भारत के विशेष संदर्भ में।
- वंशागति एवं विविधता; अनुवांशिक-अभियांत्रिकी; जीव-प्रौद्योगिकी एवं नैनो-प्रौद्योगिकी।
- मानव स्वास्थ्य देखभाल; आहार एवं पोषण; रोग एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं उनका प्रभाव मूल्यांकन।
- जीव-विविधता; प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं सतत् विकास।
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि-विज्ञान, उद्यान-विज्ञान, वानिकी एवं पशुपालन।
- राजस्थान तथा भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबद्ध प्रमुख सरकारी कार्यक्रम एवं नीतियाँ।
- अभिनव वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी प्रगति; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों का योगदान; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का लोकेन्द्रीकरण।

## तार्किक विवेचन एवं मानसिक योग्यता

- तार्किक दक्षता (निगमनात्मक, आगमनात्मक, अपवर्तनात्मक):-
- कथन एवं मान्यताएँ
- कथन एवं तर्क
- कथन एवं निष्कर्ष
- कथन-कार्यवाही
- विश्लेषणात्मक तर्कशक्ति/विचारणात्मक तर्कशक्ति
- मानसिक योग्यता :-
- संख्या/अक्षर अनुक्रम
- कूटलिपि (कोडिंग-डीकोडिंग)

- संबंधों से संबद्ध समस्याएँ
- दिशा ज्ञान परीक्षण
- तार्किक वेन आरेख
- रैंकिंग एवं बैठक व्यवस्था
- आकार और उनके उपविभाजन
- आधारभूत संख्यात्मक दक्षता :-
- अनुपात-समनुपात तथा साझा, लाभ एवं हानि
- प्रतिशत
- साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज
- समतलीय चित्रों के परिमाप एवं क्षेत्र
- आँकड़ों का विश्लेषण (सारणी, दंड-आरेख, रेखीय आलेख, पाई-चार्ट)
- माध्य (समांतर, गुणोत्तर एवं हरात्मक), माध्यिका एवं बहुलक
- क्रमचय एवं संचय
- प्रायिकता (सरल समस्याएँ)

### समसामयिक घटनाएँ एवं मुद्दे (राजस्थान के विशेष संदर्भ में)

- महत्वपूर्ण व्यक्तित्व, स्थान और प्रासंगिक समकालीन मुद्दे
- कल्याण और विकास से संबद्ध नई योजनाएँ, कार्यक्रम और पहल
- प्रमुख आर्थिक और राजनीतिक घटनाक्रम
- खेल और क्रीड़ा से संबद्ध महत्वपूर्ण घटनाएँ एवं उपलब्धियाँ
- प्रमुख पुरस्कार, प्रकाशन और प्रतिष्ठित लेखक
- राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्याय) अधिनियम, 2022

## RAS - Mains पाठ्यक्रम

### प्रश्न पत्र- I सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

### इकाई I - इतिहास

**खंड अ- राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परंपरा और धरोहर**

- प्रागैतिहासिक संस्कृति, विभिन्न ऐतिहासिक स्थल एवं उनका महत्व : राजस्थान के विभिन्न शासकों की राजनैतिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ (18वीं शताब्दी तक)
- राजस्व एवं प्रशासनिक व्यवस्था एवं बदलता स्वरूप।
- 19वीं एवं 20वीं शताब्दी - 1857 का विद्रोह, कृषक एवं जनजातीय आंदोलन, राजनैतिक जागरण, जन आंदोलन एवं राजस्थान का एकीकरण।
- कला एवं संस्कृति- प्रदर्शन एवं ललित कला, हस्तशिल्प, स्थापत्य एवं स्मारक, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक कला एवं लोक आख्यान।
- मेले एवं त्योहार।
- जनजातियाँ एवं उनकी परंपराएँ।
- विरासत - राजस्थान की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहर एवं प्रमुख पर्यटन स्थल।
- राजस्थानी भाषा एवं प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ।
- धार्मिक मान्यताएँ, संत एवं लोक देवी-देवता।

**खंड ब- भारतीय इतिहास एवं संस्कृति**

- भारतीय धरोहर: सिंधु सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक की भारत की ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, वास्तुकला एवं साहित्य।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के धार्मिक आंदोलन और दर्शन।
- ब्रिटिश नीतियाँ एवं उनके प्रभाव - देश का राजनैतिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक एकीकरण।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन- इसके विभिन्न चरण व धाराएँ, प्रमुख योगदानकर्ता।
- 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में सामाजिक- धार्मिक सुधार आंदोलन एवं बौद्धिक जागरण।
- स्वतंत्रोत्तर भारत- देशी रियासतों का विलय तथा राज्यों का भाषाई आधार पर पुनर्गठन, विज्ञान एवं तकनीक का विकास, महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुधार आंदोलन।

**खंड स- आधुनिक विश्व का इतिहास (1991 ईस्वी तक)**

- पुनर्जागरण व धर्म सुधार।
- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम, फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति एवं रूसी क्रांति।
- जर्मनी में नाजीवाद एवं इटली में फासीवाद।
- विश्व युद्धों का प्रभाव।
- शीत युद्ध के दौरान विश्व।

### इकाई II - अर्थव्यवस्था

**खंड अ - भारत की अर्थव्यवस्था**

- आर्थिक संवृद्धि और विकास- अवधारणा और माप। आय दृष्टिकोण, मानव विकास सूचकांक और अन्य संबंधित सूचकांक। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय क्षरण।
- कृषि: उत्पादकता और प्रगति। भूमि सुधार। कृषि वित्त तथा विपणन। खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रसंस्करण। मुख्य नीतिगत पहल।
- औद्योगिक नीति और सुधार। वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण औद्योगिक वित्त। सूक्ष्म, लघु
- और मध्यम उद्यम -महत्व और नीतिगत पहल।
- सेवा क्षेत्र और आधारभूत संरचना: ऊर्जा, परिवहन और संचार
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान संतुलन। विदेशी सहायता और निवेश

- सार्वजनिक वित्त संघीय बजट: आय और व्यय के स्रोत, बजट घाटा और सार्वजनिक ऋण भारत के राजकोषीय नीति व सुधार। केंद्र-राज्य वित्तीय संबंध और वित्त आयोग।
- भारतीय रिजर्व बैंक और मौद्रिक प्रबंधन। भारत के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के सुधार।
- सामाजिक क्षेत्र: शिक्षा और स्वास्थ्य। गरीबी और बेरोजगारी। भारत में श्रम की रोजगार योग्यता को बढ़ाने वाली योजनाएँ। समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों के कल्याण की योजनाएँ।

**खंड ब- वैश्विक अर्थव्यवस्था**

- वैश्विक आर्थिक मुद्दे : विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका।

**खंड स- राजस्थान की अर्थव्यवस्था**

- राजस्थान के आर्थिक संवृद्धि संकेतक-राज्य घरेलू उत्पादन, प्रति व्यक्ति आय और समावेशी संवृद्धि। विकसित राजस्थान 2047। हरी संवृद्धि तथा पर्यावरणीय संधारणीयता। संधारणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में राजस्थान की स्थिति।
- राज्य बजट- राजकोषीय प्रबंधन और बजट घाटा
- कृषि विकास: उत्पादन और उत्पादकता। जल संसाधन और सिंचाई। पशुपालन और सहायक गतिविधियाँ। कृषि विपणन। कृषकों के कल्याण की सरकारी योजनाएँ।
- ग्रामीण विकास और ग्रामीण आधारभूत संरचना। पंचायतीराज संस्थाएँ और राज्य वित्त आयोग।
- औद्योगिक विकास के लिए संस्थागत तंत्र। निवेश प्रोत्साहन नीति। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का महत्व और उनके विकास के लिए नीतिगत पहल। राज्य में पेट्रोलियम और तेल संसाधन।
- आधारभूत संरचना का विकास - ऊर्जा और परिवहन। सार्वजनिक व निजी सहभागिता परियोजनाएँ। बाहरी सहायता से वित्त पोषित राज्य परियोजनाएँ
- मानव संसाधन विकास - स्वास्थ्य और शिक्षा। बेरोजगारी और गरीबी। रोजगार सृजन और गरीबी निवारण योजनाएँ।
- सुशासन और सार्वजनिक सेवाओं को प्रभावी रूप से प्रदान करने के लिए डिजिटल रूपांतरण
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यकों/दिव्यांगजनों, निराश्रितों, महिलाओं, बच्चों और वृद्धजनों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की मुख्य योजनाएँ।

## इकाई III- समाजशास्त्र, प्रबंधन, लेखांकन एवं अंकेक्षण

### खंड अ- समाजशास्त्र

**भारतीय समाज में समाजशास्त्रीय चिंतन :**

- जाति एवं वर्ग की अवधारणा, भारतीय समाज में जाति एवं वर्ग के बदलते आयाम।
- समकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति में परिवर्तन : धर्मनिरपेक्षीकरण, शहरीकरण, आधुनिकीकरण और वैश्वीकरण।
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था से संबंधित अवधारणाएँ : कर्म का सिद्धांत, धर्म, पुरुषार्थ और आश्रम व्यवस्था।
- वर्तमान भारतीय समाज में परिवार एवं विवाह, वृद्धजनों एवं दिव्यांगजन से संबंधित मुद्दे। भारतीय समाज पर साइबर अपराध और सोशल मीडिया का प्रभाव।
- भारतीय समाज के समक्ष चुनौतियाँ एवं मुद्दे : दहेज, तलाक, भ्रष्टाचार, गरीबी, वेश्यावृत्ति, बेरोजगारी और नशाखोरी।
- भारतीय समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित समस्याएँ (मुख्यतः राजस्थान के संदर्भ में) : महिलाएँ, सीमांत समूह, दलित, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति और उनके लिए कल्याणकारी योजनाएँ।

### खंड ब- प्रबंधन

- सामान्य प्रबंध: प्रबंधकीय अवधारणा, प्रबंधकीय कौशल एवं स्तर, प्रबंध के कार्य, एमबीओ (MBO), निर्णय प्रक्रिया- तकनीक व मॉडल।
- संगठनात्मक व्यवहार: प्रकृति व क्षेत्र, अनुभूति, अभिप्रेरणा-संकल्पनाएँ एवं विचारधाराएँ, समूह गत्यात्मकता एवं दल निर्माण, संगठनात्मक जलवायु एवं संस्कृति।
- विपणन प्रबंध: अवधारणा एवं क्षेत्र, विपणन मिश्रण- उत्पाद, कीमत, संवर्धन, भौतिक वितरण, सेवा एवं डिजिटल विपणन।
- मानव संसाधन प्रबंध: संकल्पना एवं क्षेत्र, मानव संसाधन नियोजन, भर्ती, चयन, पदस्थापन एवं प्रशिक्षण, निष्पादन मूल्यांकन प्रणालियाँ, मानव संसाधन की आधुनिक प्रवृत्तियाँ।
- रणनीति प्रबंध: संकल्पना एवं क्षेत्र, व्यावसायिक वातावरण व स्वॉट (SWOT) विश्लेषण, रणनीति निर्माण एवं क्रियान्वयन, रणनीति नियंत्रण एवं मूल्यांकन

### खंड स- लेखांकन एवं अंकेक्षण

- लेखांकन का सैद्धांतिक आधार: सामान्यतः मान्य लेखा सिद्धांत (GAAPs) एवं आधारभूत लेखांकन अवधारणाएँ
- लेखांकन मानक: लेखांकन मानकों का आधारभूत ज्ञान
- कंपनी के वित्तीय विवरण; वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की तकनीकें; रोकड़ प्रवाह विवरण; सामाजिक लेखांकन एवं उत्तरदायित्व लेखांकन का आधारभूत ज्ञान।
- कम्प्यूटरीकृत लेखांकन: विशेषताएँ एवं सॉफ्टवेयर पैकेज।
- वस्तु एवं सेवा कर का आधारभूत ज्ञान।
- अंकेक्षण का अर्थ तथा उद्देश्य, अंकेक्षण कार्यक्रम, सामाजिक, निष्पादन एवं दक्षता अंकेक्षण का आधारभूत ज्ञान, सरकारी अंकेक्षण का प्रारंभिक ज्ञान।

## प्रश्न पत्र- II
## सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

### इकाई-I प्रशासकीय नीतिशास्त्र

- नीतिशास्त्र एवं मानवीय मूल्य- महापुरुषों, समाज सुधारकों तथा प्रशासकों के जीवन से प्राप्त शिक्षा। परिवार, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का मानवीय मूल्यों को विकसित करने में योगदान।
- नैतिक संप्रत्यय- ऋत एवं ऋण। कर्मवाद से प्रेरण, कर्तव्य की अवधारणा, शुभ एवं सद्गुण की अवधारणा।
- निजी एवं सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र की भूमिका, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और अलिप्तता का दार्शनिक आधार। उदाहरण समाज: पारदर्शिता, मीडिया और नौकरशाही।
- भगवद् गीता का नीतिशास्त्र एवं प्रशासन में इसका महत्व।
- गांधी का नीतिशास्त्र ।
- भारतीय एवं विश्व के नैतिक चिंतकों एवं दार्शनिकों का योगदान।
- प्रशासन में नैतिक चिंता, द्वंद्व एवं चुनौतियां, प्रशासकीय निर्णय में कृत्रिम बौद्धिकता बनाम अंतर्विवेक।
- नैतिक निर्णय-प्रक्रिया: सामाजिक न्याय, मानवीय चिंता, शासन में जवाबदेही उपकरण पक्ष बौद्धिकता बनाम मूल्य पक्ष बौद्धिकता।
- उपरोक्त विषयों पर आधारित अ-तथ्यपरक केस अध्ययन।

### इकाई- II सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान; परमाणु संरचना; धातु, अधातु एवं उपधातु, धातुकर्म सिद्धांत और विधियां, महत्वपूर्ण अयस्क और मिश्र धातु; अम्ल, क्षार और लवण, pH और बफर की अवधारणा; महत्वपूर्ण औषधियां (संश्लेषित और प्राकृतिक), एंटीऑक्सीडेंट, परिरक्षक, कीटनाशी, पीड़कनाशी, कवकनाशी, शाकनाशी, मादक, यास्ट और मधुकर; कार्बन एवं इसके यौगिक तथा उनके घरेलू एवं औद्योगिक अनुप्रयोग; ईंधन; ऑक्टेन रेटिंग; रेडियोधर्मिता- अवधारणाएं और अनुप्रयोग; हरीत रसायन एवं उसके अनुप्रयोग।
- दैनिक जीवन में भौतिकी; गति, कार्य, शक्ति एवं ऊर्जा; गुरुत्वाकर्षण; प्रकाश एवं उसके गुण; ऊष्मा; स्थैतिक एवं धारा वैद्युतिकी; चुम्बकत्व, वैद्युत चुम्बकत्व; ध्वनि तथा विद्युत चुम्बकीय तरंगें; चिकित्सा; निदान में भौतिकी के अनुप्रयोग; नाभिकीय विखंडन और संलयन; विकिरण सुरक्षा।
- कोशिका; पादप भाग- उनके कार्य एवं उपयोग; पादप पोषण एवं वृद्धि नियामक- कृषि एवं बागवानी के विशेष संदर्भ में; पौधों में लैंगिक एवं अलैंगिक प्रजनन। मानव शरीर क्रिया विज्ञान की मूलभूत अवधारणाएं- पाचन, श्वसन, परिसंचरण, उत्सर्जन, प्रजनन, तंत्रिका तंत्र। आहार एवं पोषण; प्रतिरक्षा; रोग; जन स्वास्थ्य हेतु पहल; लाभकारी एवं हानिकारक सूक्ष्मजीव; कीटाणु तकनीकी; जैवप्रौद्योगिकी एवं आनुवांशिक-इंजीनियरिंग-बुनियादी अवधारणाएं और उनके अनुप्रयोग; आनुवांशिक रूप से संशोधित जीवों (GMOs) के नैतिक, कानूनी और सामाजिक मुद्दे (ELSI); नवीन प्रगतियां- टीके, CRISPR, mRNA तकनीक, कृत्रिम अंग।
- आधारभूत कंप्यूटर विज्ञान; नेटवर्किंग; एनालॉग और डिजिटल दूरसंचार; आवृत्ति स्पेक्ट्रम; मोबाइल टेलीफोनी; सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में नवीन विकास- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग; बिग डेटा; क्लाउड एवं एज कंप्यूटिंग; इंटरनेट ऑफ थिंग्स; ब्लॉकचेन और डिजिटल करेंसी; वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी; ऑटो प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया।
- भारतीय वैज्ञानिकों का विज्ञान और प्रौद्योगिकी में योगदान; मुख्य भारतीय वैज्ञानिक संस्थान; वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति- रोबोटिक्स, नैनो प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग आदि; भारत और राजस्थान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास; विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित सरकारी की नीतियां; डिजिटल इंडिया पहल; साइबर सुरक्षा एवं डेटा गोपनीयता।
- अंतरिक्ष एवं रक्षा प्रौद्योगिकी- भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम; उपग्रह एवं उनके अनुप्रयोग; विभिन्न प्रक्षेपण यान; सुदूर संवेदन(रिमोट सेंसिंग); रक्षा अनुसंधान एवं स्वदेशी प्रौद्योगिकियां; भारतीय मिसाइल कार्यक्रम; ड्रोन तकनीक; रासायनिक और जैविक हथियार।

### इकाई III - पृथ्वी विज्ञान (भूगोल एवं भू-विज्ञान)

**खंड अ- विश्व**

- पृथ्वी की आंतरिक संरचना एवं भूवैज्ञानिक समय सारिणी।
- प्रमुख भौतिक भू-आकृतियां: पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल: प्रकार तथा वितरण
- भूकंप एवं ज्वालामुखी: प्रकार, वितरण एवं उनका प्रभाव।
- जलवायु - सूर्यातप, वायुमंडलीय परिसंचरण, आर्द्रता तथा वर्षण
- प्रमुख पर्यावरण संबंधी मुद्दे।

**खंड ब-भारत**

- भारत का भू-आकृतिक विभाजन।
- अपवाह प्रतिरूप तथा प्रमुख नदियां।
- जलवायु: मानसून, जलवायु विशेषताएं, वर्षा का वितरण एवं जलवायु प्रदेश।
- प्राकृतिक संसाधन: प्रकार एवं उपयोग; जल, प्राकृतिक वनस्पति, मृदा, खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
- जनसंख्या: वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या।

**खंड स- राजस्थान**

- भौतिक विभाग
- प्रमुख नदियां एवं झीलें।

- जलवायु विशेषताएं एवं उनका वर्गीकरण।
- प्राकृतिक वनस्पति, वन्यजीव तथा जैव विविधता।
- मृदा संसाधन
- कृषि- प्रमुख फसलें: उत्पादन व वितरण।
- खनिज संसाधन: प्रकार, वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग।
- जनसांख्यिकी विशेषताएं
- जनजातियां।
- यूनेस्को की भू-पार्क एवं भू-धरोहर स्थल संकल्पना : राजस्थान में संभावनाएं।
- पर्यटन

## प्रश्न पत्र- III

## सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

### इकाई-I – भारतीय राज व्यवस्था, शासन, भारत एवं अंतरराष्ट्रीय मामले और समसामयिक मामले

**भारतीय के संविधान की उत्पत्ति, संरचना और प्रमुख सिद्धांत**

- संविधान सभा, प्रभाव स्रोत, दार्शनिक आधार, मौलिक अधिकार, राज्य की नीति के निर्देशक तत्व तथा मौलिक कर्तव्य
- आधारभूत लक्षण सिद्धांत, संशोधन प्रक्रिया और प्रमुख संवैधानिक परिवर्तन
- नवीन संवैधानिक विकास एवं न्यायिक निर्णय, संवैधानिक नैतिकता और रूपांतरणकारी संवैधानिकता

**संस्थागत रूपरेखा एवं शासन तंत्र**

- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद और संसद
- भारत में संघवाद की उभरती प्रवृत्तियाँ
- उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनर्विलोकन, न्यायिक सक्रियता, आभासी न्यायालय, ई-कोर्ट्स और ई-समिति

**भारतीय राजनीति की गतिशीलता**

- भारत के लोकतंत्र में दलीय प्रणाली के विकास द्वारा चिह्नित समकालीन बदलाव, उभरता क्षेत्रवाद और गठबंधन पूंजीसंघटन
- पहचान-आधारित राजनीति से मुक्ति केंद्रित एवं समावेशी राजनीति की ओर परिवर्तन, साथ ही लैंगिक भागीदारी में वृद्धि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम राजनीतिक लॉबिंग के सामाजिक-राजनीतिक निहितार्थ
- मतदान व्यवहार, निर्वाचन सुधार और भारत की निर्वाचन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली
- भारतीय राजनीति में विकसित समकालीन प्रतिमान
- आंतरिक सुरक्षा: खतरे, सुरक्षा बलों एवं एजेंसियों का अधिदेश और भूमिका, तथा आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन की चुनौतियाँ

**राजस्थान में राज्य राजनीति और शासन**

- राजनीतिक सहभागिता के प्रतिमान, नेतृत्व एवं मतदान व्यवहार
- राज्य में राजनीतिक दलों की भूमिका और गठबंधन की राजनीति
- पंचायती राज एवं नगरीय स्थानीय स्वशासन-संरचना, मुद्दे और चुनौतियाँ
- राजस्थान की राजनीति में नवीन आयाम और चुनौतियाँ
- राजस्थान में सार्वजनिक नीति का रूपांकन: संस्थाएँ, प्रक्रियाएँ, हितधारक और कार्यान्वयन संबंधी बाधाएँ
- प्रमुख ई-शासन उपक्रम: उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ

**भारत और अंतरराष्ट्रीय मामले**

- शीत युद्ध के बाद के परिवर्तन, अमेरिका का प्राधान्य, बहुध्रुवीयता, वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद
- भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व एवं विशेषताएँ, प्रमुख वैश्विक शक्तियों एवं पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध, प्रवासी भारतीय समुदाय और सांस्कृतिक कूटनीति
- क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका- UN, WTO, EU, ASEAN, BRICS, G20-, QUAD, I2U2, AUKUS, DAKSHIN
- जलवायु एवं हरित कूटनीति में भारत का नेतृत्व (COP शिखर सम्मेलन, ISA, Mission LiFE)
- भारत की विदेश नीति में समकालीन रणनीतिक उपक्रम

**समसामयिक मामले एवं मुद्दे:**

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ, मुद्दे और प्रमुख हस्तियाँ
- राजस्थान की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ और सरकारी पहल
- पुरस्कार, प्रमुख साहित्यिक योगदान, तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) में महत्वपूर्ण प्रगति
- भारत और राजस्थान की खेल नीतियाँ, प्रमुख संस्थान, तथा महत्वपूर्ण खेल आयोजन और उपलब्धियाँ
- स्वास्थ्य, आरोग्यता और तनाव प्रबंधन में योग की भूमिका

### इकाई-II लोक प्रशासन की अवधारणाएँ, मुद्दे एवं गतिशीलता

**लोक प्रशासन: विचारधाराएँ एवं सिद्धांत**

- लोक प्रशासन: अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व, लोक प्रशासन का एक अनुशासन के रूप में उद्भव, विकासशील एवं विकसित समाजों में इसकी भूमिका, नव लोक प्रशासन, नव लोक प्रबंध, सुशासन, नव लोक सेवा।
- विचारधाराएँ एवं उपागम: वैज्ञानिक प्रबंध, मानव संबंध, व्यवहारवादी, संरचनात्मक-प्रक्रियात्मक, पारिस्थितिकीय उपागम।
- संगठन के सिद्धांत: पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन, केंद्रीकरण एवं विकेंद्रीकरण, समन्वय, प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व, जवाबदेही।
- प्रशासनिक व्यवहार- नेतृत्व, संचार, मनोबल।

**संघ सरकार एवं प्रशासनिक संस्थाएँ**

- प्रशासनिक संस्थाएँ: संघ लोक सेवा आयोग, भारत निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, लोकपाल, नीति आयोग।
- कार्मिक प्रशासन: भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, सिविल सेवाओं में तटस्थता और अनामता, आचरण संहिता।
- प्रशासन के मुद्दे: संघ-राज्य संबंध, मंत्री- लोक सेवक संबंध, सामान्यज्ञ-विशेषज्ञ, प्रशासनिक सुधार, सामाजिक अंकेक्षण।
- प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी, कार्यकारी और न्यायिक

**तुलनात्मक लोक प्रशासन**

- यू.एस.ए., यू.के., फ्रांस और चीन के प्रशासनिक तंत्र की विशेषताएँ।

**राज्य एवं जिला प्रशासन**

- राज्य प्रशासन: राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, राज्य सचिवालय, मुख्यमंत्री का कार्यालय, निदेशालयों की भूमिका, पुलिस प्रशासन, राजस्व मंडल, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त।
- जिला प्रशासन: जिलाधीश, कानून और व्यवस्था प्रशासन, राजस्व प्रशासन, विकास प्रशासन।

## इकाई III– व्यवहार एवं विधि

**खंड अ – व्यवहार**

- बुद्धि: संज्ञानात्मक बुद्धि, सामाजिक एवं भावनात्मक बुद्धि, सांस्कृतिक बुद्धि, प्रशंसात्मक बुद्धि और आध्यात्मिक बुद्धि; कार्यस्थल पर उनका महत्व और उनका समावेश (अंतर्विविधि)।
- नेतृत्व प्रोफाइल: सिद्धांत, प्रकार और शैलियाँ; कार्यस्थल पर उनकी चुनौतियाँ और प्रभावशीलता; भविष्य के नेता: उनके अवसर और चुनौतियाँ।
- कार्यस्थल पर संचार: संचार के मॉडल और नेटवर्क और उनकी प्रभावशीलता; संचार की बाधाएँ और विकृतियाँ; इलेक्ट्रॉनिक तथा विनाशकारी संचार -साइबरस्लैकिंग, साइबरलोफिंग, मूनलाइटिंग आदि।
- कार्यस्थल पर उत्पादकता- गुण और शक्तियाँ, RAISEC मॉडल और व्यक्ति-अनुकूल-वातावरण।
- कार्यस्थल पर बर्नआउट, तनाव और उससे निपटना: व्यावसायिक तनाव; स्रोत और उससे निपटने की शैलियाँ; व्यक्तित्व और तनाव; कार्यस्थल पर लैंगिक मुद्दे।

## खंड ब – विधि

**समकालीन विधिक मुद्दे-**

- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005- धारा 1-20
- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000- धारा 1, धारा 2- परिभाषाएँ: संचार उपकरण, कंप्यूटर, कंप्यूटर तंत्र, कंप्यूटर साधन, कंप्यूटर प्रणाली, साइबर कैफे, साइबर सुरक्षा, डाटा, अंकीय चिह्न, इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख, इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर, सूचना, प्राइवेट कुंजी, लोक कुंजी, धारा 65, 66, 66(B-F), 67, 67 (A-C), 71-78
- बौद्धिक संपदा अधिकार- संकल्पना, प्रकार एवं प्रयोजन
- **स्त्रियों एवं बालकों के विरुद्ध अपराध-**
  - घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005:- धाराएँ 1-29, 31
  - महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013:- धाराएँ 1-9, 11-20
  - लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012:- धाराएँ 1-15
  - माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007:- धाराएँ 1-25

**राजस्थान में महत्वपूर्ण भूमि विधियाँ-**

- राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955:- धारा 1, धारा 5- परिभाषाएँ : कृषि वर्ष, कृषि, कृषक, सहायक कलक्टर, बोर्ड, कलक्टर, आयुक्त, फसल, ग्रामोद्धार, ग्रामभूमि, होल्डिंग, इजारा या ठेका, सुधार, भूमि, स्वयं काश्त भूमि, भूमिधारी, भूमिविहीन व्यक्ति, अधिवासित भूमि, चारागाह भूमि, रेंट, राजस्व, राजस्व अपीलीय प्राधिकारी, राजस्व न्यायालय, राजस्व अधिकारी, सार, बंदोबस्त, उपखंड अधिकारी, उप किरायेदार, तहसीलदार, किरायेदार, अतिचारी, नामबट, धाराएँ 14-17A, 31-37, 38-54A, 206-232, 239-242
- राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956- धारा-1, धारा-2, धारा-3 निर्वचन: भूअभिलेख अधिकारी, नगरपालिका, नजूल भूमि, पंचायत सर्कल, राजस्व अपील प्राधिकारी, बंदोबस्त प्राधिकारी, गांव। धाराएँ- 4-36, 40A, 74-87, 106-137, 142-183
- भारतीय न्याय संहिता, 2023- धारा-1, धारा-2 परिभाषाएँ: बालक, न्यायालय, दस्तावेज, लिंग, सद्भावपूर्वक, सरकार, न्यायाधीश, व्यक्ति, लोक, लोकसेवक, मूल्यवान प्रतिभूति, धाराएँ 189-191, 194-197, 270, 294-296
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023- धारा-1, धारा-2 परिभाषाएँ: ऑडियो दृश्य इलेक्ट्रॉनिक साधन, जमानत, जमानतीय एवं अजमानतीय अपराध, जमानत पत्र, बंध पत्र, आरोप, संज्ञेय अपराध, परिवाद, इलेक्ट्रॉनिक संदेश, जांच, अन्वेषण, असंज्ञेय अपराध, उपखंड, समन मामला, वारंट मामला। धाराएँ- 3 (2) (क), (ख), 14-17, 41-43, 126-129, 148, 149, 152, 163-167, 173, 174, 187, 194-196

## Paper – IV
## General Hindi and General English

### Unit-I सामान्य हिन्दी (कुल अंक- 90)

**भाग – अ (30 अंक)**

- उपसर्ग एवं प्रत्यय – शब्दों में से उपसर्ग एवं प्रत्यय पृथक करना
- समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट करना
- शब्द शुद्धि
- वाक्य शुद्धि
- मुहावरे– मुहावरों का प्रयोग कर अर्थ स्पष्ट करना
- कहावत/लोकोक्ति– प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट करना
- पारिभाषिक शब्दावली– प्रशासन से संबंधित अंग्रेज़ी शब्दों के समानार्थी हिन्दी पारिभाषिक शब्द

**भाग – ब (30 अंक)**

- संक्षिप्तीकरण– गद्यावतरण का लगभग एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण (गद्यावतरण की शब्द सीमा लगभग 150 शब्द)
- पल्लवन– किसी सूक्ति, काव्य पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव विस्तार (शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)
- अनुवाद– दिए गए अंग्रेज़ी अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद (शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

**भाग – स (30 अंक)**

- पत्र-लेखन– सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, अर्द्धशासकीय पत्र, अनुस्मारक, प्रतिवेदन
- प्रारूप-लेखन– अधिसूचना, निविदा सूचना, परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, कार्यालय ज्ञापन

### Unit-II General English (Total Marks: 70)

**Part A – Grammar & Usage (20 Marks)**

- Preposition
- Same word used as different parts of speech
- Phrasal Verbs & Idioms (application)
- One Word Substitute (application)
- Words often confused or misused (application)

**Part B – Comprehension, Translation & Précis Writing (30 Marks)**

- Comprehension of an unseen passage (approx. 300 words) 05 questions based on the passage and Précis writing of the same passage (approx. 100 words)
- Translation of five sentences from Hindi to English

**Part C – Composition & Letter Writing (20 Marks)**

- Elaboration of a given theme (Any 1 out of 3, approximately 150 words)
- Writing– Official Letter/ Demi-Official/Official Memorandum / Report Writing (approximately 150 words)

### इकाई III - निबंध (कुल अंक- 40)

- प्रश्न पत्र के निबंध भाग में छः विषयगत क्षेत्र होंगे। अभ्यर्थियों को लगभग 600 शब्दों का एक निबंध हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में लिखना होगा। निबंध के विषय निम्नलिखित छः विषयों पर आधारित होंगे-

  1. भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत
  2. समाज, शासन और सार्वजनिक मामले
  3. विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और सतत विकास
  4. अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग और वाणिज्य
  5. समसामयिक घटनाएँ, आपदाएँ और राष्ट्रीय विकास पहल
  6. राजस्थान के संदर्भ में पर्यटन, संस्कृति तथा समसामयिक मुद्दे

- अभ्यर्थियों को इन विषयगत क्षेत्रों से सम्बंधित किसी एक विषय पर निबंध लेखन करना होगा। अभ्यर्थियों से अपेक्षित है कि वे निर्दिष्ट विषय से पूर्णतः संबंधित रहें, अपने विचारों को सुसंगत तरीके से व्यवस्थित करें और सटीकता और संक्षिप्तता के साथ प्रस्तुत करें। विचारों की स्पष्टता, संरचना की सुसंगतता और अभिव्यक्ति की प्रभावशीलता के आधार पर अंक प्रदान किए जाएंगे।

# RAS PRE - 2024 [SOLVED PAPER]

**1. स्वर्णिम चतुर्भुज के चार खण्ड निम्न शहरों को जोड़ते हैं-**
A. दिल्ली – मुम्बई B. मुम्बई-चेन्नई
C. चेन्नई - कोलकाता D. कोलकाता - दिल्ली
**उपर्युक्त चार खण्डों की लम्बाई को घटते हुए क्रम में ध्यान देते हुए निम्न दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिए:-**
**कूट:-**
(a) C,D,A,B (b) C,D,B,A
(c) D,C,B,A (d) D,C,A,B
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)**
चेन्नई-कोलकाता : 1684 किलोमीटर
कोलकाता-दिल्ली : 1453 किलोमीटर
दिल्ली-मुंबई : 1419 किलोमीटर
मुंबई-चेन्नई : 1290 किलोमीटर

**2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:-**
A. लूनी बेसिन और शेखावाटी प्रदेश राजस्थान बांगड़ के उप-प्रदेश हैं
B. घग्घर का मैदान अधिकांशत हनुमानगढ़ एवं गंगानगर जिलों में फैला है
C. नागौर उच्च भूमि में लवणीय झीलें और आन्तरिक जल प्रवाह है
D. अरावली श्रेणियाँ सभी प्रकार के खनिजों में समृद्ध हैं
**सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये:**
**कूट:-**
(a) A और B (b) A,B और C
(c) B,C और D (d) A,B,C और D
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** अरावली श्रेणियाँ सभी प्रकार के खनिजों में समृद्ध नहीं हैं। विकल्प A, B और C सही है

**3. राजस्थान के निम्नलिखित जिला समूहों का दक्षिणी-पश्चिमी मानसून में औसत वर्षा के आधार पर सही आरोही क्रम कौन सा है?**
(a) जालौर, जयपुर, कोटा
(b) जैसलमेर, बाँसवाड़ा, राजसमन्द
(c) नागौर, धौलपुर, अजमेर
(d) चूरू, बारां, भीलवाड़ा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** राजस्थान में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से औसत वर्षा के आधार पर, बांसवाड़ा जिला सबसे अधिक वर्षा वाला है, जबकि जैसलमेर सबसे कम वर्षा वाला जिला है। राजस्थान में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से सर्वाधिक वर्षा वाले जिले, औसत वर्षा के क्रम में, इस प्रकार हैं:- झालावाड़, बांसवाड़ा, उदयपुर, कोटा, और सिरोही

**4. कौन सा सुमेलित नहीं है।**

| परमाणु ऊर्जा प्लान्ट | | राज्य |
|---|---|---|
| (a) कलपक्कम | - | तमिलनाडु |
| (b) काकरापार | - | गुजरात |
| (c) कैगा | - | तमिलनाडु |
| (d) नरोरा | - | उत्तरप्रदेश |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** कर्नाटक राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले में काली नदी के पास स्थित है, यह एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है जिसका संचालन भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम द्वारा किया जाता है।

**5. जयपुर, दौसा और अलवर जिलों में किस मृदा की प्रधानता है।**
(a) एन्टीसोल (b) इनसेप्टीसोल्स
(c) वर्टीसोल्स (d) अल्फीसोल्स
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** जयपुर, दौसा और अलवर जिलों में अल्फीसोल्स समूह की मृदा की प्रधानता है। यह मृदा जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, सवाई माधोपुर, टोंक, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बूंदी, कोटा, राजसमंद, उदयपुर, बांद्रा और झालावाड़ जिलों में पाई जाती है लाल से भूरे रंग की होती है, जिसमें चिकनी मिट्टी का संचय होता है, जिससे यह उपजाऊ होती है।

**6. वर्ष 2021-22 में, देश के कुल बाजरा उत्पादन में राजस्थान का योगदान (प्रतिशत में) था-**
(a) 46.30 (b ) 87.69
(c) 38.98 (d) 34.69
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** साल 2021-22 में, देश के कुल बाजरा उत्पादन में राजस्थान का योगदान 38.98 प्रतिशत था बाजरे के उत्पादन और क्षेत्रफल के मामले में राजस्थान देश में पहले नंबर पर है।

**7. मेडटेक मेडिकल डिवाइसेस पार्क अवस्थित है-**
(a) गणेश्वर विस्तार, सीकर
(b) माल की तूस, उदयपुर
(c) नैनवा, बूँदी
(d) बोरानाडा, जोधपुर (अविभाजित)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** मेडटेक मेडिकल डिवाइस पार्क, राजस्थान के जोधपुर जिले के बोरानाड़ा में बनाया जा रहा है।

**8. राजस्थान के किस जिले में 'खड़ीन' जल संरक्षण की प्रचलित विधि है -**
(a) नागौर (b) बीकानेर
(c) जैसलमेर (d) पाली
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** राजस्थान के जैसलमेर जिले में 'खड़ीन' जल संरक्षण की एक परम्परागत विधि है, जो 15वीं शताब्दी में विकसित हुई थी। खड़ीन मिटटी का बाँधनुमा अस्थाई तालाब होता है जिसे ढाल वाली भूमि के निचे बनाया जाता है तथा दो तरफ पाल उठाकर तीसरी ओर पत्थर की दीवार बनायीं जाती है ।

**9. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:**

| सूची-I (जिला) | सूची-II (नदी) |
|---|---|
| A. उदयपुर | (i) साबी तथा रूपारेल |
| B. बूँदी | (ii) गम्भीरी तथा पार्वती |
| C. भरतपुर | (iii) सोम तथा जाखम |
| D. अलवर | (iv) कुराल |

**कूट:-**

| | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|
| (a) | (iii) | (iv) | (i) | (ii) |
| (b) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (c) | (i) | (iii) | (ii) | (iv) |
| (d) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)**

| सूची-I (जिला) | | सूची-II (नदी) |
|---|---|---|
| A. उदयपुरः | - | सोम तथा जाखम |
| B. बूँदीः | - | कुराल |
| C. भरतपुरः | - | गम्भीरी तथा पार्वती |
| D. अलवरः | - | साबी तथा रूपारेल |

**10. राजस्थान में निम्नलिखित स्थलों पर ऐस्बेस्टॉस खदानें कहाँ अवस्थित हैं?**

(a) अर्जुनपुरा और पीपरदा (b) खुरा और मंगोल
(c) करपुरा और फतेहगढ़ (d) देपुरा और डिंगरी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** राजस्थान में अर्जुनपुरा और पीपरदा पर ऐस्बेस्टॉस खदानें अवस्थित हैं।

एस्बेस्टस का उत्पादन बड़े पैमाने पर राजस्थान राज्य के उदयपुर, डूंगरपुर, अलवर, अजमेर और पाली जिलों में किया जाता है?

**11. राजस्थान में लिग्नाइट के सबसे महत्वपूर्ण संसाधन स्थित हैं-**

(a) पलाना, अगूचा एवं मेड़ता
(b) पलाना, कसनऊ एवं जगपुरा
(c) कपूरड़ी, मेड़ता एवं कसनऊ
(d) कपूरड़ी, पलाना एवं जगपुरा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** राजस्थान में लिग्नाइट के सबसे महत्वपूर्ण संसाधन स्थित हैं:- कपूरड़ी, मेड़ता एवं कसनऊ राजस्थान में लिग्नाइट के सबसे महत्वपूर्ण संसाधन बाड़मेर-साचोर, जैसलमेर और नागौर बेसिन में पाए जाते हैं, जो बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, नागौर और जालौर जिलों में स्थित है।

**12. कौन सा सुमेलित नहीं है।**

| संरक्षित क्षेत्र | | जिला (मई 2023 के अनुसार) |
|---|---|---|
| (a) रनखार | - | जालौर |
| (b) मनसामाता | - | झुन्झुनूं |
| (c) सोरसन | - | बूँदी |
| (d) हमीरगढ़ | - | भीलवाड़ा |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** राजस्थान के बारां जिले में स्थित सोरसन वन्यजीव अभयारण्य इस क्षेत्र का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।

**13. माउण्ट आबू और रणकपुर किस पर्यटक परिपथ में सम्मिलित हैं?**

(a) ढूँढाड़ (b) शेखावाटी
(c) गोडवार (d) मेवाड़
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** राजस्थान के प्रमुख पर्यटन परिपथ-
**गोडवार परिपथ**-माउन्ट आबू –रणकपुर
**ढूँढाड़ परिपथ** – जयपुर –दौसा –टोंक
**शेखावाटी परिपथ**-सीकर –मंडावा-झुंझुनू
**मेवाड़ परिपथ-** उदयपुर –चितौडगढ़ –नाथद्वारा

**14. किस राजनीतिक दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने संविधान सभा को भंग कर उसका पुनर्निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर करने को कहा था?**

(a) हिंदू महासभा (b) समाजवादी दल
(c) स्वराज दल (d) मुस्लिम लीग
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** समाजवादी दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने जून 1947 में एक प्रस्ताव पारित किया था। इस दल का मानना था कि वर्तमान संविधान सभा संप्रभु नहीं है क्योंकि इसका गठन सीमित मताधिकार के आधार पर किया गया है और यह ब्रिटिश सरकार की योजना का परिणाम है। समाजवादियों ने मांग की थी कि वर्तमान संविधान सभा को भंग कर दिया जाना चाहिए।

**15. राजस्थान में कुल साक्षरता दर (जनगणना 2011) के घटते हुए क्रम के आधार पर जिलों का सही क्रम है-**

(a) जयपुर, झुन्झुनूं, कोटा, सीकर, अलवर
(b) कोटा, जयपुर, झुन्झुनूं, सीकर, अलवर
(c) झुन्झुनूं, कोटा, सीकर, जयपुर, अलवर
(d) कोटा, झुन्झुनूं, जयपुर, अलवर, सीकर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** 2011 की जनगणना के मुताबिक, राजस्थान के सबसे ज्यादा साक्षरता वाले जिलों का क्रम इस प्रकार है: कोटा – 76.6%, जयपुर – 75.5%, झुंझुनूं – 74.1%, सीकर – 71.9%, अलवर – 70.7%

**16. निम्नलिखित अनुच्छेदों के कौन से समूह द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार केवल भारत के 'नागरिकों' को अनुदत्त हैं?**

(a) अनुच्छेद 14, 20, 23 और 30
(b) अनुच्छेद 15, 21, 25 और 28
(c) अनुच्छेद 20, 21, 25 और 30
(d) अनुच्छेद 15, 16, 19 और 30
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)**

वे मौलिक अधिकार जो केवल भारतीय नागरिकों को प्राप्त हैं, वे निम्नलिखित हैं:

- अनुच्छेद 15: धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
- अनुच्छेद 16: लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता। (सरकारी नौकरियों)
- अनुच्छेद 19: विचार, अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सम्मेलन, संघ बनाने, संचरण, निवास तथा व्यवसाय की स्वतंत्रता।
- अनुच्छेद 29: अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण।
- अनुच्छेद 30: शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार।

**17. किस वर्ष भारत के संविधान में यह अन्तः स्थापित किया गया कि राज्य आर्थिक या अन्य निर्योग्यताओं के कारण किसी नागरिक को निःशुल्क विधिक सहायता सुनिश्चित करेगा?**

(a) 1978 (b) 1976
(c) 1975 (d) 1979
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्याः-(b)** भारत के संविधान में, 1976 में 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से अनुच्छेद 39क जोड़ा गया, जिसमें यह प्रावधान किया गया कि राज्य आर्थिक या अन्य निर्याग्यताओं के कारण किसी नागरिक को निःशुल्क विधिक सहायता सुनिश्चित करेगा।

**18. सूची-A का सूची-B से मिलान कीजिये और नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन कीजियेः-**

| सूची-A (वाद) | सूची-B (संशोधन को चुनौती) |
|---|---|
| A. इंदिरा गांधी बनाम | i. 42वाँ संशोधनराज नारायण |
| B. मिनर्वा बिल बनाम | ii. 52वाँ संशोधनभारत संघ |
| C. किहोतो हॉलोहान | iii. 39वाँ संशोधन बनाम जशीलू |
| D. पी- संबामूर्थि बनाम | iv.32वाँ संशोधनआंध्रप्रदेश राज्य |

**कूटः-**

| A | B | C | D |
|---|---|---|---|
| (a) (i) | (iii) | (iv) | (ii) |
| (b) (ii) | (iii) | (i) | (iv) |
| (c) (iv) | (ii) | (iii) | (i) |
| (d) (iii) | (i) | (ii) | (iv) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्याः-**(d)

| (वाद) | (संशोधन कोचुनौती) |
|---|---|
| A. इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण | 39वाँ संशोधन |
| B. मिनर्वा बिल बनाम भारत संघ | 42वाँ संशोधन |
| C. किहोतो हॉलोहान बनाम जशीलू | 52वाँ संशोधन |
| D. पी-संबामूर्थि बनाम आंध्रप्रदेश राज्य | 32वाँ संशोधन |

**19. भारत के राष्ट्रपति के चुनाव के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है।**

(a) भारत के राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा किया जाता है जिसमें (ए) संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य और (बी) राज्यों की विधान सभाओं और विधान सभा वाले केंद्रशासित प्रदेशों के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।
(b) निर्वाचक मंडल के प्रत्येक सदस्य के लिए वोट का मूल्य 1971 की जनसंख्या जनगणना के आधार पर तय किया जाता है और यह तब तक जारी रहेगा जब तक वर्ष 2026 के बाद पहली जनगणना की जनसंख्या प्रकाशित नहीं हो जाती है।
(c) चुनाव एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार आयोजित किए जाते हैं।
(d) किसी राज्य की विधान सभा के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के उतने मत होंगे जितने कि एक सौ के गुणित उस भागफल में हों जो राज्य की जनसंख्या को उस विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से भाग देने पर आये।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्याः-(d)** किसी राज्य की विधान सभा के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के उतने मत होंगे जितने कि एक हजार के गुणित उस भागफल में हों जो राज्य की जनसंख्या को उस विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से भाग देने पर आये।

**20. भारत के चुनाव आयोग के संबंध में सही कथन पहचानें।**

(a) भारत का चुनाव आयोग एक स्थायी संवैधानिक निकाय है और इसकी स्थापना 25 जनवरी, 1952 को संविधान के अनुसार की गई थी।
(b) बहुमत द्वारा निर्णय लेने की शक्ति के साथ बहु-सदस्यीय आयोग की अवधारणा 1995 से लागू है?
(c) संविधान के अंतर्गत संसद और राज्य विधानमंडलों के सदस्यों की निर्वाचन पश्चात् निर्योग्यता के मामले में आयोग के पास परामर्शदात्री क्षेत्रधिकार भी है?
(d) राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करता है और उनका कार्यकाल पाँच वर्ष या 60 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है?
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्याः-(c)**

- संविधान के अंतर्गत संसद और राज्य विधानमंडलों के सदस्यों की निर्वाचन पश्चात् निर्योग्यता के मामले में आयोग के पास परामर्शदात्री क्षेत्रधिकार भी है।
- निर्वाचन आयोग में मूलतः केवल एक चुनाव आयुक्त का प्रावधान था, लेकिन राष्ट्रपति की एक अधिसूचना के जरिये 16 अक्तूबर, 1989 को इसे तीन सदस्यीय बना दिया गया।इसके बाद कुछ समय के लिये इसे एक सदस्यीय आयोग बना दिया गया और 1 अक्टूबर, 1993 को इसका तीन सदस्यीय आयोग वाला स्वरूप फिर से बहाल कर दिया गया तब से निर्वाचन आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त होते हैं।

**21. लोक सभा के अध्यक्ष की शक्तियों के बारे में निम्न में से कौन से कथन सही हैं? नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिये:**

(i) लोक सभा अध्यक्ष संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हैं।

(ii) जब एक वित्त विधेयक को निचले सदन से उच्च सदन को भेजा जाता है तो अध्यक्ष द्वारा उस विधेयक को वित्त विधेयक के तौर पर प्रमाणपत्र दिया जाताहै?

(iii) जब अध्यक्ष को हटाये जाने का प्रस्ताव विचारधीन हो, तब अध्यक्ष ना तो अध्यक्षता करेंगे और ना ही कार्यवाहियों में भाग लेंगे।

(iv) मतों की समानता के अलावा, अध्यक्ष सदन में मतदान नहीं करते।

**कूट:**

(a) केवल (i) और (iii) (b) केवल (i) और (ii)
(c) केवल (i), (ii) और (iv) (d) केवल (i),(ii) और (iii)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** कथन (iii) असत्य है क्योंकी जब अध्यक्ष /उपाध्यक्ष हो हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन है तब वह उसका पीठासीन नही होगा। उस स्थिति में उसे दुसरे सदस्यों कि भांति प्रथमतः मत देने का अधिकार तो होगा परन्तु मत बराबर होने की दशा में उसे निर्णायक मत देने का हक़ नही होगा।

**22. निम्नलिखित में से वो कौन सा विषय है जिस पर 31 दिसम्बर, 2023 को वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित वित्त आयोग अपनी सिफारिश नहीं करेगा?**

(a) संविधान के अध्याय I भाग XII के तहत संघ और राज्यों के बीच विभाजित किए जाने या किए जा सकने वाले करों के निवल आगमों का वितरण।

(b) वे सिद्धांत जो भारत की संचित निधि से राज्यों के राजस्व के सहायता अनुदान को नियंत्रित करते हैं।

(c) पंचायतों और नगरपालिकाओं के संसाधनों की पूर्ति के लिए राज्य की संचित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय।

(d) जलवायु प्रबंधन पहल के वित्त पोषण पर वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा।

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** जलवायु प्रबंधन पहल के वित्त पोषण पर वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा के अतिरिक्त वित आयोग अन्य सभी विकल्पो की सुनवाई कर सकता है।

**23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चिह्नित कीजिए:**

A. 2004 के चुनाव में कांग्रेस ने 145 लोक सभा स्थानों पर विजय प्राप्त की।

B. 2004 के चुनाव में भाजपा ने 133 लोक सभा स्थानों पर विजय प्राप्त की।

C. 2004 के चुनाव में मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी ने 48 लोक सभा स्थानों पर विजय प्राप्त की।

**कूट:**

(a) केवल A सही है (b) केवल A और B सही हैं।
(c) केवल B और C सही हैं। (d) केवल A और C सही हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:- (a)** 2004 के चुनाव में कांग्रेस ने 145 लोक सभा स्थानों पर विजय प्राप्त की। 2004 के चुनाव में भाजपा ने 138 लोक सभा स्थानों पर विजय प्राप्त की। 2004 के चुनाव में मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी ने 43 लोक सभा स्थानों पर विजय प्राप्त की।

**24. केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना निम्नलिखित में से किस समिति की सिफारिशों के आधार पर हुयी थी?**

(a) संथानम समिति (b) केंलकर समिति
(c) स्वर्ण सिंह समिति (d) बक्शी टेकचंद समिति
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना 11 फरवरी 1964 के. संथानम की अध्यक्षता में भ्रष्टाचार निरोधक समिति की सिफारिशों के आधार पर हुई।

**25. निम्नलिखित में से किस मुख्यमंत्री ने अधिकतम बार राजस्थान में राष्ट्रपति शासन का सामना किया?**

(a) हरिदेव जोशी (b) भैरोंसिंह शेखावत
(c) जयनारायण व्यास (d) शिवचरण माथुर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:- (b)** राजस्थान में कुल चार बार (वर्ष 1967, 1977, 1980 व 1992 ) राष्ट्रपति शासन लागू हो चुका है। भैरोंसिंह शेखावत-राजस्थान में तीसरा (1980) व चौथा (1992) राष्ट्रपति शासन इन्ही के समय लगा।

**26. नवम्बर 2024 के अंत तक, राजस्थान की मंत्रिपरिषद् में कितनी महिलाएँ थीं?**

(a) केवल 1 (c) केवल 3
(b) केवल 2 (d) केवल 5
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** राजस्थान की मंत्रिपरिषद् में केवल 2 महिलाएँ है

1- उप मुख्यमंत्री-श्रीमती दिया कुमारी विधानसभा क्षेत्रः विद्याधर नगर
2. राज्य मंत्री - डॉ- मंजू बाघमार (सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल अधिकारिता विभाग) विधानसभा क्षेत्रः जायल

**27. निम्नलिखित में से राजस्थान विधान सभा में अधीनस्थ विधान संबंधी कौन सा कथन सही नहीं है।**

(a) अधीनस्थ विधान समिति संविधान के प्रावधान या ऐसे आदेश बनाने के लिए अधीनस्थ प्राधिकारी को शक्ति सौंपने वाले कानून के प्रावधानों के अनुसरण में बनाए गए सभी ''आदेशों'' की जाँच करती है?

(b) समिति उन विधेयकों के प्रावधानों की जाँच कर सकती है जो आदेश देने के लिए शक्तियाँ सौंपने की माँग करते है।

(c) अध्यक्ष विधायी शक्तियों के प्रत्यायोजन के प्रावधान वाले विधेयकों को समिति को संदर्भित करता है?

(d) यह राजस्थान विधान सभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 240 द्वारा शासित होता है?

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** राजस्थान विधान सभा की अधीनस्थ विधान समिति का गठन, कार्य और प्रक्रिया नियम 239 के तहत शासित होती है। नियम 240 मुख्य रूप से आदेशों के संख्यांकन (numbering), प्रकाशन और संबंधित अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है, न कि समिति के गठन या कार्य से।

**28. राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में निम्नांकित में से कौन सा कथन सही नहीं है।**

(a) राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा के आधार पर राजप्रमुख के पद को समाप्त कर दिया गया।
(b) 7वें संविधान संशोधन से राजप्रमुख का पद समाप्त किया गया।
(c) गुरुमुख निहाल सिंह को 1 नवम्बर, 1956 को राजस्थान का पहला राज्यपाल नियुक्त किया गया।
(d) हरिभाऊ किसनराव बागडे ने 31 जुलाई, 2024 को राजस्थान के राज्यपाल का पदभार संभाला।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** गुरुमुख निहाल सिंह को 25 अक्टूबर , 1956 को राजस्थान का पहला राज्यपाल नियुक्त किया गया। वर्तमान में श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े राजस्थान के राज्यपाल हैं, इन्होने 31 जुलाई, 2024 को राज्यपाल का पदभार ग्रहण किया।

**29. राजस्थान में जिला आयोजना समिति का अध्यक्ष कौन बनता है।**

(a) जिला कलक्टर (b) जिला परिषद् का मुख्य कार्यकारी अधिकारी
(c) संसद सदस्य (d) जिला प्रमुख
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** संविधान के अनुच्छेद 243 ZD के तहत इस समिति का प्रावधान किया गया है इस समिति का अध्यक्ष जिला प्रमुख होता है। इस समिति में कुल 25 सदस्य होते है। इस समिति की सदस्य सख्या का निर्धारण संविधान में निर्धारित नही है।

**30. किस अधिनियम के द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण की स्थापना हुयी थी?**

(a) जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1982
(b) जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1983
(c) जयंपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1984
(d) जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1985
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1982

**31. निम्नलिखित में से रियासती राज्यों के किस समूह ने स्वाधीनता से पहले पंचायतों पर विधेयक पारित कर दिया था ?**

(a) अलवर, बाँसवाड़ा, करौली, सिरोही
(b) बाँसवाड़ा, बीकानेर, भरतपुर, बूँदी
(c) जोधपुर, जयपुर, उदयपुर, सिरोही
(d) करौली, बूँदी, अलवर, जैसलमेर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** जोधपुर, जयपुर, उदयपुर, सिरोही

**32. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राजस्थान सरकार के अधीन सेवारत व्यक्ति को प्रभावित करने वाले अनुशासनात्मक मामलों पर राजस्थान लोक सेवा आयोग से अनिवार्य परामर्श का प्रावधान है।**

(a) अनुच्छेद 320 (3) (b) अनुच्छेद 318 (1)
(c) अनुच्छेद 322 (2) (d) अनुच्छेद 325 (4)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** अनुच्छेद 320(3) भारत के संविधान का एक खंड है जो लोक सेवा आयोगों से संबंधित है। यह प्रावधान करता है कि लोक सेवा आयोगों को सिविल सेवाओं और पदों में नियुक्तियों और अनुशासनात्मक मामलों से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह देनी चाहिए।

**33. निम्नलिखित में से किस दिनांक को प्रमिल कुमार माथुर ने राजस्थान उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल का कार्यभार संभाला?**

(a) 20/02/2024 (b) 20/03/2024
(c) 20/04/2024 (d) 20/05/2024
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** दिनांक 20/04/2024 को प्रमिल कुमार माथुर ने राजस्थान उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल का कार्यभार संभाला।

**34. राजस्थान लोकायुक्त और उप लोकायुक्त अधिनियम, 1973 की धारा 7 के तहत, लोकायुक्त को कुछ मामलों में मंत्रियों और लोक सेवकों के खिलाफ आरोपों की जाँच करने का अधिकार है। निम्नलिखित में से कौन सा विषय उन जाँचों का हिस्सा नहीं है।**

(a) लोक सेवकों द्वारा पहुँचाई गई अकारण हानिया, पीड़ा।
(b) अपने या किसी अन्य व्यक्ति के लिए अवैध लाभ प्राप्त करने के लिए एक लोक सेवक के रूप में अपनी आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग करना।
(c) महिलाओं का यौन उत्पीड़न, जातिगत भेदभाव और बच्चों के खिलाफ हिंसा
(d) लोक सेवक की हैसियत से भ्रष्टाचार दोषी होने या पारदर्शिता की कमी से संबंधित हो सकता है?
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** लोकायुक्त मुख्यतः भ्रष्टाचार-केंद्रित जांच करता है, न कि सामान्य अपराधों या सामाजिक हिंसा की। महिलाओं का यौन उत्पीड़न, जातिगत भेदभाव और बच्चों के खिलाफ हिंसा जैसे सामाजिक/आपराधिक मामले लोकायुक्त के जांच दायरे में नहीं आते। ये मामले भ्रष्टाचार या प्रशासनिक दुरुपयोग से सीधे जुड़े नहीं हैं, बल्कि सामान्य कानून (IPC, POCSO, SC/ST Act आदि) के अंतर्गत आते हैं।

**35. सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के लिए महापौर का चुनाव लड़ने हेतु अमानत राशि कितनी है?**

(a) ₹10,000 (b) ₹ 20,000
(c) ₹ 30,000 (d) ₹40,000
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के लिए महापौर का चुनाव लड़ने हेतु अमानत राशि 30,000 है।

**36. राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है।निम्नलिखित में से कौन इस समिति का सदस्य नहीं होता है?**

(a) मुख्यमंत्री
(b) राज्य विधान सभा में विपक्ष का नेता
(c) मुख्यमंत्री द्वारा मनोनीत केबिनेट मंत्री
(d) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15(3) के अनुसार, राज्य सूचना आयुक्त व सुचना आयुक्तो की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक 3 सदस्यीय समिति की सिफारिश पर की जाती है-
  - » मुख्यमंत्री (अध्यक्ष)
  - » राज्य विधान सभा में विपक्ष का नेता
  - » मुख्यमंत्री द्वारा मनोनीत एक केबिनेट मंत्री

**37. राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के निम्नलिखित अध्यक्षों में से किन्होंने पाँच वर्ष की पदावधि पूरी की?'**

(a) न्यायमूर्ति श्रीमती कांता भटनागर
(b) न्यायमूर्ति एन. के. जैन
(c) न्यायमूर्ति एस- सगीर अहमद
(d) न्यायमूर्ति प्रकाश टाटिया
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** नगेन्द्र कुमार जैन –आयोग के प्रथम अध्यक्ष जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। वे 16 जुलाई, 2005 से 15 जुलाई, 2010 तक इस पद पर रहे।

**38. सिटिजन चार्टर का उद्देश्य नहीं है-**

(a) गुणात्मक और समयबद्ध सेवा प्रदान करना
(b) नागरिक उन्मुखी शासन
(c) उत्तरदायी सरकार
(d) जनता की माँगों की प्रभावी सुनवाई का तंत्र सृजित करना
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** सिटीजन चार्टर एक ऐसा दस्तावेज है जो किसी संगठन द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं के मानकों, प्रतिबद्धताओं और मानकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं में सुधार करना, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना और नागरिकों को सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

**39. निम्नलिखित में से किस वर्ष में भारत की सकल राष्ट्रीय आय एवं शुद्धं राष्ट्रीय आय में वार्षिक वृद्धि की दर प्रचलित एवं स्थिर, दोनों ही कीमतों पर ऋणात्मक रही हैं?**

(a) 2018-19 (b) 2019-20
(c) 2020-21 (d) 2021-22
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** भारत की सकल राष्ट्रीय आय और शुद्ध राष्ट्रीय आय में वार्षिक वृद्धि की दर प्रचलित और स्थिर दोनों कीमतों पर 2020-21 में ऋणात्मक रही थी। 2020-21 में, कोविड -19 महामारी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में मंदी आई थी।

**40. जी. एस. टी. के "इनपुट कर जमा तंत्र'' के लाभ के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन सही है?**

(a) यह दोहरे करारोपण को रोकता है।
(b) यह उत्पादन पर कर से बचाता है।
(c) यह स्टार्ट-अप को कर से राहत प्रदान करता है।
(d) यहाँ उत्पादकों को रिकॉर्ड रखने की जरूरत नहीं होती है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(a)** इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) प्रणाली के तहत, करदाताओं को उनकी खरीद पर चुकाए गए टैक्स का क्रेडिट मिलता है, जिससे दोहरे करारोपण (कैस्केडिंग प्रभाव ) को रोका जाता है इससे व्यापारियों को राहत मिलती है और लागत कम होती है।

**41. राजस्थान के राज निवेश पोर्टल के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?**

(a) राज निवेश पोर्टल मंजूरी / अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप सूचना / पूजीकरण / अनुमोदन / ट्रैकिंग केंद्र के रूप में कार्य करके एकल बिंदु (ऑनलाइन) इंटरफेस और समयबद्ध निकासी प्रणाली प्रदान करता है।
(b) यह बड़े निवेश प्रस्तावों को अधिक प्रभावी ढंग से सुविधाजनक बनाने और एक ही छत के नीचे उनके लिए अपेक्षित अनुमोदन / मंजूरी में तेजी लाने के लिए सीधे मुख्यमंत्री के अधीन एक वन स्टॉप शॉप» (ओ एस एस ) सुविधा है।
(c) वन स्टॉप शॉप के नियम 26-11-2020 को अधिसूचित किए गए है।
(d) पोर्टल निवेशकों के मार्गदर्शन के लिए प्रासंगिक नियमों, विनियमों, आदेशों और नीतिगत पहलों और योजनाओं से संबंधित अद्यतन जानकारी भी प्रदान करता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)**

**42. भारत में मुद्रास्फीति के सन्दर्भ में निम्न में से कौन सा/से कथन सही है/हैं ?**

A. कोर मुद्रास्फीति में खाद्य और ऊर्जा की कीमतें शामिल रहती है।
B. हैडलाइन मुद्रास्फीति से खाद्य स्फीति बाहर रहती है।
C. कोर मुद्रास्फीति की अपेक्षा हैडलाइन मुद्रास्फीति की प्रकृति ज्यादा परिवर्तनशील होती है।

**नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर का चुनाव कीजिये:**

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** कोर मुद्रास्फीति में खाद्य और ऊर्जा की कीमतें शामिल नहीं की जाती हैं। यह अस्थायी उतार-चढ़ाव से मुक्त रहती है। हैडलाइन मुद्रास्फीति में सभी वस्तुएँ (खाद्य, ईंधन, ऊर्जा सहित) शामिल होती हैं। हैडलाइन मुद्रास्फीति खाद्य और ऊर्जा की कीमतों के कारण ज्यादा परिवर्तनशील (volatile) होती है, जबकि कोर मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत स्थिर रहती है।

**43. सूची-I में कृषि फसलें तथा सूची-II में 2021-22 में इन फसलों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर रहे राज्यों के नाम है। संकेतांकों का प्रयोग करते हुए उन्हें सुमेलित कीजिए:**

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| A.पोषक अनाज | i.राजस्थान |
| B.कुल दलहन | ii.कर्नाटक |
| C.मूँगफली | iii.मध्यप्रदेश |
| D.सोयाबीन | iv.महाराष्ट्र |
| | v.गुजरात |

**संकेतांक:**

| | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|
| (a) | (i) | (iii) | (ii) | (iv) |
| (b) | (iii) | (i) | (iv) | (ii) |
| (c) | (ii) | (iii) | (v) | (iv) |
| (d) | (iv) | (v) | (ii) | (iii) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)**

पोषक अनाज: - कर्नाटक
कुल दलहन: - मध्यप्रदेश
मूँगफली: - गुजरात
सोयाबीन: - महाराष्ट्र

**44. भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियमय् (NFSA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:**

A. यह 5 जुलाई, 2013 को अधिनियमित किया गया।
B. वर्तमान में लगभग 50 करोड़ व्यक्ति राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत आते है।
C. यह अधिनियम कानूनी रूप से 75% ग्रामीण आबादी और 50% शहरी आबादी को सब्सिडी युक्त खाद्यान्न प्राप्त करने का अधिकार देता है।

**संकेतांकों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर दीजिये:**

(a) B एवं C दोनों सही है। (b) A एवं B दोनों सही हैं।
(c) A एवं C दोनों सही हैं। (d) A,B एवं C सही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) 5 जुलाई, 2013 को संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था। NFSA लगभग 67% आबादी, यानी 80 करोड़ से अधिक लोगों को कवर करता है।

**45. विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 के सन्दर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिये:**

A. भारत का स्थान 140 से अधिक देशों में 126 था, जो कि इसके पड़ोसी देशों चीन, नेपाल, पाकिस्तान,म्यांमार, श्रीलंका और बांग्लादेश से भी निम्न है।
B. पिछले कुल वर्षों में भारत के स्थान में कुछ विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है, यह बताता है कि जनसंख्या के कल्याण और खुशी में सुधार के लिये सीमित प्रगति ही हुई है।

**निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये:**

(a) केवल A (b) केवल B
(c) A और B दोनों (d) ना तो A और ना ही B
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 में भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है, भारत के पडौसी देशो की रैंकिंग - चीन (60वां), नेपाल (93वां), पाकिस्तान (108वां), म्यांमार (118वां) श्रीलंका (128वां) और बांग्लादेश (129वां)

**46. कार्मिकों का जनसंख्या से अनुपात को परिभाषित किया जाता है?**

(a) श्रम शक्ति में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
(b) कार्यशील आयु की जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
(c) कुल जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
(d) कुल जनसंख्या में कार्यशील आयु की जनसंख्या का प्रतिशत
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** कार्मिकों का जनसंख्या से अनुपात को श्रमिक जनसंख्या अनुपात कहा जाता है। यह अनुपात किसी जनसंख्या में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या का, उस जनसंख्या के कुल आकार से अनुपात को दर्शाता है।

**47. भारत में 1991 के बाद शुरू हुए वित्तीय क्षेत्र के सुधारों से निम्न में से कौन सा सम्बन्धित नहीहै?**

(a) पूँजी पर्याप्तता
(b) गैर-आस्तिकारी परिसम्पत्तियाँ
(c) एफ. आर. बी. एम. अधिनियम (फिस्कल रिस्पांसिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट)
(d) सरफेसी अधिनियम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** FRBM Act, 2003 — यह वित्तीय क्षेत्र का सुधार नहीं है, बल्कि राजकोषीय क्षेत्र का सुधार है। इसका उद्देश्य सरकार के राजकोषीय घाटे (fiscal deficit) को नियंत्रित करना और बजट प्रबंधन में अनुशासन लाना है। यह 1991 के वित्तीय सुधारों से सीधे संबंधित नहीं है।

**48. राजस्थान के राजकोषीय घाटे के सम्बन्ध में निम्न कथनों पर विचार करें:**

A. वर्ष 2022-23 में वास्तविक राजकोषीय घाटा राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 3.76 प्रतिशत रहा है।
B. यह एफ. आर. बी. एम. अधिनियम, 2005 द्वारा अनुमोदित सीमा से कम है।
C. वर्ष 2022-23 की राजकोषीय घाटा 2021-22 की तुलना में अधिक था।

**सही विकल्प को चुनिए:**

(a) A व C दोनों सही है। (b) A व B दोनों सही है।
(c) B व C दोनों सही है? (d) A, B व C सभी सही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-**(d) विकल्प A,B और C तीनो सही है।

**49. राजस्थान खनिज नीति 2024 के लक्ष्यों के सन्दर्भ में निम्न कथनों पर ध्यान दीजिये:**

A. वर्ष 2046-47 तक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष 1 करोड़ व्यक्तियों को तथा 2029-30 तक 50 लाख व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करना।

B. राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में खनिज क्षेत्र का योगदान के 3.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 2029-30 तक 5 प्रतिशत और 2046-47 तक 8 प्रतिशत तक करना।

C. खनन के अन्तर्गत खनिजों की संख्या को 2047 तक बढ़ाकर 58 से 70 करना।

**उपरोक्त कथनों में से कौन से कथन सही हैं ?**

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और C (d) A,B और C
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** तीनों कथन सही है।

**50. राजस्थान के सकल स्थाई पूँजी निर्माण में विभिन्न क्षेत्रें के योगदान का घटते हुये क्रम में सही क्रम है-**

(a) विनिर्माण, खनन, कृषि, निर्माण
(b) निर्माण, कृषि, विनिर्माण, खनन
(c) निर्माण, विनिर्माण, कृषि, खनन
(d) विनिर्माण, कृषि, खनन, निर्माण
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** निर्माण, विनिर्माण, कृषि, खनन।

**51. भारत में राज्यों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग जारी की जाती है-**

(a) उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा
(b) उद्योग संवर्द्धन एवं आन्तरिक व्यापार विभाग द्वारा
(c) निवेश संबर्द्धन ब्यूरो द्वारा
(d) राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (राजसीकों) द्वारा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** उद्योग संवर्द्धन एवं आन्तरिक व्यापार विभाग द्वारा।

**52. मुख्यमंत्री राजस्थान आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद् (CM-RETAC) के स्थान पर निम्नलिखित में से किसका गबन किया गया है?**

(a) राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC)
(b) राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एण्ड इनोवेशन (RITI)
(c) राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-कैट)
(d) राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्(राजीविका)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एण्ड इनोवेशन (RITI)

**53.निम्नलिखित में से कौन सा पार्क / जोन RIICO द्वारा राजस्थान में विकसित नहीं किया गया है?**

(a) मेडटेक मेडिकल - बोरानाडा, डिवाइसेस पार्क जोधपुर
(b) इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी- जमवारामगढ़, पार्क जयपुर
(c) स्पोर्ट्स गुड्स एंड टॉयज - खुशखेड़ा, जोनभिवाड़ी
(d) एग्रो फूड पार्क - उदयपुर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** एग्रो फूड पार्क - उदयपुर

**54. राजस्थान सरकार ने एम-सैण्ड नीति वर्ष 2024 में घोषित की है। यह प्रभावी रहेगी-**

(a) 31 मार्च, 2029 तक अथवा नई नीति की घोषणा होने तक
(b) 31 मार्च, 2030 तक अथवा नई नीति की घोषणा होने तक
(c) 31 मार्च, 2032 तक अथवा नई नीति की घोषणा होने तक
(d) 30 जून, 2029 तक अथवा नई नीति की घोषणा होने तक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(a)**

**55. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिये:**

| **सूची-I (वर्ष 2023-24 में रीको द्वारा विकसित किये गये नये औद्योगिक क्षेत्र)** | **सूची-II (स्थान)** |
|---|---|
| A. नाडोल | i. उदयपुर |
| B. धर्मपुरा | ii. झालावाड़ |
| C. उमरिया | iii. बाड़मेर |
| D. माल की तूस | iv. पाली |

**कूट:-**

| | **A** | **B** | **C** | **D** |
|---|---|---|---|---|
| (a) | (iv) | (ii) | (iii) | (ii) |
| (b) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (c) | (ii) | (iv) | (i) | (iii) |
| (d) | (iii) | (i) | (iv) | (ii) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** (वर्ष 2023-24 में रीको द्वारा विकसित किये गये नये औद्योगिक क्षेत्र)

A. नाडोल:- पाली
B. धर्मपुरा:- बाड़मेर
C. उमरिया:- झालावाड़
D. माल की तूस:- उदयपुर

**56. पी. एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं ?**

(i) इस योजना के तहत हर माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए एक करोड़ घरों पर सौर संयंत्र स्थापित किये जायेंगे।
(ii) रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने हेतु 30 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान
(iii) योजना पंजीकरण, आवेदन, स्वीकृति तथा अनुदान की शत प्रतिशत ऑनलाइन व्यवस्था
(iv) प्रत्येक आवेदक को 4 प्रतिशत बैंक ब्याज पर ऋण देने का प्रावधान

(a) (i) और (iv) (b) (i), (ii) और (iii)
(c) (i) और (iii) (d) (i), (iii) और (iv)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)**

**57. राजस्थान में आस्था योजना के लिये निम्न में से कौन पात्र हैं?**
(a) विशेष योग्य जन श्रेणी के व्यक्ति
(b) विशेष योग्य जन श्रेणी के व्यक्ति, जिनकी दिव्यांगता 40 प्रतिशत से अधिक हो
(c) बी. पी. एल. कार्ड धारक
(d) वे परिवार जिनमें 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले विशेष योग्य जन श्रेणी के व्यक्तियों की संख्या 2 या उससे अधिकहो।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** राजस्थान में आस्था योजना के लिए वे परिवार पात्र हैं जिनमें 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले विशेष योग्य जन श्रेणी के व्यक्तियों की संख्या 2 या उससे अधिक हो।

**58. राजस्थान की मुख्यमन्त्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य है-**
(a) गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों का सशक्तिकरण
(b) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के परिवारों का सशक्तिकरण
(c) स्ट्रीट वेन्डर्स का सशक्तिकरण
(d) गर्भवती व दुग्धपान कराने वाली महिलाओं का सशक्तिकरण
(e) अनुत्तरित प्रश्न
**व्याख्या:-(c) उद्देश्य -** स्ट्रीट वेन्डर्स का आर्थिक सशक्तिकरण

**59. निम्नलिखित में से किसमें परिवर्तन के कारण मोतियाबिन्द में आँखों का प्राकृतिक लेंस धुंधला हो जाता है?**
(a) प्रोटीन (b) कार्बोहाइर्डेट
(c) वसा (d) अश्रु ग्रन्थि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(a)** मोतियाबिंद में आँख का प्राकृतिक लेंस धुंधला हो जाता है, क्योंकि लेंस में मौजूद प्रोटीन (क्रिस्टलीय प्रोटीन ) का संरचनात्मक परिवर्तन हो जाता है। यह परिवर्तन उम्र बढ़ने, UV किरणों, मधुमेह, चोट या अन्य कारणों से होता है, जिससे लेंस अपारदर्शी (opaque) हो जाता है और दृष्टि धुंधली हो जाती है।

**60. निम्नलिखित में से दाब की इकाइयाँ हैं:**
(A) bar (B) Pa
(c) torr (D) atm
**सही विकल्प का चयन कीजिए:**
(a) केवल (B) एवं D (b) केवल (B), (c) एवं D
(c) केवल A, (B) एवं D (d) सभी A,(B), (c) एवं D
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** bar ,Pa, torr और atm ये चारों दाब की इकाइयाँ है ।

**61. ''राजस्थान शहरी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (चरण-III)'' का मुख्य उद्देश्य है-**
(a) शहरी क्षेत्रें में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ।
(b) शहरी क्षेत्रें में विद्यालय शिक्षा में सुधार ।
(c) जल आपूर्ति, स्वच्छता और सीवरेज क्षेत्र में प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सुधार।
(d) नई सड़कों का निर्माण।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** राजस्थान शहरी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (चरण-III) का मुख्य उद्देश्य है- जल आपूर्ति, स्वच्छता और सीवरेज क्षेत्र में प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सुधार करना है।

**62. निम्नलिखित में से उस लेयर की पहचान करें जो IoT डिवाइसों में वायरलेस कनेक्शन के लिए उपयोग की जाती है:**
(a) एप्लिकेशन लेयर (b) परसेप्शन लेयर
(c) नेटवर्क लेयर (d) ट्रांसपोर्ट लेयर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** नेटवर्क लेयर IoT डिवाइसों में वायरलेस कनेक्शन के लिए उपयोग की जाती है।

**63. 'डीआरडीओ' द्वारा हवाई खतरों को निष्क्रिय करने हेतु विकसित मानव पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली का नाम क्या है?**
(a) Akash - NG (b) QRSAM
(c) VL- SRSAM (d) VSHORADS
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** VSHORADS का मतलब है वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम। यह एक मानव पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली है, जिसे डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है।

**64. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सक्रिय इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार (AESA) के लिए सही नहीं हैं?**
(a) यह कई लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम नहीं है। विस्तृत बैंड आर एफ फ्रंट एंड इस रडार की विशेषता है।
(b) विस्तृत बैंड आर एफ फ्रंट एंड इस रडार की विशेषता है।
(c) यह ठोस अवस्था एक्टिव फ्रेज एरे फायर कंट्रोल रडार है।
(d) इसे विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमान के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:- (a)**

**65. चौथी पीढ़ी का जैव ईंधन प्राप्त होता है, आनुवंशिक रूप से संशोधित-**
(a) आर्किबैक्टीरिया से
(b) स्टार्च देने वाली फसलों से
(c) लिग्नो-सेलुलोस देने वाली फसलों से
(d) शैवाल से
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** जैव ईंधन )biofuels) की पीढ़ियों का वर्गीकरण इस प्रकार है:

**पहली पीढ़ी** — स्टार्च/चीनी वाली फसलें (जैसे गन्ना, मक्का)।
**दूसरी पीढ़ी** — लिग्नो-सेलुलोसिक बायोमास ( कृषि अवशेष)।
**तीसरी पीढ़ी** — सामान्य शैवाल ।
**चौथी पीढ़ी** — आनुवंशिक रूप से संशोधित शैवाल

**66. नीचे दिए गए कूटों की सहायता से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के संदर्भ में सही कथनों की पहचान करें:-**

A. यंत्रधिगम AI का एक उपसमूह है।
B. पर्यवेक्षित अधिगम में चिह्नित निवेशी डेटा के बिना कम्प्यूटर सिस्टम को प्रशिक्षित किया जाता है।
C. मशीनें जाँच और भूल के माध्यम से सीखती हैं, और उन्हें प्रबलन अधिगम के दौरान प्रतिफल मिलता है।

**कूट:**

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) A,B और C सभी कथन सही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)**

- यंत्रधिगम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का ही एक उपसमूह है। AI एक व्यापक तकनीक है, जबकि मशीन लर्निंग वह तरीका है जिससे मशीनें डेटा से खुद सीखती हैं।
- पर्यवेक्षित अधिगम में कंप्यूटर को चिह्नित डेटा के साथ प्रशिक्षित किया जाता है। "बिना चिह्नित डेटा" का उपयोग अधिपयवेक्षित अधिगम में होता है।
- प्रबलन अधिगम में मशीनें 'जाँच और भूल' के सिद्धांत पर काम करती हैं। सही कदम उठाने पर उन्हें प्रतिफल मिलता है और गलत कदम पर दंड, जिससे वे धीरे-धीरे बेहतर होती हैं।

**67. क्वाशियोरकॉर, जो कुपोषण का एक प्रकार है, निम्नलिखित में से किसकी कमी से होता है?**

(a) सिलीनियम (b) प्रोटीन
(c) कार्बोहाइड्रेट्स (d) क्रोमियम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** क्वाशियोरकॉर , कुपोषण का एक गंभीर प्रकार है, जो मुख्य रूप से प्रोटीन की कमी से होता है, भले ही कैलोरी (ऊर्जा) की मात्रा पर्याप्त हो। यह आमतौर पर छोटे बच्चों में देखा जाता है (खासकर 1-3 साल की उम्र में), मुख्य लक्षण: पेट फूलना (edema - सूजन),त्वचा का रंग बदलना/छिलना,बालों का रंग हल्का होना (लाल/भूरे बाल), लीवर बड़ा होना,कमजोरी और विकास रुकना

**68. निम्नलिखित में से किस कृत्रिम मधुरक में माधुर्यमान सूक्रोस की तुलना में अधिकतम है?**

(a) ऐस्पार्टम (b) ऐलिटेम
(c) सूक्रोलोस (d) सैकरीन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b) ऐलिटेम:-** यह एक कृत्रिम मधुरक है जो सुक्रोज से लगभग 2000 गुना अधिक मीठा होता है।
- **ऐस्पार्टम:-**यह एक कृत्रिम मधुरक है जो सुक्रोज से लगभग 200 गुना अधिक मीठा होता है।
- **सूक्रोलोस:-**यह एक कृत्रिम मधुरक है जो सुक्रोज से लगभग 600 गुना अधिक मीठा होता है।
- **सैकरीन:-**यह एक कृत्रिम मधुरक है जो सुक्रोज से लगभग 300-500 गुना अधिक मीठा होता है।

**69. निम्नलिखित में से कौन सा मानव देह तरल / ऊतकों में पाया जाने वाला एक सूक्ष्म खनिज है?**

(a) फॉस्फोरस (b) सल्फर
(c) आयोडीन (d) मैग्नीशियम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** मानव शरीर में पाए जाने वाले सूक्ष्म खनिज वे खनिज हैं जिनकी आवश्यकता बहुत कम मात्रा में होती है (आमतौर पर मिलीग्राम या माइक्रोग्राम में)। आयोडीन (Iodine) एक सूक्ष्म खनिज है। यह थायरॉइड हार्मोन (thyroxine) बनाने के लिए जरूरी है और मुख्य रूप से थायरॉइड ग्रंथि में पाया जाता है। शरीर में इसकी कुल मात्रा केवल 15-20 मिलीग्राम होती है।

**70. ''विशिष्ट रोगवाहक जनित रोग - रोगाणु के प्रकार'' के गलत समुच्चय का चयन कीजिए।**

(a) एडोस चिकनगुनिया जीवाणु
(b) क्यूलेक्स लिम्फेटिक फाइलेरिएसिस - परजीवी
(c) एनोफिलीज मलेरिया परजीवी
(d) एडीस डेंगू विषाणु
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(a)**

एडीस -चिकनगुनिया -विषाणु
क्यूलेक्स लिम्फेटिक -फाइलेरिएसिस - परजीवी
एनोफिलीज -मलेरिया- परजीवी
एडीस- डेंगू - विषाणु

**71. केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अनुसार IND-AQI101-200 सीमा वाली वायु गुणवत्ता श्रेणी है-**

(a) अच्छी (b) संतोषजनक
(c) मध्यम (d) घटिया
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(c)** केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, 101-200 की सीमा वाली वायु गुणवत्ता श्रेणी मध्यम है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, वायु गुणवत्ता श्रेणीयां

- 0-50: अच्छी
- 51-100: संतोषजनक
- 101-200: मध्यम
- 201-300:खराब
- 301-400: बहुत खराब
- 401-500: गंभीर

**72. निम्नलिखित में से गलत कथन का चयन कीजिए:-**

(a) अल नीनो एवं ला नीना एक प्रकार के झंझावात है।
(b) अल नीनो के दौरान तट से दूर पादप- प्लवक कम होते है।
(c) ला नीना के दौरान व्यापारिक हवाएँ सामान्य से अधिक प्रबल होती है।
(d) अल नीनों एंव ला नीना मौसम के प्रतिरूप है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्याः-(a)** गलत — अल नीनो और ला नीना झंझावात) नहीं हैं। ये समुद्री सतह के तापमान और वायुमंडलीय दबाव के बड़े पैमाने पर दीर्घकालिक परिवर्तन (climate phenomena) हैं। कथन b,c और d सही है।

**73. आई सी ए आर सी आई आर सी ओ टी मुम्बई द्वारा विकसित भारत का पहला नैनो सेलुलोस संयंत्र संबंधित है-**

(a) कपास से (b) जूट से
(c) बॉस से (d) चावल से
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्याः-** (a) आई सी ए आर सी आई आर सी ओ टी मुम्बई द्वारा विकसित भारत का पहला नैनो सेलुलोस संयंत्र कपास से संबंधित है।

**74. आई यू सी एन की रेड लिस्ट को कहा गया है-**

(a) जीवन का दर्पण (b) जीवन का थर्मामीटर
(c) धरती का हाइड्रोमीटर (d) जीवन का बैरोमीटर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्याः-(d)** आईयूसीएन की रेड लिस्ट को जीवन का बैरोमीटर कहा गया है।
आईयूसीएन (अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ) की रेड लिस्ट दुनिया भर में विभिन्न प्रजातियों के विलुप्त होने के खतरे का आकलन करने के लिए एक व्यापक सूची है। यह सूची प्रजातियों के संरक्षण की स्थिति और उनके विलुप्त होने के जोखिम का मूल्यांकन करती है।

**75. राजस्थान वानिकी एवं जैव-विविधता परियोजना (फेज-2) के संदर्भ में गलत कथन का चयन कीजिए।**

(a) इसे जापानी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जे आई सी ए) द्वारा सहायता प्रदान की गई।
(b) इसमें 18 जिले एवं 8 वन्यजीव अभयारण्य सम्मिलित है।
(c) इस परियोजना में अभेदा एवं माचिया जैविक पार्क विकसित किए गए है।
(d) इस परियोजना में जल संरक्षण को भी सम्मिलित किया गया है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्याः-(b)** राजस्थान वानिकी एवं जैव-विविधता परियोजना (फेज-2) एक 8 वर्षीय परियोजना है जो 2011-12 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य राजस्थान के 15 जिलों और 7 वन्यजीव अभयारण्यों में वनों के संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार करना है।

**76. कॉलम-I ( उत्कृष्टता केन्द्र को स्थान) को कॉलम- II (उद्यानिकी फसल) से सुमेलित कर नीचे दिए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:**

| कॉलम-I | कॉलम-II |
|---|---|
| A. बस्सी | (i) आम |
| B. सगरा भोजका | (ii) सीताफल |
| C. देवड़ावास | (iii) अनार |
| D.खेमरी | (iv) अमरूद |
| | (v) खजूर |

**कूटः-**

| | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|
| (a) | (iii) | (i) | (ii) | (V) |
| (b) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (c) | (iii) | (V) | (iv) | (i) |
| (d) | (iv) | (iii) | (V) | (i) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्याः-(c)**
A. बस्सीः- अनार
B. सगरा भोजकाः- खजूर
C. देवड़ावासः- अमरूद
D.खेमरीः- आम

**77. संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिए गए 17 वैश्विक लक्ष्यों में से कौन सा सतत विकास लक्ष्य (SDG) विशेष रूप से ''स्थलीय जीवन'' (Life on Land) पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य स्थलीय पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा, पुनर्स्थापन और सतत उपयोग को बढ़ावा देना है?**

(a)SDG-13 (b) SDG-14
(c) SDG-15 (d) SDG 16
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्याः-(c)** सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 15, ''भूमि पर जीवन'', विशेष रूप से स्थलीय पारिस्थितिक तंत्रें की सुरक्षा, पुनर्स्थापन और सतत उपयोग पर केंद्रित है। इस लक्ष्य का उद्देश्य जंगलों का स्थायी प्रबंधन करना, मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना, भूमि क्षरण को रोकना और जैव विविधता के नुकसान को रोकना है।

**78. मार्च 2028 में जन्मी भारत की प्रथम क्लोनित गाय ''गंगा'' किस नस्ल की है?**

(a) साहिवाल (b) गिर
(c) थारपारकर (d) नागौरी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्याः-(b)** 16 मार्च 2023 को जन्मी देश की पहली क्लोन गाय, गंगा, पशु विज्ञान में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उत्तराखंड लाइव स्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड देहरादून और राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल के विशेषज्ञों के प्रयासों से गिर नस्ल की यह क्लोन बछिया बनाई गई

**79. नीचे दिए गए प्रश्न में कथन तथा दो अभिधारणाएँ (I) तथा (II) दी गई है। निम्न में से सही विकल्प को चुनिए-**

**कथनः**मिट्टी में पोषक तत्वों की पूर्ति के क्रम में, यह आवश्यक है, कि प्रत्येक दूसरी ऋतु में अलग प्रकार की फसलों को उगाना चाहिए।

**अभिधारणाएँ:**

(I) एक फसल उसी खेत में कभी भी दूसरी बार नहीं उगाई जा सकती।
(II) यदि लगातार ऋतु में अलग प्रकार की फसल उगाई जाती है, तो मिट्टी में किसी भी प्रकार के अतिरिक्तपोषक तत्त्वों जैसे खाद को मिलाने की बिलकुल भी आवश्यकता नहीं रहती।

(a) केवल अभिधारणा (I) अन्तर्निहित है।
(b) केवल अभिधारणा (II) अन्तर्निहित है।
(c) (I) तथा (II) दोनों अभिधारणाएँ अन्तर्निहित है।
(d) ना तो अभिधारणा (I) और ना ही अभिधारणा (II) अन्तर्निहित है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** ना तो अभिधारणा (i) और ना ही अभिधारणा (ii) अन्तर्निहित है।

**80. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौन सा गाँव हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से शून्य अपशिष्ट मॉडल बन रहा है?**

(a) मेनार (b) देवमाली
(c) नौरंगाबाद (d) आँधी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** आँधी

**81. नीचे दिए गए प्रश्न में तीन कथनों के पश्चात दो निष्कर्ष (I) तथा (II) दिये गये है। आपको दिए गए कथनों को सत्य मानना है।निष्कर्षो को पढ़कर, उत्तर दीजिए।**

**कथन**: कुछ चिह्न, आकृतियां है।
सभी चिह्न, ग्राफिक है।
कोई भी ग्राफिक, चित्र नहीं है।

**निष्कर्ष:** (I) कुछ ग्राफिक, आकृतियाँ हैं।
(II) कुछ चिह्न, चित्र है।

(a) ना तो निष्कर्ष (I) और ना ही निष्कर्ष (II) अनुसरण करता है।
(b) दोनों निष्कर्ष (I) तथा (II) अनुसरण करते है।
(c) केवल निष्कर्ष (I) अनुसरण करता है।
(d) केवल निष्कर्ष (II) अनुसरण करता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** केवल निष्कर्ष (I) अनुसरण करता है

**82. एक कथन के पश्चात् दो तर्क (I) और (II) दिये गये है। कौन सा/से तर्क अधिक मजबूत है/ है चुनिये।**

**कथन**:क्या राजस्थान में बिजली की आवश्यकता कम करने के लिये हर घर में सौर ऊर्जा का उपयोग होना चाहिये?

**तर्क:** (I) हाँ, इससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा और पर्यावरण अनुकूलता को बढ़ावा मिलेगा
(II) नहीं, सौर पैनल महंगे हैं और सभी मकान मालिक सब्सिडी के बिना इसे वहन करने में सक्षम नहीं है।

(a) केवल तर्क (I) मजबूत है।
(b) केवल तर्क (II) मजबूत है।
(c) दोनों तर्क मजबूत हैं।
(d) ना तो तर्क (I) और ना ही तर्क (II) मजबूत है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:**-(a) केवल तर्क (I) मजबूत है।

**83. किसी वृत्त पर एकसमान दूरी पर आठ बिन्दु स्थित है। इन बिन्दुओं को शीर्ष लेकर समकोण त्रिभुज खींचे जाते हैं, जहाँ प्रत्येक त्रिभुज की एक भुजा वृत्त का व्यास है। ऐसे सभी सम्भव समकोण त्रिभुजों की संख्या है:**

(a) 8 (b) 16
(c) 20 (d) 24
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d) अर्धवृत्त पर बना प्रत्येक कोण $90^o$ का होता है।** इसलिए, प्रत्येक त्रिभुज को एक भुजा के रूप में व्यास का उपयोग करके और दूसरा शीर्ष बिंदु वृत्त पर लेकर बनाया गया त्रिभुज, एक समकोण त्रिभुज है।

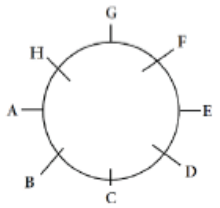


सभी संभावित त्रिभुज AHE, AGE, AFE, ADE, ACE, ABE, BAF, BHE, BGF, BEF, BDF, BCF, CAG, CBG, CDG, CFG, CHG, DAH, DBH, DCH, DEH, DFH, DGH है।
इसलिए, एक वृत्त पर आठ समुद्रस्थ बिंदुओं को शीर्षों के रूप में उपयोग करके और व्यास को एक भुजा के रूप में लेकर के 24 समकोण त्रिभुज बनाए जा सकते है।

**84. निम्न श्रेणी का अगला पद है:**
**2, 12, 36, 80, 150,**

(a) 210 (b) 252
(c) 258 (d) 2700
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** श्रेणी का अगला पद 252 है। यह पैटर्न $a^3+a^2$ पर आधारित है, जहाँ a = 1, 2, 3, 4, 5, 6 है।

**85. एक कूट पद्धति में, 'PROJECT' को 'CEOPRT'तथा 'PLANE' को 'ELNP' में लिखा जाता है, तो उसी कूट पद्धति में 'ORGANISED' को लिखा जायेगा:**

(a)ADEGIOSR (b)ADEGIROS
(c) ADEGOIRS (d)ADEGIORS
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** इस कूट पद्धति में, 'PROJECT'को 'CEOPRT'और 'PLANE' को 'ELNP' लिखा जाता है। इसका मतलब है कि शब्दों के अक्षर वर्णमाला के क्रम में व्यवस्थित किए जाते है। तो, 'ORGANISED' को 'ADEGIORS' लिखा जाएगा।

**86. नीचे दिए गए प्रश्न में एक कथन के पश्चात् दो क्रियाविधियाँ (I) तथा (II) दी गई है। निम्न में से सही विकल्प को चुनिए:**

**कथन :** पिछले लोक सभा चुनाव की तुलना में इस बार के लोक सभा चुनाव में मतदान कम हुआ है।

**क्रियाविधि -**

**(I)** चुनाव आयोग को लोक सभा का चुनाव पुनः करवाने की घोषणा करनी चाहिए।
(II) चुनाव आयोग को उन लोगों का मतदान का अधिकार समाप्त कर

देना चाहिए, जिन्होंने इस बार के लोक सभा चुनाव में मतदान नहीं किया।

(a) केवल (I) अनुसरण करता है।
(b) केवल (II) अनुसरण करता है।
(c) ना तो (I) और ना ही (II) अनुसरण करता है।
(d) दोनों (I) तथा (II) अनुसरण करते है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-**(c) ना तो (I) और ना ही (II) अनुसरण करता है।कम मतदान के आधार पर पुनः चुनाव अतार्किक है। मतदान न करना अधिकार छीनने का आधार नहीं।

**87. बिन्दु A से श्रीमान X दक्षिण की ओर चलना प्रारम्भ करता है। 20 मीटर चलने के बाद वह बिन्दु B पर पहुँचता है। अब वह बायीं ओर मुड़कर 20 मीटर चलने के बाद बिन्दु C पर पहुँचती है। अब वह 45° वामावर्त दिशा में मुड़कर, $20\sqrt{3}$ मीटर चलकर बिन्दु D पर पहुँचता है, तो बिन्दु A से बिन्दु D की न्यूनतम दूरी क्या है ?**

(a) $20\sqrt{3}$ मीटर (b) 40 मीटर
(c) $20\sqrt{5}$ मीटर (d) $40\sqrt{3}$ मीटर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:**-(c) बिन्दु A से श्रीमान X दक्षिण की ओर चलना प्रारम्भ करता है। 20 मीटर चलने के बाद वह बिन्दु B पर पहुँचता है। अब वह बायीं ओर मुड़कर 20 मीटर चलने के बाद बिन्दु C पर पहुँचती है। अब वह 45° वामावर्त दिशा में मुड़कर, $20\sqrt{3}$ मीटर चलकर बिन्दु D पर पहुँचता है, तो बिन्दु A से बिन्दु D की न्यूनतम दूरी :- $20\sqrt{5}$ मीटर

**88. निम्न वेन रेखाचित्र के बाद चार विकल्प दिए गए है। उस विकल्प का चयन कीजिए जो इस वेन रेखाचित्र के द्वारा सही निरूपित हो।**

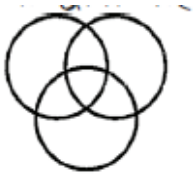

(a) शिक्षक, माँ, चिकित्सक
(b) ब्रह्माण्ड, ग्रह, तारे
(c) आयकर, बिक्रीकर, सेवाकर
(d) पुस्तकालय, पुस्तकें, फर्नीचर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(a)** शिक्षक, माँ, चिकित्सक

**89. एक दर्पण में अंग्रेजी वर्णमाला (बड़े अक्षरों में) के व्यंजनों के प्रतिबिम्बों का अवलोकन किया जाता है। इनमें से उन प्रतिबिम्बों की संख्या कितनी है, जो अपनी मूल आकृति के समान दिखाई नहीं देते हैं?**

(a)13 (b)14
(c) 15 (d)16
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(b)** अंग्रेजी वर्णमाला में 21 व्यंजन है। जब इन व्यंजनों को दर्पण में देखा जाता है, तो उनमें से 14 के दर्पण प्रतिबिंब उनके मूल रूप से भिन्न होते हैं

**90. एक परिवार में छः सदस्य A,B,C,D,E और F है। B का विवाह C से हुआ है। F, E की माता है और D,F की पुत्री है। A की पुत्री E है और C का पुत्र Aहै। परिवार में दो विवाहित जोड़े है। निम्न में से कौन सा सही है?**

(a) B,E का दादा है। (b) C,A की माता है।
(c) C,D की दादी है। (d) E, C की पौत्री है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** C,A की माता है, A, E का पिता है, और E, C की पोती है

**91. एक गृहिणी के पास 1000 मिली लीटर का मिश्रण है, जिसमें दूध और पानी का अनुपात 3:1 है । वो इसमें दूध और पानी के 3:2 अनुपात वाले 250 मिली लीटर मिश्रण को मिलाती है। तब वो इस संयुक्त मिश्रण में से 250 मिली प्लीटर का उपयोग दही बनाने के लिये करती है। शेष बचे हुये मिश्रण में कितना शुद्ध दूध बचा हुआ है-**

(a) 1000 मिली लीटर (b) 91.2 मिली लीटर
(c) 750 मिली लीटर (d) 720 मिली लीटर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

- **व्याख्या:-(d)** 720 मिली लीटर

1. **पहले मिश्रण में दूध और पानी:**1000 मिली लीटर मिश्रण में, दूध और पानी का अनुपात 3:1है।
   - » दूध की मात्रा = (1000'3) / (3 +1) = 750 मिली लीटर
   - » पानी की मात्रा = (1000*1) / (3+1) = 250 मिली लीटर
2. **मिलाए गए मिश्रण में दूध और पानी:** 250 मिली लीटर मिश्रण में, दूध और पानी का अनुपात 3:2है।
   - » दूध की मात्रा = (250 * 3) / (3+2) = 150 मिली लीटर।
   - » पानी की मात्रा = (250 * 2) / (3+2) = 100 मिली लीटर।
3. **संयुक्त मिश्रण में दूध और पानी:** कुल मिश्रण = 1000 + 250 = 1250 मिली लीटर
   - » संयुक्त मिश्रण में दूध की मात्रा = 750+150 = 900 मिली लीटर
   - » संयुक्त मिश्रण में पानी की मात्रा = 250 +150 = 350 मिली लीटर
4. **दही बनाने के बाद:**50 मिली लीटर मिश्रण दही बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

» दही में, दूध और पानी दोनों होते हैं, लेकिन इसका अनुपात हमें पता नहीं है।
» 250 मिली लीटर मिश्रण में दूध की मात्रा = (250 * 900) / 1250 = 180 मिली लीटर
» 250 मिली लीटर मिश्रण में पानी की मात्रा = (250 * 350) / 1250 = 70 मिली लीटर
» दही बनाने के बाद शेष मिश्रण में दूध की मात्रा = 900 - 180 = 720 मिली लीटर
» दही बनाने के बाद शेष मिश्रण में पानी की मात्रा = 350 - 70 = 280 मिली लीटर

इसलिए, शेष बचे हुए मिश्रण में 720 मिली लीटर शुद्ध दूध बचा हुआ है।

**92. चावल के मूल्य में 21% की कमी होने से एक व्यक्ति ₹1,000 में 10.5 किलोग्राम अधिक चावल खरीद सकता है। कम होने के बाद चावल का प्रति किलोग्राम मूल्य क्या है?**

(a) ₹20 (b) ₹ 30
(c) ₹40 (d) ₹ 15
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)**

» 21% कमी ⟶ मूल्य में 21% की कमी मात्रा में वृद्धि = 21/(100-21) × 100 = 21/79 × 100 ≈ 26.58%
» तो 26.58% = 10.5 किलो 100% = 10.5 × (100/26.58) ≈ 39.5 किलो (पहले वाला)
» पुराना मूल्य = 1000 / 39.5 ≈ ₹25.32
» नया मूल्य = 25.32 × (79/100) = ₹20 (लगभग)

**93. ₹8,000 की राशि पर एक निश्चित प्रतिशत वार्षिक दर से 3 वर्षों का साधारण ब्याज ₹ 3,600 है। यदि समान ब्याज दर पर उसी राशि पर 8 माही चक्रवृद्धि ब्याज लगाया जाता है, तो 2 वर्षों के बाद कुल चक्रवृद्धि ब्याज होगा?**

(a) ₹10,248 (b) ₹10,648
(c) ₹2,248 (d) ₹2,648
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)**

सूत्र: SI = (P × R × T) / 100
दिया है: SI = ₹3600, P = ₹8000, T = 3 वर्ष
3600 = (8000 × R × 3) / 100
R = 3600 / 240 = 15% वार्षिक दर.
8-माही चक्रवृद्धि ब्याज के लिए दर और अवधियों को समायोजित करें:
वार्षिक दर (R) = 15%
8-माही दर (r) = 15% / 1.5 = 10% (क्योंकि 12 महीने/8 महीने = 1.5 अवधियाँ, या 8 महीने = 2/3 वर्ष)
कुल अवधियाँ (n) = 2 वर्ष × 1.5 (8-माही अवधियाँ प्रति वर्ष) = 3 अवधियाँ.
2 साल बाद चक्रवृद्धि ब्याज (CI) ज्ञात करें:
सूत्र: A = P(1 + r/100)^n
A = 8000 (1 + 10/100)^3
A = ₹10,648 (कुल राशि).
चक्रवृद्धि ब्याज (CI) = A - P = 10648 - 8000 = ₹2648.

**94. एक त्रिभुज की भुजाएँ 5, 12 और 13 इकाई है। एक आयत बनाया गया है, जिसका क्षेत्रफल त्रिभुज के क्षेत्रफल के बराबर है। इसकी चौड़ाई 10 इकाई है, इस आयत का परिमाप है:**

(a ) 30 इकाई (b) 26 इकाई
(c) 13 इकाई (d) 40 इकाई
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-** (b) त्रिभुज की भुजाएँ 5, 12, 13 ⟶ यह समकोण त्रिभुज है (क्योंकि $5^2 + 12^2 = 25 + 144 = 169 = 13^2$)
क्षेत्रफल = (1/2) × 5 × 12 = 30 वर्ग इकाई
आयत का क्षेत्रफल भी = 30 वर्ग इकाई चौड़ाई = 10 इकाई
लंबाई = क्षेत्रफल / चौड़ाई = 30 / 10 = 3 इकाई
परिमाप = 2 (लंबाई + चौड़ाई) = 2(3 + 10) = 26 इकाई

**95. निम्न चित्र में कितने त्रिभुज दिये गये हैं ?**

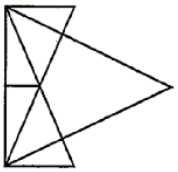

(a)12 (b)14
(c) 16 (d)18
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** दी गयी आकृति में 16 त्रिभुज है।

**96. 100 प्रेक्षणों के माध्य की 49 गणना की गई। बाद में पता चला कि 40, 20, 50 के रूप में लिए गए प्रेक्षण वास्तव में क्रमशः 60, 70, 80 थे। सही माध्य है?**

(a) 48 (b) 49.33
(c) 50 (d) 49.5
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)**

**97. वर्णमाला के दस अलग-अलग अक्षर दिए गए है। इन दिए गए अक्षरों से पाँच अक्षरों वाले शब्द बनाए गये है। तो उन शब्दों की संख्या, जिनमें कम से कम एक अक्षर दोहराया गया है, हैं:**

(a) 69760 (b)30240
(c) 99748 (d)99784
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** सही उत्तर 69760 है।

हम पहले सभी संभव 5-अक्षरों वाले शब्दों की संख्या की गणना करेंगे, फिर उन शब्दों की संख्या की गणना करेंगे जिनमें कोई अक्षर नहीं दोहराया गया है। अंत में, हम पहले से प्राप्त संख्या से दूसरे को घटाकर उन शब्दों की संख्या प्राप्त करेंगे जिनमें कम से कम एक अक्षर दोहराया गया है।

I. इसका उद्घाटन परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहन्ती द्वारा किया गया
II. यह 5100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।
III. इस दूरबीन का निर्माण भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं अन्य उद्योग भागीदारों के सहयोग से किया है।

**नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:**

(a) केवल I एवं II सही हैं। (b) I, II एवं III सही है।
(c) केवल I एवं III सही है। (d) केवल II एवं III सहीं है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** केवल I एवं III सही है।

**114. निम्नलिखित में से किस भारतीय ने श्री अत्सुशी मिमुरा के साथ, सितम्बर, 2024 में टोक्यों में आयोजित दूसरे भारत-जापान वित्त संवाद में सह- अध्यक्षता करी?**

(a) तुहीनकांत पाण्डे (b) दम्मु रवि
(c) अजय सेठ (d) विक्रम मिसरी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** अजय सेठ

**115. खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की मेजबानी निम्नांकित में से कौन सा राज्य करेगा?**

(a) राजस्थान (b) बिहार
(c) तमिलनाडु (d) मध्यप्रदेश
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** मध्यप्रदेश

**116. 2024 आई.एस.एस.एफ. (अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग खेल संघ) विश्व कप निशानेबाजी में भारत ने कितने पदक जीते हैं?**

(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 5
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(*)**

**117. 38वें नेशनल गेम्स 2025 के लिए निम्न कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनिए:**

**कथन A:** इसकी मेजबानी उत्तराखंड करेगा।
**कथन (B)**: नेशनल गेम्स में 28खेल प्रतियोगिताएँ एवं 4 प्रदर्शन स्पर्श सम्मिलित होंगी।

(a) (A) व (B) दोनों कथन सही है।
(b) केवल कथन (A) सही है।
(c) केवल कथन (B) सही है।
(d) कथन (A) व (B) दोनों सही नहीं है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** ) केवल कथन (A) सही है।

**118. नवम्बर 2024 में पुणे में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय पैरा शूटिंग चौम्पियनशिप में राजस्थान ने कितने स्वर्ण तथा कांस्य पदक जीते हैं?**

(a)16 स्वर्ण एवं 11 कांस्य (b)11 स्वर्ण एवं 7 कांस्य
(c) 16 स्वर्ण एवं 7 कांस्य (d)11 स्वर्ण एवं 16 कांस्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)**

**119. विश्व कैडेट अण्डर-8 प्रतियोगिता 2024 के विजेता 'दिविथ रेड्डी'अड्डला' किस खेल से संबंधित हैं?**

(a) तैराकी (b) शतरंज
(c) टेबिल टेनिस (d) जिम्नास्टिक्स
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)**

**120. निम्नलिखित में से किस पुरास्थल की पहचान पुरातत्त्वविद् टी. एच.हैण्डले ने एक बौद्ध कस्बे के रूप में की थी?**

(a) भाण्डारेज (b) बूढ़ा पुष्कर
(c) बैराठ (d) नलियासर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** नलियासर पुरास्थल की पहचान पुरातत्त्वविद् टी. एच.हैण्डले ने की थी।

**121. मारवाड़ के राव चूण्डा के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:**

A. राव चूण्डा को मण्डोर दहेज में प्राप्त हुआ।
B. राव चूण्डा की मृत्यु के तुरंत पश्चात् राव रणमल राजगद्दी पर आसीन हुआ।

(a) केवल A सत्य है। (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य है। (d)A और B दोनों असत्य है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** राव चूण्डा (राठौड़) ने प्रतिहार (इंदा) राजकुमारी से विवाह किया था। प्रतिहारों ने मण्डोर को दहेज में दिया था। कथन A सत्य है। कथन B असत्य है राव चूण्डा ने अपनी छोटी रानी के प्रभाव में छोटे पुत्र कान्हा को उत्तराधिकारी बनाया। बड़े पुत्र रणमल को गद्दी नहीं मिली। रणमल मेवाड़ चले गए और बाद में संघर्ष के बाद मारवाड़ पर अधिकार किया।

**122. 'राव जैतसी-रो-छन्द' के अनुसार, बीकानेर के शासक राव जैतसी ने निम्न में से किसे परास्त किया था?**

(a) हुमायूँ (b) कामरान
(c) शेरशाह (d) अकबर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)**

- 'राव जैतसी रो छंद' के मुताबिक, बीकानेर के शासक राव जैतसी ने मुगल सम्राट बाबर के पुत्र शाहजादा कामरान को हराया था। यह ऐतिहासिक ग्रंथ डिंगल भाषा में लिखा गया है। इसे बीठू सूजा ने लिखा था।
- इस ग्रंथ में राव लूणकरण को 'कलियुग का कर्ण' कहा गया है।

**123. निम्नलिखित में से ओझियाना के उत्खनन में कौन शामिल था/थे?**

A. आर.सी. अग्रवाल B. बी. आर. मीणा
C. आलोक त्रिपाठी

**कूट:**

(a) केवल A (b) केवल C
(c) A और B (d) B और C
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)**

- उत्खननकर्ता बीआर मीणा और आलोक त्रिपाठी ( 1999-2000)
- ओझियाना, भीलवाड़ा जिले के बदनोर के पास खारी नदी के किनारे स्थित है।
- यह ताम्रयुगीन आहड़ संस्कृति से जुड़ा है।

**124. बिजोलिया किसान आन्दोलन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

A. बिजोलिया किसान आन्दोलन सम्बन्धी जानकारी देने हेतु विजय सिंह पथिक गांधीजी से मिलने वर्धा गये थे।
B. प्रयाग के अभ्युदय एवं कलकत्ता के भारत मित्र समाचार-पत्रें ने बिजोलिया किसान आन्दोलन सम्बन्धी समाचारों का नियमित रूप से प्रकाशन किया था।

**नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर को चुनिये:**

(a) केवल A सही है। (b) केवल B सही है।
(c) A और B दोनों सही है। (d) न तो A और न ही B सही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** केवल कथन B सही है

विजय सिंह पथिक गांधीजी से मिलने वर्धा गये थे लेकिन बिजोलिया किसान आन्दोलन के सम्बन्ध में नही बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के सम्बन्ध में।

**125. 1945 का एस. ए. सुधालकर प्रतिवेदन निम्न में से किस देशी रियासत से सम्बन्धित है?**

(a) जोधपुर (b) बीकानेर
(c) उदयपुर (d) जयपुर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)**

1945 का एस. ए. सुधालकर प्रतिवेदन जोधपुर देशी रियासत से सम्बन्धित है। यह रिपोर्ट जोधपुर रियासत में किसान आंदोलन और वहाँ की भूमि व्यवस्था, लगान, बेगार, और किसानों की शिकायतों की जाँच के लिए बनाई गई थी।एस. ए. सुधालकर जोधपुर सरकार द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी और उनका प्रतिवेदन जोधपुर के ग्रामीण क्षेत्रों (विशेषकर मारवाड़ के कुछ हिस्सों) में किसानों की स्थिति पर केंद्रित था।

**126. वाल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है?**

(a) इसकी स्थापना सन् 1888 में कर्नल सी.के.एम. बाल्टर के प्रयासों से हुई थी।
(b) इसका उद्देश्य राजस्थान के राजपूतों और दलितों के लिए सुधारात्मक कार्य करना था।
(c) इसकी प्रथम बैठक का आयोजन अजमेर में हुआ था।
(d) सभा ने अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सामाजिक नियम बनाए।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** इस संस्था का उद्देश्य राजपूतों के बीच एकता को बढ़ावा देना, राजपूत गौरव को पुनर्जीवित करना और विवाह व मृत्यु जैसे अनुष्ठानों पर होने वाले अत्यधिक खर्चों को कम करने के लिए सामाजिक नियम बनाना था। इस संस्था के एजेंडे में दलितों के लिए सुधारात्मक कार्य शामिल नहीं थे, इसलिए कथन (b) असत्य है।

**127. राजोरगढ़ में मथानदेव द्वारा निर्मित प्रसिद्ध मंदिर निम्न में से किस देवी / देवता को समर्पित था ?**

(a) शिव (b) विष्णु
(c) सूर्य (d) महिषासुर मर्दिनी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)** राजोरगढ़ में प्रतिहार सामंत मथानदेव द्वारा निर्मित प्रसिद्ध मंदिर भगवान् शिव को समर्पित था। इसे नीलकंठ महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर अलवर जिले में स्थित है।

**128. लोक वाद्ययंत्र 'चौतारा' के सम्बन्ध निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए:**

A. यह चार तारों वाला वाद्ययंत्र है।
B. यह सामान्यतः रामदेवजी के भजन गाने में प्रयुक्त होता है।

(a) केवल A सत्य है (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य हैं (d) A और B दोनों असत्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** चौतारा एक चार-तारों वाला तार वाद्य यंत्र, जो हल्की लकड़ी से बनता है और तानपूरे जैसा दिखता है; इसे मुख्य रूप से कामड़ समुदाय द्वारा रामदेवजी के भजनों और भक्ति गायन में लयबद्ध संगीत के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

**129.निम्न में से कौन सा विकल्प सही सुमेलित नहीं है?**

(a) पृथ्वीराज रासो - चंदरबरदाई
(b) बीसलदेव रासो - नरपति
(c) खुमाण रासो - करणीदान
(d) शत्रुसाल रासो - डूंगरसिंह
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** खुमाण रासो की रचना दलपति विजय ने की है।

**130. सूची-I व सूची-II को सुमेलित करते हुए राजस्थान की प्रसिद्ध चित्रकला शैलियों एवं उनके चित्रकारों के संबंध में सही विकल्प चुनिये:**

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| A किशनगढ़ | (i)साहिबदीन |
| B. बीकानेर | (ii) निहालचंद |
| C. मेवाड़ | (iii) अली रजा |
| D. मारवाड़ | (iv) शिवदास |

**कूट:**

| | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|
| (a) | (ii) | (iv) | (i) | (iii) |
| (b) | (ii) | (iii) | (i) | (iv) |
| (c) | (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (d) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** किशनगढ़-निहालचंद
बीकानेर-अलीरजा
मेवाड़-साहिबदीन
मारवाड़-शिवदास (मानसिंह के समय)

**131. संत लालदास के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए:**

A. संत लालदास आजीवन अविवाहित रहे।
B. संत लालदास की मृत्यु के पश्चात् उनके समाधि स्थान पर मन्दिर का निर्माण करवाया गया।

(a) केवल A सत्य है। (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य है। (d)A और B दोनों असत्य हैं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-** (b) कथन B असत्य है क्यों की संत लालदास जी विवाहित थे।
प्रमुख गद्दी/पीठ/धाम:- लालदास जी का देहांत भरतपुर जिले के नंगला जहाज में 1648 ईस्वी में हुआ जहां वर्तमान में इस संप्रदाय की प्रमुख गद्दी है।
समाधि:- संत लालदास जी की समाधि शेरपुर, अलवर में है।

**132. राजस्थान की वेशभूषा में प्रयुक्त 'कसूमल' निम्न में से कौन सा रंग होता है?**

(a) लाल (b) पीला
(c) गुलाबी (d) केसरिया
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-**(a) कसूमल रंग-लाल रंग होता है।

**133. मत्स्य संघ के प्रधानमंत्री शोभाराम के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए:**

A. उन्होंने असहयोग आन्दोलन के दौरान वकालत छोड़ी।
B. वे हीरालाल शास्त्री के मंत्रिमण्डल में सदस्य रहे।
(a) केवल A सत्य है।
(b) केवल B सत्य है
(c) A और B दोनों सत्य है।
(d) A और B दोनों असत्य है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** कथन A असत्य है क्यों की उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान वकालत छोड़ी। कथन B सत्य है जब मत्स्य संघ का विलय वृहद राजस्थान में किया गया तब शोभाराम कुमावत मत्स्य संध के प्रधानमंत्री थे और विलय के बाद इन्हें हीरालाल शास्त्री के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

**134. निम्न में से किसके लिए राजस्थानी भाषा में आड़ी, हीयाली शब्द प्रचलित हैं?**

(a) मुहावरे (b) लोकोक्ति
(c) फड़ (d) पहेलियाँ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** आडी से तात्पर्य पहेलियां है।

**135. कुषाण वंश के कैडफिसेस द्वितीय ने निम्नलिखित में से कौन सी उपाधि धारण की?**

(a) सकारी (b) सर्वलोकेश्वर
(c) महाक्षत्रप (d) सिंह चन्द्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** कुषाण वंश के कैडफिसेस द्वितीय ने सर्वलोकेश्वर की उपाधि धारण की।

**136. स्तूपों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पूरे विचार कीजिए एवं निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए:**

A. 'स्तूप' शब्द एक वास्तुशिल्प शब्द है और इसका अर्थ है वह चीज जो कि संचय के माध्यम से बनाई हो।
B. मृतकों की स्मृति में 'स्तूप' बनाने की प्रथा बौद्धकाल से पूर्व की थी।

(a) केवल A सत्य है। (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य है। (d)A और B दोनों असत्य है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** कथन A सत्य है। स्तूप का शाब्दिक अर्थ ढेर/टीला होता है , यह मूल रूप से मिट्टी, पत्थर आदि के संचय से बनी टीले जैसी वास्तुशिल्प संरचना है। कथन B भी सत्य है मृतकों की स्मृति में 'स्तूप' बनाने की प्रथा बौद्धकाल से पूर्व की थी।

**137. निम्न में से किन बौद्ध ग्रन्थों की रचना संस्कृत भाषा में की गई? निम्नांकित में से सही विकल्प चुनिए:-**

A. दिव्यावदान B. दीपवंश
C. महावंश D. आर्य मंजूश्री मूलकल्प
(a)A,B (b)B,C
(c) A,D (d)A,C
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** आर्यमंजूश्री मूलकल्प तथा दिव्यवदान ग्रंथो की रचना संस्कृत भाषा में की गयी दीपवंश और महावंश दोनों ग्रंथ पाली भाषा में लिखे गए है।

**138. आजीवक सम्प्रदाय के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

A. नियतिवाद में विश्वास
B. उनके पुनर्जन्म के क्रम में बदलाव किया जा सकता है।
C. कठोर तपस्या में विश्वास

**नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:**

**कूट:**

(a) केवल A सही हैं। (b) केवल B सही है।
(c) A और B सहीं है। (d) A और C सही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** आजीवक सम्प्रदाय की स्थापना मक्खलि गोशाल ने की इस संप्रदाय के प्रमुख सिद्धांत है -

- **नियतिवाद में विश्वास** :आजीवक मानते थे कि जीवन की सभी घटनाएँ पूर्व-निर्धारित होती हैं, और मनुष्य के कर्मों या प्रयासों से भाग्य नहीं बदला जा सकता; सब कुछ 'नियत' (भाग्य) से होता है।
- कर्म और पुनर्जन्म में अविश्वास: उनका मानना था कि कर्म का कोई प्रभाव नहीं होता और पुनर्जन्म का चक्र भी पूर्व-निर्धारित होता है, जिसे बदला नहीं जा सकता।
- **तपस्या और कठोर अनुशासन:** यह संप्रदाय कठोर तपस्या और भिक्षु जीवन पर आधारित था, जिसमें नग्न रहना और कठोर व्रत शामिल थे।

**139. निम्न में से किन इमारतों का निर्माण सम्राट शेरशाह के द्वारा करवाया गया था?**

A. सासाराम का मकबरा B. किला-ए-कुन मस्जिद
C. सिकंदरा का मकबरा D. जामा मस्जिद-
(a)A,B (b) A,C
(c) A,D (d) B,D
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-**(a) सासाराम का मकबरा: शेरशाह ने इस मकबरे का निर्माण कराया , यह इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का एक बेहतरीन उदाहरण है और बिहार के सासाराम में एक कृत्रिम झील के बीच में स्थित है।

किला-ए-कुन मस्जिद :यह मस्जिद दिल्ली में पुराना किला परिसर के अंदर स्थित है। इसका निर्माण शेरशाह सूरी ने 1541 ईस्वी में करवाया था।

सिकंदरा का मकबरा यह अकबर का मकबरा है, जिसे उनके बेटे जहाँगीर ने पूरा करवाया था।

जामा मस्जिद: इस मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था।

**140. भक्ति आंदोलन के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?**

(a) वल्लभाचार्य ने पुष्टिमार्ग की स्थापना की।
(b) निम्बार्क ने द्वैताद्वैत के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
(c) माध्वाचार्य ने सगुण भक्ति के स्थान पर निर्गुण भक्ति सिद्धांत को प्रतिपादित किया।
(d) रामानंद ने राम भक्ति परंपरा का प्रचार किया।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c) कथन** (a) ,(b) व (d) सही है

कथन(c) असत्य है , माध्वाचार्य का दर्शन **द्वैत** दर्शन था, उन्होंने सगुण ईश्वर, विशेष रूप से भगवान विष्णु की भक्ति का प्रचार किया, मोक्ष प्राप्त करने के लिए इसे प्राथमिक साधन माना।

**141. भारत की एक राष्ट्र के रूप में पहचान को दृश्य माध्यम से संबद्ध करने हेतु किस चित्रकार ने सर्वप्रथम भारत माता के चित्र की रचना की थी ?**

(a) गगनेन्द्रनाथ (b) अवनीन्द्रनाथ
(c) बंकिमचंद्र (d) रबीन्द्रनाथ टैगोर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(b)** भारत माता के चित्र की रचना सर्वप्रथम प्रसिद्ध चित्रकार अवनीन्द्रनाथ टैगोर ने 1905 में की थी, जिसमें उन्होंने भारत माता को एक शांत, तपस्वी, और दिव्य रूप में चित्रित किया, जिससे राष्ट्रवाद की भावना को दृश्य रूप मिला और यह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया।

**142. कृष्णदेवराय के दरबार में कवि मल्लनार्य ने ''भाव चिंता रत्न'' एवं ''वीरशैवामृत'' ग्रन्थ किस भाषा में लिखे थे?**

(a) संस्कृत (b) तमिल
(c) तेलुगू (d) कन्नड़
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** कवि मल्लनार्य ने 'भाव चिंता रत्न' और 'वीरशैवामृत' ग्रंथ कन्नड़ भाषा में लिखे थे।

**143. 1952 में भारत सरकार ने निम्नलिखित में से किसको माध्यमिक शिक्षा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था?**

(a) एल. राधाकृष्णन (b) डी. एस. कोठारी
(c) पी. सी. महलनोबिस (d) लक्ष्मण स्वामी मुदालियर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)** 1952 में भारत सरकार ने लक्ष्मण स्वामी मुदालियर को माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुदालियर आयोग) का अध्यक्ष नियुक्त किया था, जिसका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा प्रणाली की समीक्षा और उसमें सुधार के उपाय सुझाना था.

**144. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:**

| **सूची-I (मरुस्थल)** | **सूची-II (अवस्थिति)** |
|---|---|
| A. गोबी | i. दक्षिणी अफ्रीका |
| B. पैटागोनिया | ii. एशिया |
| C. विक्टोरिया | iii. दक्षिण अमेरिका |
| D. कालाहारी | iv. ऑस्ट्रेलिया |

**कूट:**

| **A** | **B** | **C** | **D** |
|---|---|---|---|
| (a) (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (b) (iv) | (ii) | (iii) | (i) |
| (c) (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (d) (iii) | (iv) | (i) | (ii) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(a)**

गोभी-एशिया
पैटागोनिया-दक्षिण अमेरिका
विक्टोरिया-ऑस्ट्रेलिया
कालाहारी-द-अफ्रीका

**145. कौन सा क्षेत्र भूमध्यसागरीय कृषि प्रकार का नहीं है?**

(a) कैलिफोर्निया (b) मध्य चिली
(c) उत्तरी ऑस्ट्रेलिया (d) दक्षिण अफ्रीका का दक्षिणी भाग
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** उत्तरी ऑस्ट्रेलिया भूमध्यसागरीय कृषि प्रकार का क्षेत्र नहीं है। यहाँ का मौसम उष्णकटिबंधीय या उपोष्णकटिबंधीय होता है, जिसमें वर्षा का पैटर्न अलग होता है। यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय फल, गन्ना और पशुपालन जैसी विभिन्न प्रकार की कृषि का समर्थन करती है, न कि भूमध्यसागरीय फसलों का।

**146. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के उदारवादी चरण (1885 - 1905 ई-) सम्बन्धी निम्न कथनों को पढ़िये:**

A. आधुनिक यूरोप की समृद्ध लोकतांत्रिक एवं वैज्ञानिक संस्कृति का समर्थन किया था।

B. ब्रिटिश सोम्राज्यवाद के आर्थिक पहलू की कड़ी आलोचना की थी।

**नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:**

(a) केवल A सत्य है।
(b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य हैं।
(d) न तो A और न ही B सत्य है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** कथन A और B दोनों सही है - इस काल के प्रमुख नेता (जैसे दादाभाई नौरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले) आधुनिक यूरोपीय लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक संस्कृति के प्रशंसक थे और भारत के विकास को यूरोपीय लोकतांत्रिक आदर्शों और संस्थानों के आधार पर मॉडल करना चाहते थे।

उदारवादियों ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के आर्थिक पहलू की कड़ी आलोचना की थी। दादाभाई नौरोजी ने अपनी पुस्तक «पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया» में 'धन के निष्कासन' (Drain of Wealth) के सिद्धांत के माध्यम से ब्रिटिश आर्थिक शोषण का पर्दाफाश किया, जिसने ब्रिटिश नीतियों की आलोचना की नींव रखी।

**147. निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम क्या है।**

A. लद्दाख B. शिवालिक
C. कराकोरम D. जास्कर

**कूट:-**

(a) A,C,B,D (b) D,C,A,B
(c) C,A,D,B (d) C,B,A,D
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(c)** उत्तर-दक्षिण का क्रम- काराकोरम, लद्दाख, जास्कर, शिवालिक

**148. निम्नांकित कथनों में से कौन सा एक सही नहीं है?**

(a) चेन्नई में वर्षा की विषमता मुम्बई से अधिक है।
(b) लौटता मानसून तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रें में वर्षा लाता है।
(c) पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से उत्पन्न होते है।
(d) मानसून अभियान (Monex) संयुक्त राज्य अमेरिका (U.S.A.) तथा भारत के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया था।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)**

इसे विश्व मौसम विज्ञान संगबन (WMO) और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संघ परिषद (ICSU) के वैश्विक वायुमंडलीय अनुसंधान कार्यक्रम (GARP) के तहत आयोजित किया गया था।

**149. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर चुनिये:**

| **सूची-I (सहायक नदी)** | **सूची-II (नदी)** |
|---|---|
| A. तप्ती | i. ब्रह्मपुत्र |
| B. तिस्ता | ii. नर्मदी |
| C. हिरण | iii. गोदावरी |
| D. पूर्णा | iv. घाघरा |

**कूट:**

| | **A** | **B** | **C** | **D** |
|---|---|---|---|---|
| (a) | (iv) | (ii) | (iii) | (i) |
| (b) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (c) | (iii) | (i) | (iv) | (ii) |
| (d) | (iv) | (i) | (ii) | (iii) |

(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:-(d)**

राप्ती - घाघरा
तिस्ता - ब्रह्मपुत्र
हिरण - नर्मदा
पूर्णा - गोदावरी

**150.विश्व के किस वन खण्ड में सर्वाधिक वनोन्मूलन अंकित किया गया है?**

(a) कोणधारी (b) उष्णकटिबन्धीय
(c) पतझड़ी सवाना (d) ज्वारीय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

**व्याख्या:- (b)** विश्व में सर्वाधिक वनोन्मूलन उष्णकटिबंधीय (Tropical) वन खण्डों में अंकित किया गया है, विशेष रूप से अमेज़न और कांगो बेसिन जैसे क्षेत्रों में। कृषि विस्तार (मवेशी पालन, सोयाबीन और ताड़ के तेल के लिए) और अवैध कटाई इसके प्रमुख कारण हैं।

# सम्यक् करेंट अफेयर्स - जून 2026 अंक पर आधारित टेस्ट

कुल प्रश्न : 100 अंक : 200

**1. राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में श्रेणी और विजेता को दर्शाने वाले युग्मों में सही सुमेलित युग्मों की संख्या है-**

| श्रेणी | - | विजेता |
|---|---|---|
| 1. बेस्ट बॉक्सर (बालक वर्ग) | - | यश कुमार, भरतपुर |
| 2. बेस्ट चेलेंजर बॉक्सर (बलिका वर्ग)- | | प्रियांशी (हनुमानगढ) |
| 3. बालिका टीम | - | अलवर विजेता (कोटा उपविजेता) |
| 4. बेस्ट प्रोमिजिंग बॉक्सर (बलिका वर्ग)- | | प्रियांशी (हनुमानगढ) |

कूट:
(a) केवल एक युग्म सुमेलित है।
(b) केवल दो युग्म सुमेलित है।
(c) केवल तीन युग्म सुमेलित है।
(d) सभी युग्म सुमेलित है।

**2. हाल ही में किस जिले में प्रदेश का पहला 'बकरी बैंक' अभियान शुरू किये जाने की घोषणा की गयी है-**
(a) जैसलमेर में (b) बाड़मेर में
(c) सीकर में (d) अलवर में

**3. हाल ही में सुर्ख़ियों में रहे 'उमंग-VII' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथन/कथनों पर विचार कीजिए और सत्य कथन/कथनों की पहचान कीजिए।**
1. यह राजस्थान में बालश्रम के ख़िलाफ़ विशेष अभियान है।
2. यह अभियान मुख्य सचिव के निर्देशानुसार संचालित होगा।
3. यह अभियान 1 जून से 30 जून, 2026 तक संचालित होगा।
कूट:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

**4. हाल ही में केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने किस तिथि को बीकानेर जिले में 'करियर काउंसलिंग वैन' का शुभारंभ किया-**
(a) 4 मई, 2026 को (b) 24 मई, 2026 को
(c) 14 मई, 2026 को (d) 1 मई, 2026 को

**5. हाल ही में आयोजित मध्य/केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद बैठक के सन्दर्भ में सत्य युग्म है-**
1. आयोजन तिथि- 23 मई, 2026
2. आयोजन स्थल- बस्तर, छत्तीसगढ़
3. अध्यक्षता- श्री अमित शाह
कूट:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

**6. 15वीं एशियन सीनियर कुराश चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया जायेगा-**
(a) भारत में (b) तुर्किये में
(c) ताजिकिस्तान में (d) चीन में

**7. 'सरमत मिसाइल' के सन्दर्भ में असत्य कथन/कथनों की पहचान कीजिए।**
1. यह रूस द्वारा निर्मित मिसाइल है।
2. यह इंटरकॉन्टिनेंटल क्रूज मिसाइल है।
3. इस मिसाइल को पश्चिमी देशों में 'निकोला' नाम से जाना जाता है।
कूट:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

**8. अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2026 की विजेता को किस पुस्तक के लिए यह पुरस्कार दिया गया है-**
(a) ताइवान ट्रैवलॉग इंसिडेंट (b) जोयफुल्ली ट्रैवलॉग
(c) ताइवान ट्रैवलॉग (d) ताइवान हिस्ट्री

**सम्पूर्ण टेस्ट पेपर देने के लिए SAMYAK एप डाउनलोड करे---**

**QR Code**

# Samyak
An Institute For Civil Services

## RAS-2024 RESULT

## सम्यक् मार्गदर्शन सर्वश्रेष्ठ परिणाम

RANK 2
Virendra Charan

RANK 3
Navneet Sharma

RANK 4
Ravindra Singh

RANK 5
Vikash Siyag

RANK 6
Aishwarya Kanwar

RANK 7
Dinesh

RANK 9
Bhoopender Singh

**07 RANKS in TOP 10** | **56 RANKS in TOP 100** | **690+ SELECTION in RAS-2024**

# IAS | RAS

## FOUNDATION &

क्लास 12th के बाद ग्रेजुएशन के साथ
2 & 3 वर्षीय कोर्स

# PSI

**PAPER 1st & PAPER 2nd**

### COURSE FEATURE

- विषय विशेषज्ञों द्वारा क्लासेज
- प्रिंटेड बुकलेट्स / ई-नोट्स*
- टेस्ट सीरीज
- पर्सनल मेंटरशिप
- लाइब्रेरी सुविधा*
- ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कोर्स निःशुल्क

Offline & Online Separate Batches For Hindi & English Medium

HEAD OFFICE: NEAR RIDDHI - SIDDHI, JAIPUR 9875170111

# सम्यक् मार्गदर्शन = सर्वश्रेष्ठ परिणाम

# RAS 2024 में TOP 10 में 7, TOP 100 में 56, सहित 690+ चयन

## सभी सफल प्रतिभाओं को हार्दिक बधाई!

RANK 2

VIRENDRA CHARAN

RANK 3

NAVNEET SHARMA

RANK 4

RAVINDRA SINGH

RANK 5

VIKASH SIYAG

RANK 6

AISHWARYA KANWAR

RANK 7

DINESH

RANK 9

BHOOPENDER SINGH

RANK 12

KULDEEP SHARMA

RANK 13

KAILASH KUMAR

RANK 16

KAILASH RANWA

RANK 18

UMANG RAWAL

RANK 23

SAHDEV BIDADA

RANK 24

PARAMVEER SINGH

RANK 25

SWAROOP SINGH

RANK 26

AANCHAL NAGPAL

RANK 27

MAMTA LIMBA

RANK 28

ARIHANT JAIN

RANK 29

SIMRAN SHEKHAWAT

RANK 30

VINAY MOHAN

RANK 31

ANSHIKA AGARWAL

RANK 33

LOKENDRA SINGH

RANK 34

VIKAS CHOUDHARY

RANK 35

SANJU

RANK 36

KRISHANPAL SHEKHAWAT

RANK 43

JITENDRA

RANK 45

AMAR SINGH RATHORE

RANK 46

MANASVINI VERMA

RANK 48

TULSI

RANK 49

RAMAVTAR MUNDEL

RANK 50

DHARMRAJ SINGH RAO

RANK 52

BHOOMIKA TRIVEDI

RANK 55

RONAK

RANK 57

POONAM

RANK 58

SACHIN AGRAWAL

RANK 59

PARUL CHOUDHARY

RANK 61

KAMLESH KR SHARMA

RANK 65

ARIMARDAN CHAUHAN

RANK 66

UNNAT KISHOR RAJORA

RANK 70

KRITIKA GAUR

RANK 71

URMILA VISHNOI

RANK 73

JAYESH PRAJAPAT

RANK 74

MAHENDRA DAN

RANK 76

SIDDHARTH DHAKAD

RANK 77

JYOTSANA RANAWAT

RANK 78

CHOUDHARY MADHU ROOPARAM

RANK 79

NITESH GUPTA

RANK 80

VIKASH BISHNOI

RANK 82

DAMODAR PAREEK

RANK 83

KAILASH KUMAR

RANK 84

SHYAM SUNDER MEENA

RANK 85

MOHIT GODARA

RANK 86

NARASI RAM BISHNOI

RANK 87

RAM RATAN BATESAR

RANK 88

MAHENDRA CHOUDHARY

RANK 99

GHAMANDA RAM

RANK 100

VANDANA PATEL

+690...